सूर्योदय : 6:25
सूर्यास्त : 5:15
अधिकतम तापमान : 30.0
न्यूनतम : 16.0

RNI NO : UPHIN/2010/31173

डाक पंजीकरण संख्याः
SSP/LW/NP-422/2014-2016

वर्ष-18 अंक-143 पेज-16
मूल्य : 3 रुपया

लखनऊ, गुरुवार, 14 नवम्बर 2024
11 जमादियुल-अव्वल 1446 हिजरी

हिन्दी दैनिक
अवधनामा
www.avadhnama.com

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर न्याय के खिलाफ सुनाया सख्त फैसला

अपराध की सज़ा घर तोड़ना नहीं

- अफसर जज नहीं बन सकते
- प्रॉपर्टी तोड़ने से पहले दे 15 दिन का नोटिस
- अफसर दोषी तो निर्माण कराएगा
- एफआईआर पर घर नहीं गिरा सकते
- आदेश डिजिटल पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाएगा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर एक्शन पर रोक लगाते हुए ये भी बता दिया कि उसका फैसला किन जगहों पर लागू नहीं होगा। सर्वोच्च अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाते हुए कहा कि उसका निर्देश उन जगहों पर लागू नहीं होगा, जहां सार्वजनिक भूमि पर कोई अनधिकृत निर्माण है। साथ ही वहां भी जहां न्यायालय द्वारा ध्वस्तीकरण का आदेश है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, मनमानी तरीके से बुलडोजर चलाने वाली सरकारें कानून को हाथ में लेने की दोषी हैं। घर बनाना संवैधानिक अधिकार है। राइट टू शेल्टर मौलिक अधिकार है। अदालत ने आगे कहा कि मकान सिर्फ एक संपत्ति नहीं है, बल्कि पूरे परिवार के लिए आश्रय है और इसे ध्वस्त करने से पहले राज्य को यह विचार करना चाहिए कि क्या पूरे परिवार को आश्रय से वंचित करने के लिए यह अतिवादी कदम आवश्यक है। जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस विश्वनाथन की पीठ ने कहा कि लोगों के घर सिर्फ इसलिए ध्वस्त कर दिए जाएं कि वे आरोपी या दोषी हैं, तो यह पूरी तरह असंवैधानिक होगा। न्यायमूर्ति गवई ने फैसला सुनाते हुए कहा कि महिलाएं और बच्चे रातभर सकड़ों पर रहें, यह अच्छी बात नहीं है। पीठ ने निर्देश दिया कि कारण बताओ नोटिस दिए बिना कोई तोड़फोड़ नहीं की जाए और नोटिस जारी किए जाने के 15 दिनों के भीतर भी कोई तोड़फोड़ नहीं की जाए। पीठ ने निर्देश दिया कि ढहाने की कार्यवाही की वीडियोग्राफी कराई जाए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का यूपी सरकार ने किया स्वागत

बुलडोजर एक्शन पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने कहा कि इससे संगठित अपराध पर शिकंजा कसने और अपराधियों में कानूनी नतीजों का डर पैदा करने में मदद मिलेगी। वहीं, विपक्ष ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट से राज्य में बुलडोजर आतंक और जंगल राज खत्म हो जाएगा।

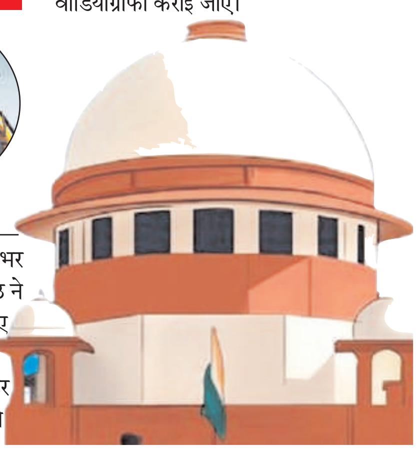

झारखंड विधानसभा की 43 सीटों पर 65.71 प्रतिशत मतदान

- चंपई सोरेन समेत 683 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में बंद

रांची। झारखंड विधानसभा चुनाव के पहले चरण में बुधवार को जहां 43 सीटों पर शांतपूर्ण माहौल में औसतन 65.71 प्रतिशत मतदान हुआ। इसके साथ ही आज राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गुजरात, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश और मेघालय- में इन दस राज्यों की 31 रिक्त विधान सभा सीटों और केरल में वायनाड लोक सभा सीट के उप चुनाव भी संपन्न हो गये। चुनाव आयोग ने मुताबिक 81 सदस्यीय झारखंड विधानसभा के प्रथम चरण में 43 विधानसभा क्षेत्रों और अन्य राज्यों में उप चुनावों के लिए सुबह 7 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतदान शुरू हुआ और शाम छह बजे मतदान समाप्त हो गया। पहले चरण में राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री चंपई सोरेन और पूर्व सांसद गीता कोड़ा समेत कुल 683 उम्मीदवारों की चुनावी किस्मत ईवीएम में कैद हो गई। आयोग की एक रिपोर्ट के अनुसार झारखंड में पहले चरण में 65.71 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। इसके साथ-साथ राजस्थान की सात, पश्चिम बंगाल की छह, असम की पांच, बिहार की चार, कर्नाटक की तीन, मध्य प्रदेश की दो और मेघालय, केरल, गुजरात और छत्तीसगढ़ की एक-एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान कराये गये। राजस्थान के सलुमबर विधान सभा क्षेत्र में 64.19, झुनझुनू में 61.80, देवली में 61.61, चोरासी में 68.55, रामगढ में 71.45, खिंवसार में 71.04 और दौसा में 55.63 प्रतिशत मतदान हुआ। पश्चिम बंगाल के मदारीहाट विधान सभा क्षेत्र में 64.14, मेदिनीपुर में 71.85, नईहाती में 62.10, तालडांगरा में 75.20, सिताई में 66.35 और हारो में 73.95 प्रतिशत मतदान हुआ।

10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे गौतम अडानी

मुंबई। भारतीय बिजनेसमैन और अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी और अमेरिकी ऊर्जा सुरक्षा और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता का ऐलान किया है। एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अडानी ने इसकी जानकारी दी। मशहूर उद्योगपति ने अपने पोस्ट में लिखा कि डोनाल्ड ट्रम्प को बधाई। जैसे-जैसे भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच साझेदारी गहरी हो रही है, अडानी समूह अपनी वैश्विक विशेषज्ञता का लाभ उठाने और अमेरिकी ऊर्जा सुरक्षा और लचीली बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में 10 अरब डॉलर का निवेश करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिसका लक्ष्य है 15,000 नौकरियाँ सृजित करने का है। इससे पहले अडानी ग्रुप ने देश के मेटल इंडस्ट्री में भारी निवेश करने का ऐलान किया था। मेटल इंडस्ट्री में अडानी ग्रुप 5 बिलियन डॉलर (करीब 42 हजार करोड़ रुपये) का निवेश कर रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बिहार को दी 12,100 करोड़ की विकास परियोजनाओं की सौगात

मैंने एक गारंटी पूरी कर दी: मोदी

- एनडीए सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध
- सरकार स्वास्थ्य को लेकर होलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही : प्रधानमंत्री

दरभंगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को बिहार के दरभंगा में लगभग 12,100 करोड़ रुपये की लागत के विभिन्न विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इनमें दरभंगा एम्स सहित स्वास्थ्य, सड़क, रेल एवं ऊर्जा क्षेत्र की 25 परियोजनाएं शामिल हैं।

प्रधानमंत्री ने दरभंगा में आयोजित जनसभा में कहा कि हमारी सरकार हमेशा देश के लोगों के विकास के लिए खड़ी है। मैंने अपनी एक गारंटी पूरी कर दी है। सत्तर साल से ऊपर के जितने भी बुजुर्ग हों, उनके मुफ्त इलाज की सुविधा शुरू हो गई है। जल्द ही सभी वृद्धों के पास आयुष्मान वंदन कार्ड होगा। छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधा पहुंचाने के लक्ष्य की ओर हम काम कर रहे हैं। बिहार में खूब विकास हो रहा है। एनडीए सरकार लोगों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। पड़ोसी राज्य झारखंड में आज विधानसभा चुनाव के लिए पहले चरण के मतदान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि झारखंड के लोग 'विकसित झारखंड' के सपने को पूरा करने के लिए वोट डाल रहे हैं। उन्होंने झारखंड के सभी मतदाताओं से आग्रह किया कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान में हिस्सा लें। कहा कि हमारी सरकार, देश में स्वास्थ्य को लेकर होलिस्टिक अप्रोच के साथ काम कर रही है। पहला फोकस, बीमारी से बचाव पर है। दूसरा फोकस, बीमारी की सही तरीके से जांच पर है। तीसरा फोकस है लोगों को मुफ्त और सस्ता इलाज मिले, उन्हें सस्ती दवाएं मिलें। चौथा फोकस है छोटे शहरों में भी इलाज की बेहतरीन सुविधाएं पहुंचाना, देश में डॉक्टरों की कमी को दूर करना। पांचवां फोकस है स्वास्थ्य सेवाओं में टेक्नॉलजी का विस्तार करना। उन्होंने कहा कि दरभंगा एम्स के निर्माण से बिहार के स्वास्थ्य क्षेत्र में बहुत बड़ा परिवर्तन आएगा।

वायनाड में राहुल गांधी ने जिपलाइन का उठाया लुत्फ

- राहुल ने दिखाई 300 मीटर की ऊंचाई से वायनाड की खूबसूरती

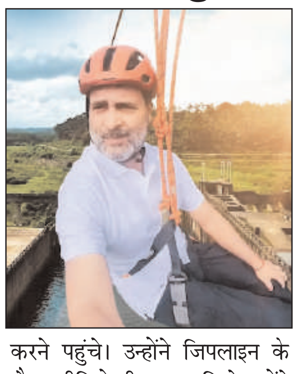

वायनाड। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को वायनाड में लोकसभा उपचुनाव के मतदान से पहले जिपलाइन का लुत्फ उठाया। इस दौरान उन्होंने वायनाड के पर्यटन और प्राकृतिक आकर्षण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। 300 मीटर की ऊंचाई से वायनाड की खूबसूरती दिखाई। उन्होंने कहा कि आईए दुनिया को दिखाएं भारत क्या दे सकता है? वायनाड में हो रहे लोकसभा उपचुनाव में राहुल गांधी की बहन प्रियंका गांधी कांग्रेस से उम्मीदवार हैं। आई लव वायनाड लिखी टीशर्ट पहने राहुल गांधी अपनी बहन प्रियंका गांधी के साथ जिपलाइन करने पहुंचे। उन्होंने जिपलाइन के दौरान वीडियो भी बनाया। जिसे उन्होंने यूट्यूब पर साझा किया। उन्होंने वीडियो साझा करते हुए लिखा कि वायनाड में प्रियंका गांधी के प्रचार अभियान के दौरान मुझे कई प्रेरणादाई स्थानीय लोगों से मिलने का मौका मिला। वायनाड में हाल ही में भूस्खलन जैसी बड़ी आपदा से हुई तबाही के बाद यहां के लोग चुनौतियों से हार नहीं मान रहे हैं।

कांग्रेस की चार पीढ़ियां भी नहीं समाप्त कर सकती धारा 370 : सीएम योगी

- महाअघाड़ी के पास ऐसी गाड़ी है, जिसमें स्टेयरिंग नहीं है : मुख्यमंत्री

मुंबई। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को भी महाराष्ट्र दौरे पर रहे। उन्होंने एक भारत-श्रेष्ठ भारत बनाने वाली भाजपा के लिए मतदाताओं से समर्थन मांगते हुए महायुति व महाअघाड़ी गठबंधन के फर्क को समझाया। बोले कि पीएम मोदी के नेतृत्व में महायुति गठबंधन (भाजपा, शिवसेना-शिंदे गुट, एनसीपी- अजीत पवार गुट) मिलकर महाराष्ट्र के विकास के लिए कार्य कर रहा है, जबकि महाअघाड़ी के पास ऐसी गाड़ी है, जिसमें स्टेयरिंग नहीं है। उस गाड़ी के टायर भी गायब हो गए हैं। ड्राइविंग सीट पर बैठने के लिए आपस में छीनाझपटी हो रही है। कांग्रेस के नेतृत्व में समाज व राष्ट्रद्रोही तत्वों को गले का हार बनाने वाले महाअनाड़ी गठबंधन के पास न नीति है और न ही देश को आगे बढ़ाने की नीयत। इनके पास नैतिक बल भी नहीं है। अनैतिक अनाड़ी गठबंधन के रूप में महाअघाड़ी चुनावी समर में है। यह लोग मुस्लिम तुष्टिकरण की राह पर चलकर देश की क्षति करना चाहते हैं। सीएम योगी ने बुधवार को कारंजा विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी श्रीमती सईप्रकाश डहाके, वाशिम विधानसभा से प्रत्याशी श्याम रामचरण खोड़े, उल्हासनगर विधानसभा से भारतीय जनता पार्टी ने कुमार उत्तम चंद आयलानी, मीरा भाईंदर से उम्मीदवार नरेंद्र लालचंद जी मेहता, ओवला माजीवाड़ा से शिवसेना शिंदे गुट के प्रताप सरनाइक के लिए जनसभा की।

दिल्ली की हवा हुई जहरीली

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में इस सीजन में पहली बार स्मॉग की मोटी चादर छाई रही। सफदरजंग और पालम एयरपोर्ट समेत दिल्ली के ज्यादातर इलाकों की बुधवार तड़के दृश्यता शून्य दर्ज की गई। वहीं, प्रदूषण का स्तर भी गंभीर श्रेणी में पहुंच गया। इससे जमीन से आसमान तक की आवाजाही बेपटरी हुई। करीब 10 फ्लाइट दूसरे एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया। जबकि बड़ी संख्या में हवाई सेवाओं को शिड्यूल भी बिगड़ा। दूसरी तरफ 50 से ज्यादा ट्रेनें देरी से चली। साथ में सड़कों पर वाहन रेंगते हुए आगे बढ़े। उधर, वायु गुणवत्ता सूचकांक 400 से ऊपर जाने से आम लोगों को दमघोंटू हवाओं में सांस लेना पड़ा। पहाड़ों पर बर्फबारी और बारिश से राजधानी में ठंड ने भी दस्तक दी। मौसम विभाग ने गुरुवार के लिए कोहरे को देखते हुए चेतावनी जारी की है। विभाग ने लोगों से अपील की है कि वाहन चलाते समय सावधान रहें। वाहन चलाते समय फॉग लाइट का उपयोग करें।

सुप्रीम कोर्ट की अजित पवार गुट को नसीहत

अपने पैरों पर खड़े हों, शरद पवार की फोटो न करें इस्तेमाल

मुंबई। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बीच सुप्रीम कोर्ट ने एनसीपी अजित पवार गुट को नसीहत दी है। एनसीपी शरद की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एनसीपी अजित पवार अपने पैरों पर खड़ी हो। चुनाव में शरद पवार की फोटो का इस्तेमाल न करें। क्योंकि दोनों पार्टियों के बीच वैचारिक मतभेद हैं। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने कहा कि शरद पवार और उनके भतीजे अजित पवार सुप्रीम कोर्ट के चक्कर लगाने की जगह चुनाव पर ध्यान दें। अजित पवार के वकील बलवीर सिंह से कहा कि अपने कार्यकर्ताओं से कहें कि चुनाव में शरद पवार की फोटो, पुरानी या नई वीडियो क्लिप का उपयोग न करें। अपने कार्यकर्ताओं, नेताओं और चुनाव से जुड़े प्रतिनिधियों के बीच ऑनलाइन सूचना जारी करके ऐसे निर्देश दें। मामले पर सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि हालांकि भारत के लोग बुद्धिमान हैं जो अजित पवार और शरद पवार के बीच अंतर समझते हैं। लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के इस युग में वह धोखा भी खा सकते हैं।

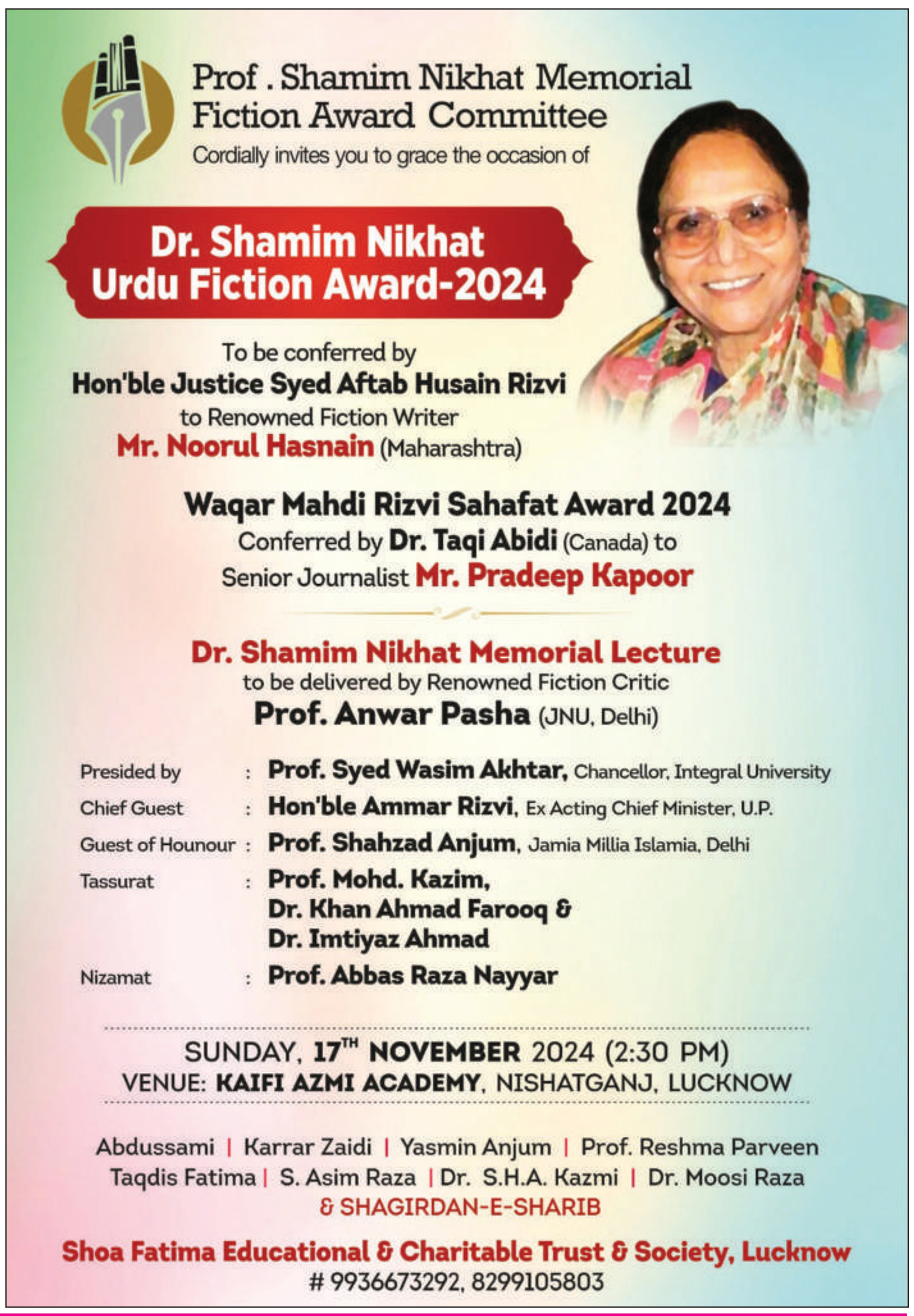

तैनाती — सीआईएसएफ की महिला कमांडो करेंगी वीआईपी की सुरक्षा

सीआईएसएफ महिला बटालियन को केंद्र से मंजूरी

- गृहमंत्री का ऐलान
- मेट्रो और एयरपोर्ट के लिए भी केंद्र ने बनाया प्लान
- राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में बढ़ रही महिलाओं की भागीदारी
- वीआईपी की सुरक्षा से एनएसजी हटेगी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को कहा कि सीआईएसएफ की जल्द ही गठित होने वाली महिला बटालियन हवाई अड्डों और मेट्रो रेल जैसी देश की महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभालेगी और कमांडो के रूप में वीआईपी को सुरक्षा प्रदान करेगी। केंद्र सरकार ने अति विशिष्ट व्यक्तियों, हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों पर बल की बढ़ती तैनाती को ध्यान में रखते हुए सीआईएसएफ में 1000 से अधिक कर्मियों वाली पहली पूर्ण महिला बटालियन को सोमवार को मंजूरी दी थी। शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्र निर्माण के हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के पीएम मोदी के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक मजबूत कदम उठाते हुए मोदी सरकार ने सीआईएसएफ की पहली पूर्ण महिला बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है। गृह मंत्री ने कहा कि यह निर्णय निश्चित रूप से देश की रक्षा के महत्वपूर्ण कार्य में अधिक महिलाओं की भागीदारी की आकांक्षाओं को पूरा करेगा। सीआईएसएफ में सात प्रतिशत से अधिक महिला कर्मी हैं। महिला बल की कर्मियों की वर्तमान संख्या लगभग 1.80 लाख है। बता दें कि इससे पहले 16 अक्टूबर को केंद्र सरकार ने देश में आतंकी हमलों की धमकियों के चलते वीआईपी सुरक्षा से आतंकवाद रोधी कमांडो बल एनएसजी को पूरी तरह से हटाने का आदेश जारी किया था। साथ ही अत्यधिक खतरे वाले नौ वीआईपी की सुरक्षा की कमान नवंबर महीने से केंद्रीय सुरक्षा बल (सीआरपीएफ) को देने का निर्णय किया। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने हाल में संसद की सुरक्षा जिम्मेदारी से हटाई गई विशेष रूप से प्रशिक्षित जवानों की बटालियन को सीआरपीएफ की वीआईपी सुरक्षाविंग से संबद्ध करने का फैसला लिया है। सूत्रों का कहना है कि जेड प्लस श्रेणी की वीआईपी सुरक्षा वाले नौ वीआईपी की सुरक्षा अब तक राष्ट्रीय सुरक्षा गार्ड (एनएसजी) के ब्लैक कैट कमांडो कर रहे थे।

नौ वीआईपी पर सबसे ज्यादा खतरा

नौ वीआईपी में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बसपा सुप्रीमो मायावती, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी, जहाजरानी मंत्री सर्बानंद सोनोवाल, छत्तीसगढ़ के पूर्व सीएम रमन सिंह, जम्मू कश्मीर के पूर्व सीएम गुलाम नबी आजाद, नेशनल कांफ्रेंस के नेता फारुख अब्दुल्ला और आंध्र के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू शामिल हैं।

डीएम की पहल पर हुआ कार्यक्रम, डीएम ने खिलाड़ियों से संवाद कर दिया उपहार

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर खीरी। खिलाड़ियों में खेलो के प्रति अभिरुचि जगाने के उद्देश्य से खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति की अध्यक्ष/डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने अभिनव पहल कर जिले में पहली बार स्टेडियम के आठ खेलों के 317 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को ट्रैकसूट व शूज प्रदान किया। इसे पाकर खिलाड़ियों के चेहरे खिल उठे।बुधवार को उप्र खेल विकास एवं प्रोत्साहन समिति खीरी के तत्वावधान में राजकीय स्पोर्ट्स स्टेडियम लालपुर में आयोजित कार्यक्रम में डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने एथलेटिक्स खेल के 89 खिलाड़ियों, फुटबाल के 52, हॉकी के 41, हैण्डबाल के 54, बैडमिंटन के 47, क्रिकेट के 17, टेबल टेनिस के 06, कबड्डी के 11 कुल 08 खेलों में 317 खिलाड़ियों को ट्रैकसूट व शूज प्रदान कर उनके भविष्य को उज्जवल बनाने के लिये शुभकामनाएँ भी दी।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीएम दुर्गा शक्ति नागपाल ने कहा कि खेल के मैदान में खिलाड़ियों का मानसिक रूप से मजबूत होना बेहद आवश्यक है, क्योंकि तभी वो लक्ष्य को हासिल कर पाएंगे। चिंता में न तो खिलाड़ी अपने खेल पर ध्यान केंद्रित कर पाएगा और न ही लक्ष्य प्राप्ति तक पहुंच सकेगा, इसलिए मैदान में उतरने से पहले खिलाड़ी मानसिक रूप से सुदृढ़ हो तभी वो बेहतरीन प्रदर्शन कर सकता है। कार्यक्रम की शुरुआत में डीएम का स्वागत उपक्रीडाधिकारी मो0 इरफान, जिला कमाण्डेंड होमगार्ड्स दिनेश कुमार पाण्डेय ने बुके देकर स्वागत किया।

पिंजरे में कैद हुआ बाघ

लखीमपुर खीरी। मझगईं वन रेंज में जंगल से बाहर निकला बाघ चौखड़ा फार्म में लगाए गए पिंजरे में कैद हो गया। ग्रामीणों ने बुधवार सुबह पिंजरे में बाघ को देखा तो वन विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची विभाग की टीम पिंजरे में बंद बाघ को दुधवा के जंगल में ले गई, जहां उसे छोड़ दिया गया। ग्रामीणों का कहना था कि यह वही बाघ है, जिसने 15 दिन पहले गांव राजागंज निवासी बाबूराम को मार डाला था।बीते 28 अक्तूबर को मझगईं के गांव राजागंज निवासी बाबूराम गौतम चौखड़ा फार्म में एक किसान के यहां मजदूरी करने गया था। वह घर के बाहर साफ सफाई कर रहा था। उसी वक्त गन्ने के खेत से निकले बाघ ने उस पर हमला कर दिया और उसे आधा किलोमीटर दूर तक खींच ले गया था। खेत में बाबूराम का अधखाया शव मिला था। इस घटना के बाद से इलाके में बाघ की चहलकदमी बनी हुई थी, जिससे लोगों में दहशत थी।

अभियुक्त को किया गया गिरफ्तार

लखीमपुर-खीरी। थाना फूलबेहड़ पुलिस द्वारा अभियुक्त जगदीश पुत्र गिरवर उम्र 46 वर्ष निवासी ग्राम पुरानी बस्ती बेलिहान थाना फूलबेहड़ जनपद खीरी सम्बन्धित मु0नं0 4388/23 अ0सं0 181-19 धारा 60 आबकारी अधिनियम को गिरफ्तार कर नियमानुसार कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा मे भेजा जा रहा है।

66 साल बाद देखा गया दुर्लभ प्रजाति का सीबोल्ड सांप

लखीमपुर खीरी। के दुधवा नेशनल पार्क में 66 साल बाद फिर से दुर्लभ प्रजाति का सीबोल्ड सांप देखा गया है। इससे पहले दुधवा में ही 1957 में इस प्रजाति का सांप देखा गया था। सीबोल्ड सांप की एक विशिष्ट प्रजाति है और भारतीय उपमहाद्वीप में पाई जाती है। यह प्रजाति छोटी मछलियों, मेंढकों को अपना आहार बनाती है। दुधवा के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. रंगाराजू टी. ने बताया कि इस प्रजाति को सबसे पहले 1837 में जर्मन हर्पेटोलाजिस्ट हर्मन श्लेगेल द्वारा भारत में खोजा गया था और जर्मन वनस्पति वैज्ञानिक फिलिप फ्रांज बाल्थासार वॉन सीबोल्ड के नाम पर इस प्रजाति का नामकरण किया गया था।

राज्य महिला आयोग सदस्य सुजीता कुमारी ने सुनी जनसुनवाई, दिए निस्तारण के निर्देश

अवधनामा संवाददाता

लखीमपुर -खीरी। सोमवार को कलेक्ट्रेट मे उप्र राज्य महिला आयोग की सदस्य सुजीता कुमारी ने जनसुवाई मे महिलाओ के उत्पीड़न की शिकायतें सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को कार्यवाही हेतु निर्देशित किया। उन्होंने जिला कारागार में महिला बंदी गृह,शहर के आंगनबाड़ी केन्द्र व महिला थाने का निरीक्षण भी किया।बताते चलें कि राज्य महिला आयोग उप्र लखनऊ की मा. सदस्य के दो दिवसीय पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रथम दिवस बुधवार को जन सुनवाई कलेक्ट्रेट सभागार मे आयोजित करके महिला उत्पीड़न के मामलों की सुनवाई व महिला अपराधों की समीक्षा की गयी। सुनवाई में 23 शिकायतकर्तीओं ने प्रार्थना पत्र देकर अपनी समस्याए बताई। जिसमें 21 मामलें घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न आपसी मनमुटाव व साझी गृहस्थी मे निवास के विवाद के , 01 मामला पेंशन से संबंधित , 01 मामला भूमि बंटवारे से संबंधित था। मामलों की सुनवाई करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिशा निर्देश दिये कि प्रकरणों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण जल्द से जल्द करके कार्यवाही की जाए। जनसुनवाई के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (महिला) डा0 ज्योति मल्होत्रा , जिला पिछड़ा वर्ग अधिकारी/ दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी अभय सागर, सीओ सदर रमेश कुमार तिवारी , नायब तहसीलदार सुनील कुमार , थानाध्यक्ष खीरी हेमंत राय , प्रभारी निरीक्षक सदर अंबर सिंह, थानाध्यक्ष थाना महिला शिल्पी शुक्ला , सीडीपीओ पूजा त्रिपाठी , जिला प्रोबेशन कार्यालय के सुन्दर लाल, जिला बाल संरक्षण इकाई से संरक्षण अधिकारी गंगा सागर, कय्यूम ज़रवानी, वरुण शुक्ला व अन्य कर्मचारी गण व वन स्टॉप सेंटर की सेंटर प्रभारी रश्मि चतुर्वेदी व काउन्शलर विजेता गुप्ता एवं अन्य विभाग के कर्मचारी अधिकारी उपस्थित रहे हैं। इसके बाद जिला कारागार में बंदी गृह, शहर के आंगनबाड़ी केंद्र एवं महिला थाने का निरीक्षण करके व्यवस्था देखी और अधिकारियो को दिशानिर्देश दिए।

आगरा में जलभराव से परेशान दुकानदारों ने टोल प्लाजा घेरा, एसडीएम के आश्वासन से हुए शांत

अवधनामा संवाददाता
(आकाश वर्मा ब्यूरो चीफ)

आगरा। आगरा से अलीगढ़ जाने वाले राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल भराव को लेकर खंदौली बाजार के व्यापारी काफी समय से परेशान हैं। कुछ महीने पहले तो बाजार में दो-दो फीट पानी भरा हुआ रहता था क्षेत्रीय विधायक डॉक्टर धर्मपाल सिंह के प्रयास के बाद रोड किनारे नाला निर्माण कार्य कराया गया। लेकिन एक्सप्रेस वे अथॉरिटी के द्वारा एक्सप्रेसवे से नीचे नल का निर्माण नहीं होने दिया और रोक दिया जिससे अधूरा कार्य पड़ा हुआ है। इसी कारण जल भरा रहता है हाईवे किनारे दोनों तरफ पानी से दुकानदार परेशान है। हर रोज दुर्घटनाएं होती रहती हैं इसी को लेकर बुधवार सुबह से ही व्यापारियों ने ऐलान कर दिया कि बाजार बंद कर विरोध किया जाएगा। सैकड़ो की संख्या में टोल प्लाजा पर घेराव करने के लिए व्यापारी दुकानदार पहुंच गए और मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। जानकारी मिलते ही अधिकारी मौके पर पहुंचे हैं। व्यापारियों का कहना था कि कई वर्षों से जल भराव के कारण दुकानदार परेशान हैं जनता परेशान है कई लोगों की जान जा चुकी है लेकिन अधूरा कार्य पूरा नहीं किया जा रहा है।

अब आगरा में पशुओं की नकली दो दवा फैक्ट्री का भंडाफोड़, संचालक समेत आठ लोग हिरासत में

अवधनामा संवाददाता
(आकाश वर्मा ब्यूरो चीफ)

आगरा। जनपद में नकली चीजों का व्यापर किसी से छिपा नहीं है। फिर चाहे खाने पीने का सामान हो, क्रीम पाउडर हो या दवाई। एक बार फिर आगरा के शास्त्रीपुरम में नकली दवाओं की दो और फैक्ट्री का भंडाफोड़ हुआ है। संचालक सहित 8 गिरफ्तार हुए। दोनों फैक्ट्री से करोड़ों की नकली दवाएं बरामद की गई है। जानकारी अनुसार, आगरा के थाना सिकंदरा क्षेत्र के शास्त्रीपुरम में दो और फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया गया है। इन दोनों फैक्ट्रियों में ही पशुओं को दी जाने वाली नकली दवाएं बनाई जा रही थी। पुलिस ने यहां से करोड़ों रुपये की नकली दवाओं को बरामद किया है और 8 लोगों को अरेस्ट किया है। इनमें संचालक भी शामिल है। इन दवाओं को अन्य राज्यों में भी भेजा जाता था। शास्त्रीपुरम में यह ड्रग विभाग की दूसरी बड़ी कार्रवाई है। इससे पहले 20 दिन पहले ही ड्रग एंटी नारकोटिक्स टीम ने नकली दवाएं बनाने वाली एक फैक्ट्री पकड़ी थी जिसमें टीम ने सरगना विजय गोयल सहित 10 को अरेस्ट किया था। आज फिर टीम ने क्षेत्र में दो ऐसी फैक्ट्रियों को पकड़ा है जहां पशुओं को दी जाने वाली नकली दवाएं भारी मात्रा में बनाई जा रही थीं। यह फैक्ट्री जीजा और साले मिलकर चला रहे थे। पुलिस ने बल्केश्वर के रहने वाले अश्वनी कुमार गुप्ता और उसके साले बिचपुरी के नरसी विलेज में रहने वाले सौरभ दुबे को अरेस्ट किया है। छापे में पैकिंग मशीन, कच्चा माल और बाहर भेजने के लिए पैक दवाएं बरामद की हैं। खाद्य सुरखा एवं औषधि प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जिन दवाओं को यहां से बरामद किया गया है उनमें पशुओं को दी जाने वाले इन्फेक्शन, दर्द, मल्टी विटामिन और एंटी एलर्जिक दवाइयां हैं। इन दवाइयों को राजस्थान और गकुजरात भी भेजा जाता था।

डीएम ने किया उच्च प्राथमिक विद्यालय तासीपुर का औचक निरीक्षण

सहारनपुर। जिलाधिकारी मनीष बंसल ने उच्च प्राथमिक विद्यालय तासीपुर का औचक निरीक्षण किया और बच्चों से संवाद करते हुए मेहनत और लगन से पढाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। डीएम ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के भी निर्देश दिये।

जिलाधिकारी मनीष बंसल ने आज उच्च प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण के दौरान शिक्षा का हाल जानते हुऐ बच्चों से संवाद किया। बच्चों से संवाद करते हुए मेहनत और लगन से पढाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। इस अवसर पर उन्होंने मिड डे मील की गुणवत्ता को परखा, जो ठीक पाई गई। विद्यालय के स्टाफ का उपस्थिति रजिस्टर चेक किया, जिसमें 03 शिक्षकों में से 01 छुट्टी पर थे। जिलाधिकारी ने शिक्षक की भूमिका निभाते हुए बच्चों से इतिहास सहित अन्य विषयों के प्रश्न पूछे एवं उनके उत्सुकता भरे प्रश्नों का उत्तर भी दिया। मनीष बंसल ने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षण जैसे महत्वपूर्ण कार्य में अपने दायित्वों का भली प्रकार से निर्वहन करें। सभी शिक्षकों को निर्देशित किया कि बच्चों को पढाने के साथ एक्टिविटी भी कराई जाए। इस अवसर पर उप जिलाधिकारी देवबन्द दीपक कुमार, तहसीलदार देवबन्द पुष्पांकर, नायब तहसीलदार मोनिका चौहान सहित सम्बन्धित अधिकारीगण एवं विद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

काउन्सिल की आब्रीटेश्न बैठक में 25 संदर्भो में किये गये सुलह के प्रयास

सहारनपुर। मण्डलायुक्त डॉ.हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में आयोजित काउन्सिल की आब्रीटेश्न बैठक में 30 सन्दर्भो की सुनवाई की गयी, जिनमें से सूक्ष्म एवं लघु उद्यमकर्ताओं के कुल 08 सन्दर्भो में बकाया मूलधन 19.86 लाख रूपये पर चक्रवृद्धि ब्याज सहित भुगतान के एवार्ड निर्गत किये जाने का निर्णय लिया गया। इससे पूर्व सूक्ष्म, एवं लघु उद्यमों के भुगतान सम्बन्धी व्यवसायिक विवादो के निस्तारण हेतु राज्य सरकार द्वारा गठित मण्डलीय सूक्ष्म एवं लघु उद्यम फैसिलीटेशन काउन्सिल सहारनपुर की सुलह बैठक में 25 सन्दर्भो में सुलह के प्रयास किये गये। काउन्सिल द्वारा 03 सन्दर्भो में 5.92 लाख रूपये का भुगतान कराया गया। बैठक में सचिव व संयुक्त आयुक्त उद्योग श्रीमती अन्जू रानी, सदस्य व प्रतिनिधि लघु उद्योग भारती अनुपम गुप्ता, सदस्य व प्रतिनिधि आईआईए प्रमोद मिगलानी एवं अग्रणी जिला प्रबन्धक, प्रवीण जमुआर द्वारा प्रतिभाग किया गया।

हॉकी व कुश्ती प्रतियोगिता के लिए मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल का आयोजन

सहारनपुर। लखनऊ व मुरादाबाद में आयोजित होने वाली हॉकी व कुश्ती प्रतियोगिता के लिए मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल में खिलाड़ियों ने जमकर पसीना बहाया। सभी चयनित खिलाड़ी लखनऊ व मुरादाबाद में होने वाली खेल प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकेंगे। गौरतलब है कि खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश खेल भवन लखनऊ के तत्वावधान में प्रदेश स्तरीय सीनियर महिला हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन 18 से 20 नवम्बर तक लखनऊ में एवं प्रदेश स्तरीय सब जूनियर कुश्ती बालिका प्रतियोगिता का आयोजन 22 से 24 नवम्बर 2024 तक सोनकपुर मुरादाबाद में किया जायेगा। जिसमें प्रतिभाग हेतु क्षेत्रीय खेल कार्यालय द्वारा आज मण्डल स्तरीय चयन ट्रायल अनिमेष सक्सेना क्रीडाधिकारी सहारनपुर की देख रेख में किया गया। हॉकी के मंडल स्तरीय चयन ट्रायल मे अलीना, आरूषी, परी अनुष्का, नबिया, रिया, समृद्धि, साक्षी, परी (सहारनपुर), दीपा उपाध्याय, स्वाति, निकिता, कंचन, वर्षा, निहारिका, कनिका (मुजफ्फनगर) का चयन किया गया, जबकि आरक्षित खिलाडियों मे आफ्रिया, काकुल का चयन किया गया। कुश्ती के मंडल स्तरीय चयन ट्रायल मे परचित, दिव्या पुण्डीर, आरजू का चयन किया गया।

पुलिस ने डबल मर्डर का किया खुलासा, मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना नागल पुलिस और स्वॉट टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए मुठभेड़ में हाईवे पर ट्रक चालक व परिचालक हत्याकांड का खुलासा करते हुए दो बदमाशों को घायल अवस्था में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बदमाशों के कब्जे से अवैध शस्त्र व घटना में प्रयुक्त एक कार बरामद की है। बदमाशों ने डबल मर्डर की घटना को अंजाम अपने भाई की हत्या करने के कारण दिया था। पुलिस ने दोनों घायल बदमाशों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। एसपी देहात सागर जैन ने दोहरे हत्याकांड की जानकारी देते हुए बताया कि विगत् 9 नवम्बर को थाना नागल क्षेत्र के बाईपास हाइवे पर एक डबल मर्डर की घटना कारित हुयी थी, जिसमें वादी की तहरीर पर चार लोगो के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज किया गया था। जिसके बाद थाना नागल पर छह टीमों का गठन कर घटना का अनावरण करने के निर्देश जारी किए गए थे। एसपी सिटी सागर जैन ने बताया कि आज सुबह थाना नागल प्रभारी मय पुलिस टीम के साथ सिडकी से लाखनौर जाने वाले रास्ते पर चैकिंग कर रहे थे। तभी एक स्विफ्ट कार लाखनौर की ओर से आती दिखाई दी। पुलिस टीम ने रूकने का ईशारा किया, तो कार चालक आनन-फानन में गांव कोटा की ओर जाने वाले रास्ते से भागने का प्रयास करने लगे। लेकिन कार कुछ दूरी पर जाकर बाग के पास बन्द हो गयी, तभी कार से 02 सदिग्ध व्यक्ति उतरकर बाग में भागने लगे, पुलिस टीम ने पकड़ने का प्रयास किया, तो बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस टीम ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, तो दो बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गये। घायल बदमाशों की पहचान शादाब उर्फ सोनू पुत्र इकबाल निवासी सिकन्दपुर भैंसवाल थाना भगवानपुर जिला हरिद्वार व आमिर पुत्र जाकिर निवासी मौहल्ला तहसील कस्बा व थाना सरधना जिला मेरठ के रुप में हुई। श्री जैन ने बताया कि पकड़ा गया आरोपी शादाब हाईवे डबल मर्डर के अभियोग में 25,000 रुपये का ईनामी वांछित बदमाश है। पूछताछ में आरोपी शादाब ने बताया कि हाईवे पर दोहरे हत्याकांड की घटना में आमिर भी उसके साथ था। बदमाशों के कब्जे से अवैध असलाह, कारतूस व घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार बरामद हुई है। पुलिस ने दबोचे गये बदमाशों से पूछताछ की, तो उन्होंने बताया कि उसके भाई मारूफ का शव 22 सितम्बर 2023 को गाँव के तालाब से बरामद हुआ था। घटना वाले दिन शाम तक उसका भाई मारूफ, हुसनैन व शोयब तीनो एक साथ थे। पोस्टमार्टम रिपोर्ट मे उसके भाई की डूबने से मृत्यु होना आया था।

फर्जी तरीके से फाइनेंस पर वाहन लेने वाले दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

अवधनामा संवाददाता

सहारनपुर। थाना कोतवाली देवबन्द पुलिस ने अनजान व्यक्तियों से बैंक खाता खुलवाने व लोन दिलाने के नाम पर आईडी लेकर फर्जी तरीके से फाईनेन्स पर वाहन लेने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से फाईनेन्स पर ली गयी तीन बाईके व तीन स्कूटी बरामद की है। पुलिस ने दोंनो आरोपियों का चालान काटकर जेल भेज दिया है। थाना देवबंद प्रभारी सुनील नागर ने जानकारी देते हुए बताया कि 12 नवम्बर को वादिया शबनम पुत्री बाबू खां निवासी गाँधी कालोनी थाना देवबन्द की तहरीर पर आर्यन पुत्र हरिओम निवासी रामपुर मनिहारान, मोईन पुत्र शाहजमा निवासी फौलादपुरा थाना देवबन्द, इसरार उर्फ गुड्डू पुत्र इरशाद निवासी मीना बाजार कस्बा व थाना देवबन्द व शिवम पुत्र व पता नामालूम द्वारा वादिया के साथ धोखाधडी व जालसाजी कर सरकारी नौकरी दिलवाने के नाम पर वादिया से आधार कार्ड व पैन कार्ड लेकर आईडी का दुरुपयोग व कूटरचित दस्तावेज तैयार कर उसके नाम से स्कूटी व बाईक फाइनेन्स पर निकालकर उनका दुरुपयोग करने की सूचना के आधार पर थाना देवबन्द पर विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। श्री नागर ने बताया कि आज उनके व उपनिरीक्षक विकास चारण के नेतृत्व में पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर भनेड़ा रोड से आरोपी मोईन व इसरार को गिरफ्तार कर लिया।

दो दिन रहेगा रूट डायवर्जन, यातायात पुलिस ने तैयार किया प्लान

अवधनामा संवाददाता

बरेली। कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर रामगंगा के चौबारी घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की वजह से ट्रैफिक पुलिस ने शहर में दो दिन भारी वाहनों और रोडवेज बसों का रूट डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया है। रूट डायवर्जन 14 नवंबर की सुबह 8 बजे से 15 नवंबर की रात 10 बजे तक लागू रहेगा। बदायूं से बरेली की ओर आने वाले भारी वाहन, रोडवेज बसें भमोरा, देवचरा चौराहा, दातागंज, फतेहगंज पूर्वी, फरीदपुर, बड़ा बाईपास होते हुए शहर में आएंगे। बदायूं की तरफ से लखनऊ और शाहजहांपुर एवं पीलीभीत की तरफ जाने वाले भारी वाहन और बसें देवचरा चौराहे से दातागंज, फतेहगंज पूर्वी होते हुए बड़ा बाईपास होते हुए जा सकेंगे। लखनऊ, शाहजहांपुर की तरफ से बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन और बसें फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा चौराहा, भमोरा होते हुए बदायूं जाएंगे।

पीलीभीत, नैनीताल की तरफ से बदायूं की ओर जाने वाले भारी वाहन और बसें बड़ा बाईपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा चौराहा, भमोरा होते हुए जाएंगे। दिल्ली, मुरादाबाद, रामपुर की ओर से बदायं जाने वाले भारी वाहन झुमका तिराहे से बड़ा बाईपास, फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज, देवचरा चौराहा, भमोरा होते हुये बदायूं जाएंगे। लखनऊ, शाहजहांपुर की तरफ से दिल्ली, रामपुर, मुरादाबाद को जाने वाले भारी वाहन फतेहगंज पूर्वी, बड़ा बाईपास, विलयधाम, बिलवा, झुमका तिराहा होते हुए अपने गन्तव्य को जाएंगे।

देवचरा और चौपुला, बुखारा की ओर से भारी वाहन/रोडवेज बस रामगंगा चौबारी मेले की तरफ नही आयेगा। यातायात पुलिस ने लोगों से अपील की है कि गुरुवार और शुक्रवार को बरेली से बदायूं के लिए भारी वाहन और रोडवेज चालक वैकल्पिक मार्ग को चुनें।

अपने हक की बात करता हूं तो विलेन हो जाता हूं, ऐसा क्यों बोले तौकीर रजा?

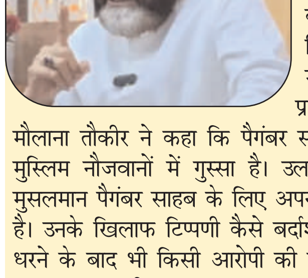

बरेली। आईएमसी प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खान ने प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाकर सफाई दी कि वह कभी हिंदू-मुसलमान की बात नहीं करते। लेकिन कभी अपने हक की बात करते हैं तो उन्हें विलेन साबित कर दिया जाता है। दिल्ली के रामलीला मैदान में 24 नवंबर को घोषित प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए मौलाना तौकीर ने कहा कि पैगंबर साहब की शान में गुस्ताखी करने से मुस्लिम नौजवानों में गुस्सा है। उलमा ने उन्हें कंट्रोल किया हुआ है। मुसलमान पैगंबर साहब के लिए अपनी जान-माल सब कुर्बान कर सकते है। उनके खिलाफ टिप्पणी कैसे बर्दाश्त कर सकते हैं। तमाम ज्ञापन और धरने के बाद भी किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इसी वजह से मुसलमान अपनी आवाज हुकूमत तक पहुंचाने के लिए अब तिरंगा लेकर शांति के साथ 24 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में इकट्ठे होंगे। उन्होंने कहा कि वह पैगंबर पर टिप्पणी करने वाले आरोपियों को संरक्षण देने वाली सरकार के खिलाफ आवाज उठा रहे है। हिंदू भाइयों को भी यह सोचना चाहिए कि उनके नौजवान बच्चों को कौन लोग सिखा रहे है कि किसी भी मस्जिद पर चढ़ जाओ और भगवा झंडा लगा दो या मस्जिदों के सामने डीजे पर अभद्र गाने बजाओ। मौलाना ने सवाल किया कि दाढ़ी वाले बुजुर्गों के साथ ट्रेनों में बदसलूकी करने वालों की पीछे कौन है, यह भी सोचना चाहिए। मौलाना ने कहा कि नफरत से कुछ हासिल नहीं होने वाला। देश की बदनामी जरूर होती है। आईएमसी के मीडिया प्रभारी मुनीर इदरीसी ने बताया कि रामलीला मैदान पर सभा की अनुमति मिल चुकी है। कार्यक्रम 24 नवंबर को सुबह 10 बजे शुरू होगा।

मुर्दे ने बैंक से निकाला 20 लाख का लोन, SSP ने मामले की जांच एसपी सिटी को सौंपी

अवधनामा संवाददाता

बरेली। इज्जतनगर के फरीदापुर गांव में सात करोड़ की जमीन का 21 साल पहले मृत संतोष टंडन की ओर से पीलीभीत के राइस मिलर के नाम एग्रीमेंट करने के मामले में मंगलवार को एक और राज खुला। संतोष टंडन की बेटी प्रियंका ने एसएसपी के समक्ष पेश होकर शिकायत की कि उनके मृत पिता के नाम से राइस मिलर और उसके साथियों ने शहामतगंज की बैंक ऑफ बड़ौदा शाखा से 20 लाख का लोन भी ले लिया है। एसएसपी ने इसकी भी जांच एसपी सिटी को सौंपी है। प्रियंका ने एसएसपी को शिकायती पत्र के साथ अपने कानपुर नगर निगम से जारी अपने पिता का मृत्यु प्रमाणपत्र देकर बताया कि उनके पिता की मौत 6 नवंबर 2003 को हो चुकी है। इसके बावजूद पीलीभीत के राइस मिलर अर्पित अग्रवाल ने छह साथियों के साथ साजिश कर 10 सितंबर 2024 को फरीदापुर गांव स्थित जमीन का एग्रीमेंट करा लिया। इसके लिए किसी फर्जी व्यक्ति को संतोष टंडन बनाकर खड़ा किया गया। दो फर्जी गवाह भी बनाए गए। इन्हीं आरोपियों ने बैंक ऑफ बड़ौदा की शहामतगंज शाखा से उनके पिता के नाम 20 लाख रुपये का लोन भी लिया है। प्रियंका ने एसएसपी को बताया कि उनके पिता ने जीवित रहते हुए अपने हिस्से की जमीन बेच दी थी। जमीन जिन लोगों ने ली थी, वे किसी कारणवश उसका दाखिलखारिज नहीं करा सके। प्रियंका की शिकायत पर एसएसपी ने एसपी सिटी मानुष पारीक को जांच सौंपी है। इस प्रकरण में अर्पित अग्रवाल की ओर से भी मॉडल टाउन निवासी एक कारोबारी के खिलाफ एडीजी कानून व्यवस्था से शिकायत की गई है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 01-09-2024 से मैने अपने पुत्र लवकुश व उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी को अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। अब लवकुश व उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी के किसी भी कृत्य व लेन देन से मेरा व मेरे परिवार का कोई वास्ता सरोकार नही है। अपने समस्त कृत्यों का लवकुश व उसकी पत्नी लक्ष्मी देवी स्वयं जिम्मेदार होंगे।

रामलोटन पुत्र नत्थू
नि0 ग्राम रायपुर परसेहरा
थाना हरगांव जिला सीतापुर।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने नौरंगीलाल में मतदान कार्मिकों के प्रशिक्षण सत्र का किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। विधानसभा उपनिर्वाचन-2024 के लिए मतदान कार्मिकों एवं पीठासीन अधिकारियों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण नौरंगीलाल इंटर कालेज में बुधवार से आरम्भ हो गया। नौरंगीलाल इंटर कालेज में बुधवार को दो पालियों में 656 मतदाता कर्मिकों को प्रशिक्षित किया गया। डीईओ विशाख जी0 ने बुधवार को संचालित प्रशिक्षण सत्र का निरीक्षण कर प्रशिक्षुओं एवं प्रशिक्षकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए आवश्यक है कि प्रशिक्षण में समझाए जा रहे बिंदुओं को अच्छे से आत्मसात करें। आप सभी जितने अच्छे से प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे, निर्वाचन उतनी ही सरलता से संपन्न होगा। जिला मजिस्ट्रेट विशाख ने कहा खैर विधानसभा में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन के लिए आवश्यक है कि मतदान कराने वाले कार्मिक पूरी तरह प्रशिक्षित एवं सम्पूर्ण मतदान प्रक्रिया से भिज्ञ हों। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को निर्देशित किया कि ईवीएम के सभी तकनीकी पहलुओं के साथ ही विभिन्न प्रपत्रों को भी अच्छे से समझ लें ताकि आप भारत निर्वाचन आयोग की गाइडलाइन के अनुरूप मतदान संपन्न करा सकें। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों को प्रथम प्रशिक्षण प्राप्त कराया जा चुका है। जिलाधिकारी ने मतदान कार्मिकों के तकनीकी पहलुओं, मॉक पोल, ईवीएम की विभिन्न प्रकार की कैटेगरी एवं स्ट्रांग रूम सील किए जाने के दौरान रखी जाने वाली ईवीएम और फार्म 17सी के महत्व के बारे में मतदान कार्मिकों से सवाल-जवाब किए। मतदान प्रतिशत संकलन एप के बारे में भी अच्छे से जानकारी प्राप्त कराएं। सभी कार्मिकों को व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य बनाएं ताकि प्रशिक्षण सामग्री एवं अन्य निर्देश उनको आसानी से प्राप्त हो सकें। प्रशिक्षण के दौरान सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट, एडीएम न्यायिक अखिलेश कुमार, पीडी डीआरडीए भाल चन्द त्रिपाठी, डीपीआरओ धनंजय जायसवाल, डीआईओएस डा सर्वदानंद, बीएसए राकेश कुमार सिंह, डा पी कुमार, मास्टर ट्रेनर शहाबुद्दीन समेत अन्य मास्टर ट्रेनर्स एवं प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

प्रदेश के पहले आयुष वि.वि. में चलेंगे यूनिक कोर्स

- गोरखपुर में योगी सरकार बना रही है राज्य का पहला आयुष विश्वविद्यालय
- इस माह के अंत तक निर्माण कार्य पूरा हो जाने की उम्मीद
- मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है आयुष विवि

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। सिटी ऑफ नॉलेज के रूप में ख्याति अर्जित कर रहे गोरखपुर में प्रदेश के पहले आयुष विश्वविद्यालय का निर्माण कार्य इस माह के अंत तक पूरा हो जाने की उम्मीद है।

महायोगी गुरु गोरखनाथ के नाम पर बने इस विश्वविद्यालय में आयुष से जुड़े सभी चिकित्सा पद्धतियों पर पारंपरिक पाठ्यक्रमों के साथ आज के दौर की आवश्यकताओं के अनुरूप यूनिक कोर्स भी चलाए जाएंगे। इसे लेकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर आयुष विभाग के अफसर देश के अन्य राज्यों में चलाए जा रहे आयुष पाठ्यक्रमों के तुलनात्मक अध्ययन में जुटे हैं ताकि यहां चलाए जाने वाले और नए कोर्स की ड्राफ्टिंग की जा सके। फिलहाल पीएचडी समेत दर्जनभर पाठ्यक्रमों को चलाने की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। भटहट के पिपरी में 52 एकड़ क्षेत्रफल में बन रहे महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय का शिलान्यास 28 अगस्त 2021 को तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने किया था। आयुष विश्वविद्यालय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट में से एक है। शिलान्यास के बाद वह खुद कई बार निर्माण कार्य का जायजा ले चुके हैं। अब इसका निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फिनिशिंग से संबंधित जो कुछ कार्य शेष है, उसके भी 30 नवंबर 2024 तक पूर्ण हो जाने की उम्मीद है। उल्लेखनीय है कि आयुष विश्वविद्यालय के अस्तित्व में आने से पहले आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी, प्राकृतिक चिकित्सा, योग, सिद्धा की चिकित्सा पद्धति, जिन्हें समन्वित रूप में आयुष कहा जाता है, के लिए अलग-अलग संस्थाएं रही हैं। पर, सत्र 2021-22 से प्रदेश के सभी राजकीय और निजी आयुष कॉलेजों का नियमन अब आयुष विश्वविद्यालय से ही होता है। वर्तमान सत्र 2024-25 में प्रदेश के 97 आयुष शिक्षण (आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी) के कॉलेज/संस्थान इस विश्वविद्यालय से संबद्ध हैं। वर्तमान में इस सभी कॉलेजों में कुल मिलाकर स्नातक और परास्नातक पाठ्यक्रमों के करीब सात हजार विद्यार्थी अध्ययनरत हैं। महायोगी गुरु गोरखनाथ आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. एके सिंह बताते हैं कि स्नातक और परास्नातक के साथ मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप समयानुकूल कई और रोजगारपरक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। पाठ्यक्रमों को लेकर आयुष विश्वविद्यालय ने जो आगामी कार्ययोजना बनाई है उसमें पीएचडी, बीएससी नर्सिंग आयुर्वेद, बी फार्मा आयुर्वेद, बी फार्मा होम्योपैथी, बी फार्मा यूनानी, पंचकर्म असिस्टेंट डिप्लोमा, पंचकर्म थेरेपिस्ट डिप्लोमा, विदेशी छात्रों के लिए डिप्लोमा, क्षारसूत्र डिप्लोमा, अग्निकर्म डिप्लोमा, उत्तरवस्ति डिप्लोमा और योग नेचुरोपैथी डिप्लोमा शामिल है। इसके अलावा कुछ सर्टिफिकेट कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। आयुष विश्वविद्यालय में आयुष ओपीडी का शुभारंभ 15 फरवरी 2023 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया था। तब से प्रतिदिन यहां आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी की ओपीडी में औसतन 300 मरीज परामर्श लेते हैं।

कार्तिक पूर्णिमा स्नान मेले पर तैयारियों का जायजा लिया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डॉ वीके सिंह व पुलिस अधीक्षक आलोक प्रियदर्शी द्वारा श्रृंगीरामपुर घाट पर कार्तिक पूर्णिमा पर होने वाले स्नान की तैयारियों का स्थलीय निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी द्वारा गंगा के तट पर गोताखोर, वोट, नाविक, ड्रिंकिंग वाटर, मोबाइल टॉयलेट, चेंजिंग रूम की व्यवस्था करने के लिये उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया, घाट व रास्ते में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था के लिये जनरेटर लगाने व पी0ए0सिस्टम लगाने के लिये निर्देशित किया, पर्व पर श्रृंगीरामपुर में वन वे व्यवस्था लागू रहेगी, खुदागंज की तरफ से प्रवेश व रजीपुर की तरफ से निकास रहेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी को घाट व श्रृंगीरामपुर गॉव में मेडिकल कैम्प लगाने व एम्बुलेन्स उपलब्ध कराने के लिये निर्देशित किया गया,डी0पी0आर0ओ0 को घाट तक रास्ते का समतलीकरण कराने व अधिशासी अभियंता लो0 नि0 वि0 को गॉव तक रास्ता सही करने के लिये निर्देशित किया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी, एस0डी0एम सदर, सी0ओ0 अमृतपुर,अधिशासी अभियंता पी0 डब्ल्यू0डी0 ,अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत,डी0पी0आर0ओ0 व संबंधित मौजूद रहे।

सूर्य घरमुफ्त बिजली योजना पर समीक्षा बैठक संपन्न

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। जिलाधिकारी डॉ0वी0के0सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार परिसर फतेहगढ़ में उ0प्र0 नवीन एवं नवीनीकरण ऊर्जा विकास अभिकरण(यूपी नेडा)फर्रुखाबाद के तत्वाधान में प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त विजली योजना के सफल क्रियान्वयन व पर्यवेक्षण हेतु समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा पी0ओ0 नेडा द्वारा योजना में रुचि न लेने पर नाराजगी जताई व निर्देशित किया गया कि वेंडरो से लिखित में लिया जाये कि कार्य करने के इच्छुक है या नही व वेंडरो का साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित किया जाये, बी0एस0ए0 व डी0आई0ओ0एस0 को वेंडरो की मीटिंग अध्यापकों के साथ कराकर, बी0डी0ओ0 को सभी ब्लॉकों में वेण्डरों की प्रधानों के साथ ,सभी ई0ओ0 को नगर पालिका व नगर पंचायतों में वेंडरों की मीटिंग कराकर योजना के लाभ के बारे में अवगत कराने के लिये निर्देशित किया, विजली विभाग को 03 किलोवाट से ऊपर के कनेक्शन की सूची नेडा को उपलब्ध कराने के लिये निर्देशित किया गया विभाग योजना के लाभ के बारे मे उपभोक्ताओं को अवगत करायेगा, विद्युत विभाग ने बताया कि उपभोक्ताओं के नेट मी0लगाने में देरी नही होगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी अरविंद कुमार मिश्रा, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट महेंद्र सिंह, जिला विकास अधिकारी,प्रशिक्षु उपजिलाधिकारी नितेश राज, अधिशासी अभियंता विद्युत,पी0ओ0 नेडा, एल0डी0एम व संवंधित उपस्थित रहे।

पंचनद संगम स्नान घाट एवं मेला की तैयारी दुरुस्त, 14 नवंबर को महा आरती दीपदान

अवधनामा संवाददाता

उरई (जालौन)। पंचनद संगम घाट पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए स्नान घाट पर साफ सफाई के साथ प्रकाश आदि सभी इंतजाम दुरुस्त कर दिए गए है। स्नान से पूर्व 14 नवंबर को शाम महा आरती व दीपदान का आयोजन होगा।

धार्मिक एवं पौराणिक मान्यताओं के अनुसार जनपद जालौन में स्थित पंचनद में कार्तिक पूर्णिमा के अवसर पर स्नान का बहुत महत्व है । युगों युगों से इस परंपरा के तहत साधु संत एवं धार्मिक विचारधारा के लोग पंचनद पर जाकर स्नान करते रहते हैं। इस वर्ष 15 नवंबर की सुबह 4 बजे से पंचनद पर स्नान प्रारंभ होगा इससे पूर्व 14 नवंबर को श्री बाबा साहब मंदिर प्रबंध समिति एवं मंदिर के महंत सुमेरवन द्वारा पंचनद यमुना महा आरती कर स्नान मेला का शुभारंभ किया जाएगा। जिलाधिकारी जालौन राजेश कुमार पांडे ,पुलिस अधीक्षक डॉ. दुर्गेश कुमार द्वारा मेला सुप्रबंध एवं सुरक्षा के लिए उप जिलाधिकारी माधौगढ़ एवं क्षेत्राधिकारी को लगातार निर्देशित कर रहे हैं । उप जिलाधिकारी सुरेश कुमार पाल एवं क्षेत्राधिकारी रामसिंह की निगरानी में स्नान घाट पर सुरक्षा हेतु बेहतरीन प्रबंध किए गए है । नदी में वेरीकेटिंग कराई गई है प्रशासन की ओर से दो मोटरबोट व नौकाओं की व्यवस्था की गई है। ग्राम प्रधान भिटौरा मनोजसिंह सेंगर द्वारा स्नान घाट एवं नदी तक पहुंचाने के लिए प्रकाश के उचित प्रबंध कराए गए हैं। प्रशासन द्वारा स्नान घाट पर ही कंट्रोल रूम बनाया गया है यहां पुलिस एवं प्रशासन के अधिकारी की उपस्थिति में कर्मचारी वालंटियरों के माध्यम से ध्वनि विस्तारक यंत्र (लाउडस्पीकर) से भीड़ को नियंत्रित करने हेतु अनाउंसमेंट किया जाता रहेगा। महिलाओं को वस्त्र बदलने हेतु चेंज रूम तैयार है। मेला ग्राउंड में चलित शौचालय, पीने के पानी के टैंकरों एवं किसी आपदा से निपटने के लिए फायर ब्रिगेड एवं स्वास्थ्य विभाग सहित संपूर्ण व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं।

पत्रकार बृजेन्द्र हर्ष की दो कृतियाँ प्रवाह माधुरी व गीत गंधा हुई लोकार्पित

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। आल मीडिया जर्नलिस्ट एसोशिएशन उत्तराखंड हरिद्वार के तत्वावधान में दिनांक 11 व 12 नवम्बर को सम्पादक परोपकार संदेश पत्रिका व पत्रकार ब्रिजेन्द्र हर्ष की दो कृतियों प्रवाह माधुरी एवं गीत गंधा के लोकार्पण एवं काव्य गोष्ठी का आयोजन हरिद्वार के विश्वनाथ धाम आश्रम में किया गया।

दो दिवसीय अनुपम भव्य साहित्यिक संगम सम्मान समारोह में लखनऊ की डॉ प्रेमलता त्रिपाठी साहित्य समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुई, जिन्हें विश्वनाथ धाम आश्रम के महामण्डलेश्वर प्रखर जी महाराज के द्वारा प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित भी किया गया। आयोजन एवं हरि की नगरी हरिद्वार का पुण्य प्रवास स्मरणीय हरि प्रबोधिनी एकादशी पर्व स्नान का सबने भरपूर आनन्द लिया।

गाजियाबाद मामले में अलीगढ़ के अधिवक्ताओं ने न्यायालय के बाहर प्रदर्शन कर मानव श्रृंखला बनाई

अवधनामा संवाददाता

अलीगढ़। गाजियाबाद में एडवोकेट के साथ हुई मारपीट के विरोध में अलीगढ़ में लगातार प्रदर्शन जारी है। बुधवार को वकीलों ने अलीगढ़ में मानव श्रृंखला बनाई और जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने गाजियाबाद में हुई घटना और पुलिस की बर्बरता का विरोध करते हुए कार्रवाई की मांग की।

बीते दिनों गाजियाबाद में जिला जज और एडवोकेट के बीच विवाद हो गया था। जिसके बाद आरोप लगे थे कि जिला जज ने पुलिस से कहकर वकील को पिटवाया है। इसके बाद से ही लगातार अलीगढ़ में हड़ताल चल रही है और वकील प्रदर्शन कर रहे हैं। उनका कहना है कि वकील के साथ मारपीट करने वालों पर कार्रवाई हो। गाजियाबाद की घटना के विरोध में वकीलों ने सुबह से ही काम बंद रखा और मानव श्रृंखला बनाकर विरोध किया। जिला न्यायालय से लेकर घंटाघर और तस्वीर महल चौराहे तक हजारों की संख्या में वकील एकजुट हुए और मानव श्रृंखला बनाकर वकीलों की एकता का परिचय दिया। उनका कहना था कि सबसे पहले वकील सुरक्षा अधिनियम बनाया जाना चाहिए।

जिससे कि भविष्य में कोई भी व्यक्ति अधिवक्ता के साथ मारपीट या इस तरह की घटना न कर सके। वहीं उन्होंने मांग उठाई की गाजियाबाद में जिला जज को सस्पेंड किया जाना चाहिए और एडवोकेट के साथ मारपीट करने वाले पुलिस कर्मियों पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। अलीगढ़ में प्रदर्शन के दौरान पुलिस मुर्दाबाद के जमकर नारे लगाए। इसके साथ ही आसपास के पुलिस कर्मियों को न्यायालय परिसर के आसपास से खदेड़कर दूर कर दिया। इस दौरान पुलिस दूर से ही सारा माहौल देखती रही।

शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया

फर्रुखाबाद अवधनामा संवाददाता। आबकारी आयुक्त, उप्र के आदेश एवं जिलाधिकारी,फर्रुखाबाद के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी, फ़र्रुख़ाबाद जी0 पी0 गुप्ता के पर्यवेक्षण में आज दिनांक 13/11/2024 को आबकारी निरीक्षक क्षेत्र-3 सचिन त्रिपाठी मय स्टाफ द्वारा द्धत्र्त्र्स शिकायत निस्तारण के क्रम में ग्राम-सरफुद्दीनपुर में दबिश दी गयी। आबकारी दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। स्टाक रजिस्टर, Online Payment, CCTV कैमरा का परीक्षण किया गया। जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण/बिक्री/परिवहन की रोकथाम हेतु प्रवर्तन कार्य निरंतर जारी रहेगा।

विश्व मधुमेह दिवस आज

- शिशु में जटिलताएं बढ़ा सकता है गर्भावस्था का मधुमेह
- प्रथम त्रैमास में ही प्रत्येक गर्भवती की रैंडम ब्लड शुगर जांच अनिवार्य

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। गर्भावस्था में उच्च शर्करा स्तर (मधुमेह) अगर नियंत्रित न हो तो यह पैदा होने वाले शिशु में जटिलताएं बढ़ा सकता है। यही वजह है कि प्रसव पूर्व जांच के दौरान पहले ही त्रैमास में सभी गर्भवती की रैंडम ब्लड शुगर (आरबीएस) जांच कराई जाती है। जिन गर्भवती में गर्भावस्था में मधुमेह की पुरानी पृष्ठभूमि रही है उनकी प्रथम त्रैमास में ही मधुमेह की सम्पूर्ण जांच कराई जाती है और अन्य गर्भवती की भी दूसरे त्रैमास में मधुमेह की पूरी जांच कराई जाती है। यह कहना है कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आशुतोष कुमार दूबे का।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने बताया कि गर्भावधि मधुमेह में रक्त शर्करा का मान सामान्य से अधिक होता है लेकिन मधुमेह के निदान से कम हो जाता है। गर्भावधि मधुमेह सिर्फ गर्भावस्था के दौरान ही होता है। इससे पीड़ित महिलाओं को गर्भावस्था और प्रसव के दौरान जटिलताओं का खतरा बढ़ जाता है। इन महिलाओं और संभवतः उनके बच्चों को भी भविष्य में टाइप दो मधुमेह की आशंका अधिक होती है। गर्भावधि मधुमेह का निदान लक्षणों के आधार पर नहीं, बल्कि प्रसवपूर्व जांच के माध्यम से किया जाता है, इसलिए प्रत्येक महिला को गर्भावस्था का पता चलते ही नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर तुरंत जांच करानी चाहिए। सरकारी अस्पतालों पर न सिर्फ जांच की सुविधा है, बल्कि गर्भावस्था में मधुमेह का पता चलने पर जांच के साथ साथ कुशल इलाज व प्रबन्धन से सुरक्षित प्रसव सुनिश्चित कराया जा रहा है। वहीं, प्रथम संदर्भन इकाई और पिपराईच सीएचसी की स्त्री व प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ एमडी वर्मन का कहना है कि गर्भावस्था के दौरान मधुमेह के मामले औसतन दस फीसदी से भी कम आते हैं, लेकिन इन मामलों में सतर्कता अधिक जरूरी है।

सोशल मीडिया से सामाजिक संबंधों को मिला नया आयाम : राजेश कुमार

अवधनामा संवाददाता

गाजीपुर। स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गाजीपुर में पूर्व शोध प्रबन्ध प्रस्तुत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह संगोष्ठी महाविद्यालय के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ तथा विभागीय शोध समिति के तत्वावधान में महाविद्यालय के सेमिनार हाल में सम्पन्न हुई, जिसमें महाविद्यालय के प्राध्यापक, शोधार्थी व छात्र- छात्राएं उपस्थित रहे।

उक्त संगोष्ठी में कला संकाय के अन्तर्गत समाजशास्त्र विषय के शोधार्थी राजेश कुमार गुप्ता ने अपने शोध प्रबंध शीर्षक सोशल मीडिया का सामाजिक संबंधों पर प्रभाव (गाजीपुर नगर पर आधारित एक समाजशास्त्रीय अध्ययन) नामक विषय पर शोध प्रबंध व उसकी विषय वस्तु प्रस्तुत करते हुए कहा कि सोशल मीडिया जैसे फेसबुक, व्हाट्सएप, ट्विटर, इंस्टाग्राम, यूट्यूब इत्यादि ने लोगों के सामाजिक व्यवहार और जीवन शैली को परिवर्तित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्तमान में यह समाज का अभिन्न अंग बन गया है जो विचारों, समाचारों, सूचनाओं के आदान-प्रदान की सुविधा प्रदान करता है। सोशल मीडिया संचार के सभी साधनों में सबसे पसंदीदा साधन है, क्योंकि एक ही जगह बहुत सी सुविधाओं जैसे प्रतिबिंब साझा करने, श्रव्य -दृश्य साझा करने, प्रोफाइल बनाने और पोस्ट को पसंद एवं नापसंद करने को आसानी से उपलब्ध कराता है। यह एक अपारम्परिक मीडिया है जो इंटरनेट के माध्यम से सामाजिक संबंधों को स्थापित करने एवं उन्हें विस्तार देने में सहायक है। वर्तमान में यह संचार का एक सशक्त माध्यम है जिसने संपूर्ण विश्व को एक नया आयाम प्रदान कर ग्लोबल विलेजक्क अवधारणा को जन्म दिया है। सोशल मीडिया का समाज में सकारात्मक एवं नकारात्मक दोनों प्रभाव देखे जा रहे हैं। एक ओर समाज में यह सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक, व शैक्षणिक विकास का साधन बना है तो वहीं दूसरी ओर लोगों को आभासी जीवन की ओर प्रवृत्त कर लोगों में निराशा एवं अकेलापन विकसित कर रहा है। इसके अत्यधिक उपयोग से विभिन्न प्रकार के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी पैदा हो रही हैं। इन सभी नकारात्मक प्रभावों से बचने के लिए एक जन जागरूकता अभियान की जरूरत है।

फुटबाल टूर्नामेंट का शुभारम्भ 18 नवम्बर से

लालगंज रायबरेली। सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक राज्य स्तरीय फुटबाल टूर्नामेंट का शुभारम्भ आगामी 18 नवम्बर से बैसवारा इंटर कालेज के खेल मैदान में होगा। जिसके लिये मैदान की साज-सज्जा व साफसफाई का कार्य जोरो पर है। बैसवारा एजूकेशन ट्रस्ट के तत्वाधान में संस्थापक सूबेदार जागेश्वर सिंह जू देव की स्मृति प्रदेश के सिरमौर फुटबॉल खिलाड़ियों के खेल कौशल के प्रदर्शन के लिए बैसवारा इंटर कॉलेज के कीड़ा स्थल का निर्माण कर जोरो से जारी है ।बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट द्वारा अपने संस्थापक सूबेदार जागेश्वर सिंह जूदेव के स्मृति में 1956 से प्रारंभ स्टेट फुटबॉल टूर्नामेंट 18 नवंबर से प्रारंभ होने जा रहा है। उत्तर प्रदेश फुटबॉल संघ से संबंध सूबेदार एवं लाल साहब स्मारक राज्य स्तरीय फुटबॉल टूर्नामेंट के खेल का रोमांच दर्शकों के सिर चढ़कर बोलेगा। आयोजन समिति के अध्यक्ष लाल देवेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि यह टूर्नामेंट प्रदेश के प्रतिष्ठित फुटबाल टूर्नामेंट में एक है। बैसवारा एजुकेशन ट्रस्ट की यह परंपरा 65 वर्षों से अधिक समय से सतत जारी है।

ब्लॉक कुठौंद में विकास कार्य में तेजी लाने के लिए विशेष गोष्ठी का हुआ आयोजन

उरई (जालौन) अवधनामा संवाददाता। विकासखंड कुठौंद के सभागार में जिला पंचायत अध्यक्ष व पूर्व सांसद डां0 घनश्याम अनुरागी की अध्यक्षता में विशेष गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें विधायक कालपी प्रतिनिधि आशीष चतुर्वेदी, ब्लॉक प्रमुख श्रीमती प्रेमलता द्विवेदी प्रतिनिधि एवं जिला पंचायत सदस्य अनिरुद्ध कुमार द्विवेदी , सिरसा कलार क्षेत्र से जिला पंचायत सदस्य अनिल सिंह सेंगर, वावली जिला पंचायत सदस्य विकल प्रजापति एवं खंड विकास अधिकारी गजेंद्र प्रताप सिंह,सहायक विकास अधिकारी पंचायत गिरजा शंकर निरंजन, वरिष्ठ लिपिक एवं इंचार्ज एनआर पी बाबू राजकुमार उर्फ राजू तथा विकासखंड क्षेत्र के ग्राम प्रधान व क्षेत्र पंचायत सदस्य, सचिव, तथा तकनीकी सहायक, आंगनवाड़ी उपस्थित रहे।एनआर एल एम (आजीविका मिशन) विभाग के प्रभारी रवि यादव के द्वारा गोष्ठी का संचालन किया गया। विकासखंड में तैनात समस्त कर्मचारी गणों की मौजूदगी में आए हुए अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इसके बाद ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि द्वारा आए हुए ग्राम पंचायतों से आए ग्राम प्रधानों तथा क्षेत्र पंचायत सदस्यों को जानकारी देते हुए बताया गया ग्राम में आवास योजना के तहत चल रहे कार्यक्रम को नियम के साथ लागू करें ।पात्र व्यक्ति को ही आवास का लाभ प्राप्त कराया जाए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा क्षेत्र पंचायत सदस्यों को अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए जिन-जिन गांवों में विकास कर की आवश्यकता हो उनको अपने कार्यकाल में पूरा करने का प्रयास करें यदि आप लोगों को किसी भी समस्या का सामना करना पड़ रहा हो तो समस्या से मुझे अवगत कराए। क्योंकि विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही ना की जाए जो की सरकार द्वारा द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ ग्रामीण तक पहुंचाया जाए।

राजनीति के पुरोधा, प्रखर राजनेता एवं हम सभी के प्रेरणास्रोत थे पिता जी : सीपी चंद

अवधनामा संवाददाता

गोरखपुर। पिता जी ने हमें इस दुनिया में आने का अवसर दिया, उन्होंने मुझे चलना ही नहीं सीखाया बल्कि राजनीतिक व सामाजिक रुप से आगे बढ़ाने में भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी। उन्ही के पदचिन्हों पर चलकर आगे बढ़ने की कोशिश कर रहा हूं। कुछ लोग अपने पिता को पंद्रह दिनों तक याद करते हैं उन्हें जल अर्पित करते हैं लेकिन मैं सदैव उन्हें जल अर्पित करता हूं, क्योंकि वे सदा मेरे साथ हैं तथा उनके आशीर्वाद की मुझे सदा आवश्यकता है। उनकी सिखाई बातें हर कदम पर सदैव मुझे प्रेरित करती रहती है। यह बातें सोमवार को विकास खंड गोला के चिलवा में नवनिर्मित स्व. मारकंडेय चन्द स्मृति पार्क के लोकार्पण व स्व. मारकंडेय चन्द की प्रतिमा के अनावरण कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए स्व. मारकंडेय चन्द के ज्येष्ठ पुत्र एमएलसी सीपी चन्द ने कहा। आगे उन्होंने कहा कि पिता जी के शुभेच्छुओं व ग्रामीणों की मांग पर ग्राम प्रधान द्वारा गांव में पिता जी के नाम पर पार्क व उनकी प्रतिमा को स्थापित किया गया है। विधायक राजेश त्रिपाठी ने कहा कि जब मैं राजनीति के क्षेत्र में कदम रख रहा था तब मंत्री जी ने मुझसे कहा था कि तुम आगे बढ़ो मैं तन मन व धन से तुम्हारे साथ हूं। इसलिए वे मेरे लिए सदैव मार्ग दर्शक रहे तथा मैं उन्हें राजनीतिक पिता मानता हूं। आज उन्ही के आशीर्वाद से आगे बढ़ रहा हूं।

कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बाल्मीकि रामयाण के सुंदरकांड पाठ से प्रारम्भ हुआ तत्पश्चात भगवान की आरती करके पूर्व मंत्री स्व. मारकंडेय चन्द की प्रतिमा का अनावरण व स्मृति पार्क लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर बांसगांव विधान सभा के विधायक विमलेश पासवान, स्व. चन्द के अनुज रामभजन चन्द, डाक्टर तेजनारायण चन्द, स्व चंद के छोटे पुत्र व पूर्व प्रमुख डा. अरुण चन्द, राजेश सिंह, ब्लाक प्रमुख गगहा शिवाजी चंद, ग्राम प्रधान रणबीर चन्द, एडवोकेट वीरबहादुर चन्द, सरोजरंजन शुक्ल, प्रधान संघ अध्यक्ष सम्पूर्णानंद शुक्ल, रतन प्रकाश दूबे, पूर्व प्रमुख रतनेश यादव, पूर्व प्रधान धीरे सिंह, शत्रुघ्न कसौधन जगदीश सिंह, अभिषेक चंद, सुधीर चंद, रणधीर चंद, राजीव चंद, दिलीप चंद आदि अनेकानेक लोग उपस्थित रहे।

पांचवे दिन भी जारी रहा छात्र संघ का धरना

देवरिया। पूर्वांचल छात्र संघर्ष समिती के मंडल उपाध्यक्ष अभय प्रताप शुक्ल के अगुआई में मेडिकल कालेज देवरिया में व्याप्त भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातर पांचवे दिन क्रमिक प्रदर्शन जारी रहा। धरने को विकलांग संघ और अन्य सामाजिक दल के नेताओं ने अपना समर्थन दिया। धरने को संबोधित करते हुए वरिष्ट नेता सिवाजी राय ने कहा कि कहा देवरिया मेडिकल में जन सुविधाओ का गहन अभाव है केवल बिल्डिंग बनी है । सरकार ने यहां मेडिकल कॉलेज के नाम पर जनता को झुनझुना पकड़ा दिया है। जब जिला चिकित्सालय था तो ठीक था। मेडिकल कालेज जब से बना है तब से दलालों का अड्डा बन गया है मेडिकल कालेज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी बनकर रह गई है। डा.चतुरा नंद ओझा ने कहा प्राचार्य का इस पर कोई अंकुश नहीं है। मेडिकल कालेज में कोई मसीनरी नही है। यहां गंभीर बीमारी का ईलाज नही है। मरीज दूर दराज से आते हैं। लेकिन दुव्यवस्था के कारण वापस लोट जाते हैं और किसी प्राइवेट नर्सिंग होम में अपनी इलाज कराने को विवश हो जाते हैं।

ईश्वर को व्याकुल होकर पुकारना चाहिए

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। प्रातः कालीन सत् प्रसंग में रामकृष्ण मठ लखनऊ के अध्यक्ष स्वामी मुक्तिनाथानंद ने बताया कि श्री श्री रामकृष्ण जी देव कहते हैं कि उनकी बातों का तात्पर्य समझने के लिए निर्जन स्थान में एकांत होकर ईश्वर को व्याकुल होकर पुकारना चाहिए। यह व्याकुलता किसको कहा जाता है यह समझाने के लिए श्री रामकृष्ण ने कहा कि सदैव सर्व प्रकार कर्म करते हुए भी निरंतर ईश्वर का चिंतन करना चाहिए अर्थात ईश्वर के प्रति एक आंतरिक खिंचाव होना जरूरी है। कैसे कर्म करते हुए मन में ईश्वर का चिंतन करना संभव है, यह विस्तार करते हुए उन्होंने कहा जैसे दांत में दर्द होने से हम दिनभर कर्म करते हुए भी मन के एक अंश से दांत का दर्द अनुभव करते हैं, वैसे ही मन के एकांश सदैव ईश्वर के चिंतन में नियुक्त करके रखना जरूरी है ताकि बाकी अंश से हम सर्व प्रकार कर्म कर सकें। श्री रामकृष्ण के मानस पुत्र स्वामी ब्रह्मानंदजी ने कहा मन की इतनी शक्ति है कि सिर्फ एकांश मन से ही हम सर्व प्रकार कर्म कर सकते हैं बाकी अंश व्यर्थ पड़े रहते हैं। लेकिन हम जानते हैं कि जब तक किसी से प्यार का रिश्ता नहीं होता है तब तक उनको निरंतर स्मरण करना कठिन है अर्थात किसी के साथ अगर घनिष्ठ प्रेम का रिश्ता बन जाए तब स्वाभाविक रूप से ही निरंतर उनकी चिंता करते हुए मन आनंद से भरपूर रहता है। श्री रामकृष्ण कहते हैं, इस प्रकार जिसके साथ आंतरिक घनिष्ठता रहती है उसको दरदी कहा जाता है। जैसे श्री रामकृष्ण के दरदी थे स्वामी प्रेमानंदजी (बाबूराम महराज)। श्री रामकृष्ण कहते थे, बाबूराम मेरा दरदी है। अर्थात वह कुछ नहीं बोलने पर भी ठीक समझ लेता है मैं क्या चाहता हूं और उसी अनुसार वह मेरी सेवा करने में समर्थ होता है।

न्यायालय सूचना

न्यायालय श्रीमानअपर प्रधान न्यायाधीश पारिवारिक न्यायालय फैजाबाद अयोध्या याचिका संख्या -341 /2024 अ धारा-13हि वि अधि विवाह विच्छेद अधि ता पेशी-25/11/24 अर्पिता श्रीवास्तव पत्नी दीपक कुमार श्रीवास्तव पुत्री स्वर्गीय अनिल कुमार श्रीवास्तव निवासिनी 302 मोहल्ला कंधारी बाजार शहर पोस्ट फैजाबाद हाल पता बी 252 राघव विहार कॉलोनी अमानीगंज परगना हवेली अवध तहसील सदर जनपद अयोध्या मोबाइल नंबर- 8400011 9918 - याची बनाम दीपक कुमार श्रीवास्तव पुत्र स्वर्गीय अंजनी कुमार श्रीवास्तव निवासी ग्राम शेखपुरा अतरौलिया जिला आजमगढ़ हाल पता जी 51/2 आदित्यपुरम कॉलोनी आदित्यपुरम चितौड़गढ़ राजस्थान वर्तमान तैनाती पता डाला सीमेंट वर्कस डिपार्टमेंट टी पी पी पोस्ट ऑफिस डावा जिला सोनभद्र उत्तर प्रदेश पिन कोड- 2312 07 **प्रत्यार्थी**-चूंकि ऊपर नामांकित याची ने आपके विरुद्ध जैसा याचिका में दिया गया है। एक याचिका संस्थित की है।आपको इस सम्मन के आपको तमिल होने के दिनांक से 3 सप्ताह के भीतर इस न्यायालय में स्वयं हाजिर होने या न्यायालय की अनुमति वकालतनामा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है। और चूंकि वाद को निवेश के लिए 25/11/ 2024अपर परिवार न्यायाधीश के कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा। आपको एतद् याची के दावे का उत्तर देने के लिए उक्त 25 दिवस 11 माह 2024 वर्ष को न्यायाधीश के समक्ष पूर्वान्ह 11 बजे उपस्थित होने के लिए सम्मन किया गया है और सूचना दी जाती है कि पूर्व उल्लेखित दिनांक को पक्षो को जो उपस्थित हो सुनने के पश्चात अपर न्यायाधीश द्वारा कुटुंब न्यायालय के परामर्शदाता के समक्ष सुनवाई के दिनांक के संबंध में और याचिका से संबंधित अन्य मामलों में निर्देश दिए जाएंगे और अग्रसर सूचना दी जाती है और अग्रेसर सूचना दी जाती है वकालतनामा दाखिल करने या आप उपस्थित होने में असफल रहते हैं तो याचिका को उसी दिन या किसी भी अनुवर्ती दिवस को अप्रतिवाक के रूप में बोर्ड के समक्ष रखा जाएगा और आपके विरुद्ध पारित किसी डिग्री या आदेश के लिए आप उत्तरदाई होंगे। यह नोटिस 5/11/2024 दिनांक को न्यायालय के हस्ताक्षर एवं मोहर के जारी किया गया है।

हस्ताक्षर हाकिम
मोहरअदालत

रावण के 50 फीट ऊंचे पुतले का हुआ दहन और संजो बघेल का आल्हा गायन बना आकर्षण का केंद्र

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। भरतकुंड महोत्सव के छठवें दिन दशहरा पर्व थीम के अंतर्गत 50 फीट ऊंचे रावण के पुतले का दहन किया गया। इस कार्यक्रम के लिए सुबह से ही सारे क्षेत्रवासी उत्साहित थे जैसे ही रावण का पुतला खड़ा किया गया तभी से भीड़ लगना शुरू हो गई। सुजीत कुमार और प्रकृति यादव की टीम द्वारा भगवान श्री राम के जीवन पर जीवंत नाटिका प्रस्तुत की गई इसी नाटिका के अंतर्गत रावण युद्ध के पश्चात भगवान श्री राम के द्वारा अग्निवाण चलाकर रावण के पुतले में आग लगाई गई। आज के कार्यक्रम का दीप प्रज्वलन भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिला अध्यक्ष अवधेश पांडे बादल और मुख्य व्यवस्थापक रामकृष्ण पांडे ने किया। इसके बाद राम राज्याभिषेक का मंचन हुआ मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक के अध्यक्ष धर्मेंद्र प्रताप सिंह टिल्लू तथा महोत्सव अध्यक्ष डॉ अंजनी कुमार पांडे और संस्थापक सचिव अंबरीश चंद्र पांडे द्वारा भगवान राम को मुकुट पहनाया गया उनकी आरती उतारी गई ।छबिलाल पाल ने अपने बिरहा गायन की शानदार प्रस्तुति दी। संगीता आहूजा की टीम ने लोक गायन व लोक नृत्य प्रस्तुत करके लोगों का मन मोह लिया। छत्तीसगढ़ की लोक कलाकार रानी नंदिनी ने भगवान राम का संपूर्ण जीवन चरित्र का मंचन अपनी टीम के द्वारा किया। देर शाम तक संजो बघेल को सुनने के लिए भीड़ का जन्म सैलाब उमड़ पड़ा। संजू बघेल ने अपने अंगूठे आल्हा गायन और शानदार लोकगीतों से भीड़ का देर रात तक मनोरंजन किया। वृंदावन से आई मुरारी लाल शर्मा का मयूर नृत्य और राधा कृष्ण की झांकी को दर्शकों ने बहुत सराहा। कार्यक्रम के अंतिम दिवस प्रख्यात लोक गायिका संजौली पांडे, पंडित सत्य प्रकाश मिश्रा, मानस दास शरभ आदि कलाकार अपनी प्रस्तुति देने पहुंच रहे हैं। और अंतिम दिन ही चेंटीचंद्र पर्व के अंतर्गत प्रभु झूलेलाल की शोभायात्रा निकाली जाएगी ।आज के कार्यक्रम में प्रमुख रूप से योगेश मिश्रा, संतोष पांडे, डी बी सिंह , अनीता द्विवेदी, डिंपल तिवारी, रीता तिवारी , प्रतिमा शुक्ला, चंद्रप्रकाश तिवारी, के सी पांडे, एस के मिश्रा, दीपक दुबे श्रीमती विश्वकर्मा सपना, अनीता सिंह ,क्रांति और प्रियंका शर्मा , अमित पांडे विजय प्रताप सिंह ,विजय पांडे, आदि लोग मौजूद रहे।

अयोध्या का डंका, 15 दिन में पांच कीर्तिमान, 28 से अक्टूबर से लगी है रिकार्ड बनाने की झड़ी

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम की नगरी अयोध्या कीर्तिमानों का भी एक रिकॉर्ड गढ़ रही है। अब तक यहां 15 दिन में दीपोत्सव से लेकर परिक्रमा तक में पांच रिकार्ड बन चुके हैं। अब छठवां रिकार्ड कार्तिक पूर्णिमा के मेले पर बनाकर अयोध्या कीर्तिमान का सिक्सर लगा सकता है। इसे लेकर पूरी अयोध्या नगरी में हर्ष का माहौल है। राममय वातावरण में साधु संतों से लेकर आम जन व श्रद्धालु भी इसका श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सरकार को दे रहे हैं। राम मंदिर के पक्ष में फैसला आने के बाद जैसे ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंदिर निर्माण की शिला रखी, उसके बाद मानो देश-विदेश में अयोध्या का डंका बजने लग गया। दीपोत्सव तो प्रदेश में योगी सरकार के आते ही शुरू हो गया था, लेकिन मंदिर निर्माण शुरू होने के बाद इसे और भी भव्य तरीके से मनाया जाने लगा। भव्य मंदिर में बाल रूप में श्रीराम के विराजमान होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में ऐतिहासिक दीपोत्सव मनाने का ऐलान कर दिया। यहां सरयू तट पर पांच दिन के भीतर ही तीन रिकार्ड बन गए। दो रिकार्ड सरयू आरती और दीपोत्सव के दीपों के मुख्यमंत्री खुद ही साक्षी थे।

पहला रिकार्ड- 72 घंटे में बिछा दिए 28 लाख दीप

अयोध्या में राम की पैड़ी पर 25 लाख दीपों को प्रज्वलित कर रिकार्ड बनाने का सीएम ने ऐलान किया था। इसे देखते हुए हर बार की तरह इस बार भी डॉ. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने वालंटियर लगाए थे। 35 हजार वालंटियर में स्कूल-कालेज के अलावा स्वयं सेवी संस्थाओं से जुड़े लोग भी शामिल रहे। 27 अक्टूबर से 55 घाटों पर दीये बिछाने का क्रम शुरू हुआ। महज 72 घंटे के अंदर ही स्वयंसेवकों ने दीये सजाकर नया रिकॉर्ड अयोध्या की झोली में डाल दिया।

दूसरा रिकार्ड- एक साथ 1100 बटुकों के सरयू आरती का

30 अक्टूबर की शाम को सरयू नदी के किनारे एक नया रिकॉर्ड बना। वह था सरयू मां की आरती का। इसके लिए पर्यटन विभाग की ओर से अयोध्या के प्रमुख साधु-संतों और 1100 बटुकों का नाम आरती करने की सूची में शामिल किया था। तीन दिन तक आरती का ट्रायल भी किया गया था। दीपोत्सव वाले दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रामकथा पार्क से सरयू आरती स्थल पहुंचे। यहां न सिर्फ उन्होंने आरती की बल्कि 1100 बटुकों ने एक ही रंग के वस्त्र धारण कर मां सरयू की आराधना की। 15 मिनट तक चलने वाली आरती के दौरान एक और नया रिकॉर्ड बन गया।

तीसरा रिकार्ड- राम की पैड़ी समेत 55 घाटों पर 25 लाख से अधिक दीप प्रज्वलित

वालंटियर की तीन दिन की कड़ी परीक्षा के बाद जब घड़ी आई मुख्य रिकार्ड बनाने की तो उसमें भी वे पीछे नहीं रहे। 30 अक्टूबर की सुबह से ही दीयों में तेल और बाती डालने का काम शुरू कर दिया।

सो रहे किशोर आया जेसीबी की चपेट में मौत,पुलिस जांच में जुटी

बाराबंकी। असंद्रा थाना क्षेत्र के सूरजपुर गांव स्थित भैरव नाथ ब्रिक फील्ड पर सीतापुर जनपद से मजदूरी करने आए सो रहे किशोर की जेसीबी की चपेट में आने से दर्दनाक मौत।घटना के बाद चालक जेसीबी को एक ईंट-भट्ठे पर खड़ा कर भाग निकला।बुधवार भोर ईंट भट्ठे पर मजदूरी करने आएं राम मगन (14) पुत्र प्रताप रैदास निवासी ग्राम देमल थाना सकरन जिला सीतापुर से असंद्रा थाना क्षेत्र के देवीगंज में मार्ग स्थित भैरव नाथ ब्रिक फील्ड सूरजपुर मजदूरी करने के लिए अपने फूफा सरविंद पुत्र त्रिभुवन के साथ आया हुआ था।जो जमीन पर सो रहे थे।जेसीबी की टक्कर की वजह से सिर में गंभीर चोट आई और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। मौके पर अज्ञात चालक जेसीबी खड़ी कर भाग गया।

कांग्रेस पार्टी ने जिलाध्यक्ष नेतृत्व में उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर कार्यालय का किया घेराव

अयोध्या। कुमारगंज नगर पंचायत वार्ड नंबर 1 की सभासद प्रतिनिधि संतोष कुमार कोरी की जेल में निरूद्ध किए जाने के विरोध में कांग्रेस पार्टी ने जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर कार्यालय का घेराव किया।

मिल्कीपुर उप जिलाधिकारी के पश्चात कांग्रेस नेता संतोष कुमार कोरी को प्रशासन ने जमानत पर रिहा किया।इस प्रदर्शन में समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कम्युनिस्ट पार्टी के नेता भी शामिल हुए।

जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि दलित कार्यकर्ता के ऊपर हो रहे उत्पीड़न को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि उप जिलाधिकारी महोदय भारतीय जनता पार्टी के दबाव में अन्य राजनीतिक दलों के कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न कर रहे हैं।

धरने को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कांग्रेस पार्टी ने इस मामले में न्याय की मांग करती हैऔर दलित समुदाय के अधिकारों की रक्षा के लिए खड़ी है। यह प्रदर्शन राजनीतिक दबाव में उत्पीड़न के खिलाफ एक मजबूत संदेश देता है। कार्यक्रम का संचालन पीसीसी सदस्य संजय तिवारी ने किया।

उप जिलाधिकारी मिल्कीपुर के जमानत आश्वासन पर प्रदर्शन को समाप्त किया गया जमानत दिए जाने पर सभी कार्यकर्ताओं ने उप जिला अधिकारी महोदय का धन्यवाद दिया कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अमरीश पांडे, शिवपूजन पांडे, तेजबली पांडे, विकास सिंह विकी, प्रदीप करी, लल्लन कोरी, फूलचंद यादव, सुनील कुमार कोरी, राम सतन कोरी, सुनीता कोरी, चंद्र कुमार कोरी, द्वारिका पाल, प्रदीप रावत, नंदलाल कोरी, ईश्वर दीन, दिलीप कोरी और राकेश कोरी शामिल थे।

खेल भावना के साथ खिलाडियों में टीम वर्क का भाव जाग्रत होता हैः पूर्व सांसद लल्लू सिंह

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। लोकसभा स्तर पर प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबले बुधवार को प्रारम्भ हुए। ब्लाक स्तर की प्रधानमंत्री खेल प्रतियोगिता 4 सितम्बर को हुआ था। लोक सभा क्षेत्र के सभी 13 ब्लाकों में प्रतियोगिता आयोजित की गई। ब्लाक स्तरीय खेल प्रतियोगिता में विजेता तथा उपविजेता टीमों के मध्य लोक सभा स्तर पर फाइनल मुकाबला खेला जा रहा है। जिसमें लोक सभा स्तर पर टीम को विजेता घोषित किया जाएगा। प्रतियोगिता का उद्घाटन सिद्धपीठ श्री हनुमत निवास के महंत मिथिलेश नंदनी शरण महराज ने दीप प्रज्जवलन कर किया। उन्होंने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साह वर्धन किया। छात्राओं द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह तथा आयोजन समिति के सदस्यों ने मुख्य अतिथि माल्यार्पण कर स्वागत किया। प्रतियोगिता में कबड्डी की कुल 14 टीमें खेल रही है। जिसमें कुल 6 मैच खेले गए। बुधवार को पहला मैच दरियाबाद व पूरा बाजार के मध्य खेला गया। जिसमें पूरा बाजार विजेता रहा। दूसरा मैच पूरेडलई तथा बीकापुर के मध्य खेला गया। जिसमें बीकापुर विजेता रहा। तीसरा मैच मिल्कीपुर तथा सोहावल के बीच खेला गया। जिसमें सोहावल ने मैच जीता। पूरा बाजार द्वितीय तथा मसौधा के बीच खेले गए मैच में मसौधा विजयी रहा। अमानीगंज व बनीकोडर मैच में बनीकोडर विजेता रहा। छठवां मैच सोहावल व हैरिंग्टनगंज के मध्य खेला गया। जिसमें हरिंगटनगंज विजेता बना। वालीबॉल की कुल 11 टीमें प्रतिभाग कर रही है। जिसमें बुधवार को 4 मैच खेले गए। पहला मैच हरिंगटनगंज व मसौधा के बीच खेला गया। जिसमें हैरिंगटनगंज विजेता रहा। दूसरा मैच मिल्कीपुर व पूराबाजार में हुआ। जिसमें मिल्कीपुर विजेता बना। तीसरा मैच अमानीगंज व दरियाबाद के बीच हुआ जिसमें दरियाबाद विजेता बना। मिल्कीपुर व मवई के बीच हुए चौथे मुकाबले में मिल्कीपुर विजेता रहा। मुख्य अतिथि ने कहा इस प्रकार के आयोजनों से ग्रामीण क्षेत्र की प्रतिभाओं को मंच मिलता है। जिससे उनकी प्रतिभा में निखार आता है। खेल हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण अंग है। खेल से शारीरिक तथा मानसिक विकास होता है।

पूर्व सांसद ने कहा कि खेल से व्यक्ति का शरीर व मस्तिष्क दोनों स्वस्थ रहते है। खेल भावना के साथ खिलाडियों में टीम वर्क का भाव जाग्रत होता है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पर्यावरण और गंगा समितियों की बैठक

अवधनामा संवाददाता

अयोध्या। जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला गंगा समिति और जिला पर्यावरण समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अयोध्या नगर की जलवायु परिवर्तन कार्ययोजना, नगरीय उत्प्रवाह शोधन, निर्माणाधीन 33 एमएलडी एसटीपी संचालन, औद्योगिक इकाइयों और होटलों में पर्यावरणीय निरीक्षण और बायोमेडिकल वेस्ट के प्रभावी निस्तारण पर चर्चा की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले गंदे पानी की निगरानी के लिए एक विशेष कमेटी गठित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सभी उप जिलाधिकारियों को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा गया कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक इकाइयों से होने वाले प्रदूषण पर कड़ी निगरानी रखी जाए। इसके अलावा, गंगा समिति को यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी दी गई कि नदियों में दूषित जल का प्रवाह न हो, और इसके लिए नियमित क्षेत्रीय भ्रमण कर जांच की जाए। जिलाधिकारी ने जिला वृक्षारोपण समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए पौधों की सुरक्षा और सिंचाई पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया।

बिल्डर चन्दा की मुश्किलें कम होने का नाम नही ले रही, एक और मुकदमा दर्ज हुआ

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। जालसाज़ी के सहारे लेडी डॉक्टर बंगले की बेशकीमती ज़मीन कब्ज़ाने को लेकर प्रशासन की नज़रों में चढ़े नौशाद आलम उर्फ चन्दा बिल्डर की मुश्किलें खत्म होने का नाम नही ले रही है। जालसाज़ी के आरोप में जेल की हवा खा चुके चन्दा बिल्डर के खिलाफ लखनऊ निवासी एक व्यक्ति की शिकायत पर नगर कोतवाली में जालसाज़ी और षडयंत्र रचने की धाराओं में एक और मामला दर्ज किया गया है। बाराबंकी ज़िले की कोतवाली नगर अंतर्गत पैसार कोठी निवासी सैय्यद मोईन शाहिद जाफरी पुत्र शाहिद अख्तर जाफरी ने नगर कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि हाल ही में उन्हें जानकारी हुई है कि मेरे नाम से न्यायालय सिविल जज (सी0डि0) कोर्ट नं0 20 बाराबंकी के यहां एक सिविल वाद सं0 582/2021 विचाराधीन है। जिसमें मेरी माता अंजुम फातिमा को विपक्षी बनाकर कुछ अज्ञात लोगो ने एक फर्जी वसीयत मेरी नानी श्रीमती जुलेखा खातून की ओर से मेरे पक्ष में ग्राम पैसार (एनजेडए) स्थित भूमि गाटा सं0 199 के कुछ अंश 11,500 वर्गफिट को आधार बना कर दाखिल किया। उक्त वाद में मेरी माता की ओर से जवाब-दावा भी दाखिल है। यह सब कृत्य किसका है मुझे व मेरी माता को इसकी जानकारी नहीं है, न ही मैंने और मेरी माता ने किसी वकील को किया है। पीड़ित ने आगे बताया कि मेरे द्वारा जब वाद का अवलोकन किया गया तो ज्ञात हुआ कि नौशाद आलम पुत्र अब्दुल शकूर नि0 301, ग्रेडियर अपार्टमेन्ट -06, बटलर रोड डाली बाग, लखनऊ का नाम चौह?द्दी में लिखा है। यहाँ पर महत्वपूर्ण बात यह है कि उक्त नौशाद आलम द्वारा एक फर्जी कूटरचित दस्तावेज बैनामा दिनांक 27.09.2021 अपने सहयोगी शहाबुद्दीन पुत्र जमालुद्दीन से अपने पक्ष में गाटा सं0 199 रकबे 23000 वर्ग फिट का निष्पादित करवाया था और उक्त वाद दिनांक 10.11.2021 को इसी फर्जी बैनामा की भूमि/प्लाट को चौहद्दी में दर्शात्ति हुए दाखिल हुआ, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उक्त वाद नौशाद आलम व उनके साथियो की मिली भगत है, जिसको लाभ प्राप्त करने की नियत से तैयार कर दाखिल किया गया। पीड़ित ने बताया कि उपरोक्त फर्जी वसीयत दिनांक 3.10.2007 का तैयार करना उसमें वर्णित कथन, मेरी नानी के हस्ताक्षर आदि, मेरे तरफ से वाद दाखिल करना, उसमें फर्जी शपथ पत्र तैयार करना, वकील नियुक्त करना व मेरी माता की ओर से वकील नियुक्त कर जवाब दावा दाखिल कर शपथ पत्र बनाना, उक्त सभी कृत्य नौशाद आलम व उनके साथियो के द्वारा मेरी माता व मेरे ऊपर दबाव बनाकर ज़मीन अपने नाम लिखवाने की साजिश प्रतीत होता है।

किशोरियो को शिक्षा के साथ आत्मनिर्भर बनाने को लेकर प्रशिक्षण शिविर चलाया गया

अवधनामा संवाददाता

मसौली बाराबंकी। पंचायत भवन पंजरौली मे वात्सलय संस्था द्वारा मंगलवार से शुरु हुए दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर मे क्षेत्र की 26 किशोरियो को शिक्षा के साथ साथ आत्मनिर्भर बना कर सशक्त बनाने के गुर बताये गये। प्रशिक्षण शिविर मे प्रशिक्षक डा0 नीलिमा गुप्ता एव डा0 प्रीति सिंह ने कहा कि बदलते समय के साथ महिलाओं को भी बदलने की जरूरत है। महिलाओं को अब पुरुषों पर आत्मनिर्भर रहने की जरूरत नहीं है। युवतियों में हुनर का होना बेहद आवश्यक है। यह प्रशिक्षण उन्हें प्रगति की ओर ले जाने में सहायक साबित होगा। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य है कि किशोरियो को पोषण, स्वास्थ्य जांच, और जीवन कौशल शिक्षा के लिए मजबूत बनाना है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर बनने के लिए, खुद में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना भी ज़रूरी है. इसके साथ ही, भावनात्मक रूप से मज़बूत बनना भी बहुत ज़रूरी है. अपने आस-पास ऐसे लोगों को रखना भी ज़रूरी है जो आपकी वृद्धि और स्वतंत्रता को प्रोत्साहित करते हैं। इस मौके पर ग्राम प्रधान रामसहाय, समन्वयक रामशंकर, प्रेमशंकर, राधा वर्मा, डा0 प्रज्ञा सचान, महेंद्र कश्यप, कमलेश कुमार दयाशंकर, प्रेमनाथ, अर्चना सिंह, चंदन शुक्ला, गायत्री गौतम ने रोल प्ले के द्वारा जीवन कौशल शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।

तेज रफ्तार बोलेरो ने पिता पुत्र को रौंदा, पिता घायल

जैदपुर बाराबंकी। तेज रफ्तार में बोलेरो चालक ने एक व्यक्ति को जोरदार टक्कर मारकर हुआ फरार पीड़ित के पुत्र ने थाना जैदपुर में की शिकायत, पुलिस द्वारा मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार जैदपुर पुलिस को शिकायती पत्र देते हुये सनी सिंह पुत्र रमेश चन्द्र नि0 ग्राम तमरसेपुर थाना सतरिख, जनपद बाराबंकी ने बताया कि उनके पिता रमेश चन्द्र पुत्र नत्याराम अपने घर से सब्जी लेने के लिए हरख चौराहा निकट राजा बाजार स्वतंत्रता सेनानी गेट के पास पहुंचे ही थे तभी गाड़ी नम्बर यूपी 41एसी5268 महिन्द्रा बोलेरो हैदरगढ़ से बाराबंकी की ओर आ रही विपरीत दिशा से ड्राईवर तेज गति व लापरवाही से उक्त गाड़ी चलाते हुए प्रार्थी के पिता को जोरदार टक्कर मारते हुए प्रार्थी के पिता के ऊपर गाड़ी चढ़ा दिया और ड्राइवर गाड़ी लेकर भाग गया।

जिलाधिकारी ने परियोजनाओं की जानकारी लेकर दिया निर्देश

अवधनामा संवाददाता

महराजगंज। जिलाधिकारी अनुनय झा द्वारा कलेक्ट्रेट सभागार जल जीवन मिशन के तहत संचालित निर्माण परियोजनाओं की समीक्षा की गई। जिसमें अधिशासी अभियंता जल निगम से संचालित परियोजनाओं की जानकारी ली। अधिशासी अभियंता जल निगम ने बताया कि फेज-द्यद्य में जेएमसी की कुल 341 परियोजनाएं हैं, जिनके तहत 446 ग्राम पंचायतें आच्छादित हैं। इसी प्रकार फेज-द्यद्यद्य में कोया की 205 परियोजनाएं हैं, जिनसे 345 ग्राम पंचायतें आच्छादित हैं, जबकि रिथविक की 174 परियोजनाएं हैं और उनसे 302 ग्राम पंचायतें आच्छादित हैं। जिलाधिकारी ने तीनों कार्यदाई संस्थाओं से ट्यूब वेल, ओएचटी, पंप हाउस निर्माण सहित अन्य बिंदुओं पर हुई प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देशित किया कि तीनों संस्थाएं अपने सभी परियोजनाओं को तेज करें और जल्द से जल्द पूर्ण करें। साथ ही क्षतिग्रस्त सड़कों के अनुरक्षण का सत्यापन संबंधित बीडीओ द्वारा नामित अभियंताओं के माध्यम से रैंडमली कराने का निर्देश अधिशासी अभियंता को दिया। जिलाधिकारी ने विद्युत संयोजन हेतु अधिशासी अभियंता विद्युत को निर्देशित किया कि जिन परियोजनाओं में कार्यदाई संस्थाओं द्वारा धनराशि प्रेषित की जा चुकी है, उनमें माह के अंत तक विद्युत संयोजन सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी ने रिथविक-कोया की परियोजनाओं में विलम्ब पर नाराजगी व्यक्त करते हुए एल.डी. चार्ज लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कोया को क्षतिग्रस्त सड़कों के मरम्मत हेतु कड़ा निर्देश दिया। साथ ही अधिशासी अभियंता जल निगम को दोनों कार्यदाई संस्थाओं के कार्यों का साप्ताहिक और मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में पाक्षिक बैठक कराने का निर्देश दिया।

मारपीट में घायल महिला की मौत, मौके पर पुलिस तैनात

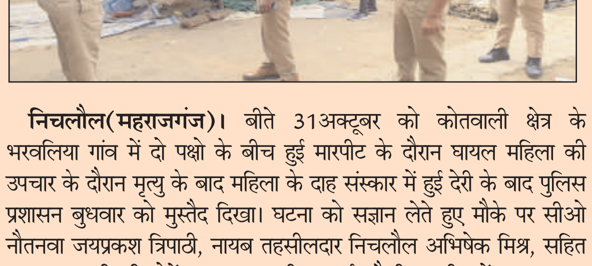

निचलौल(महराजगंज)। बीते 31अक्टूबर को कोतवाली क्षेत्र के भरवलिया गांव में दो पक्षो के बीच हुई मारपीट के दौरान घायल महिला की उपचार के दौरान मृत्यु के बाद महिला के दाह संस्कार में हुई देरी के बाद पुलिस प्रशासन बुधवार को मुस्तैद दिखा। घटना को सज्ञान लेते हुए मौके पर सीओ नौतनवा जयप्रकश त्रिपाठी, नायब तहसीलदार निचलौल अभिषेक मिश्र, सहित थानाध्यक्ष ठूठीबारी योगेंद्र कुमार, लक्ष्मीपुर खुर्द चौकी प्रभारी महेंद्र यादव मय फोर्स के साथ पहुँच परिजनों से मिल कर कार्रवाई का भरोसा दिया। उसके बाद परिजन दाह संस्कार के लिए चंदन नदी घाट पर शव को ले गए। जहाँ मृतिका के पति बाडू चौहान द्वारा मुखाग्नि देकर दाह संस्कार किया गया। बताते चले कि कोतवाली क्षेत्र के भरवलिया गांव की रहने वाली रमावती देवी पत्नी बाढ़ू चौहान ने अपने पड़ोसी कुसुमावती, उमेश चौहान, अशर्फी, ढेबरी पर मारपीट करने और उमेश चौहान पर चाकू से हमला करने का आरोप लगाया था। जिसके बाद लिखित तहरीर के आधार पर कोतवाली पुलिस ने दोनों पक्षों की तरफ से संबंधित धाराओं ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। लेकिन सोमवार को मारपीट में घायल महिला की तबियत अचानक बिगड़ गई, जिसे परिजनों की मदद से सीएचसी निचलौल ले जाया गया।

साइबर फाड से बचने के लिए सभी को जागरूक होना जरूरीः आलोक

अवधनामा संवाददाता

बाराबंकी। डिजिटल दुनिया तेजी से आनलाइन सेवाओं की तरफ बढ़ रही है। एक तरफ जहाँ सुविधाएं आसानी से उपलब्ध हो जाती है वहीं इन आसानी से मिलने वाली सुविधाओं में आनलाइन फाड होने की भी काफी संभावना रहती है। सोशल मीडिया साइट पर फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि सोशल एप्प के द्वारा भी लोगों को आनलाइन ठगी का शिकार बनाया जा रहा है। ठगी से बचने व सचेत रहने के लिए राजकीय हाईस्कूल बड़ेल में साइबर कोतवाली टीम द्वारा साइबर फाड से बचने के उपाय बताए गए। साइबर कोतवाली प्रभारी आलोक कुमार वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में आनलाइन ठगी अनेकों प्रकार से हो रही है। अगर आपके व्हाट्सएप्प पर या मैसेज के माध्यम से कोई लिंक आती है और आपको लालच दिया जाता है तो उस झांसे में आकर कभी भी उस लिंक को न खोलें इससे आपके फोन की सारी जानकारी ठगों तक पहुंच जाएगी। ग्रीन गैंग के संस्थापक प्रदीप सारंग ने बच्चों को संबोधित करते हुए बताया कि- शारीरिक बल और धन बल से ज्यादा ताकतवर होता है मस्तिष्क बल। मस्तिष्क बल यानी दिमाग दिमाग की शक्ति के सामने सारी शक्तियां सारे बल परास्त हो जाते हैं। इन मानसिक शक्ति को विकसित करने के लिए हमें अपने मन में चल रहे सवालों को शिक्षक अथवा संरक्षक से जरूर पूछना चाहिए। इससे ज्ञान बढ़ता है, तर्क शक्ति भी बढ़ती है और होता मस्तिष्क शक्ति का विकास। सोशल एक्टिविस्ट सूरज सिंह गौर ने कहा-आज का युग सोशल मीडिया के युग में परिवर्तित हो गया है।हम अपनी सारी मन की बातें सोशल साइट्स पर शेयर करते हैं।हम कहां जा रहे हैं ये सारी जानकारी हम पोस्ट करते हैं लेकिन इन जानकारियों का ठग और चोर इस्तेमाल कर उसका फायदा उठाते है। इसीलिए हमें ये जानकारियां शेयर करने से बचना चाहिए। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ मंजू श्रीवास्तव, साइबर टीम से अंकित कुमार, नीरज यादव ने भी सम्बोधित किया।

नेशनल प्रतियोगिता के लिए प्रदेशीय फुटबाल टीम में चयनित हुए अनूप

गोवा में होगी सिविल सर्विसेज की नेशनल स्तर की फुटबाल प्रतियोगिता

नौ से 24 दिसंबर तक होने वाले प्रतियोगिता के लिए 20 सदस्यीय टीम

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। अखिल भारतीय सिविल सर्विसेज फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन नौ से 24 दिसंबर तक गोवा में आयोजित है। इसके लिए उत्तर प्रदेश की टीम का गठन करते हुए 20 खिलाड़ियों का चयन किया गया है, उनमें माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय के लिपिक अनूप कुमार श्रीवास्तव का भी चयन हुआ है। उनके चयन पर सीएमएस समेत अन्य चिकित्सकों और लिपिक संवर्ग के लोगों ने बधाई दिया है। सिविल सर्विसेज 2024-25 के लिए 45 वर्ष से अधिक उम्र के प्रदेश स्तरीय फुटबाल टीम में 20 खिलाड़ियों (अधिकारियों, कर्मचारियों) का चयन किया गया हैं, उनमें माधव प्रसाद त्रिपाठी मेडिकल कॉलेज से संबद्ध संयुक्त जिला चिकित्सालय के लिपिक अनूप कुमार श्रीवास्तव का भी चयन हुआ हैं। निदेशक खेल आरपी सिंह की ओर से जारी सूची में चयनित अनूप श्रीवास्तव नौ दिसंबर से 24 दिसंबर तक गोवा में होने जा रहे नेशनल फुटबाल प्रतियोगिता में शामिल होंगे। इससे पहले अनूप जिला, मंडल और प्रदेश स्तरीय प्रतियोगिता में सफलता के बाद नेशनल प्रतियोगिता के लिए प्रदेश टीम में चयनित होने में सफलता हासिल की। इनके चयन पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एके झा समेत अरविंद सिंह, घनश्याम मद्धेशिया, राघवेंद्र द्विवेदी, इरफान खान, वीरेंद्र उपाध्याय, श्रीश श्रीवास्तव आदि ने बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्त किया है।

मिशन शक्ति फेज 05 के अंतर्गत बच्चो के मध्य खेलकूद प्रतियोगता कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

बांसी सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी विनय कुमार सिंह के आदेशानुसार मिशन शक्ति फेज -05 के अंतर्गत बच्चो के मध्य खेलकूद प्रतियोगता कार्यक्रम राममिलन चौरसिया इंटर कॉलेज मिठवल बाजार सिद्धार्थनगर मे प्रबंधक दिलीप कुमार के अध्यक्षता में 13 नवम्बर 2024 को संपन्न हुई। इस अवसर पर महिला कल्याण विभाग के तरफ से विधि सह परिवीक्षा अधिकारी अजीत कुमार ने बताया कि खेल मानसिक, शारीरिक, और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। यह हमें स्वस्थ रखने, दिमाग की क्षमता को विकसित करने, सामरिकता का अभ्यास करने, और टीमवर्क करने का अवसर प्रदान करता है। यह हमारे जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाता है और हमें सकारात्मक रूप से सोचने, संघर्ष करने, और जीतने की क्षमता प्रदान करता है। खेलकूद से बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है बच्चों को पढ़ाई के साथ खेलने का अवसर प्रदान करना चाहिए। खेलकूद हमें शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ बनाने में मदद करती है। खेल एक ऐसी कला है जो सकारात्मक विचारों जागृत करती है खेल के बारे में विस्तृत जानकारी देने के बाद महिला कल्याण विभाग से संबंधित सभी योजनाएं जैसे मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना, मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना सामान्य, स्पॉन्सरशिप योजना, वाल विवाह योजना, बाल श्रम, की रोकथाम, वन स्टॉप सेंटर, बाल कल्याण समिति, किशोर न्याय बोर्ड, तथा चाइल्ड लाइन 1098, एवं महिला हेल्प लाइन नम्बर 181 घरेलू हिंसा से सम्बंधित जानकारी देने के साथ कक्षा 11वी तथा कक्षा 12वी के बालिकाओ बीच कैरम एवं खो - खो प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया ,जिसमें बालिकाओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और बालिकाओं के बीच एक अच्छी प्रतिस्पर्धा देखने को मिला खो खो खेल में कुल 24 छात्राओ ने भाग लिया जिसमें टीम क्रका प्रथम स्थान रहा। कैरम खेल शिवांगी चौरसिया एवं लक्ष्मी के बीच खेला गया जिसमें शिवांगी चौरसिया का प्रथम स्थान रहा। रोमा पाण्डेय ने बालिकाओ से संबंधित महिला सशक्तिकरण के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर मानव सेवा संस्थान से जय प्रकाश गुप्ता प्रोग्राम मैनेजर एवं अध्यापक संतोष पासवान, सतेंद्र त्रिपाठी, अखिलेश्वर मिश्र,गौरव साहनी, प्रशांत त्रिपाठी, अजीत पाण्डेय, संजय कुमार, सुमित श्रीवास्तव, प्रियंका मिश्रा,पूनम पासवान, राजू यादव, फरजाना खातून, कायनात, संदीप, अरुण मिश्र, लीना पाल एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से वृद्ध व्यक्ति की मौत

अवधनामा संवाददाता

शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर। गोरखपुर बढ़नी गोण्डा रेल खण्ड मार्ग पर स्थित महथा बाजार हाल्ट रेलवे स्टेशन के पश्चिम बानगंगा नदी रेलवे पुल पर गोरखपुर से बढ़नी के तरफ जाने वाली ट्रेन गाड़ी संख्या 15081 गोमतीनगर एक्सप्रेस की चपेट में आने से 80 वर्षीय की मौत। घटना की सूचना पाकर शोहरतगढ़ थानाध्यक्ष प्रभारी निरीक्षक सुभाष यादव मय टीम के साथ पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर कार्यवाही में जुट गये। गोमतीनगर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने वाले व्यक्ति की पहचान शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत महथा बाजार निवासी चौधरी पुत्र अब्दुल्ला उम्र 80 वर्ष के रुप में हुई। इस संबंध में शोहरतगढ़ थाना प्रभारी निरीक्षक सुभाष यादव ने बताया कि शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र के महथा बाजार गांव निवासी चौधरी पुत्र अब्दुल्ला गोमतीनगर एक्सप्रेस ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस दौरान प्रभारी थानाध्यक्ष सुभाष यादव, दीवाना अमरनाथ, हेड कांस्टेबल रोशनअली, दिनेश यादव, कांस्टेबल राजकुमार, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि मोहम्मद आसिम, धर्मेन्द्र, अजय, रामू पुरी, संजीत गिरि, जग्गू साहनी, अम्बर साहनी, सतेसर व ग्रामीण मौजूद रहें।

डीएम की अध्यक्षता में हुई फैमिली आईडी के सम्बन्ध में बैठक

अवधनामा संवाददाता

एक परिवार एक पहचान योजनांतर्गत विशिष्ट पहचान हेतु फैमिली आईडी का सृजन

सिद्धार्थनगर। फैमिली आईडी के सम्बन्ध में जिलाधिकारी डा0 राजा गणपति आर0 की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में बुधवार को कार्यशाला अम्बेडकर सभागार में सम्पन्न हुई।

प्रदेश में संचालित लाभार्थीपरक योजनाओं के बेहतर प्रबन्धन, समयबद्ध लक्ष्यीकरण, पारदर्शी संचालन, योजनाओं में शत-प्रतिशत पात्र लाभार्थियों का आच्छादन एवं जनसामान्य हेतु सरकारी सुविधाओं का सरलीकरण करने के उद्देश्य से फैमिली आई0डी0 एक परिवार एक पहचान योजना संचालित की जा रही है. जिसके अन्तर्गत प्रदेश के समस्त परिवारों की एक विशिष्ट पहचान हेतु फैमिली आई0डी0 सृजित की जा रही है। इस योजना के अन्तर्गत प्रदेश में अध्यासित राशन कार्ड धारक परिवारों की राशन कार्ड सख्या ही उनकी फैमिली आई0डी0 है तथा ऐसे परिवार जिनके पास राशन कार्ड नहीं है. उनकी फैमिली आई0डी0 बनाये जाने हेतु पोर्टल https://familyidup.gov.in विकसित किया गया है। शहरी क्षेत्रों में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारी स्वीकृत अधिकारी हैं तथा शहरी क्षेत्रों में सम्बन्धित लेखपाल तथा ग्रामीण क्षेत्रों में सम्बन्धित ग्राम पंचायत अधिकारी / ग्राम विकास अधिकारी सत्यापन / जांच अधिकारी हैं।

उक्त योजना की प्रगति की समीक्षा हेतु सीएम डैशबोर्ड पर शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं में सम्मिलित किया गया है। जनपद का लक्ष्य 73000 निर्धारित किया गया है तथा वर्तमान में स्वीकृत आवेदन की सख्या लगभग 4493 मात्र है। शासन के निर्देशों के कम में समस्त कर्मचारियों / शिक्षको का फैमिली आई-डी बनाया जाना है। कर्मचारियों के लिए वरिष्ठ कोषाधिकारी, जिला सेवायोजन अधिकारी एवं जिला पंचायत राज अधिकारी को नोडल अधिकारी नामित किये गये है। जन सेवा केन्द्र पर फैमिली आई0डी0 बनाने का शुल्क रू0 30 है। पंचायत भवन पर पंचायत सहायक द्वारा एवं स्वयं आवेदन करने पर निःशुल्क है। जिलाधिकारी ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यशाला में आप अच्छी तरह से प्रशिक्षण प्राप्त कर ले। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि प्रतिदिन पोर्टल खोलकर चेक करे तथा आवेदन को स्वीकृत करे। जिनका राशन कार्ड है उनका फैमिली आई0डी0 वही रहेगा जिनका राशन कार्ड नही बना है उनका नया फैमिली आई0डी0 बनेगा। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा रजत कुमार चौरसिया, वरिष्ठ कोषाधिकारी रमेन्द्र कुमार मौर्य, समस्त उपजिलाधिकारी, डीडीओ गोपाल प्रसाद कुशवाहा, पीडी नागेन्द्र मोहन राम त्रिपाठी, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी बी.एस.यादव, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका/नगर पंचायत, समस्त जनपद स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

सीडीओ द्वारा सीएचसी तिलौली में हो रहे टायलीकरण व मरम्मत कार्यों का निरीक्षण

बांसी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, तिलौली में हो रहे टायलीकरण व मरम्मत कार्यों का निरीक्षण किया गया। बुधवार को वि.ख. मिठवल अंतर्गत तिलौली स्थित मिठवल सीएचसी पहुंचे सीडीओ द्वारा भवन के मरम्मत एवं टाइलीकरण आदि का कार्यों का विन्दुवार निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सौरभ कुमार, खण्ड विकास अधिकारी सौरभ कुमार, अवर अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग भी मौजूद रहे। पर्ची काउन्टर, ओपीडी कक्ष, एक्स-रे कक्ष सहित भवन में आवश्कतानुसार प्लास्टर मरम्मत एवं टाइलीकरण कार्य कराया गया है। टाईल्स की गुणवत्ता सन्तोषजनक नही पाये जाने पर टाइल्स चेन्ज करके किसी अन्य कम्पनी का टाइल्स प्रयोग करने का उन्होंने निर्देश दिया। भवन पर प्लास्टर मरम्मत एवं रंगाई-पुताई का कार्य कराया जा रहा है। सीडीओ के अनुसार पेन्टिंग में ऐशियन पेन्ट का प्रयोग तो किया जा रहा है, परन्तु भवन में सीलिंग होने तथा प्लास्टर पर गन्दगी होने के कारण पेन्ट में साइनिंग नही है। इस बावत उन्होंने पुराना पेन्ट एवं खराब प्लास्टर निकालकर सफाई के साथ पुट्टी व पेन्टिंग कार्य कराने हेतु निर्देशित किया। भवन के छत पर सीलन व गन्दगी पायी गयी। जिसकी सफाई कर वर्षा के जल निकासी हेतु पाइप लगाने का भी निर्देश दिया। शौचालयों कराए जा रहे टोटी, पाईप तथा आवश्यक मरम्मत कार्य को गुणवत्तापूर्ण ढ़ग से करने का भी उन्होंने निर्देश दिया। स्वास्थ्य केन्द्र पर लेबर रूम, एएनसी वार्ड एवं पीआईसीयू तथा मेडीसीन स्टोररूम आदि का निरीक्षण करते हुए सीडीओ ने प्रभारी चिकित्साधिकारी राजीव कुमार रंजन को आवश्यक निर्देश दिया गया।

छह बोरी खाद साइकिल सहित तीन गिरफ्तार

बढ़नी सिद्धार्थनगर अवधनामा संवाददाता। ढ़ेबरुआ पुलिस टीम ने 6 बोरी खाद तथा तीन साइकिल सहित तीन लोगों को अन्तर्गत धारा 11 कस्टम अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर कस्टम कार्यालय बढ़नी को अग्रिम कार्यवाही हेतु सुपुर्द किया। बुधवार को थानाध्यक्ष ढेबरुआ संतोष कुमार सिंह ने बताया कि ग्राम पंचायत सेमरहवा में पुलिस टीम द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों की चेकिंग अभियान के दौरान कुछ लोग साइकिल पर खाद नेपाल की ओर ले जाते हुए दिखाई पड़े, पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए तीन लोगों को साइकिल पर लदा खाद सहित पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों ने पूछताछ के दौरान अपना नाम रामचन्दर पुत्र झगरु, सूरज पुत्र विजय तथा चन्दन पुत्र झगरू निवासीगण बहादुरगंज थाना बहादुरगंज जिला कपिलवस्तु राष्ट्र नेपाल बताया। साइकिल पर अवैध चार बोरी यूरिया, दो बोरी सुपर खाद व तीन अदद साइकिल के साथ सेमरहवा नो मेन्स लैन्ड के पास से गिरफ्तार किया गया तथा बरामद माल को धारा-11 कस्टम अधिनियम के तहत अग्रिम कार्यवाही हेतु कस्टम कार्यालय बढ़नी को सुपुर्द कर दिया गया।

नजूल भूमि पर हो रहे अतिक्रमण पर पालिका ने जारी की नोटिस

टांडा (अम्बेडकरनगर) अवधनामा संवाददाता। टांडा नगर पालिका परिषद क्षेत्र के अलीबाग हयातगंज मोहल्ले में सार्वजनिक कूआं, सार्वजनिक नल व नजूल भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने के लिए नगर पालिका ने नोटिस जारी किया है मोहल्ला हयातगंज अलीबाग पर एक पुराना कुंआ, एक सार्वजनिक नल तथा नजूल भूमि पर एक शोहदेदार व्यक्ति द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण के मामले में मोहल्ले वासी आक्रोशित हो गये मोहल्ले के लोगो का आरोप है कि नजूल भूमि पर सरकारी खड़जा में टेली फोन का पोल लगा हुआ था उसी मे सार्वजनिक कूआ, सरकारी नल लगा है जिसे शोहदो ने चारो तरफ से बाउन्ड्री वाल कराकर अपने अधीन अन्दर कर लिया है नजूल भूमि, कूआं और नल का उपयोग हमेशा से धोबी समुदाय के लोग किया करते थे। मामले मे हो हल्ला मचने पर नगर पालिका के अतिक्रमण प्रभारी ने नोटिस जारी कर अतिक्रमण रोकवा दिया है। अतिक्रमण प्रभारी शमशाद जुबेर ने बताया कि अतिक्रमण की जानकारी होने पर काम रोकवा कर विधिक कार्रवाई की जा रही है।

गंगा जमुनी तहज़ीब का प्रतीक आर्य समाज के 133वें वार्षिक उत्सव पर नगर में निकली शोभायात्रा

अम्बेडकरनगर दानिश मेहदी। टांडा आर्य समाज जुलूस का स्वागत इंडियन मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी ने किया जोरदार स्वागत कर जुलूस में शामिल तमाम महमानो का इस्तकबाल कर उनका मुंह मीठा कराया तथा टांडा आर्य समाज के प्रधान आनंद आर्य जके सदारत में निकले मनीष आर्य की अगुवाई में जुलूस में बाहर से आए हुए खुसुशी महमान स्वामी आर्यवेश आदि लोगो को माला एवम अन्य चीजे भेट कर सम्मानित किया इस दौरान संस्था के अध्यक्ष शीराज़ फ़ाज़िल ने सभी का माला पहना कर स्वागत किया एवम सभी को गिफ्ट भेट कर सम्मानित किया इस दौरान संस्था के तमाम पदाधिकारी, उपाध्यक्ष फिरोज खान, सचिव शहबाजअनवार कोषाध्यक्ष अमजद शकील आदि लोग मौजूद रहें।इस दौरान स्वामी आर्य वेश जी ने इंडियन मुस्लिम वेलफेयर सोसायटी के लोगो का धन्यवाद किया एवम कहा की प्रत्येक वर्षजब मैं टांडा आता हु तो यहां का भाईचारा आपसी प्रेम देख कर काफी खुश होता हु और दुनिया के कोने कोने में जाकर यहां के लोगो की तारीफ करता हूं।

बिना रजिस्ट्रेशन वाले हॉस्पिटल पर कार्यवाही करने से छूट रहे ज़िम्मेदार के पसीने

अवधनामा संवाददाता

अम्बेडकरनगर। जनपद मुख्यालय पर बिना पंजीकरण और बिना डॉक्टरों के अवार्शन किए जाने का वीडियो वायरल होने के पश्चात जिले के स्वास्थ्य महकमें के उच्च अधिकारी के संज्ञान में आने के बाद भी कार्यवाही करने में पसीने छूट रहे है।सीएमओ राज कुमार ने आगे भी ऐसे अवैध अस्पतालों पर कार्रवाई जारी रखने का दावा किया जाता है। जबकि हकीकत सबसे इतर है।

खाने के लिए सबसे ईमानदार सीएमओ राजकुमार अंबेडकर नगर इस समय माने जा रहे हैं परंतु जनपद में कई सैकड़ो की तादात में अवैध रूप से अस्पताल नर्सिंग होम सीएमओ अंबेडकर नगर के ईमानदारी का पोल खोल रहे हैं। यही नहीं जनपद में रजिस्टर्ड अस्पतालों के मानक को लेकर अगर बात की जाए तो मानक भी मानक के अनुरूप नहीं है उसके पश्चात भी उसका रजिस्ट्रेशन जनपद में कैसे हो गया यह अपने आप में एक अहम सवाल है। जनपद में प्रभारी के भी अपने निजी अस्पताल संचालित है कहीं ना कहीं इसका भी प्रभाव इनकी कार्यवाही पर आता है शायद यही कारण है कि जिम्मेदार अधिकारी इससे किनारा कसते हैं। जनपद में आम जनमानस में यह चर्चा का विषय बना हुआ है की जिम्मेदार अधिकारी की साठगांठ से अवैध रूप से अस्पताल और नर्सिंग होम तथा पैथोलॉजी संचालित हो रहे हैं, उनके निजी अपने निजी अस्पताल संचालित होने के कारण इनके हाथ कार्यवाही करने के लिए बध जाते हैं यह मीडिया के लोग नहीं कहते यह अंबेडकर नगर की आम जनता कहती है। जनपद में आवाज अस्पताल और नर्सिंग होम का वीडियो वायरल होने के बाद पूरे जिले में अवैध अस्पताल संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है। लगातार इस मामले की शिकायत भी शासन स्तर पर की जा रही थी। इसी क्रम में यह कार्रवाई की गई। आम जनमानस का कहना है कि अस्पताल में न तो डॉक्टर हैं और न ही अस्पताल का रजिस्ट्रेशन हुआ है, इसके बावजूद भी यहां पर अवॉर्शन किया जा रहा है।

इस बारे में मीडिया कर्मियों ने वार्ता की तो सीएमओ का कहना है कि बिना रजिस्ट्रेशन के संचालित हो रहे अस्पतालों पर कार्यवाही की जा रही है और आगे भी कार्यवाही चलती रहेगी।

गंदगी से बजबजाती नालियों से संक्रमित बीमारी होने की सम्भावना

अम्बेडकरनगर अवधनामा संवाददाता। नगर में इन दिनों नाले और नालियां में गंदगी भरी पड़ी हैं, जिसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जिन्हें हटाने नगर पालिका के सफाईकर्मी ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं नालियों की सफाई सही तरीके से नहीं होने से गंदे पानी में मच्छर पनप रहे हैं। साथ ही पानी की समुचित निकासी की भी कोई व्यवस्था नही है। अकबरपुर नगर पालिका क्षेत्र के अकबरपुर फैजाबाद रोड के पास स्थित लाल ब्रदर्स पेट्रोल पम्म के सामने की नालियों की स्थिति है। नालियों में गंदे पानी वह गंदगी से भरे पड़े हैं जिसमें इस मौसम में मच्छर पनप रहे हैं और डेंगू जैसे गंभीर बीमारी को दावत दे रहे हैं। आसपास के दुकानदार भी गंदगी के अंबर से परेशान हैं दुकानदारों में संक्रमित बीमारी फैलने की प्रबल आशंका है। अधिशासी अधिकारी बिना सिंह की अध्यक्षता में स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया था कार्यशाला में स्वच्छ भारत मिशन प्रहरी स्वच्छ वातावरण प्रोत्साहन समिति और समस्त सफाई प्रभारी मौजूद थे जिसमें उन्हें स्वच्छता को प्राथमिकता देते हुए वार्डो की साफ सफाई की समीक्षा करते हुए आवश्यक ऐसा निर्देश दिए गए थे। लेकिन उनकी सारी बातें हवा हवाई ही साबित हो रही है। नगर पालिका के जिम्मेदार नजरअंदाज कर रहे हैं।

कॅरियर काउंसलिंग फेयर में छात्रों को कॅरियर की राह दिखाएंगे विशेषज्ञ

अवधनामा संवाददाता

19 नवंबर को केंद्रीय विद्यालय में आयोजित होगा कॅरियर काउंसलिंग फेयर

सिद्धार्थनगर। केंद्रीय विद्यालय में 19 नवंबर आयोजित होने वाले कॅरियर काउंसलिंग फेयर में करीब 1000 छात्र-छात्राओं को कॅरियर की राह दिखाई जाएगी। भारत के बड़े शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञ कक्षा 10 व 12वीं के छात्र-छात्राओं को बताएंगे कि उन्हें किस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए क्या करना चाहिए इसमें प्रमुख विषयों का स्टॉल भी लगाए जाएंगे, जहां छात्र संबंधित विषय के बारे में बेहतर जानकारी प्राप्त कर पाएंगे।

उक्त बातें जिला विद्यालय निरीक्षक सोमारू प्रधान ने कही। वह मुख्यालय स्थित विद्या मंदिर में प्रधानाचार्यो की बैठक को संबोधित कर रहे थे। बताया कि शहर में पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय में सुबह नौ बजे से शाम चार बजे तक कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में देश के प्रमुख शिक्षण संस्थानों के विशेषज्ञों के साथ कई आईएएस एवं आईपीएस भी टिप्स देंगे छात्र-छात्राएं अलग अलग क्षेत्र में कॅरियर बनाना चाहत हैं, लेकिन सभी छात्र-छात्राओं को शुरूआती दौर में सही जानकारी नहीं मिल पाती है। कॅरियर फेयर में पेशेवर शिक्षा व प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जानकारी दी जाएगी। डीआईओएस सोमारू प्रधान ने बताया कि कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। विशेषज्ञों के नाम तय हो गए हैं, जिले में पहली बार ऐसा आयोजन हो रहा है। इसमें शामिल छात्र-छात्राओं का ज्ञानार्जन होगा। उन्होंने बताया कि आईएएस, आईपीएस के साथ नीट एवं कानून सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की जाएगी। 10वीं के बाद छात्रों को डिप्लोमा, एलआईसी, अग्निवीर जनरल ड्यूटी, फाइन आर्ट, आईटीआई, पीएमकेवाई, डिप्लोमा डांस म्यूजिक, डिप्लोमा बिल्डिंग सुपरवाइजर, डिप्लोमा फार्म मैनेज मैंट सहित डिप्लोमा के विभिन्न कोर्स को करके स्वरोजगार पा सकेंगे। जबकि 12वीं की पढ़ाई करने के बाद छात्र वाणिज्य वर्ग में सीए, सीएसईईटी, बीबीए, बीकॉम, बीसीए डीएड की पढ़ाई कर सकते है। विज्ञान वर्ग से बीएस डब्लू, एलएलबी इन्टीग्रेटड, बीए, बीबीए, फारेन लैंग्बैंज डिप्लोमा, बीएससी की पढ़ाई करके आगे भी कैरियर बना सकते है। 12 वीं में कला विज्ञान व वाणिज्य वर्ग से डिप्लोमा ट्रैवल्स और टूरिज्म, डीएमएलटी, डिप्लोमा इन एजुकेशन, डिप्लोमा एयर होस्टेस, फ्लाइट अटैंडेंट, इम्पोर्ट एस्पोर्ट, होटल मैनेजमैंट डिप्लोमा सहित कई क्षेत्रों में रोजगार का अवसर है।

डीएम की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा बैठक

अवधनामा संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी डा राजागणपति आर की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में राजस्व वादों के निस्तारण की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 द्वारा निर्विवाद वरासत की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारी/ तहसीलदार को निर्देश दिया कि निर्विवाद वरासत की कोई शिकायत नही आनी चाहिए।

यदि किसी तहसील की शिकायत प्राप्त होगी तो संबधित तहसीलदार के विरूद्ध कठोर कार्यवाई सुनिश्चित की जायेगी। समस्त उपजिलाधिकारी/ उपजिलाधिकारी न्यायिक, तहसीलदार/तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार प्रत्येक माह में 15-18 दिन कोर्ट में बैठकर सभी वादो का निस्तारण करे। आरसीएमएस पोर्टल पर सभी वादों को फीड कराये तथा प्रतिदिन पोर्टल को चेक करे। 05 वर्ष से ऊपर के वादो का शत्-प्रतिशत निस्तारण की कार्यवाही की जाये। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने जाति प्रमाण-पत्र, निवास प्रमाण-पत्र आय प्रमाण-पत्र, हैसियत प्रमाण-पत्र की समीक्षा की गयी। सभी प्राकर के प्रमाण-पत्रों को जारी करने के लिए अनावश्यक रूप से लेखपाल लम्बित न रखे इसकी समीक्षा तहसीलदार अपने स्तर से करे। समस्त उपजिलाधिकारी/ तहसीलदार प्रतिदिन जनसुनवाई करे। जिलाधिकारी डा0 राजागणपति आर0 ने समस्त तहसीलों के राजस्व कार्यो की समीक्षा करते हुए निर्देश देते हुए कहा कि सीमा स्तम्भ लोक निर्माण विभाग द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।लोक निर्माण विभाग के सम्बन्धित अधिकारी को माह दिसम्बर 2024 तक सभी उपजिलाधिकारी को सीमा स्तम्भ उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। आईजीआरएस पर प्राप्त शिकायतो का समय से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराये। जिलाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागो की प्रगति ठीक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए सभी विभागो की वसूली बढ़ाकर लक्ष्य पूर्ण करने का निर्देश दिया। आबकारी विभागा को वसूली बढ़ाने का निर्देश दिया। इसके अलावा स्टाम्प कर, भू-राजस्व वसूली, व्यापार कर, वन विभाग, मण्डी समिति, खनन विभाग, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र तथा अन्य विभागों की समीक्षा की गयी तथा शत्-प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण कराये जाने का निर्देश दिया गया। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, समस्त उपजिलाधिकारी न्यायिक, समस्त तहसीलदार, समस्त तहसीलदार न्यायिक, नायब तहसीलदार, आरए, सी.आर.ए., एलआरसी, जे.ए., जी.सी. लिपिक व अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

एक नहीं, पर सेफ हैं

भाजपा ने महाराष्ट्र के अखबारों में एक विज्ञापन छपवाया है-एक हैं, तो सेफ हैं। विज्ञापन के 'एक' शब्द में 46 टोपियां और पगडियां छापी गई हैं। वे महाराष्ट्र के विभिन्न वर्गों का प्रतिनिधित्व करती हैं, लेकिन एक टोपी गायब है। बेशक वह टोपी मुसलमान की है, जो बहुधा प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के खिलाफ वोट देता है। यहीं से स्पष्ट होने लगता है कि उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 'बंटेंगे, तो कटेंगे' का नारा क्यों लगाया था? उसी तर्ज पर प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के दौरान यह नारा क्यों लगवा रहे हैं-'एक हैं, तो सेफ हैं।' दोनों का भावार्थ एक ही है। प्रधानमंत्री ने अपने नारे को साजिश से जोड़ दिया है और समाज को बांटने के लिए कांग्रेस को लगातार आरोपित कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने संविधान की शपथ ली है कि वह पूरे देश के प्रधानमंत्री हैं। भाजपा-एनडीए के ही प्रधानमंत्री नहीं हैं, बल्कि समूचे विपक्ष के भी प्रधानमंत्री हैं। विज्ञापन और चुनाव प्रचार से यह भी साफ हो रहा है कि भाजपा हिंदू-मुसलमान की बात कर रही है। यह आश्चर्य है कि देश का 80 फीसदी बहुसंख्यक, 15 फीसदी अल्पसंख्यक की तुलना में, भयभीत और असुरक्षित महसूस कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और भाजपा के प्रचारक नेता लगातार ये नारे बुलंद कर बहुसंख्यक हिंदुओं को लामबंद करना चाहते हैं। यह चुनावी लक्ष्य है। यह प्रधानमंत्री या वरिष्ठ नेताओं की राष्ट्रीय, सामाजिक, जातीय चिंता नहीं है। करीब 145 करोड़ की आबादी वाला भारत 'एक' हो ही नहीं सकता। विविधता तो भारत की खूबसूरती है। उत्तर, दक्षिण, पूर्वोत्तर भारत की संस्कृति, उनके रस्मो-रिवाज, उनकी भाषाएं-बोलियां, नस्लें, जातियां-उपजातियां और धार्मिक आस्थाएं बिल्कुल अलग-अलग हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान के बावजूद वे 'एक' नहीं हो सकतीं, लेकिन भारत की संप्रभुता, एकता, अखंडता के सवाल पर वे सभी 'एक' हैं, 'भारतीय' हैं। प्रधानमंत्री को चिंता क्यों करनी चाहिए? बीते 77 साल से भारत राष्ट्र 'एक' है, बहुत कुछ भिन्न है। महाराष्ट्र और झारखंड में विधानसभा चुनाव हैं। उप्र समेत कई राज्यों में उपचुनाव भी हो रहे हैं। एक तरफ मुसलमानों के उलेमाओं, मौलानाओं ने बैठकें की हैं और महाविकास अघाड़ी के पक्ष में वोट करने के आह्वान किए हैं।

उन्होंने महाराष्ट्र में मुसलमानों को 10 फीसदी आरक्षण देने जैसी भी शर्त रखी है। एक अन्य बैठक में 'वक्फ बिल' के विरोध में 24 नवंबर को 'दिल्ली कूच' का आह्वान खासकर मुस्लिम नौजवानों के लिए किया गया है। 25 नवंबर से संसद का शीतकालीन सत्र शुरू हो रहा है। दिल्ली केंद्रीय सत्ता की धुरी है। ऐसे आह्वान और विरोध-प्रदर्शन, कानून के दायरे में, किए जा सकते हैं। मुस्लिम मौलानाओं ने 'औकात' और 'रूह कांप जाएगी' सरीखे आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया है। यह सामाजिक, सांप्रदायिक अलगाव को दर्शाता है। दूसरी तरफ हिंदुत्व जनसंघ और भाजपा का बुनियादी, चुनावी विचार-बिंदु रहा है, लेकिन प्रधानमंत्री के स्तर पर इसे चुनावी मुद्दा क्यों बनाया गया है? यदि देश विभाजक अवस्था में लग रहा है, तो उसे दुरुस्त करना प्रधानमंत्री का प्रथम कर्त्तव्य है। 'बंटेंगे' और 'एक' पर कांग्रेस भी आक्रामक और उग्र मुद्रा में आ गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडग़े ने योगी के नारे को 'आतंकवाद' से जोड़ दिया है और योगी की गेरुआ वेशभूषा पर भी सवाल किए हैं। इसकी प्रतिक्रिया में साधु-संत भी आक्रामक हो गए हैं और खडग़े के बयान को 'सनातन का अपमान' करार दिया है। प्रधानमंत्री और योगी के नारों से स्पष्ट है कि देश में हिंदुओं का अस्तित्व ही खतरे में है। भाजपा यह मुद्दा अपने जन्मकाल से ही उठाती रही है। देश के कुछ हिस्सों में मुस्लिम आबादी हिंदू जनसंख्या से अधिक हो गई है अथवा पहले से ही यही समीकरण थे। सिर्फ उसी आधार पर नारा नहीं दिया जा सकता-'एक हैं, तो सेफ हैं।' आरएसएस भी बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा एक लंबे अंतराल से उठाता रहा है। बीते 10 साल से अधिक समय से भारत में भाजपा-संघ की सरकार है। घुसपैठियों को बाहर खदेड़ा क्यों नहीं गया? राज्यों में भी भाजपा की सरकारें सर्वाधिक हैं। 2011 की जनगणना से स्पष्ट संकेत मिले थे कि देश में जनसांख्यिकी के समीकरण बदल रहे हैं। अब 2025 में जनगणना होनी है। उसके बाद देश को 'बंटने' की स्थिति से बचाया जा सकता है। आम आदमी के लिए विकास के जो मुद्दे अनिवार्य हैं, सिर्फ रेवडियों से ही उनकी भरपाई नहीं की जा सकती, क्या प्रधानमंत्री अपने मूल मंत्र को भूल गए हैं? प्रधानमंत्री का पद ऐसा है, जिस पर आसीन व्यक्ति को राजनीति से ऊपर उठकर सोचना होगा।

भूख एक भयानक सच, अन्न की बर्बादी कैसे रुके

संजीव ठाकुर

संयुक्त राष्ट्र संघ की फूड वेस्ट इंडेक्स सर्वे के अनुसार 2024 में हर एक नौ में से एक व्यक्ति पर्याप्त भोजन तथा आवश्यक पोषक तत्वों से वंचित और भूका रह जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ के स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार पूरी दुनिया में एड्स, मलेरिया, टीवी और करोना 2021 में जितने व्यक्ति की मृत्यु हुई है उससे कहीं ज्यादा लोग भुखमरी से ग्रस्त होकर भगवान को प्यारे हो गए है। संयुक्त राष्ट्र संघ के आंकड़ों के अनुसार ही पूरी दुनिया में गरीबों की संख्या लगभग 130 करोड़ है और दूसरी तरफ दुनिया में सर्वाधिक गरीब व्यक्ति भारत में निवासरत हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ पर्यावरण कार्यक्रम के अंतर्गत फूड वेस्ट इंडेक्स 2021 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया भर में 93 करोड़ लाख तक खाना कूड़े करकट के रूप में बर्बाद हुआ है। जिनमें घरों से निकला हुआ भोज्य पदार्थ का कूड़ा करकट लगभग 55 फीसदी, होटल रेस्टोरेंट एवं अन्य बाजार के भोजन बेचने वालों 24 फीसदी तथा अन्य क्षेत्र में लगभग 22 से 24 फीसदी भोजन बर्बाद हुआ है। पूरे विश्व में भोजन के बर्बाद होने से भुखमरी के आंकड़े और भी बढ़ गए हैं। बड़ी हैरानी और हैरतअंगेज बात यह है कि पूरे विश्व में प्रति व्यक्ति 1 साल में लगभग 122 से 124 किलोग्राम भोजन बर्बाद कर देता है। भारत में प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष 50 किलो, अफगानिस्तान 82 किलो, नेपाल 79 किलो, श्रीलंका 76 किलो, पाकिस्तान 74 किलो और भूटान जैसा छोटा देश 79 किलो भोजन बर्बाद करता है। भोजन बर्बाद करने की एवं भोजन को कूड़ा करकट बनाकर फेंकने की कुसंस्कृति ही लगातार कई देशों को गरीब से गरीबतर बनाते जा रही है। पूरे विश्व स्तर पर विकसित विकासशील एवं गरीब देश भोजन की निर्मम बर्बादी करते आ रहे हैं। एक तरफ संयुक्त राष्ट्र संघ भुखमरी उन्मूलन के लिए अभियान चलाकर रखा है जिसका नाम दिया गया है जीरो हंगर यानी कि भुखमरी शून्य स्तर पर लाने का प्रयास जारी है पर इस अभियान में विकासशील ,गरीब तथा विकसित देश अपने देशों में खाद्य पदार्थ के अपशिष्ट को फेंक कर अवरोध पैदा करने में कोई कमी बेसी नहीं छोड़ रहे हैं। वर्तमान परिदृश्य में कुछ विकासशील देशों में बढ़ती जनसंख्या और लगातार गिरते अनाज के उत्पादन के साथ-साथ अन्न की निर्मम बर्बादी की वजह से दुनिया भर में भूख और भुखमरी से पैदा होने वाली समस्याओं तथा भुखमरी से मरने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। यह भारत देश का दुर्भाग्य है की कृषि मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार कि भारत में करीब 50 हजार करोड़ की कीमत का हर साल अपशिष्ट के रूप में अन्न बर्बाद होता है, शायद आपको अंदाजा ना हो कि इतना अनाज बिहार जैसे बड़े राज्य की जनसंख्या को 1 वर्ष तक अन्य की आपूर्ति कर सकता है। भोजन की बर्बादी एक सामाजिक अपसंस्कृति एवं कुसंस्कृति की तरह व्याप्त होती जा रही है, विवाह समारोह अन्य उत्सव बफे सिस्टम एवं अन्य सामाजिक समारोह में अपनी थाली में ज्यादा से ज्यादा भोजन लेकर उसे बर्बाद कर देने की प्रवृत्ति अब आम हो गई है और थाली में पड़ा हुआ अनाज या तो सड़ जाता है अथवा बाहर फेंक दिया जाता है। भोजन की इस तरह बर्बादी एक तरह से कुसंस्कृति को बढ़ावा देकर एक सामाजिक बुराई के रूप में सामने आ रही है। अनाज को थाली या कूड़ेदान में फेंक देने से उससे केवल अनाज की बर्बादी नहीं होती बल्कि ऊर्जा, जल ,पोषक तत्वों की बर्बादी होती है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक तकदीस फ़ातिमा रिज़वी ने ग्रुप-5 प्रकाशन, 55-बी, वज़ीर हसन रोड, लखनऊ से मुद्रित कराकर प्रथम तल, मस्जिद नूर महल, साकेत पल्ली, नरही, लखनऊ से प्रकाशित किया।

किसी भी लेख में कोई विवाद के लिए 'अवधनामा' जिम्मेदार नहीं होगा, इसकी जिम्मेदारी लेखक की है। किसी भी समाचार के विवाद के लिए न्याय क्षेत्र लखनऊ ही होगा।

पोलिटिकल एडीटर : एम.एम. मोहसिन

स्थानीय संपादक

मोहम्मद आलम रिज़वी

RNI No UPHIN/2010/31173

टेली फैक्स नं. : 2288091, 4065716

avadhnamahindi@gmail.com,

लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए।

गंगा का मैल सख्ती व जवाबदेही से ही दूर होगा

ललित गर्ग

गंगा की सफाई, उसे प्रदूषण मुक्त करने एवं नदियों के माध्यम से आर्थिक विकास, धार्मिक आस्था एवं पर्यटन की संभावनाओं को तलाशने की दृष्टि से वर्तमान उत्तरप्रदेश सरकार एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तमाम प्रयासों के बावजूद गंगा आज भी मैली क्यों है? यह सवाल सरकार के नदियों को स्वच्छ बनाने के लिए लंबे समय से चल रही तमाम योजनाओं और कार्यक्रमों की पोल खोलते हैं। सरकार की ओर से घोषणाएं करने में शायद ही कभी कमी की जाती है, मगर उन पर अमल को लेकर कहां चूक या लापरवाही बरती जा रही है, इस पर गौर करना कभी जरूरी नहीं समझा जाता। यह गौर करना राष्ट्रीय हरित प्राधिकरण की उस टिप्पणी के कारण भी जरूरी हो गया है, जिसमें कहा गया है कि प्रयागराज में गंगा का पानी इतना प्रदूषित हो गया है कि वह आचमन करने लायक भी नहीं रह गया है। एनजीटी का यह खुलासा इसलिये भी चिंता बढ़ाने वाला है क्योंकि कुछ ही माह बाद यानी जनवरी 2025 की पौष पूर्णिमा से प्रयागराज में महाकुंभ की शुरुआत होने वाली है।

कुंभ मेले की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और अखाड़ों की सक्रियता बढ़ गई है। महाकुंभ को लेकर देश ही नहीं विदेश में भी खूब चर्चा होती है। यदि गंगाजल की गुणवत्ता को लेकर ऐसे ही सवाल उठते रहे तो देश-दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। सवाल इस बात को लेकर भी उठेंगे कि विभिन्न सरकारों द्वारा शुरू की गई अनेक महत्वाकांक्षी व भारी-भरकम योजनाओं के बावजूद गंगा को साफ करने में हम सफल क्यों नहीं हो पाए हैं। आखिर कौन है गंगा को प्रदूषित करने के गुनहगार? सरकारों को यह समझना होगा कि उसे केवल गंगा को साफ ही नहीं करना, बल्कि उसकी निर्मलता एवं अविरलता के लिये एक अनूठा उदाहरण भी पेश करना है। ऐसा करके ही देश की अन्य नदियों को भी प्रदूषणमुक्त करने की दिशा में सकारात्मक वातावरण निर्मित किया जा सकेगा। यह जानकारी भी सामने आई कि उत्तरकाशी में सुरंग के निर्माण के कारण ढ़ेर बने मलबे एवं कचरे को गंगा नदी के किनारे डाल दिया गया। औद्योगिक कारखानों का जहरीला कचरा ही नहीं बल्कि सरकार की अन्य विकास योजनाएं ही गंगा को प्रदूषित करने का जरिया बन रही है, जो अधिक शर्मनाक एवं चिन्ताजनक है। गंगा नदी एवं अन्य नदियों में उद्योगों से विभिन्न रसायन, चीनी मिल, भट्टी, ग्लिस्रिन, टिन, पेंट, साबुन, कताई, रेयान, सिल्क, सूत, प्लास्टिक थेलियां-बोतले आदि जहरीला कचरा बड़ी मात्रा में सरकार की चेतावनियों के बावजूद मिल रहा है। गंगा कायाकल्प का दृष्टिकोण 'अविरल धारा' (सतत प्रवाह), 'निर्मल धारा' (प्रदूषणरहित प्रवाह) को प्राप्त करके और भूगर्भीय और पारिस्थितिक अखंडता को सुनिश्चित करके नदी की अखंडता को बहाल करने की समग्र योजना और रखरखाव के बावजूद गंगा लगातार प्रदूषित हो रही है। जबकि सरकार क्रॉस-सेक्टोरल सहयोग

को प्रोत्साहित करने वाली नदी बेसिन रणनीति को लागू करके गंगा नदी के प्रदूषण को समाप्त करने और पुनरोद्धार को सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रही है। यह पानी की गुणवत्ता और पारिस्थितिक रूप से जिम्मेदार विकास को बनाए रखने की दृष्टि से गंगा नदी में न्यूनतम जैविक प्रवाह भी सुनिश्चित करता है। वर्ष 2014 से गंगा की सफाई का महत्वाकांक्षी अभियान 'नमामि गंगे' में अब तक करीब चालीस हजार करोड़ की लागत से गंगा की सफाई की करीब साढ़े चार सौ से अधिक परियोजनाएं आरंभ भी की गई हैं। इस परियोजना के अंतर्गत गंगा के किनारे स्थित शहरों में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करने, उद्योगों द्वारा बहाये जा रहे अपशिष्ट पदार्थों के निस्तारण के लिये शोधन संयंत्र लगाने, गंगा तटों पर वृक्षारोपण, जैव विविधता को बचाने, गंगा घाटों की सफाई के लिये काफी काम तो हुआ लेकिन अपेक्षित परिणाम सामने नहीं आए हैं। जो हमें बताता है कि जब तक समाज में जागरूकता नहीं आएगी और नागरिक अपनी जिम्मेदारी का अहसास नहीं करेंगे, गंगा मैली ही रह जाएगी। अधिकारियों की लापरवाही या फिर गड़बड़ियों की वजह से किसी बड़ी और बेहद महत्वपूर्ण पहलकदमी का भी हासिल शून्य कैसे हो सकता है, इसका उदाहरण गंगा का प्रदूषण है।

दरअसल, लगातार बढ़ती जनसंख्या का दबाव और गंगा तट पर स्थित शहरों में योजनाबद्ध ढंग से जल निकासी व सीवरेज व्यवस्था को अंजाम न दिये जाने से समस्या विकट हुई है। गंगा को साफ करने के लिये जरूरी है कि स्वच्छता अभियान एक निरंतर प्रक्रिया हो। एक बार की सफाई निष्प्रभावी हो जाएगी यदि हम प्रदूषण के कारकों को जड़ से समाप्त नहीं करते। इसके लिये गंगा के तट वाले राज्यों में पर्याप्त जलशोधन संयंत्र युद्ध स्तर पर लगाए जाने चाहिए। साथ ही गंगा सफाई अभियान की नियमित निगरानी होनी चाहिए। इसमें आधुनिक तकनीक का भी सहारा लिया जाना चाहिए। लोगों को बताया जाना चाहिए कि गंगा सिर्फ नदी नहीं है यह खाद्य शृंखला को संबल देने वाली तथा हमारी आध्यात्मिक यात्रा से भी जुड़ी है। गंगा में जहरीला कचरा बहाने वाले उद्योगों पर भी आर्थिक दंड लगाना चाहिए। इसी से यह उम्मीद की जा सकती है कि इसके जरिए मानव सभ्यता के लिए एक बेहद जरूरी नदी में फिर से जीवन भर सकेगा। वास्तव में गंगा एक संपूर्ण संस्कृति की वाहक रही है, जिसने विभिन्न साम्राज्यों का उत्थान-पतन देखा, किंतु गंगा का महत्व कम न हुआ। आधुनिक शोधों से यह भी प्रमाणित हो चुका है कि गंगा की तलहटी में ही उसके जल के अद्भुत और चमत्कारी होने के कारण मौजूद है। यद्यपि औद्योगिक विकास ने गंगा की गुणवत्ता को दूषित किया है, किन्तु उसका महत्व यथावत है। उसका महात्म्य आज भी सर्वोपरि है। गंगा स्वयं में संपूर्ण संस्कृति है, संपूर्ण तीर्थ है, उन्नत एवं समृद्ध जीवन का आधार है, जिसका एक गौरवशाली इतिहास रहा है।

'नमामि गंगे' परियोजना व स्वच्छ गंगा हेतु राष्ट्रीय मिशन के अंतर्गत प्रदेश में गंगा किनारे के 1,604 गांवों में 3,88,340 शौचालयों का निर्माण करवाकर उन्हें खुले में शौच से मुक्त गांव घोषित किया गया और नदी किनारे एक करोड़ 30 लाख पौधों का रोपण किया गया। गंगा को निर्मल बनाने के लिए घाट, मोक्षधाम, बायो डायवर्सिटी आदि से जुड़े 245 प्रोजेक्ट पर तेजी से काम हो रहा है। गंगा की 40 सहायक नदियों में प्रदूषित जल का प्रवेश रोकने के लिए दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार में 170 परियोजनाओं पर काम चल है। एक और राहत की खबर जो उम्मीद की किरण बन कर सामने आयी है कि गंगा में विषाक्त कचरा उड़ेलने वाली औद्योगिक इकाइयों में कमी आ रही हैं। सरकार के प्रयासों से गंगा के तटों का सौन्दर्यकरण भी बड़े पैमाने पर किया जा रहा है, जिससे पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा। मोदी सरकार ने एक सराहनीय पहल करके स्वच्छ गंगा कोष की स्थापना की है, जिसमें स्थानीय नागरिक व भारतीय मूल के विदेशी व्यक्ति और संस्थाएं आर्थिक, तकनीकी व अन्य सहयोग कर सकते हैं। स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें मिली विभिन्न भेंटों व स्मृति चिह्नों की नीलामी से प्राप्त 16 करोड़ 53 लाख रुपये की राशि इसी कोष में दी है।

पण्डित नेहरू एक युगपुरुष

इस समिट के कारण कुछ मुल्कों की मंशा थी कि भारत इतने बड़े बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेज़बानी नहीं कर पाएगा। उदेश्य सिर्फ़ नेहरू जी की क्षमता को जानना था। समस्या यह थी कि दुनियाभर से आने वाले मेहमानों के ठहरने के लिए पीएम नेहरू जी के पास देश में कोई फाइव स्टार होटल नहीं था। उस दौर में नेहरू की अपील पर रियासतों के पूर्व शासकों ने इसके निर्माण में योगदान दिया था। उनकी तरफ से 10 से 20 लाख का योगदान दिया गया। बाकी ख़र्च फण्ड बनाकर किया गया था।

दिलीप कुमार पाठक

परम विद्वान, उससे भी ज्यादा प्रेम बाँटने वाले करिश्माई शख्सियत पण्डित ज़ी के बारे में इतना लिखा गया है, कि उनके व्यक्तित्व को पढ़कर अध्ययन करें तो बहुत कुछ समझ सकता है। पण्डितज़ी कोई शख्स नहीं बल्कि अपने आप में एक मुक़म्मल राष्ट्र हैं। भारतीय लोकतांत्रिक राजनीति में एक ऐसा महानायक हुआ जिसके राजनीति में पदार्पण के बाद वैश्विक परिदृश्य में उत्सुकता बढ़ी, पण्डित ज़ी की शख्सियत क्या है? आज कई लोगों को लगता है, कि भारत की ख्याति अब ही बढ़ी है, जबकि सच्चाई यह है, कि भारत हमेशा से ही ज्ञानियों की धरती रही है। अपने मुल्क का स्थान हमेशा उच्च रहा है। जानने लायक पहलू यह है कि देश में आज पण्डित नेहरू जी के कद को छोटा करने के लिए तरह तरह से दुष्प्रचार किया जाता है। फिर भी नेहरू जी कद का विराट होता जा रहा है। आज के नकारात्मक दौर में पण्डित नेहरू जी का नाम ज्यादा प्रासंगिक हुआ है। हमें आज के दौर में बहुत सोचने की जरूरत है कि ऐसा क्या है कि हम आधुनिक युग में संकीर्णता से ग्रसित होते चले जा रहे हैं। नेहरू ऐसे युगपुरुष थे, जिन्होंने जेल में अपने समय का सदुपयोग करते हुए, एक से बढ़कर एक महान पुस्तकें लिख डाली।

भारत जैसे रूढ़िवादी देश जो अंग्रेज़ी सत्ता की ग़ुलामी से बाहर निकला ही था, लेकिन पण्डित नेहरू जी देश को बतौर प्रधानमंत्री ग्लोबल लीडर बनकर उभरे। जिनकी वजह से दुनिया की बड़ी संस्थाएं भारत की ओर देख रही थी। यूनेस्को चाहता था कि भारत में उसका एक समिट कराया जाए। 1955 में यूनेस्को पेरिस समिट में पण्डित नेहरू ने फोरम की बैठक में सुझाव दिया कि अगला समिट यानी 1956 में दिल्ली में कराया जाए। यूनेस्को में बड़े-बड़े मुल्कों ने मंजूरी दे दी कि अगला समिट भारत में ही होगा। इस समिट के कारण कुछ मुल्कों की मंशा थी कि भारत इतने बड़े बड़े देशों के राष्ट्राध्यक्षों की मेज़बानी नहीं कर पाएगा। उदेश्य सिर्फ़ नेहरू जी की क्षमता को जानना था। समस्या यह थी कि दुनियाभर से आने वाले मेहमानों के ठहरने के लिए पीएम नेहरू जी के पास देश में कोई फाइव स्टार होटल नहीं था। उस दौर में नेहरू की अपील पर रियासतों के पूर्व शासकों ने इसके निर्माण में योगदान दिया था। उनकी तरफ से 10 से 20 लाख का योगदान दिया गया। बाकी ख़र्च फण्ड बनाकर किया गया था। इस होटेल का जिक्र इसलिए किया गया है कि यह देश का पहला फाइव स्टार होटेल था, जिसे नेहरू जी ने देश की इज्ज़त बचाने के लिए किया था। आज भी दिल्ली के चाणक्यपुरी में बना अशोका होटेल नेहरू जी के महान व्यक्तित्व की गवाही देता है। एक साल बाद जब यूनेस्को सम्मेलन हुआ तो बहुतेरे राष्ट्राध्यक्षों ने पण्डित नेहरू जी की तारीफ़ की थी। आज नेहरु जी की मृत्यु के 59 साल बीत जाने के बाद भी देश के तत्कालीन पीएम के द्वारा नेहरू नाम की आड़ लेकर अपने शासन को सही ठहराया जाता रहा है।

आज कितनी घृणित बात है, देश का पीएम गालियाँ सुनाता : है कि मुझे गालियाँ दी जाती हैं, जबकि पण्डित नेहरू जी देश की स्वाधीनता संग्राम में बतौर क्रांतिकारी नौ बार जेल गए, लेकिन उन्होंने प्रधानमंत्री बनने के बाद कभी भी इसका जिक्र नहीं किया। उन्होंने कभी अँग्रेजी सत्ता पर ठीकरा नहीं फोड़ा। आजाद भारत के निर्माता पण्डित नेहरू जी के बारे में किसी ने क्या खूब कहा था ÷पूरी दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति में एक ऐसा महानायक हुआ, जिसने पूरी दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति को छुआ और राजनीति शुद्ध हो गई। वहीं, भारत के आजाद होने के बाद पंडित नेहरू ने शिक्षा, सामाजिक सुधार, आर्थिक क्षेत्र, राष्ट्रीय सुरक्षा और औद्योगीकरण सहित कई क्षेत्रों में किया। पण्डित नेहरू जी अपने विचारों और अपने उल्लेखनीय कार्यो की वजह से ही महान बने। आजादी के बाद नेहरू ने देश की तस्वीर बदलने के लिए कई कड़े फैसले लिए। उस दौरान उनके फैसलों की निंदा की गई और मजाक भी बनाया गया, लेकिन उनके उन फैसलों ने ही देश को आर्थिक मोर्चे पर मजबूत बनाया। आज भी पण्डित नेहरू जी को कुछ भी बोला जाता हो, लेकिन सच्चाई यही है कि पण्डित नेहरू जी ने देश को जब सम्भाला, और संवारने का काम किया, जब देश में 90त्न लोगों को हस्ताक्षर करना भी नहीं आता था। उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य, रक्षा, से लेकर उद्योग जगत को बेहतर बनाने के लिए कई काम किए। उन्होंने आईआईटी, आईआईएम और विश्वविद्यालयों की स्थापना की। साथ ही उद्योग धंधों की भी शुरूआत की। उन्होंने भाखड़ा नांगल बांध, रिहंद बांध और बोकारो इस्पात कारख़ाना की स्थापना की थी। पण्डित नेहरू जी इन उद्योगों को देश के आधुनिक मंदिर मानते थे। यह कोई अत्यंत आधुनिक सोच का इंसान ही बोल सकता था।

आज बात - बात पर अमेरिका - रसिया - चाइना की दादागिरी देखने मिलती है। पूरी दुनिया में भारत की हैसियत पिछलग्गू देशों की कभी नहीं रही। भारत हमेशा से ही अपनी गुटनिरपेक्ष राजनीति का प्रधान मुल्क रहा है। पण्डितजी चाहते थे कि भारत किसी भी देश के दबाव में न कभी आए। विश्व में हमारी स्वतंत्र पहचान हो। पण्डित नेहरु जी की विदेश नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा था, उनका पंचशील का सिद्धांत जिसमें राष्ट्रीय संप्रभुता बनाए रखना और दूसरे राष्ट्र के मामलों में दखल न देने जैसे पांच महत्वपूर्ण शांति-सिद्धांत शामिल थे। नेहरू ने गुटनिरपेक्षता को बढ़ावा दिया। गुटनिरपेक्षता का मतलब यह है कि भारत किसी भी गुट की नीतियों का समर्थन नहीं करेगा और अपनी स्वतंत्र विदेश नीति बरकरार रखेगा। इससे किसी भी राष्ट्र को कोई आपत्ति नहीं हुई , आज भी भारत नेहरू जी की विदेश नीति पर चलता है। पण्डित नेहरू जी को खारिज करने वाले लोगों को ज़रूर सोचना चाहिए।

भारत कई राज्यों को मिलाकर एक देश बना है, सभी की अपनी अपनी विशेषता है। फिर भी देश एकता के सूत्रों में बँधा हुआ है। हमेशा से ही राज्यों की अस्मिता के नाम पर कुछ कट्टरपंथी लोगों ने हर राज्य में अस्थिरता की कोशिश की। एक दौर में दक्षिण भारत में अलग देश की मांग उठी, पण्डित नेहरू जी ने जो फैसला लिया उसने देश की एकता और अखंडता को और भी मजबूत कर दिया। द्रविड़ कड़गम पहली ग़ैर राजनीतिक पार्टी थी, जिसने द्रविड़नाडु बनाने की मांग रखी। द्रविड़नाडु के लिए आंदोलन शुरू हुआ। लेकिन पण्डित नेहरू जी ने देश की अंखडता को बनाए रखने के लिए एक बड़ा कदम उठाया। नेहरू की की अगुवाई में कैबिनेट ने 5 अक्टूबर 1963 को संविधान का 16वां संशोधन पारित किया। इसी के साथ अलगावादियों की कमर टूट गई। इस संशोधन के माध्यम से देश की संप्रभुता एवं अखंडता के हित में मूल अधिकारों पर कुछ प्रतिबंध लगाने के प्रावधान रखे गए साथ ही तीसरी अनुसूची में भी परिवर्तन कर शपथ ग्रहण के अंतर्गत %मैं भारत की स्वतंत्रता एवं अखंडता को बनाए रखूंगा% जोड़ा गया था। संविधान के इस संशोधन के बाद द्रविड़ कड़गम को द्रविड़नाडु की मांग को हमेशा के लिए भूलना पड़ा। पण्डित नेहरू जी अपनी बौध्दिकता, दूरदृष्टि के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। पण्डित ज़ी ने अपनी दूरदृष्टि और समझ से पंचवर्षीय योजनाएं बनाई उनसे देश को आज भी लाभ मिल रहा है।

करोड़ों शालेय विद्यार्थी पुस्तकालयीन सेवा-सुविधाओं के अधिकार से वंचित

केंद्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सलन्स जैसे सरकारी शालाये देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षाप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसी प्रकार निजी शिक्षण संस्थानों में भी कुछ स्कूल राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का पालन करके बेहतर प्रदर्शन करते है।

डॉ. प्रितम भी. गेडाम

जीवन में शिक्षा का स्थान अमूल्य है और शिक्षा में पुस्तकालय का स्थान अतुलनीय है। शिक्षा मनुष्य को जीवन में विश्व के हर क्षेत्र में उच्च स्थान प्राप्त करने के लिए बेहतर अवसर प्रदान करके प्रगतिपथ पर अग्रसर होने के लिए प्रोत्साहित करती है, शिक्षा रूपी प्रकाश मनुष्य के जीवन का अंधकार खत्म करने के लिए है। शिक्षा का आधार पुस्तक होती है और बेहतर पुस्तक का संग्रह पुस्तकालय कहलाते हैं। शाला, महाविद्यालय, विश्वविद्यालय के ज्ञान स्त्रोत केंद्र अर्थात पुस्तकालय शिक्षा के मूल उद्देश्य को पूर्ण रूप से साकार करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं। पुस्तकालय के बिना शिक्षा केन्द्र अधूरा है। आज हम आधुनिक युग में उन्नत शिक्षा संस्थानों को देखते हैं, पुस्तकों का स्वरूप भी अब डिजिटल और वर्चुअल हो चुका है, दुनिया भर का ज्ञान, अद्ययावत सुचना, पुस्तके, कागजात इंटरनेट के एक क्लिक पर हमें घर बैठे तुरंत प्राप्त होते है। शिक्षा के साथ-साथ हर क्षेत्र, सरकारी विभाग, निजी संस्थान, समाज में भी पुस्तकालय का विशेष स्थान है। सार्वजनिक पुस्तकालय, शैक्षणिक पुस्तकालय, सरकारी विभाग पुस्तकालय, विशिष्ट विषय संबद्ध पुस्तकालय, निजी पुस्तकालय ऐसे हमें पुस्तकालय के विविध रूप अंतरराष्ट्रीय से स्थानीय स्तर तक देखने मिलते हैं।

मनुष्य के जीवन की प्राथमिक स्तर की शिक्षा विद्यालय की होती है, जहां जीवन विकास की नींव, नैतिकता, सभ्यता-संस्कार, ज्ञान का बीज बोया जाता है ताकि बड़ा होकर यह हरा-भरा, फलदार वृक्ष की भांति विकसित होकर देश की उन्नति में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकें। जिस प्रकार कुम्हार गिली मिट्टी को विशिष्ट रूप देकर उसका आकार बदलकर मूल्यवान बनाता है, उसी प्रकार शालेय शिक्षा विद्यार्थी जीवन में विविध विषयों के ज्ञान के साथ-साथ अच्छी बातें, ईमानदारी, बेहतर इंसान और सुजान नागरिक बनने में, कलागुणों को निखारने का अवसर देती है। शालेय बच्चे बड़े तेजी से विविध विषयों के ज्ञान को आत्मसात करते हैं, जल्दी नई बातें सीख जाते हैं। ऐसे शैक्षिक वातावरण में शिक्षा की ज्ञान रूपी आत्मा अर्थात पुस्तकालय सबसे बड़ी जिम्मेदारी निभाते है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए विकसित पुस्तकालय बेहद आवश्यक है।

हम सभी शिक्षा के महत्व को अच्छे से जानते है, भारत सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन भी शिक्षा में लगातार सकारात्मक भूमिका निभाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहकर नई उपलब्धियां हासिल कर रही हैं। शिक्षा समृद्धि के लिए नित नए कार्यक्रम किये जाते है। समग्र शिक्षा अभियान जैसे अनेक प्रेरणात्मक अभियान चलाए जा रहे है। केंद्रीय विद्यालय संगठन, जवाहर नवोदय विद्यालय, सैनिक स्कूल, स्कूल ऑफ स्पेशलाइज्ड एक्सलन्स जैसे सरकारी शालाये देश में

राष्ट्रीय पुस्तकालय सप्ताह विशेष

गुणवत्तापूर्ण शिक्षाप्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, इसी प्रकार निजी शिक्षण संस्थानों में भी कुछ स्कूल राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय स्तर के मानकों का पालन करके बेहतर प्रदर्शन करते है। यहां उच्च शिक्षित कर्मचारी वर्ग, नियमित पद भर्ती और शालेय सेवा-सुविधाओं का ध्यान रखा जाता है, पुस्तकालयों के विकास पर भी विशेष नीति-नियमों का कड़ाई से पालन किया जाता है, निश्चित ही ऐसे स्कूलों से प्रतिभावान विद्यार्थी निकलते है, जो आगे जाकर अपना, स्कूल और देश का नाम रोशन करते है। लेकिन देश में ऐसे शालाओं की संख्या बहुत कम है।

देश के बहुत से राज्यों में शिक्षा व्यवस्था में बहुत बड़ी समस्याएं है, जो विकास में रोड़े के रूप में है। आज भी बहुत से शालाओं में आधारभूत सुविधाएं नहीं है। बिजली, शुद्ध पानी, खेल का मैदान, खेल सामग्री, प्रयोगशाला, कंप्यूटर लैब और संपन्न पुस्तकालय का अभाव नजर आता है। कही पद रिक्त पड़े है, कई पदों पर बरसो से भर्ती नहीं, कई पुस्तकालय सामग्री के लिए निधि नहीं तो कही फर्नीचर नहीं, तो कही शालाओं की खंडहरनुमा बदरंग स्कूल भवन और अद्यावत तकनिकी ज्ञान कौशल से अनभिज्ञ कर्मचारी नजर आते है। बड़े शहरों और महानगरों में हालात फिर भी थोड़े ठीक है, पर ग्रामीण क्षेत्रों और दूरदराज के पिछड़े इलाकों में शालेय शिक्षा व्यवस्था और आधारभूत सुविधाओं का अकाल नजर आता है।

महाराष्ट्र राज्य सरकार की शालेय शिक्षण विभाग के पोर्टल से प्राप्त जानकारी अनुसार, राज्य के 111879 शालाओं में 20989572 विद्यार्थी अभी पढ़ रहे है। इनमें निजी स्कूल 67842 और निजी अनुदानित (सहायता प्राप्त) शाला 44037 है। इन दोनों प्रकार के स्कूल में कुल 686495 कर्मचारी है, उसमे से टीचिंग 613181 और नॉन टीचिंग कर्मचारी 73314 हैं। महाराष्ट्र सरकार के इसी शालेय शिक्षा और खेल विभाग मंत्रालय का जी.आर. जो 28 जनवरी 2019 को प्रसिद्ध किया गया था, उसमें साफ शब्दों में बताया गया था कि निजी अनुदानित अर्थात सहायता प्राप्त स्कूल में कुल कार्यरत 1600 अंशकालिक लाइब्रेरियन के सेवानिवृत्ति के बाद यह पद समाप्त किये जायेंगे। निजी अनुदानित (सहायता प्राप्त) कुल 44037 शालाओं में से पूर्णकालिक लाइब्रेरियन के केवल 2118 पद ही मंजूर किये गए है, अर्थात दोनों मिलाकर 3718 शालाओं में ही पुस्तकालय कर्मचारी कार्यरत है, यह जीआर के तारीख से लेकर अब तक बहुत से कर्मचारी भी सेवानिवृत्त हुए ही होंगे, तो यह संख्या उससे भी कम हो जाती है। इस हिसाब से महाराष्ट्र राज्य सरकार के 44037 में से निजी अनुदानित स्कूलों के 40319 में पुस्तकालय कर्मचारी कार्यरत नहीं है, या फिर कह सकते है कि पुस्तकालय सेवा-सुविधा ही नहीं है। महाराष्ट्र सरकार ने 1001 से अधिक विद्यार्थी वाले उच्च विद्यालय में ही पुस्तकालयाध्यक्ष पद का नियम बनाया है। बड़े दुर्भाग्य की बात है कि सरकार हर महीने इन शालेय शिक्षकों के तनख्वाह पर तो अरबों रुपया खर्च करती है, लेकिन पुस्तकालय के विकास के बारे में नजरअंदाजी करोड़ों विद्यार्थियों के शैक्षिक जीवन को बुनियादी सेवा सुविधाओं से वंचित कर देती है।

महाराष्ट्र राज्य के बहुत कम स्कूलों में पुस्तकालयाध्यक्ष हैं। मैंने बरसों से महाराष्ट्र राज्य के सरकारी अनुदानित शालाओं के पुस्तकालय हेतु पद भर्ती नहीं देखी है। यह भी स्पष्ट है कि संबंधित विभाग, प्रशासन, सरकारी अधिकारी स्कूलों में पुस्तकालयाध्यक्षों की नियुक्ति में उदासीन हैं। विभिन्न समितियों और आयोगों की रिपोर्टों, सरकारी निर्णयों आदि के बावजूद आश्चर्य की बात है कि महाराष्ट्र सरकार के पास सरकारी स्कूलों में लाइब्रेरियन नियुक्त करने की कोई नीति नहीं है। पुस्तकालयाध्यक्षों के बगैर आज के शालेय विद्यार्थी अर्थात कल के भावी नागरिकों का भविष्य अंधकार में रहेगा। ऐसी दुखद स्थिति जहां एक लाइब्रेरियन की नियुक्ति केवल उच्च विद्यालयों से जुड़े स्कूलों में ही की जा सकती है।

कर्नाटक के खिलाफ महज 89 रनों पर सिमट गई यूपी की टीम

अवधनामा संवाददाता

रणजी ट्रॉफी

लखनऊ। रणजी ट्रॉफी के तहत लखनऊ के इकाना स्टेडियम में शुरू हुए रणजी मुकाबले में यूपी की शुरुआत बेहद खराब रही। कर्नाटक के गेंदबाजों के सामने मेजबान टीम का पुलिंदा महज 89 रन पर बंध गया। रणजी इतिहास में यह यूपी का कर्नाटक के खिलाफ न्यूनतम स्कोर है। मैच में यूपी की ओर से समीर रिजवी ने सबसे ज्यादा 25 रन बनाए। कर्नाटक की ओर से वी कौशिक ने 20 रन देकर पांच बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। इससे पहले वर्ष 1977- 78 में यूपी की टीम कर्नाटक के खिलाफ 112 रन बनाकर आउट हो गई थी।

इससे पहले बुधवार को यूपी के कप्तान ने ध्रुव जुयाल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। टीम का टॉप ऑर्डर पूरी तरीके कर्नाटक के गेंदबाजों के आगे फेल होता हुआ नजर आया। मेजबान टीम ने लंच तक अपने सात विकेट सिर्फ 56 रन के स्कोर पर ही खो दिए थे। आलम तो ये रहा कि कप्तान सहित टीम के चार बल्लेबाज खाता भी नहीं खोल पाए।

शीर्षक्रम में अभिषेक गोस्वामी (5), माधव कौशिक (00), ऋतुराज शर्मा (00), कप्तान आर्यन जुयाल (00), आदित्य शर्मा (09), विप्रज निगम (06), कृतज्ञ सिंह (13) रन का ही योगदान दे सके। बता दें कि उत्तर प्रदेश की टीम रणजी ट्रॉफी में संघर्ष करती हुई नजर आ रही है। पिछले काफी सीजन से यूपी की टीम रणजी के फलक पर फीकी रही है और इस बार उसका हाल काफी बुरा है। अब तक खेले चार मुकाबलों में उसे एक भी जीत नसीब नहीं हुई और उसे एक बड़ी हार तक झेलनी पड़ी है।

अनियंत्रित कार ने ई रिक्शा में मारी टक्कर, हादसे में 12 बच्चे घायल

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग इलाके के अंतर्गत सुबह करीब आठ बजे फतेहअली की ओर जा रही कार ने पीछे से स्कूल के बच्चों को लेकर जा रहे ई- रिक्शा नंबर यूपी 32 एमएम 2258 व ई रिक्शा नंबर यूपी 32 क्यूएन 2293 को राजकीय उद्यान के सामने टक्कर मार दी। जिससे ई रिक्शा क्षतिग्रस्त होकर पलट गये। इससे ई रिक्शों में जा रहे स्कूली बच्चे घायल हो गए।

आनन फानन में स्थानीय लोगों ने पुलिस को जानकारी देने के साथ ही रेस्क्यू अभियान चलाकर ई रिक्शे के नीचे दबे बच्चों को बाहर निकलवाया और पुलिस की मदद से इंदौर रेलवे हॉस्पिटल फतेहअली में उपचार हेतु भर्ती करवाया। जहां पर उनका इलाज हो रहा हैं। ई रिक्शे में सवार छात्र सीएमएस और लखनऊ पब्लिक स्कूल के थे। हादसे में घायल छात्रों को अस्पताल में भर्ती करवा दिया गया है। घायल 12 छात्रों में से चार को प्राथमिक उपचार देकर घर भेज दिया गया है।

सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए होगा मंथनः प्रोफेसर श्रुति

■ मुक्त विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी गुरुवार को

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उ.प्र. राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज एवं शुआट्स,प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के रास्ते, संभावनाएँ एवं चुनौतियाँ विषय पर अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी (पीसीपीएसडीजी) का आयोजन 14 नवम्बर 2024 को मुक्त विश्वविद्यालय के सरस्वती परिसर स्थित लोकमान्य तिलक शास्त्रार्थ सभागार में किया जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन गुरुवार को पूर्वांचल 10:30 बजे मुख्य अतिथि प्रोफेसर रमेश चन्द्रा, कुलपति महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर राजस्थान करेंगे। उद्घाटन सत्र के विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर आनंद वर्धन शर्मा, प्रोफेसर निदेशक, यूजीसी एचआरडीसी, काशी हिंदू विश्वविद्यालय,वाराणसी होंगे तथा मुख्य वक्ता प्रोफेसर कुलदीप कुमार, सेंटर फॉर डाटा एनालिस्टिक्स, बौन्ड बिजनेस स्कूल, बौन्ड यूनिवर्सिटी, क्वींसलैंड, ऑस्ट्रेलिया होंगे। प्रोफेसर श्रुति ने बताया की समापन सत्र अपराह्न 4:00 बजे निश्चित है। जिसके मुख्य अतिथि प्रोफेसर अनूप चतुर्वेदी, सांख्यिकी विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर बेचन शर्मा, संकायाध्यक्ष, विज्ञान संकाय, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज होंगे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम करेंगे। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। देश-विदेश से आने वाले प्रतिभागियों की व्यवस्था के लिए विश्वविद्यालय में विशेष इंतजाम किए गए हैं। मुक्त विश्वविद्यालय की जन संपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की सफलता के लिए आयोजन समिति का गठन करते हुए संगोष्ठी के निदेशक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, संयोजक प्रोफेसर श्रुति एवं प्रोफेसर अजीत पॉल, आयोजन सचिव डॉक्टर गौरव संकल्प, डॉक्टर दिनेश कुमार गुप्ता, डॉक्टर धर्मवीर सिंह, मनोज कुमार बलवंत, डॉ सी के सिंह एवं डॉ विशाल विंसेंट हेनरी को विशेष जिम्मेदारी दी है। अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में संकाय सदस्य, रिसर्च स्कॉलर, पीजी छात्र, उद्योग जगत से तथा विदेशी प्रतिनिधि पंजीकरण कर रहे हैं। चयनित रिसर्च पेपर आईएसबीएन की कार्यवाही के साथ प्रकाशित किए जाएंगे।

शिक्षक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष का हुआ अभिनंदन

सुलतानपुर। राणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय पहुंचे डॉ.राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय महाविद्यालय शिक्षक संघ के नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ जनमेजय तिवारी का अभिनंदन किया गया। मंगलवार को महाविद्यालय पहुंचने पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष को प्राचार्य प्रोफेसर दिनेश कुमार त्रिपाठी ने मिठाई खिलाई। महाविद्यालय इकाई के अध्यक्ष प्रोफेसर शैलेन्द्र प्रताप सिं , महामंत्री डॉ. इन्द्रमणि कुमार, अर्थशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ धीरेन्द्र कुमार, उर्दू विभागाध्यक्ष डॉ महमूद आलम व राजनीति विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ अभय सिंह ने माल्यार्पण कर नवनिर्वाचित अध्यक्ष का स्वागत किया। अनुमोदित महाविद्यालय स्ववित्त पोषित शिक्षक संघ के अध्यक्ष ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह रवि ने कहा कि पहले भी डॉ.जनमेजय तिवारी बिना किसी भेदभाव के शिक्षक हित में संघर्षरत रहे हैं। अब उनसे और अधिक उम्मीदें बढ़ गई हैं। इनके नेतृत्व में अवध विश्वविद्यालय नये कीर्तिमान गढ़ेगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष डॉ जनमेजय तिवारी ने शिक्षको का आभार जताते हुए कहा कि शिक्षकों ने उन्हें जो जिम्मेदारी दी है उसपर वे खरे उतरेंगे।

'डाकघर के माध्यम से घर बैठे बनेगा पेंशनरों का जीवन प्रमाणपत्र'

लखनऊ। अब पेंशनरों को जीवन प्रमाणपत्र जमा करने के लिए कोषागार, बैंक या अन्य किसी विभाग में जाने की जरूरत नहीं है। पेंशनर अपने नजदीकी डाकघर के पोस्टमैन या ग्रामीण डाक सेवक के माध्यम से डिजिटल लाइफ सर्टिफिकेट जारी करवा सकते हैं। इसके लिए मात्र 70 रुपये का शुल्क निर्धारित किया गया है। यह प्रमाण पत्र स्वतः संबंधित विभाग को ऑनलाइन पहुंच जाएगा। इससे पेंशन मिलने में कोई रुकावट नहीं आएगी। उक्त जानकारी राजकोट प्रधान डाकघर में इंडिया पोस्ट पेमेंटस बैंक द्वारा आयोजित डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र शिविर में सौराष्ट्र एवं कच्छ परिक्षेत्र के पोस्टमास्टर जनरल कृष्ण कुमार यादव ने दी। इस अवसर पर राजकोट मंडल के प्रवर अधीक्षक डाकघर एसके बुनकर, इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के सीनियर मैनेजर संदीप मौर्या और सीनियर पोस्टमास्टर राजकोट अभिजीत सिंह भी उपस्थित रहे।

उपभोक्ता परिषद ने ऊर्जा मंत्रालय को भेजी पांच मांगे

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर जी के उत्तर प्रदेश में आठवीं आयोजित होने वाली डिस्ट्रीब्यूशन यूटिलिटी मीट 14 नवंबर के कार्यक्रम में दो दिवसीय लखनऊ आगमन पर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री को 5 सूत्रीय मांगे उठाई है और उनके केंद्रीय ऊर्जा मंत्रालय को भेजा है जिसमे कहा पूरे उत्तर प्रदेश व देश के उपभोक्ताओं की महत्वपूर्ण मांग है इस पर ऊर्जा मंत्रालय को समय रहते कार्रवाई करते हुए निर्णय लेना चाहिए भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में उनका पहला आगमन हो रहा है निश्चित तौर पर प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं को उनसे उम्मीदें हैं उसी क्रम में उपभोक्ता परिषद कुछ संवैधानिक विषयों को उनके सामने उठाते हुए उसे पर निर्णय लेने की मांग कर रहा है ।

उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष व राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा की तरफ से भारत सरकार के ऊर्जा मंत्री को भेजे गए पांच प्रमुख मांगे जिसमें कहा गर्मी में देश के ज्यादातर जनरेटर पीक आवर में अपनी बिजली को एक्सचेंज पर रुपया 10 प्रति यूनिट तक बेचते हैं जबकि सभी को पता है जनरेटर की विद्युत पैदा करने की जो लागत है वह रुपया 5.30 प्रति यूनिट के करीब है ऐसे में केंद्र द्वारा यह सख्त कानून बनाया जाए की 4 पैसे प्रति यूनिट मार्जिन से ज्यादा कोई भी जनरेटर ना कमाई करे और उसके ऊपर बिजली को ना बेच पाए एक सीलिंग लगाई जाए यानी कि हर हाल में रुपया 6 प्रति यूनिट पर अधिकतम सीलिंग होनी चाहिए। केंद्रीय सेक्टर के अनेको उत्पादन इकाइयों की जो पीपीए के तहत महंगी बिजली उत्तर प्रदेश को आवंटित है और काफी समय बीत चुका है।

1100 दीपो से रोशन होगा घाट, हरिद्वार की तर्ज पर होगी गंगा आरती

लखनऊ। सनातन महासभा द्वारा प्रत्येक पूर्णिमा पर आयोजित होने वाली आदि गंगा मां गोमती महाआरती व सनातन समागम इस बार की कार्तिक पूर्णिमा 15 नवम्बर शुक्रवार को होगी। इस बार131वी मां गोमती महाआरती का आयोजन होगा। अध्यक्ष डॉ प्रवीण ने बताया कि इस बार देव दीवाली के अवसर पर 1100 दीपो के साथ सात मंचों से हरिद्वार गंगा आरती की तर्ज पर सनातन समागम व मां गोमती महाआरती झूलेलाल वाटिका, गोमती तट शाम 6:30 बजे होगी और गोमती में दीपदान करके नशा मुक्त प्रदेश अभियान का संकल्प लिया जाएगा। महासचिव देवेंद्र शुक्ल ने बताया कि इस अवसर पर गुरुनानक देव की जयंती से कार्यक्रम का आरंभ होगा और अमित दीक्षित रामजी द्वारा निर्देशित व लिखित अयोध्या चले श्रीराम रघुराई का भव्य मंचन सांय 5 बजे से होगा और बाद मे सनातन शिरोमणि सम्मान आयोजित होगा।

भारतीय वन सेवा अधिकारियों की प्रशिक्षण कार्यशाला का समापन

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। भा.वा.अ.शि.प.- पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा भारतीय वन सेवा अधिकारियों हेतु पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित पारिस्थितिक तंत्र स्वास्थ्य कार्ड विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आज संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रेनू सिंह, निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा सुशोभित किया गया। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह द्वारा, मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि का अभिवादन करते हुए पर्यावरण सुधार में स्वास्थ्य कार्ड की भूमिका की सार्थकता पर प्रकाश डाला गया। मुख्य अतिथि डॉ. रेनू सिंह ने विशिष्ट पारिस्थितिकी से जुड़े शोध कार्यो के बारे में प्रशिक्षणार्थियों को अवगत कराया। साथ ही बताया कि वर्तमान समय में वन अधिकारियों का मुख्य दायित्व है कि परिस्थितिकी तंत्र में सुधार कार्यों पर बल दिया जाय। विशिष्ट अतिथि डॉ. पूर्वजा रामचन्द्रन, निदेशक, एनसीएस सीएम, चेन्नई ने उदबोधन में कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण कार्यक्रमों को कराते रहना चाहिए, जो कि भविष्य के लिए उपयुक्त साबित होंगे। तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन में, प्रतिभागियों द्वारा अयोध्या भ्रमण के दौरान सरयू नदी के जल की शुद्धता के मानक स्तर को बनाए रखने की विधियों पर भी चर्चा किया गया। कार्यशाला का सफल संचालन शोध अध्येता, साँचिली वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला के दौरान देश के विभिन्न राज्यों के उपस्थित भारतीय वन सेवा अधिकारी एवं प्रतिष्ठित संस्थानों के विषय विशेषज्ञों द्वारा सामाजिक कौशल एवं पर्यावरण की जीवन शैली पर चर्चा किया गया। कार्यशाला के अन्त में पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. अनीता तोमर, वरिष्ठ वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यशाला के समापन दिवस में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दुबे, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी-डॉ. एस.डी. शुक्ला, तकनीकी सहायक-धर्मेन्द्र कुमार, हरीश कुमार, अम्बुज कुमार तथा अन्य विभिन्न शोध छात्र आदि के सहयोग से कार्यशाला को सफलता पूर्वक सम्पन्न किया गया।

फर्जी नियुक्ति पत्र देने के मामले में पुष्पलता गिरफ्तार

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम डोंगराकलां निवासी जगदीश कुशवाहा ने विगत 27 मई 2024 को एक शिकायती पत्र पुलिस अधीक्षक को देकर मोहल्ला रावतयाना निवासी बसन्त राज गुप्ता उर्फ बन्टू सनातनी, नाराहट निवासी उदय प्रताप व नाराहट क्षेत्र के ही मनीष सोनी के खिलाफ आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों की नौकरियां दिलाने के नाम पर कई महिलाओं से करीब 20 से 25 लाख रुपये लेने और पीड़ित से भी ढ़ाई लाख रुपये लेने का आरोप लगाया था। यह भी बताया कि था कि आंगनबाड़ी में नियुक्ति के नाम पर ज्वानिंग करने के लिए कानपुर के फर्जी पते पर बुलाने और फर्जी नियुक्ति पत्र भी सौंपे गये थे। इसी प्रकरण में जांच के दौरान नाराहट पुलिस ने नेहरू नगर रेलवे हॉस्पिटल के पीछे रहने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस विभाग से जारी प्रपत्र के अनुसार दर्ज एफआईआर संख्या 68/2023 में धारा 420, 467, 468, 471 भादवि में जांच के दौरान नियुक्ति पत्र सौंपने वालों में यह महिला भी शामिल थी। पकड़ी गयी महिला का नाम पुष्पलता पुत्री पूरनचंद्र बताया गया है। पूछताछ के दौरान महिला पुष्पलता ने बताया कि वह नौकरी लगवाने के नाम पर धोखाधड़ी कर फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने साथियों के साथ गिरोह बनाकर रुपये लेती थी और फर्जी नियुक्ति पत्र दे दिया जाता था।

मथुरा रिफाइनरी हादसे में झुलसे सभी व्यक्तियों की हालत स्थिर

■ ठीक होने के बाद एक मरीज को छुट्टी दे दी गई है

अवधनामा संवाददाता

> प्रथम दृष्टया, आग लगने का कारण सीडीयू कॉलम में नॉन रिटर्न वाल्व (एनआरवी) की खराबी के कारण प्रतीत होता है, जिसके कारण हाइड्रोकार्बन भाप के साथ मिल गया। जिससे अचानक आग लग गई। घायल व्यक्ति आसपास के क्षेत्र में काम कर रहे थे और अचानक लगी आग से प्रभावित हुए।
>
> **रेनू पाठक,**
> **वरिष्ठ प्रबंधक मथुरा रिफाइनरी**

मथुरा। मंगलवार को लगभग शाम सात बजे मथुरा रिफाइनरी के नियोजित शटडाउन के बाद क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट के स्टार्टअप के दौरान मामूली आग लग गई। रिफाइनरी की आंतरिक अग्नि एवं सुरक्षा टीम की मदद से आग को तुरंत बुझा दिया गया और रिफाइनरी परिचालन अप्रभावित रहा। घटना के परिणामस्वरूप आठ कर्मी सतही रूप से झुलस गए। घायलों में से तीन को दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया, जबकि अन्य को स्थानीय स्तर पर चिकित्सा देखभाल मिल रही थी। संयंत्र और मशीनरी को कोई नुकसान नहीं हुआ है और रिफाइनरी गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं। घटना का कारण निर्धारित करने के लिए गहन जांच की जा रही है। इंडियनऑयल सुरक्षा के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है। सभी घायल व्यक्तियों की हालत स्थिर है और उनकी रिकवरी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। फिलहाल, अपोलो अस्पताल में इलाज करा रहे मरीजों की हालत स्थिर है और वे ठीक हो रहे हैं। मथुरा रिफाइनरी अस्पताल में भर्ती अन्य लोगों की हालत स्थिर है। ठीक होने के बाद एक मरीज को छुट्टी दे दी गई है और एक को जल्द छुट्टी दे दी जाएगी। तीन मरीजों को बेहतर निगरानी और उपचार के लिए मेट्रो अस्पताल, फरीदाबाद में स्थानांतरित कर दिया गया है।

छात्रों की मांगों पर विचार करे योगी सरकार : माले

लखनऊ। भाकपा (माले) ने प्रयागराज में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग दफ्तर के सामने तीन दिनों से शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे प्रतियोगी छात्रों की मांगों पर सरकार से अविलंब विचार करने की अपील की है। पार्टी ने आंदोलकारी छात्रों के साथ एकजुटता व्यक्त की है।

राज्य सचिव सुधाकर यादव ने आज जारी एक बयान में कहा कि 69,000 शिक्षक भर्ती में आरक्षण की धांधली के बाद सरकार पीसीएस और आरओ/एआरओ की परीक्षाएं भी लटकाना चाहती है। लंबे इंतजार व कई बार के स्थगन के बाद इन परीक्षाओं की तिथि घोषित तो गई। लेकिन उन्हें एक से अधिक शिफ्टों में कराने और नॉर्मलाइजेशन की शर्तें जोड़कर परीक्षा को संदिग्ध बना दिया गया है, जिसका छात्र विरोध कर रहे हैं। छात्रों के सवाल जायज हैं। योग्य छात्र प्रभावित हो सकते हैं। पूरी परीक्षा न्यायिक समीक्षा में फंस सकती है। इससे छात्रों का भविष्य प्रभावित होगा। आयोग हठधर्मिता कर रहा है।

भावी पीढ़ी के चारित्रिक व नैतिक विकास के लिए जागरूक हों अभिभावक : डा. भारती

अवधनामा संवाददाता

■ सीएमएस अलीगंज प्रथम कैम्पस द्वारा 'वार्षिक समारोह' का भव्य आयोजन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज प्रथम कैम्पस द्वारा 'वार्षिक समारोह' का भव्य आयोजन आज सी.एम.एस. गोमती नगर एक्सटेंशन कैम्पस ऑडिटोरियम में किया गया। इस भव्य समारोह में नाचते-गाते बच्चों की बहुमुखी एवं बाल सुलभ प्रतिभा को देखकर अभिभावक गदगद हो गये। कार्यक्रम में भारी संख्या में उपस्थित अभिभावकों ने अपने नन्हें-मुन्हों की खूब हौसलाअफ्जाई की और बच्चों ने भी बड़े उत्साह से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

इससे पहले सी.एम.एस. संस्थापिका-निदेशिका व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. भारती गाँधी ने दीप प्रज्वलित कर समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर अपने संबोधन में डा. भारती गाँधी ने कहा कि एकता, शान्ति, भाईचारा एवं वसुधैव कुटुम्बकम् के विचारों को बचपन से ही प्रत्येक बालक को देने की आवश्यकता है। अतः सी.एम.एस. द्वारा ऐसे प्रयास किये जा रहे हैं जिससे कि प्रत्येक बालक को घर व विद्यालय दोनों जगह विश्व एकता एवं विश्व शान्ति के विचार मिल सके। उन्होंने अभिभावकों का आह्वान किया कि भावी पीढ़ी के चारित्रिक, नैतिक व आध्यात्मिक उत्थान के लिए जागरूक हों।

समारोह का शुभारम्भ 'स्कूल प्रार्थना' सर्वधर्म प्रार्थना एवं विश्व शान्ति प्रार्थना से हुआ तथापि छात्रों ने विभिन्न देशों के राष्ट्रीय ध्वज हाथों में लेकर 'सारे विश्व में शान्ति हो' का जयघोष बड़े ही प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर विद्यालय के छात्रों ने नेचर्स सेलीब्रेशन, द मिस्टिक वुडलैण्ड क्रेस्ट, बैलेन्स एण्ड ब्लिस, जंगल जंबल आदि विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों की इन्द्रधनुषी छटा प्रस्तुत कर उपस्थि दर्शकों को गद्गद् कर दिया एवं एकता, शान्ति, सौहार्द व सहयोग व सामूहिकता का अनूठा चित्रण प्रस्तुत किया।

परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण ओ.आर.एम. के माध्यम से होगा : डीआईओएस

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जिला विद्यालय निरीक्षक ओ.पी.सिंह की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन कार्यालय में किया गया। बैठक में डीआईओएस ने बताया कि शासन-विभाग से प्राप्त समस्त पत्रों/निर्देशों के सम्बन्ध में व्हाटसेप संदेशों के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है कि 04 दिसम्बर 2024 को समस्त प्रकार के समस्त बोडों के कक्षा-3, 6 व 9 में अध्ययनरत छात्रों का परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण ओ.एम.आर. के माध्यम से किया जाना सुनिश्चित हुआ है। जिसके लिए विद्यालय में अध्ययनरत कक्षा 6 व 9 के छात्रों को दिये गये सैम्पल प्रश्नपत्रों का ओ.एम.आर. शीट पर एच.बी. पेंसिल से अभ्यास प्रतिदिन अन्तिम वादन में कराया जाना अत्यधिक जरूरी है। उक्त अभ्यास के बाद उसी दिन अथवा अगले दिन उन अभ्यास प्रश्नों को जांचना/मूल्यांकन करना भी अत्यधिक जरूरी है क्योंकि उक्त मूल्यांकन से लगाना होगा कि विद्यार्थी किस विषय में किस प्रकार की प्रायः, हमेशा, प्रतिदिन गलती। जिनका समाधान विद्यालय के विषय शिक्षक से कराना भी जरूरी है। डीआईओएस ने निर्देशित किया है कि अपने-अपने विद्यालय के कक्षा 6 एवं 9 के छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करके प्रतिदिन अन्तिम पीरियड में उक्त सर्वे के लिए उपलब्ध कराये गये सैम्पल पेपर्स के माध्यम से हरूक्र शीट पर अभ्यास करवाये। अभ्यास कराकर मूल्यांकन के बाद पायी जाने वाली कमियों का निराकरण करवाये। इसी के साथ-साथ प्रतिदिन की सूचना अनिवार्य रूप से इस कार्यालय द्वारा प्रेषित गूगल फार्म पर ससमय भरना सुनिश्चित करें।

ब्लूम टेक्सटोनॉमी के सिद्धान्तों पर हो स्टुडेंट्स का असेसमेंट

अवधनामा संवाददाता

मुरादाबाद। तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च- नीटर, चंडीगढ़ के कॉलाबोरेशन में ट्रांसफॉर्मेटिव टीचिंगः इंबरेसिंग आउटकम बेस्ड एजुकेशन-ओबीई फॉर एकेडमिक एक्सीलेंस पर पांच दिनी एफडीपी हुई। एफडीपी में नीटर के करीकुलम डपलपमेंट सेंटर से जाने-माने शिक्षाविदों ने टीएमयू फैकल्टीज़ को एनईपी-2020 के उद्देश्यों को प्राप्त करने और आउटकम बेस्ट एजुकेशन को प्रभावी ढ़ग से लागू करने के लिए फैकल्टीज़ को आवश्यक ज्ञान, कौशल और पद्धतियों के विकास को विस्तार से समझाया। टीएमयू के वीसी प्रो. वीके जैन ने बतौर मुख्य अतिथि कहा, स्टुडेंट्स का असेसमेंट ब्लूम टेक्सटोनॉमी के सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने आउटकम बेस्ड एजुकेशन के महत्व पर गहनता से प्रकाश डाला। एफडीपी में यूनिवर्सिटी की 40 फैकल्टीज़ ने प्रतिभाग किया। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च- एनआईटीटीटीआर की डॉ. मीनाक्षी सूद ने कहा, आउटकम बेस्ड एजुकेशन का उद्देश्य छात्रों के सर्वांगीण विकास पर जोर देना है।

बुल्डोजर राज नहीं चलेगा

अवधनामा संवाददाता

■ सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर पार्टी ने कहा, बुल्डोजर एक्शन में अव्वल योगी सरकार सार्वजनिक माफी मांगे और नुकसान की भरपाई करे

लखनऊ। भाकपा (माले) ने बुल्डोजर एक्शन पर सर्वोच्च न्यायालय के फैसले पर कहा है कि अब प्रदेश में बुल्डोजर राज नहीं चलेगा। पार्टी ने पिछले सात सालों में बुल्डोजर कार्रवाइयों में देश भर में अव्वल बन चुकी योगी सरकार से सार्वजनिक माफी मांगने और नागरिकों को हुए नुकसान की भरपाई करने की मांग की है।

राज्य सचिव सुधाकर यादव ने आज जारी बयान में कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा सुनाए गए फैसले से इस बात की पुष्टि हुई है कि उत्तर प्रदेश में कानून का राज नहीं है। योगी सरकार ने कानून हाथ में लेकर मनमाने तरीके से घर व दुकानें तोड़ीं। किसी अपराध के महज आरोपी होने के चलते कइयों के घरों पर बुल्डोजर चलाया। अल्पसंख्यकों को खास निशाना बनाया गया। गरीबों को आवास के मौलिक अधिकार से वंचित कर उनकी बेदखली की गई, उन्हें आश्रयहीन किया गया। बुल्डोजर एक्शनों में जिस तरह सरकार ने न्यायपालिका का अपहरण कर खुद ही जज बन कार्रवाइयां कीं, बुल्डोजर न्याय किया, वह अभूतपूर्व और लोकतंत्र का काला अध्याय है। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र संघ को भी भाजपा सरकार में हो रही अंधाधुंध व गैरकानूनी बुल्डोजर कार्रवाइयों पर सवाल उठाना पड़ा। माले नेता ने कहा कि बुल्डोजर को अपनी पहचान से जोड़ने वाली योगी सरकार पर सर्वोच्च न्यायालय का फैसला करारा हमला है। बुल्डोजर का पहिया पंक्चर हो चुका है। योगी के बुल्डोजर न्याय को मिशाल बताने वाले आला भाजपा नेता बगले झांकने लायक भी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि संवैधानिक पद पर रह कर मुख्यमंत्री योगी और उनकी सरकार ने न सिर्फ मकानों पर, बल्कि कानून, संविधान और लोकतंत्र पर भी बुल्डोजर चलाने का काम किया है।

रिफायनरी मै धमाके से लगी आग की होगी उच्चस्तरीय जांच

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश में मथुरा रिफाइनरी की क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट में मंगलवार शाम को हुए भीषण धमाके मै करीब दस लोग घायल हो गए जिससे इलाके मै अफरा तफरी का माहौल बन गया, पिछले चालीस दिनों से मथुरा रिफायनरी की एक यूनिट मै शट डाउन लगा हुआ था पूरी तैयारी के साथ पुनः एक बार फिर यूनिट को चालू किया गया तभी तेज धमाके के साथ आग लग गई जिसमें तकरीबन 10 लोग झुलस गए। मथुरा रिफायनरी मै धमाके के साथ लगी आग की घटना की जांच के लिए एक कमेटी बनाई जाएगी जिसका गठन आज रिफाइनरी मुख्यालय से आ रही अधिकारियों के टीम के आने के बाद किया जाएगा। मथुरा रिफाइनरी की सीनियर मैनेजर कार्पोरेट कम्यूनिकेशन रेनू पाठक ने बताया कि लगभग 30 प्रतिशत झुलसने के कारण जहां मथुरा रिफाइनरी के जूनियर इंजीनियरिंग असिस्टेन्ट इरफान (32), शिफ्ट इंचार्ज मैनेजर प्रोडक्शन राजीव कुमार, (33) और ठेका कर्मचारी संतोष(32) को अपोलो अस्पताल में भंर्ती कराया गया है, वहीं 15 प्रतिशत से कम झुलस जाने के कारण मैनेजर समीर श्रीवास्तव (57) और ठेका कर्मचारी मूलचन्द(58) का इलाज मथुरा रिफाइनरी के अस्पताल में चल रहा है। ठेका कर्मचारी सत्यवान (33), ठेका कर्मचारी हरेन्द्र (26) एवं ठेका कर्मचारी मुकेश (45) को मेट्रो अस्पताल फरीदाबाद में भर्ती कराया गया है। चिकित्सकों के अनुसार उनकी हालत स्थिर है तथा रिफाइनरी प्रबंधन उनकी हालत पर बराबर नजर रखे हुए है।उन्होने बताया कि वैसे तो आग लगने के सही कारण का पता विस्तृत जांच के बाद ही चलेगा किंतु प्रथम दृष्ट्या आग लगने का कारण ऐटमासफियरिक वैक्यूम यूनिट के सीडीयू कालम में नान रिटर्न वाल्व (एनआरवी)की खराबी मालूम पड़ती है। इसके कारण वाल्व से थोडा हाइड्रोकार्बन निकल आया जो कि भाप से मिलकर फ्लैश फायर के रूप में बदल गया और आग लग गई।उसके आसपास के क्षेत्र में काम कर रहे आठ लोग इस घटना में झुलस गए हैं। उन्होंने बताया कि संयत्र और मशीनरी को कोई नुकसान नही हुआ है तथा रिफाइनरी की गतिविधियां सामान्य रूप से जारी हैं। रिफाइनरी की सीनियर मैनेजर कार्पोरेट कम्यूनिकेशन ने बताया कि आग की इस घटना में रिफाइनरी में किसी प्रकार का ब्लास्ट नही हुआ है जैसा कि मीडिया के कुछ क्षेत्रों में कहा जा रहा है।इंडियन आयल सुरक्षा के उच्चतम मानकों के प्रति प्रतिबद्ध है।उन्होंने यह भी बताया कि 3 अक्टूबर 2024 से मथुरा रिफाइनरी में रख रखाव बेहतर करने के लिए शट डाउन चल रहा है।

दिशा की बैठक में समस्याओं व कार्यों की समीक्षा की गयी

अवधनामा संवाददाता

बहजोई (संभल) कलक्ट्रेट सभागार में सांसद लोकसभा क्षेत्र सम्भल जिया उर्रहमान बर्क की अध्यक्षता में जिला विकास समन्वय एवं अनुश्रवण समिति(दिशा) की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक के अन्तर्गत सर्व प्रथम सांसद लोकसभा क्षेत्र सम्भल एवं विधायक सम्भल नबाब इकबाल महमूद तथा विधायक गुन्नौर राम खिलाड़ी यादव एवं नगर पालिका चंदौसी की चैयरमेन लता वार्ष्णेय तथा ब्लॉक प्रमुख असमोली संतोष देवी तथा नगर पालिका सम्भल चैयरमेन प्रतिनिधि एवं नगर पंचायत नरौली चैयरमेन का पुष्प देकर स्वागत किया गया। बैठक के अन्तर्गत सभी अधिकारियों से परिचय प्राप्त किया गया। सर्व प्रथम मनरेगा की समीक्षा की गयी। मनरेगा के अन्तर्गत मानव दिवस का सृजन,नये कार्य जैसे मॉडल शॉप तथा पी. एम. श्री विद्यालयों तथा प्राथमिक विद्यालयों की चहारदीवारी तथा अमृत सरोवर एवं छोटे तालाबों के कार्य के विषय में संबंधित अधिकारी द्वारा जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया। विधायक जी सम्भल द्वारा संबंधित अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि सम्भल ब्लॉक के मनरेगा के अन्तर्गत किये कार्यो की सूची उपलब्ध कराएं। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत सांसद जी द्वारा समूह के गठन के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। दीनदयाल ग्रामीण कौशल योजना के लक्ष्य के विषय में जानकारी प्राप्त की तथा इससे संबंधित प्रस्ताव शासन को भेजा है या नहीं उसकी जानकारी प्राप्त की तथा प्रस्ताव की कॉपी जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने के लिए कहा। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के लक्ष्य के विषय में सांसद जी द्वारा जानकारी प्राप्त की गयी तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि जो सड़क खराब हैं उनकी मरम्मत करवायी जाए। विधायक जी सम्भल द्वारा सड़क निर्माण की चयन प्रक्रिया तथा विधायक जी गुन्नौर द्वारा गुन्नौर से संबंधित सड़कों की सूची उपलब्ध कराने को कहा। समाज कल्याण विभाग की समीक्षा की गयी तथा राष्ट्रीय पारिवारिक लाभ योजना की पात्रता एवं कितने आवेदन प्राप्त हुए

उसके विषय में जानकारी प्राप्त की गयी। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण को लेकर सांसद जी द्वारा जानकारी प्राप्त की गयी तथा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि किसी भी अपात्र को आवास प्राप्त ना हो। जिलाधिकारी ने बैठक के अन्तर्गत जनप्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि जीरो टॉलरेंस पर कार्य करते हुए पात्र लाभार्थियों को ही आवास प्राप्त होंगे। ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान के अन्तर्गत ग्रामीण क्षेत्र के बेरोजगार युवक युवतियों को प्रशिक्षण के विषय में संबंधित अधिकारी द्वारा सांसद जी को अवगत कराया इसके अंतर्गत अगरबत्ती, धूपबत्ती सहित 60 प्रकार के प्रशिक्षण प्रदान किये जाते हैं। सांसद जी द्वारा इसकी सूची उपलब्ध कराने के लिए संबंधित को निर्देशित किया। मृदा स्वास्थ्य कार्ड पर चर्चा की गयी। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को लेकर विधायक जी सम्भल द्वारा बीमा के अन्तर्गत सम्भल के आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा। सांसद जी ने कहा कि फसल बीमा योजना का अधिक से अधिक लोगों को लाभ प्राप्त हो इसके लिए योजना का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार कराया जाए। जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद में खाद की उपलब्धता को लेकर भी चर्चा की गयी। जनपद में किसान कॉल सेंटर बनवाने को लेकर सांसद जी द्वारा संबंधित को निर्देशित किया। विधायक जी सम्भल द्वारा पवांसा ब्लॉक के अन्तर्गत ग्राम सकरपुर तारनपुर में शीघ्र ही हैंडपंप ठीक कराने के लेकर संबंधित को निर्देशित किया। सांसद द्वारा दीपा सराय सम्भल में पानी की टंकी के संचालन की समस्या को बैठक के अन्तर्गत रखा गया। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि 15 दिवस के अन्तर्गत इसकी जाँच कराते हुए रिपेयर रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए। प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी को लेकर चर्चा की गयी तथा जनप्रतिनिधियों द्वारा इसके अंतर्गत अपात्रों को आवास की समस्या को रखा जिसपर सत्यापन के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। बैठक के अन्तर्गत श्री अन्न को लेकर भी मुख्य विकास अधिकारी द्वारा चर्चा की गयी तथा जनप्रतिनिधियों को अवगत कराया गया कि जनपद में श्री अन्न को प्रोत्साहन देने के लिए प्रशासन की ओर से विभिन्न कार्य किये जा रहे हैं तथा स्वयं सहायता समूहों की दीदीयों के इससे जोड़ा जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत संविदा पर चयनित चिकित्सकों के विषय पर भी चर्चा की गयी। संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। ग्रामों में प्रधान निधि के विषय को विधायक जी सम्भल द्वारा रखा गया। जिलाधिकारी द्वारा अवगत कराया गया कि ग्राम में साफ़ सफाई, विद्यालयों में कायाकल्प के अंतर्गत किए जाने वाले कार्यो , आयुष्मान आरोग्य मंदिर, आंगनबाड़ी केंद्रों , पंचायत भवन के कार्यों को प्राथमिकता पर रखा जाता है।

सांसद जी द्वारा हैंडपंप रिवोर को लेकर कहा कि रिवोर का कार्य प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। मिड डे मील पर ध्यान देने को लेकर भी निर्देशित किया। विधायक जी गुन्नौर द्वारा घोंसली राजा के विद्यालय में जल भराव की समस्या को रखा जिस पर जिलाधिकारी द्वारा संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही जल भराव की समस्या का निस्तारण किया जाए। राशनकार्ड बनाने को लेकर भी चर्चा की गयी तथा सम्भल के पूर्ति कार्यालय सम्भल की शिकायत को लेकर जिलाधिकारी द्वारा जांच कराने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिलाधिकारी डॉ.राजेन्द्र पैंसिया , मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ तरुण पाठक तथा परियोजना निदेशक डीआरडीए ज्ञान सिंह, जिला विकास अधिकारी राम आशीष, जिला अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी रत्नेश कुमार एवं संबंधित अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

कोहरे की दस्तक से ठंड का हुआ एहसास

संभल। कोहरे ने बुधवार की सुबह से दस्तक देने से लोगों को ठन्ड का एहसास हुआ अभी तक गर्म कपड़ो से दूर लोग गर्म कपड़े पहनने हुए नजर आये मौसम का बदलाव शुरू हो गया है संभल मे बुधवार की सुबह से ही कोहरा छाया रहा बाद दोपहर के हल्की सी झलक सूराज की देखने को मिली वो भी चंद लम्हो में कोहरे की चादर मे ओझल हो गयी लोगों को आज ठंड का एहसास हुआ तो गर्म कपड़े पहनने हुए नजर आये अभी तक मौसम मे कोई बदलाव नजर नही आ रहा था लेकिन आज कोहरे की दस्तक से मौसम के बदलने का एहसास होने लगा है। मुख्य मार्गो पर वहानो की रफ्तार भी धीमी रही तो बाजारो में गर्म कपड़े के व्यापारियों के चेहरे पर मुस्कान देखी गयी क्योकि अभी तक गर्म कपड़ो की बिक्री न कि बराबर हो रही थी। ठंड की दस्तक से गर्म कपड़ो का कारोबार मे तेजी आने की उम्मीद है।

अधिवक्ताओ ने गजियाबाद के जनपद न्यायाधीश के तबादला किये जाने की मॉग की

संभल। अधिवक्ताओ ने गाजियाबाद मे हुई घटना के विरोध में पुलिस व जनपद न्यायाधीश के खिलाफ नारेबाजी की शहर के शंकर कालिज चौहराहे पर जिला बार एसोसिएशन संभल के बैनर तले अधिवक्ताओ ने गजियाबाद मे अधिवक्ताओ के साथ घटी घटना को लेकर पुलिस व जनपद न्यायाधीश के खिलाफ नारेबाजी की और जनपद न्यायाधीश गाजियाबाद के तबादला किये जाने की मॉग करते हुए दोषी पुलिस कार्मियो पर कार्यवाही करने की मांग की।

जिलाधिकारी ने किया पेराई सत्र का उद्घाटन

हरदोई। जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने आज डालमिया ग्रुप द्वारा संचालित बघौली शुगर मिल के पेराई सत्र का उद्घाटन विधि विधान एवं पूजन के साथ किया। पेराई सत्र उद्धघाटन के दौरान उन्होंने बैलगाड़ी व ट्रैक्टर से गन्ना लेकर आये किसानों को माला पहनाकर स्वागत किया और एक बाल्टी व कम्बल भेंट किया। उन्होंने किसानों से संवाद किया तथा पर्ची व्यवस्था को भी देखा। इसके उपरांत उन्होंने क्रेशर में गन्ना डालकर गन्ना पेराई का औपचारिक उदघाटन किया। जिलाधिकारी ने बघौली चीनी मिल प्रबंधन को शुभकामनायें दी तथा कहा कि किसानों को पूरा सहयोग दिया जाये। उत्पादन बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जाये। इस अवसर पर यूनिट हेड नरेश चन्द्र पालीवाल, चीनी मिल प्रबन्धक विनय सिंह, जिला अध्यक्ष भाजपा अजीत सिंह बब्बन, केन ग्रोवर सोसाइटी के जिला अध्यक्ष रंजीत सिंह, लीगर एडवाईजर अभय शंकर गौड़ व जिला गन्ना अधिकारी सहित अधिकारी गण व बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक व किसान बंधु उपस्थित रहे।

जिलाधिकारी ने ख़राब प्रगति वाले विभागों को लगायी कड़ी फटकार

हरदोई। विवेकानंद सभागार में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह की अध्यक्षता में सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा बैठक हुई। जिलाधिकारी ने निर्देश दिए कि जनपद स्तरीय अधिकारी बैठक में स्वयं प्रतिभाग करें। किसी प्रतिनिधि को न भेजें। आवश्यकता पड़ने पर ऐसे अधिकारियों को न भेजें जिन्हे योजनाओं की जानकारी न हो। जिलाधिकारी ने ई श्रेणी में आने वाली योजनाओं को लेकर सम्बंधित विभागों बेसिक शिक्षा, आवासन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा, पब्लिक वर्क, प्लानिंग, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन व स्टॉम्प एवं रजिस्ट्रेशन विभाग को कड़ी फटकार लगायी तथा सम्बंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फेमिली आईडी बनाने का कार्य तेजी से कराया जाये। युवा कल्याण अधिकारी व एआरएम रोडवेज की अनुपस्थिति पर कड़ी नाराजगी जताई। निर्माण कार्यो की समीक्षा के दौरान उन्होंने सी, डी और ई श्रेणी में आने वाली परियोजनाओं को लेकर सम्बंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सौम्या गुरूरानी व अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बार एसोसिएशन की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने किया यमुना पूजन

मथुरा। बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रदीप शर्मा,सचिव शिव कुमार लवानिया ने बुधवार को अपने पदाधिकारियों के साथ यमुना के विश्राम घाट पर पहुंचकर विधिविधान से यमुना का दुग्धाभिषेक कर पूजन किया। अपने नये कार्यकाल को निर्विघ्न सम्पन्न कराने की प्रार्थना यमुना महारानी से की। उनके साथ नये पदाधिकारियों में उपाध्यक्ष बीपी गौतम, कोषाध्यक्ष पंकज गोला, ऑडीटर यशवंत सिंह, संयुक्त सचिव संदीप शर्मा ने भी पूजन किया। यमुना पूजन संजय चतुर्वेदी उर्फ लालो चतुर्वेदी, अंकित चतुर्वेदी, माखनलाल शास्त्री, राजेश वशिष्ठ, गौरव ने कराया। पूजन में वरिष्ठ अधिवक्ता महेश चंद्र शर्मा, अमित शाह, गोपाल शर्मा, योगेन्द्र चतुर्वेदी, प्रहलाद कौशिक,हरीओम शर्मा, मनेंद्र सिंह, संदीप गौतम, गौरव चतुर्वेदी, जितेंद्र चौधरी, अनमोल शर्मा, अनु , अवनीश उपाध्याय, एडीसी जियाल सिंह राजपूत, आदित्य तिवारी, अनिल तिवारी, अनिल कुमार शर्मा और अनिकेत चतुर्वेदी आदि भी साथ रहे।

कस्टम हायरिंग सेन्टर की ई-लॉटरी प्रक्रिया सम्पन्न

ललितपुर। विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में कृषि विभाग से संचालित समस्त योजनाओं में 10 हजार से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यंत्र, रक्षा उपकरण, कस्टम हायरिंग सेन्टर, ग्रामीण उद्यमी, थ्रेसिंग फ्लोर एवं स्माल गोदाम इत्यादि की ई-लाटरी की प्रक्रिया समस्त विकास खण्डवार सम्पन्न की गयी। ई-लाटरी में सर्व प्रथम प्रत्येक यंत्र हेतु मोकड्रिल किया गया तदोपरान्त कृषकों की चयन प्रक्रिया की गयी। जिसमें सीडीओ कमला कान्त पाण्डेय, डीडी कृषि बसंन्त कुमार दुबे, जिला कृषि अधिकारी राजीव कुमार भारती, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी अर्पित जैन, जिला उद्यान अधिकारी परवेज खान, जिला अग्रणी बैंक प्रबन्धक, अवर अभियंता प्रवेन्द्र कुमार सिंह एवं सदस्य कृषकों के साथ-साथ जनपद से यंत्रों हेतु टोकन लेने वाले कृषक भी उपस्थित रहे।

गैंगलैंड गैंग के साथ दो मुठभेड़, चार सदस्य गिरफ्तार

- दो अभियुक्तों को अलग अलग मुठभेड़ में गिरफ्तार किया गया

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। पुलिस ने गैंगलैंड गैंग के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है। दो सदस्यों को अलग अलग हुई मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया गया है। घायलों को पुलिस ने उपचार के लिए अस्पतला में भर्ती कराया है। थाना हाईवे पुलिस ने 12 नवम्बर की रात्रि में तोमर गेस्ट हाउस कृष्णा नगर के पास फायरिंग की घटना में शामिल अभियुक्त सोमेश पुत्र प्रेम सिंह निवासी जन्मभूमि लिंक रोड लक्ष्मीनगर कोतवाली मथुरा के साथ थाना हाईवे क्षेत्रान्तर्गत सौंख रोड नवगांव रोड पर मुठभेड हुई। बाजना अलवर पुल के पास कच्चे रास्ते से पुलिस मुठभेड़ के के बाद पुलिस ने हरिओम पुत्र रामअवतार निवासी ओमनगर थाना कोतवाली जनपद मथुरा को गिरफ्तार किया गया। हरिओम पुलिस को गोली लगने से घायल हुआ है। इसके कब्जे से एक तमंचा, तीन जिंदा कारतूस, तीन खोखा कारतूस व एक चोरी की मोटर साइकिल स्लेन्डर प्लस बरामद हुई है। हरिओम ने ओमनगर, जन्मभूमि लिंक रोड़ पर अवैध असलाहों से जनता के व्यक्तियों को रोककर लूटपाट करने का प्रयास किया गया था। गैंग से जुड़े तीसरे अभियुक्त राहुल पुत्र चन्द्र प्रकाश निवासी विकासनगर कुसुम वाटिका गेट के सामने थाना हाईवे जिला मथुरा को थाना शहर कोतवाली पुलिस ने डेम्पियर पार्क गेट के पास से एक नाजायज चाकू के साथ गिरफ्तार किया। थाना कोतवाली पुलिस ने ही चौथे अभियुक्त को दबोचा है। एनएच 19 सर्विस रोड आगरा से दिल्ली की तरफ राजीव गांधी नगर के पास लोहे के पुल के पास से मोर मुकुट पुत्र रामबाबू निवासी गांधीनगर कृष्णा नगर थाना गोविन्दनगर को गिरफ्तार किया है।

शहर के प्रमुख चौराहों पर चलाया गया जागरूकता अभियान

ललितपुर। पुलिस अधीक्षक मो.मुश्ताक के निर्देशन में, अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी यातायात के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात आलोक कुमार तिवारी द्वारा शहर के प्रमुख चौराहों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान वाहन चालकों/परिचालकों को यातायात के नियमों यथा- वैध लाइसेंस, वैध फिटनेस, प्रदूषण, बीमा के वाहन चलाना के बारे में जागरूक किया गया और यातायात नियमों से संबंधित पम्पलेट, स्टिकर वितरित किए गया। प्रवर्तन की कार्यवाही के अंतर्गत 103 वाहनों का एम.वी. एक्ट की विभिन्न धाराओं में चालान किया गया।

डीएम ने शिवरामपुर घाट की व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बलिया। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार लक्षकार ने कार्तिक पूर्णिमा पवित्र स्नान के दृष्टिगत संबंधित अधिकारियों के साथ शिवरामपुर घाट का निरीक्षण कर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं श्रद्धालुओं के ठहरने सहित की गई अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान शिवरामपुर घाट पर श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं उसके ठहरने के लिए की गई बैरिकेडिंग, राहत कैंप तथा पंडाल आदि व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। ताकि श्रद्धालुओं को कोई भी समस्या न होने पाए। उन्होंने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बलिया को साइनेज तथा संपूर्ण मेला क्षेत्र का वीडियोग्राफी कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उपस्थित दुकानदारों से वार्ता करते हुए कहा कि श्रद्धालुओं को गुणवत्तापूर्ण नाश्ता/भोजन बिक्री किया जाएगा। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने महावीर घाट से लेकर शिवरामपुर घाट तक की गई। झाड़ियों की सफाई एवं बैरिकेडिंग के कार्यो का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक विक्रांत वीर, अपर जिलाधिकारी डीपी सिंह, मुख्य राजस्व अधिकारी त्रिभुवन तथा नगर मजिस्ट्रेट इंद्रकांत द्विवेदी सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

एल.यू.सी.सी. अभिकर्ता गिरफ्तार

- महिला ने दर्ज करायी थी एफआईआर

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। थाना नाराहट क्षेत्रांतर्गत ग्राम गौना में रहने वाली गुडडी पत्नी सुरेश कुमार ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि एल.यू.सी.सी. कम्पनी के अभिकर्ता तालबेहट के ग्राम धमकना निवासी सोन सिंह पुत्र गोकुल अहिरवार उसके घर आये और कहा कि एल.यू.सी.सी. कम्पनी में रुपये लगाओ एक साल में अधिक लाभ मिलेगा। सोनसिंह की बातों पर विश्वास करके उसने आर.आई. पॉलिसी नं. 06एल5बीए64263 के तहत मेम्बर आई.डी. 8781768 में सी.पी.आई.डी. नं. 7846254 ब्रांच खांदी में 12 माह के लिए 30 जून 2023 से 6 हजार रुपये प्रतिमाह भुगतान करती रही। बताया कि पॉलिसी की परिपक्वता 30 जून 2024 तक कुल 72 हजार रुपये निवेश किया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने एल.यू.सी.सी. के अभिकर्ता सोन सिंह के खिलाफ 318 (4), 338, 336 (3), 340 (2), 352, 351 (3) के तहत एफआईआर दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी थी। प्रकरण में एडीजी कानपुर जोन, डीआईजी झांसी कलानिधि नैथानी के निर्देश, एसपी मो.मुश्ताक के निर्देशन, एएसपी अनिल कुमार व सीओ पाली के निकट पर्यवेक्षण में नाराहट पुलिस ने एल.यू.सी.सी. अभिकर्ता सोनसिंह को अमझरा मंदिर तिराहा के पास से गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ के दौरान एल.यू.सी.सी. अभिकर्ता सोनसिंह ने बताया कि हमारा एक संगठित गिरोह है, जिसमें वह एल.यू.सी.सी. कम्पनी में निवेश कराने के लिए लोगों को प्रलोभन देते हैं और कम्पनी में एजेण्ट के रूप में कार्य करते हैं। बताया कि एल.यू.सी.सी. कम्पनी का कार्यालय उत्तर प्रदेश के कई जिलों व अन्य राज्यों में भी स्थित हैं। इस कम्पनी में हम लोगों ने लालच देकर अब तक कई लोगों को जोड चुके हैं। जब हम लोगों को जनपद के किसी क्षेत्र में हाइवे, बाढ/डूब क्षेत्र आदि के सम्बन्ध में शासन स्तर से प्रस्तावित योजनाओं के बारे में जानकारी होती है जिसमें जनता के लोगो की जमीन अधिगृहित की जाती है और उन लोगों को मुआवजा के रूप में अधिक मात्रा में धनराशि प्राप्त होती है तो हम लोग सम्बन्धित लोगों से समन्वय स्थापित कर उन्हें एल.यू.सी.सी. कम्पनी की अच्छी अच्छी लाभकारी योजनाओं के बारे में गुमराह करके उनके रुपयों को इस कम्पनी में इन्वेस्ट करा देते हैं। इस प्रकार हम लोग जनता के लोगों के साथ धोखाधड़ी करके लाभ अर्जित करते हैं जिसे हम आपस में बांट करके अपने शौक व जरूरतें पूरी करते है।

बाल दिवस पर देहदान व अंगदान पत्र सौंपेंगे खुशालचंद्र साहू

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। मनुष्य जीवन में सबसे बड़ा कर्म मानवता को माना गया है। इसी मानवीय कर्म का निर्वाह्न करते हुये जनकल्याण एवं परोपकार की भावना के साथ तालाबपुरा निवासी खुशालचंद्र साहू पुत्र पन्नालाल साहू जो कि समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता भी हैं ने मृत्यु उपरान्त देहदान एवं अंगदान करने का महत्वपूर्ण फैसला लिया है। इस फैसले को शपथ पत्र रूपी कागज पर अंकित कराकर उन्होंने 14 नवम्बर बाल दिवस के अवसर पर स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय ललितपुर के विभागाध्यक्ष शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग को महाविद्यालय के प्राचार्य डा.डी.नाथ के समक्ष सौंपने का निर्णय लिया है। इस निर्णय का लोगों ने जनहित व मानव कल्याण की इस परोपकारी भावना का खुले हृदय से स्वागत किया है। यहां यह भी बताते चलें कि विगत कुछ दिनों पहले ही खुशालचंद्र साहू ने अपनी पत्नी का देहदान व अंगदान कानपुर मेडीकल कॉलेज के लिए किया था।

24 घंटे में अपहृत बरामद, अपहरणकर्ता बेसुराग

मथुरा। जैंत क्षेत्र से मंगलवार की सुबह अपहृत व्यक्ति को पुलिस ने 24 घंटे के अंदर बरामद कर लिया। राल में भरत ढाबा पर सुम्मेर सिंह पुत्र स्व. दीपा सिंह निवासी थोक भोज राल चाय पी रहे थे। तभी एक वैन में सवार नकाबपोश हथियारबंद बदमाश आये और फायरिंग करते हुए सुम्मेर सिंह को गाडी में डाल कर ले गये। दिनदहाड़े हुए व्यक्ति के अपहरण की सूचना से हड़कंप मच गया। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। इसके बाद पुलिस ने अपहृत व्यक्ति की बरामदगी के प्रयास तेज कर दिये। सूचना के आधार पर थाना जैंत पर धारा 140(1), 125 भारतीय न्याय संहिता 2023 के तहत पंजीकृत किया।

शीत लहर से बचाव हेतु हर स्तर पर हो बेहतर इंतजाम: जिलाधिकारी

- यात्रियों व राहगीरों के ठहरने हेतु बसेरों को तैयार कराने के निर्देश
- गौशालाओं में पर्याप्त काउकोट व अलाव का प्रबंध करें

अवधनामा संवाददाता

ललितपुर। जिलाधिकारी अक्षय त्रिपाठी की अध्यक्षता में शीतलहर प्रबंधन संबंधी व्यवस्थाओं की समीक्षा हेतु बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने समस्त विभागों की एसओपी तैयार करवाते हुए जनपद में शीतलहर से बचाव हेतु नगर पालिका, नगर पंचायतों एवं विकासखंड स्तर पर बेहतर प्रबंधन, व्यवस्थाओं के सुद्रणीकरण एवं स्थलों का चिन्हांकन कर अलाव जलवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनपद में गरीब, असहाय, निर्बल व वृद्ध व्यक्तियों को शीतलहर बचाव हेतु जागरूक करें व रेनबेसरों को यात्रियों व राहगीरों के ठहरने हेतु तैयार रखने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने पशुपालन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि गौशालाओं में पशुओं को शीतलहर से बचाने के लिए पर्याप्त बोरों, अलाव व काऊकोट आदि का इंतजाम किया जाये। उन्होंने कहा कि नगर पंचायतों व विकासखंड स्तर पर निरीक्षण कर रेनबासरों की भौतिक स्थिति का जायजा लें और कमियों को दूर कराएं। बैठक में समस्त संबंधित विभागों, नगर पालिका, नगर पंचायत, परिवहन विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, पंचायती राज, आपदा प्रबंधन, राजस्व विभाग, अग्निशमन विभाग ग्राम विकास अधिकारी, खंड विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एआईपीएमएम ने उलेमा बोर्ड की विभाजनगारी मांगों से बनाई दूरी

- उलेमा बोर्ड के एमवीए समर्थन से जताई असहमति

अवधनामा संवाददाता

लखनऊ। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महाविकास अघाड़ी (एमवीए) को समर्थन देने के ऑल इंडिया उलेमा बोर्ड के निर्णय से असहमति जताई है। महाज़ का मानना है कि यह निर्णय पसमांदा मुस्लिम समाज का वास्तविक प्रतिनिधित्व नहीं करता है, क्योंकि उलेमा बोर्ड मुख्यतः 15 प्रतिशत अशराफ मुस्लिम समुदाय का प्रतिनिधित्व करता है, न कि संपूर्ण मुस्लिम समाज का।

महाज़ ने विशेष रूप से उलेमा बोर्ड की दो प्रमुख मांगों पर आपत्ति जताई है, जिन्हें वह पसमांदा समाज के हितों के प्रतिकूल मानता है। उलेमा बोर्ड ने मुस्लिम समुदाय के लिए नौकरी और शिक्षा में आरक्षण की मांग की है, जिसे महाज़ ने अव्यवहारिक और संविधान के खिलाफ बताया है। महाज़ का कहना है कि आरक्षण की मांग धर्म के आधार पर नहीं, बल्कि पसमांदा मुस्लिम समाज की सामाजिक और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए संविधान के दायरे में रहकर की जानी चाहिए। महाज़ के अनुसार, उलेमा बोर्ड द्वारा उठाई गई यह मांग पसमांदा समाज को गुमराह करने की कोशिश है, और इस मांग में समग्र पसमांदा समाज के अधिकारों की अनदेखी हो रही है। महाज़ ने आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) पर प्रतिबंध की उलेमा बोर्ड की मांग को अनुचित और अतार्किक माना है। महाज़ का मानना है कि आरएसएस कई क्षेत्रों में सकारात्मक योगदान दे रही है और देश में उसके साथ संवाद आवश्यक है। महाज़ ने सुझाव दिया कि देश के व्यापक हित में संवाद से बड़े से बड़े मुद्दों का समाधान हो सकता है। महाज़ का विचार है कि देश में आपसी सौहार्द और भाईचारा बनाए रखने के लिए विभिन्न पक्षों को संवाद के माध्यम से एक साथ काम करना चाहिए। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ ने उलेमा बोर्ड की अन्य मांगों पर कोई टिप्पणी नहीं की है, लेकिन विभाजनकारी मांगों से दूरी बनाने का निर्णय लिया है। महाज़ का मानना है कि इस प्रकार के राजनीतिक समर्थन को पसमांदा मुस्लिम समाज का प्रतिनिधित्व नहीं माना जा सकता, क्योंकि यह केवल अशरफ मुस्लिम समाज के एक छोटे से हिस्से की मांगों का समर्थन करता है, जबकि पसमांदा समाज की मुख्य समस्याएं और उनके मुद्दे इससे अलग हैं। ऑल इंडिया पसमांदा मुस्लिम महाज़ का उद्देश्य पसमांदा मुस्लिम समाज को जागरूक करना और उनकी वास्तविक समस्याओं का समाधान ढूंढना है। महाज़ का रुख है कि संविधान के दायरे में रहकर पसमांदा समाज के अधिकारों और हितों की रक्षा की जाए, और उन्हें देश के विकास में बराबरी का अवसर मिले। महाज़ जातिगत आधार पर विभाजन और कट्टरता से बचते हुए पसमांदा मुस्लिम समाज के लिए एक समावेशी और संवैधानिक रास्ता अपनाने की वकालत करता है।

डीएम की अध्यक्षता में 14 नवंबर को आयोजित होगा ई-लाटरी कार्यक्रम

अवधनामा संवाददाता

बलिया। जनपद के समस्त सम्मानित कृषकों को सूचित करते हुए उप कृषि निदेशक मनीष कुमार सिंह ने बताया कि कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं के अंतर्गत रुपये 10 हजार से अधिक अनुदान वाले समस्त कृषि यन्त्र/कृषि रक्षा उपकरणों, कस्टम हायरिंग सेन्टर, ग्रामीण उद्यमी, थ्रेसिंग फलोर, एवं स्माल गोदाम इत्यादि की बुकिंग कृषकों द्वारा विभागीय पोर्टल पर की गई है। जिनका चयन ई-लाटरी के माध्यम से किया जाना है। जिन विकास खंडों में कृषि यंत्रीकरण की समस्त योजनाओं में लक्ष्य की सीमा तक ही बुकिंग हुई है उन समस्त कृषकों की बुकिंग निदेशालय स्तर से कन्फर्म की जा चुकी है। इसलिए उनके लिए ई-लाटरी की आवश्यकता नहीं है। ई-लाटरी का कार्यक्रम जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय गठित समिति (डीएलएससी) के समक्ष 14 नवंबर वृहस्पतिवार को विकास भवन सभागार में प्रातः 11.30 बजे से सम्पन्न कराई जाएगी।

महिला पशु चिकित्सकों की राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्धाटन

अवधनामा संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय एवं गो अनुसंधान संस्थान, मथुरा में भारतीय महिला पशु चिकित्सा संगठन की 18वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अनिल कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में हुआ। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में प्रोफेसर श्रीवास्तव ने बताया कि पशु चिकित्सा के साथ समाज एवं परिवार में महिला पशु चिकित्सकों का अहम योगदान है पशु चिकित्सक महिलाएं शिक्षक, वैज्ञानिक, चिकित्सा, सैन्य अधिकारी, प्रशासनिक अधिकारियों के साथ-साथ परिवार में मां, बहन तथा बेटी की अहम भूमिका निभा रही है। स्वस्थ तथा समृद्ध समाज के विकास के लिए संतुलित आहार उपलब्ध कराना अत्यंत महत्वपूर्ण है। जिसमें पशुधन का अहम योगदान है। पशुओं के विभिन्न उत्पादों का स्वच्छ तथा संतुलित होना अत्यंत आवश्यक है। जिसके लिए पशुधन का स्वास्थ्य होना अत्यंत आवश्यक है क्योंकि पशुओं से विभिन्न प्रकार की बीमारियां मानव शरीर में भी फैल सकती हैं। जिन्हें हम जूनोटिक बीमारियां कहते हैं। जिसमें ट्यूबरक्लोसिस, ब्रूसेलोसिस और लिस्टिरिओसिस अत्यंत महत्वपूर्ण है। अतः हमें अपने पशुओं के स्वास्थ्य एवं संवर्धन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। जिससे पशुधन से प्राप्त होने वाले उत्पाद स्वच्छ तथा स्वास्थ्यवर्धक हो। राष्ट्रीय संगोष्ठी की मुख्य अतिथि प्रोफेसर आशु रानी, कुलपति, भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा में बताया कि विकसित भारत में महिला पशु चिकित्सक की अहम भूमिका है महिला पशु चिकित्सक ग्रामीण स्तर पर महिलाओं को पशुपालन तथा उनके उत्पादों से आर्थिक स्वावलंबन को बढ़ावा देने हेतु प्रेषित कर, ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि, डॉ. मनीष कुमार चेटली, निदेशक, केंद्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान, मखदूम, मथुरा ने बताया कि बकरी पालन से गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले परिवारों को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बना सकते हैं। राष्ट्रीय संगोष्ठी में तमिलनाडु पशु चिकित्सा विश्वविद्यालय चेन्नई की तृतीय वर्ष की छात्रा तुलसीमथी मुरुगेशन को पेरिस पैराओलंपिक, 2024 में बैडमिंटन में सिल्वर मेडल जितने पर सर्वश्रेष्ठ महिला पशु चिकित्सक पुरस्कार से सम्मानित किया गया। डॉ. मुरुगेशन युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणा की स्रोत है जो पढ़ाई के साथ-साथ खेल के क्षेत्र में हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। इस अवसर पर भारत की प्रथम महिला पशु चिकित्सक डॉ. आशा रजनी को लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पशु चिकित्सा, सैन्य सेवाओं में प्रथम लेडी कैप्टन डॉ. हर्षिता राघव को भी सम्मानित किया गया। संयोजक समिति के अध्यक्ष, प्रोफेसर विकास पाठक, अधिष्ठाता पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय ने आगंतुकों का स्वागत करते हुए बताया कि महिला पशु चिकित्सक, पशु चिकित्सा के क्षेत्र में अत्यंत सराहनी कार्य कर रही है। जिससे ग्रामीण परिवेश में पशुपालन को बढ़ावा मिल रहा है। भारतीय महिला पशु चिकित्सा संगठन की अध्यक्ष डॉ. मधु स्वामी ने संगठन की स्थापना, कार्यशैली तथा योगदान के बारे में चर्चा की। इस अवसर पर संगठन के महासचिव डॉ .राजेश्वरी आर. ने संगठन की विस्तृत रूपरेखा प्रस्तुत की।

शाहीन अफरीदी फिर बने नंबर 1 वनडे गेंदबाज, संजू सैमसन को भी हुआ फायदा

आईसीसी ने बुधवार को वनडे और टी20 की ताजा रैंकिंग जारी की है। पाकिस्तान के स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी एक बार फिर नंबर-1 वनडे गेंदबाज बन गए हैं। उन्होंने साउथ अफ्रीका के स्पिनर केशव महाराज से बादशाहत छीनी है। वह तीन पायदान के फायदे के साथ टॉप पर काबिज हुए हैं। वहीं महाराज तीसरे नंबर पर खिसक गए हैं। वहीं भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को भी इस रैंकिंग में फायदा हुआ है।

शाहीन ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन किया। उन्होंने तीन मैचों में 12.62 की औसत से 8 विकेट चटकाए। उन्होंने इससे पहले वनडे वर्ल्ड कप 2023 के दौरान नंबर-1 रैंकिंग हासिल की थी। वहीं शाहीन के हमवतन हारिस राऊफ 14 स्थान के सुधार के साथ 13वें पर आ गए हैं। दूसरी तरफ पाकिस्तान के पेसर नसीम शाह ने भी अपने करियर की नई सर्वश्रेष्ठ रेटिंग हासिल की है। वह 14 स्थान ऊपर चढ़कर 55वें पर पहुंच गए हैं। वहीं वनडे बल्लेबाजों की सूची की बात करें तो पाकिस्तान के बाबर आजम टॉप पर बरकरार हैं।

वहीं भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन ने टी20 बैटिंग रैंकिंग में लंबी छलांग लगाई है। सैमसन 27 पायदान ऊपर चढ़कप 39वें स्थान पर आए हैं। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच चार मैचों की टी20 सीरीज खेली जा रही है, इसमें दोनों टीमें फिलहाल 1-1 की बराबरी पर है। सैमसन ने पहले मैच में शतक ठोका था लेकिन वह दूसरे मुकाबले में शून्य पर पवेलियन लौटे। भारत के रवि बिश्नोई गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप 10 में जगह मिली है। वह सातवें स्थान पर हैं।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक नहीं बल्कि दो टेस्ट मैच नहीं खेलेंगे रोहित शमा

टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया में 22 नवंबर से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। टीम इंडिया के साथ कप्तान रोहित शर्मा अभी ऑस्ट्रेलिया नहीं गए हैं जिसके बाद उन्हें लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है। दरअसल, पहले कई मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार रोहित शर्मा सिर्फ 22 नवंबर से पर्थ में खेला जाने वाला पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे। लेकिन अब इसे लेकर नया अपडेट सामने आया है। वहीं अब खबर ये है कि रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सिर्फ पर्थ टेस्ट नहीं, बल्कि एडिलेट टेस्ट भी नहीं खेल पाएंगे। रिपोर्ट के मुताबिक, रोहित शर्मा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले दो टेस्ट में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं होंगे। रोहित एक बार फिर पिता बनने वाले हैं जिस कारण उनकी पत्नी रितिका अगले हफ्ते मां बन सकती हैं। इसी वजह से वह अपने परिवार को वक्त देना चाहते हैं और उन्होंने बीसीसीआई से छुट्टी भी ली है। ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर ने साफ कर दिया था कि रोहित की गैरमौजूदगी में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह टीम को लीड करेंगे।

पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं करेंगे पोंटिंग-लैंगर, आईपीएल नीलामी में रहेंगे व्यस्त

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग और उनके साथ जस्टिन लैंगर भारत के खिलाफ 22 नवंबर से शुरू हो रहे पर्थ टेस्ट में कमेंट्री नहीं कर पाएंगे। दरअसल, वे अपने आईपीएल टीमों के साथ 24 और 25 नवंबर को जेद्दा में होने वाला मेगा नीलामी के लिए मौजूद रहेंगे। ऑस्ट्रेलियाई अखबार द एज के मुताबिक वहां के आधिकारिक ब्रॉडकास्टर चैनल सेवन पर नहीं दिखेंगे। इससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को नुकसान हो सकता है। टीम आगामी बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के शुरुआती मैच में एक अहम बैकरूम कोच खो सकती है।

पंजाब किंग्स के मुख्य कोच नियुक्त किए गए रिकी पोंटिंग और लखनऊ सुपर जायंट्स के कोच लैंगर को आईपीएल नीलामी में ऑस्ट्रेलियाई टीम के सहायक कोच डेनियल विटोरी के साथ शामिल हो सकते हैं। विटोरी सनराइजर्स हैदराबाद के कोच हैं। द एज कि रिपोर्ट के अनुसार, अगर सेवन क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के सामने भारत के शक्तिशाली क्रिकेट अधिकारियों के खिलाफ अपने हितों की रक्षा करने में कामयाब नहीं होता है तो पोंटिंग, लैंगर और ऑस्ट्रेलियाई सहायक कोच विटोरी पर्थ टेस्ट में नहीं होंगे।

सेवन का ऑस्ट्रेलिया में मैच के प्रसारण के लिए फॉक्सटेल के साथ सात साल का 1.5 अरब ऑस्ट्रेलियाई डॉलर का करार है। इसके बावजूद कई लोगों को डर है कि वे पोंटिंग या लैंगर को पर्थ टेस्ट के अंतिम तीन कमेंट्री करते नहीं देख पाएंगे। पिछले साल दिसंबर में मिनी ऑक्शन हुआ था और तब पाकिस्तान की टीम ऑस्ट्रेलियाई दौर पर थी। तब दिल्ली कैपिटल्स के कोच रहे पोंटिंग पर्थ टेस्ट की तीसरे दिन नीलामी में भाग लेने के लिए मैच छोड़कर रवाना हो गए थे। जबकि लैंगर मैच के अंत तक बने रहे।

गौतम गंभीर और रिकी पोंटिंग के बीच छिड़ी जुबानी जंग, विराट कोहली की फॉर्म को बनाया मुद्दा

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, जिसमें भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जानी है। इस सीरीज के लिए भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुकी है। इस सीरीज से पहले दोनों देशों के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। ये जुबानी जंग भारतीय हेड कोच गौतम गंभीर और रिकी पोंटिंग के बीच चल रही है, जिसकी शुरुआत रिकी पोंटिंग ने की थी, फिर गौतम गंभीर ने इसका करारा जवाब दिया था। अब रिकी पोंटिंग ने उस करारे जवाब पर पलटवार किया है। फिलहाल ये विवाद उस समय शुरू हुआ जब रिकी पोंटिंग ने आईसीसी पॉडकास्ट पर बात करते हुए भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली की हालिया फॉर्म पर सवाल उठाए। पोंटिंग ने कहा कि पिछले पांच सालों में विराट ने 60 टेस्ट पारियों में सिर्फ तीन शतक लगाए हैं, जो उनके जैसे टॉप बल्लेबाज के लिए बहुत कम है। उन्होंने ये भी कहा कि अगर कोहली जैसा कोई और बल्लेबाज ऐसा प्रदर्शन करता तो शायद अब तक टीम से बाहर हो चुका होता। पोंटिंग के मुताबिक, पिछले पांच सालों में एक टॉप ऑर्डर बैट्समैन का सिर्फ तीन शतक लगाया चिंताजनक है।

रिकी पोंटिंग की इस टिप्पणी पर भारतीय कोच गौतम गंभीर ने करारा जवाब दिया था। प्रेस कॉन्फ्रेंस में गंभीर ने कहा कि, पोंटिंग का भारतीय क्रिकेट से कोई लेना-देना नहीं है, उन्हें अपने देश की टीम पर ध्यान देना चाहिए। विराट और रोहित जैसे खिलाड़ी भारतीय क्रिकेट के लिए बहुत अहम है और उन्होंने भारतीय क्रिकेट में बहुत योगदान दिया है। आगे भी देते रहेंगे मैं उनके फॉर्म को लेकर चिंतित नहीं हूं। हालंकि, पोंटिंग इसके बाद चुप नहीं बैठे उन्होंने गंभीर की प्रतिक्रिया पर पलटवार किया। उन्होंने गंभीर को तेज-तर्रार व्यक्तित्व वाला बताया और कहा कि उन्हें उनसे ऐसी ही प्रतिक्रिया की उम्मीद थी। पोंटिंग ने ये भी कहा कि, मेरा इरादा कोहली की आलोचना करना नहीं था, बल्कि मेरा मानना है कि कोहली हमेशा ऑस्ट्रेलिया में अचछा प्रदर्शन करते हैं और इस बार भी उनका अच्छा प्रदर्शन देखने को मिलेगा।

दबाव की परिस्थितियों में शांतचित्त बने रहने का प्रयास करता हूं : अर्शदीप

भारत के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि दबाव की परिस्थितियों में चीजों को सरल बनाए रखना और शांतचित्त बने रहने से उन्हें सीमित ओवरों की क्रिकेट में डेथ ओवरों का विशेषज्ञ बनने में मदद मिली। अर्शदीप ने 2022 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने अब तक 58 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में 89 विकेट लिए हैं और उनका औसत लगभग 18 है। अर्शदीप ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच की पूर्व संध्या पर डेथ ओवरों में गेंदबाजी के बारे में पूछे जाने पर पत्रकारों से कहा मेरी रणनीति परिस्थितियों और विकेट पर निर्भर करती है। मैं इस पर गौर करता हूं कि हमें विकेट लेने की जरूरत है या रन प्रवाह पर अंकुश लगाने की। उन्होंने कहा डेथ ओवरों की गेंदबाजी में कुछ दिन आप अच्छा प्रदर्शन करते हैं जबकि कुछ दिन ऐसा नहीं होता है। हमें शांतचित्त बने रहना होता है। हमें डेथ ओवरों का की गेंदबाजी के बारे में ज्यादा नहीं सोचना होता है। हम चीजों को सरल बनाए रखने का प्रयास करते हैं।

बीसीसीआई ने फिर पलटा अपना फैसला, इंट्रा स्क्वॉड मैच खेलेगी टीम इंडिया

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी से पहले बीसीसीआई ने फिर अपना फैसला पलट दिया है। जिसके बाद अब टीम इंडिया इस सीरीज से पहले इंट्रा स्क्वॉड मैच या प्रैक्टिस मैच खेलेगी। यहां तक कि ये मैच तीन दिन तक चलेगा, जिसकी शुरूआत शुक्रवार से होगी और ये रविवार तक चलेगा। हालांकि, इस मुकाबले को कोई नहीं देख पाएगा क्योंकि, बोर्ड ने स्टेडियम में किसी को भी अनुमति नहीं देने का फैसला किया है। हालांकि, बीसीसीआई ने पहले इंस्ट्रा स्क्वॉड मैच का फैसला टाल दिया था।

भारतीय खिलाड़ी ऑस्ट्रेलिया पहुंच चुके हैं, और द वेस्ट ऑस्ट्रेलियन की रिपोर्ट के अनुसार तीन दिवसीय इंट्रा स्क्वॉड मैच पर्थ के वाका में खेला जाएगा। टीम इंडिया के प्रैक्टिस सेशन और इंट्रा स्क्वॉड मैच को कोई भी नहीं देख पाएगा। यहां तक कि स्टेडियम के कर्मचारियों को भी ऑफिस के बाहर फोन इस्तेमाल करने और वीडियो बनाने की अनुमति नहीं है। टीम इंडिया ने बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए प्रैक्टिस भी शुरू कर दी है। पहले दिन विराट कोहली समेत आर अश्विन और जसप्रीत बुमराह ने अभ्यास सत्र में भाग नहीं लिया, जबकि केएल राहुल, यशस्वी जायसवाल और ॠषभ पंत नजर आए।

यशस्वी जायसवाल और केएल राहुल अगले सप्ताह पर्थ में टीम इडंया के लिए ओपन करते हुए नजर आ सकते हैं, क्योंकि रोहित शर्मा अभी तक ऑस्ट्रेलिया नहीं पहुंचे हैं और वे पहले मैच को मिस कर सकते हैं। अपने दूसरे बच्चे के जन्म के दौरान रोहित अपनी पत्नी के साथ रहना चाहते हैं। जिस कारण वह टीम के साथ ट्रेवल नहीं कर रहे हैं। हालांकि, अभी मैनेजमेंट की तरफ से इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

सुभाष घई ने किया एतराज 2 का ऐलान, क्या फिर से स्क्रीन पर साथ लौटेंगे अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर?

अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा और करीना कपूर खान अभिनीत ऐतराज़ ने 12 नवंबर, 2024 को अपनी 20वीं वर्षगांठ मनाई। अब निर्माता सुभाष घई ने हुस्न 2 के निर्देशक अमित राय के साथ ऐतराज़ 2 की योजना का खुलासा किया है। घई ने पुष्टि की कि राय के पास एक बड़ी हिट स्क्रिप्ट है, और मुख्य महिला की तलाश जारी है। उन्होंने यह भी साझा किया कि सीक्वल सामाजिक नाटक पर केंद्रित होगा और कामुकता पर समकालीन विचारों से संबंधित साहसिक मुद्दों का पता लगाएगा।

हाल ही में एक साक्षात्कार में, सुभाष घई ने ऐतराज़ की सीक्वल फिल्म की पुष्टि की, जो बोल्ड विषयों पर आधारित होगी। ऐतराज़ 2 के निर्माण के बारे में बात करते हुए, सुभाष घई ने कहा कि उन्होंने फिल्म निर्माता अमित राय से एक शानदार स्क्रिप्ट सुनी, जो फिल्म एतराज 2 के लेखक-निर्देशक हैं। उन्होंने कहा हमें विभिन्न स्टूडियो से इतने सारे कॉल आ रहे हैं कि वे फिल्म बनाने में रुचि रखते हैं। और मुझे कहना होगा कि अमित के पास इस समय एक बड़ी हिट स्क्रिप्ट है। मुझे यह वाकई बहुत पसंद आई। अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित, ऐतराज़ का निर्माण 2004 में सुभाष घई ने किया था। लेकिन सीक्वल फ़िल्म का निर्देशन अमित राय करेंगे। ऐतराज में कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न के मुद्दे को उठाया गया है। सीक्वल की अवधारणा के बारे में पूछे जाने पर, सुभाष घई ने कहा कि यह विषय अमित राय का है। उन्होंने साझा किया कि अमित राय ने आज के यौन जीवन के बारे में एक और साहसिक मुद्दा लिखा है, जिसें नए मूल्य आ रहे हैं। सुभाष घई ने आगे साझा किया कि वे अब ऐतराज 2 की मुख्य महिला को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में हैं। उन्होंने कहा हमारे पास एक इच्छा सूची है, लेकिन देखते हैं कि किसे अंतिम रूप दिया जाता है। यह फिर से एक साहसिक भूमिका होगी, जिसके लिए मुझे यकीन है कि अभिनेता को बहुत सारे पुरस्कार मिलेंगे, जैसा कि प्रियंका को मिले थे। निर्माता ने यह कहकर निष्कर्ष निकाला कि सीक्वल ऐतराज से बेहतर होगा! अब्बास-मस्तान द्वारा निर्देशित 2004 की फिल्म ऐतराज में अक्षय कुमार, प्रियंका चोपड़ा जोनास, करीना कपूर मुख्य भूमिकाओं में थे। कलाकारों में अमरीश पुरी, अन्नू कपूर, परेश रावल, विवेक शौक, प्रीति पुरी, उपासना सिंह, दिनेश लांबा भी शामिल थे।

भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह को जान से मारने की धमकी, फोन करने वाले ने मांगी 50 लाख की फिरौती

भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह जान से मारने की धमकी मिलने वाली हस्तियों की सूची में नवीनतम नाम हैं। उन्हें फोन करके धमकी दी गई है और फोन करने वाले ने 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी है। अदाकारा द्वारा पैसे न दिए जाने पर फोन करने वाले ने उन्हें जान से मारने की धमकी दी है। अक्षरा ने पटना में एफआईआर दर्ज कराई है। इससे पहले, हाल के दिनों में कई अन्य बॉलीवुड कलाकारों को भी जान से मारने की धमकी मिली है। रिपोर्ट के अनुसार, कॉल करने वाले ने अभिनेत्री को समय सीमा तक मांग पूरी न करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी। बिहार के दानापुर में रहने वाली अक्षरा सिंह ने धमकी देने वाले अज्ञात व्यक्तियों का नाम बताते हुए दानापुर पुलिस स्टेशन में औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। अपनी शिकायत में उन्होंने उल्लेख किया कि कॉल करने वाले ने न केवल रंगदारी मांगी बल्कि बातचीत के दौरान उनके साथ गाली-गलौज भी की। पुलिस अधिकारियों ने पुष्टि की कि अक्षरा को सोमवार देर रात अलग-अलग नंबरों से दो अलग-अलग कॉल आए। कॉल करने वालों ने 50 लाख रुपये की मांग की और मांग पूरी न करने पर जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अपराधियों के फोन नंबरों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। हालांकि, सुरक्षा कारणों से धमकी देने वालों के नंबरों का विवरण अभी तक उजागर नहीं किया गया है।

भोजपुरी क्वीन के नाम से मशहूर अक्षरा सिंह भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री का जाना-माना चेहरा हैं। उन्होंने 2010 में सत्यमेव जयते से रवि किशन के साथ अभिनय की शुरुआत की थी। भोजपुरी सिनेमा में अपनी शुरुआत के बाद, वह प्राण जाए पर वचन न जाए नामक पारिवारिक ड्रामा में दिखाई दीं। पिछले कुछ सालों में, उन्होंने कई फिल्मों में काम किया है और खेसारी लाल यादव और पवन सिंह सहित भोजपुरी सिनेमा के सबसे बड़े सितारों के साथ काम किया है। वह वर्तमान में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली भोजपुरी अभिनेत्रियों में से एक हैं और इंस्टाग्राम पर उनके 6.5 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। अक्षरा ने प्रशांत किशोर की फिल्म जन सुराज के लिए प्रचार करते हुए स्थानीय राजनीति में अपनी रुचि भी दिखाई है। उनकी कुछ लोकप्रिय फिल्मों में सौगंध गंगा मैया के, तबादला, सरकार राज, लव मैरिज और मां तुझे सलाम शामिल हैं। अक्षरा सिंह भोजपुरी सिनेमा की एक बेहद सम्मानित अभिनेत्री हैं, जिन्होंने 2010 में रवि किशन के साथ फिल्म सत्यमेव जयते से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद से उन्होंने पवन सिंह और खेसारी लाल यादव जैसे प्रमुख सितारों के साथ काम किया है और उन्हें भोजपुरी फिल्मों और काला टीका और सर्विस वाली बहू जैसे हिंदी टीवी धारावाहिकों में उनकी भूमिकाओं के लिए जाना जाता है। इसके अलावा, वह सूर्यपुत्र कर्ण और पोरस जैसे पीरियड ड्रामा में भी दिखाई दी हैं। अपने सफल अभिनय करियर के अलावा, अक्षरा सिंह ने राजनीति में भी कदम रखा है। नवंबर 2023 में, वह प्रशांत किशोर के जान सुराज अभियान में शामिल हुई, जिससे संभावित लोकसभा चुनाव बोली के बारे में अटकलें तेज हो गई। हालांकि, उन्होंने तब से चुनाव लड़ने के बजाय प्रचार गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया है। इंस्टाग्राम पर 6.5 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स के साथ, अक्षरा मनोरंजन और राजनीतिक दोनों क्षेत्रों में महत्वपूर्ण उपस्थिति बनाए हुए हैं।

रोहित ने अजय देवगन की तारीफों के पुल बांध दिए, बताया उन्हें बॉलीवुड का सबसे सुरक्षित अभिनेता

दीवाली पर आई रोहित शेट्टी निर्देशित फिल्म सिंघम अगेन बॉक्स ऑफिस पर कोई बड़ा कमाल नहीं कर सकी। अजय देवगन की स्टार पावर भी इस फिल्म को बचाने में कामयाब नहीं हुई। हाल ही में इस फिल्म को लेकर और अजय देवगन से जुड़ी कुछ बातें रोहित शेट्टी ने साझा की। अजय देवगन रोहित शेट्टी की कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। खासकर सिंघम सीरीज की फिल्मों में ज्यादातर अजय ही मुख्य भूमिका में रहे। साथ ही यह दोनों गहरे दोस्त भी हैं। हाल ही में रोहित ने एक इंटरव्यू में बताया कि अजय कमाल के एक्टर होने के साथ बहुत सिक्योर भी हैं। उन्हें अपने सह-कलाकारों से बतौर अभिनेता कभी भी असुरक्षा का भाव महसूस नहीं होता है।

रोहित शेट्टी ने हालिया एक इंटरव्यू में बताया कि अजय देवगन को फिल्म में अपने रोल की लंबाई से ज्यादा फर्क नहीं पड़ता है। वह एक सुरक्षित अभिनेता हैं। रोहित कहते हैं, हमने साथ में बहुत सी फिल्में की हैं। अजय ने कभी सवाल नहीं किया कि उन्हें फिल्म में किस तरह से पेश किया जा रहा है या फिर फिल्म में कितने कलाकार हैं। वह बस अपना काम अच्छे से करते हैं, उन्हें फिल्म की लंबाई की फिक्र कभी नहीं रही।

रोहित ने अजय देवगन के अलावा सिंघम सीरीज पर भी बात की। उन्होंने कहा कि हमें कभी नहीं लगा कि यह एक कल्ट फिल्म बन जाएगी और बॉक्स ऑफिस पर शानदार बिजनेस करेगी। रोहित की बाकी सिंघम सीरीज की फिल्मों ने जरूर अच्छी कमाई की, लेकिन इस बार सिंघम अगेन को मनचाही सफलता नहीं मिली। सिंघम अगेन का बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा प्रदर्शन नहीं रहा।

सिंघम सीरीज के अलावा कई हिट फिल्में अजय देवगन और रोहित शेट्टी ने साथ की हैं। इसमें गोलमाल सीरीज और बोल बच्चन और ऑल द बेस्ट जैसी फिल्में शामिल हैं। गोलमाल में तो रोहित ने अजय से गजब की कॉमेडी करवाई है, जबकि उनकी छवि बॉलीवुड में एक गंभीर किरदार निभाने वाले एक्टर की रही है। अजय देवगन और रोहित का रिश्ता निर्देशक और अभिनेता का ही नहीं है, दोनों काफी गहरे दोस्त भी हैं। यह दोनों साथ में खूब मस्ती करते हैं। अजय जो कि बॉलीवुड में अपने प्रैंक्स के लिए भी जाने जाते हैं, उनकी इस खुराफात में रोहित भी अकसर शामिल होते हैं। दोनों मिलकर फिल्म के सेट पर अपने साथ काम करने वाले लोगों पर खूब प्रैंक करते हैं। कई प्रैंक्स के वीडियो भी ये शूट करते हैं, जो बाद में उनके फैंस को देखने को मिलते हैं। उनके यह प्रैंक्स देखकर फैंस के चेहरे पर भी मुस्कुराहट आ जाती है।

भगवान परशुराम पर बनने जा रही पौराणिक ड्रामा फिल्म महावतार, किरदार में विक्की कौशल का पोस्टर देखकर हिल गये लोग

विक्की कौशल अपनी अगली पौराणिक ड्रामा फिल्म महावतार के साथ प्रशंसकों को फिर से आश्चर्यचकित करने के लिए तैयार हैं। यह फिल्म चिरंजीवी परशुराम की प्राचीन कथा को पेश करेगी। फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक कर रहे हैं। उन्होंने हाल ही में फिल्म स्त्री और भेड़िया का भी निर्देशन किया था। यह फिल्म चिरंजीवी परशुराम की प्राचीन कथा को फिर से पेश करेगी। इस फिल्म का निर्देशन अमर कौशिक ने किया है, जो स्त्री और भेड़िया में अपनी अनूठी कहानी कहने के लिए जाने जाते हैं। एक बड़े पैमाने पर महाकाव्य के रूप में तैयार, महावतार का उद्देश्य पौराणिक कथाओं को समकालीन कहानी कहने के साथ मिलाना है, जो वैश्विक दर्शकों को लुभाने का वादा करता है।

आपको बता दें कि पौराणिक ड्रामा फिल्म महावतार से पहले अभिनेता विक्की कौशल छत्रपति शिवाजी महाराज के सबसे बड़े पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाते हुए नज़र आएंगे। इस प्रतिष्ठित भूमिका के बाद अभिनेता महावतार में चिरंजीवी परशुराम की भूमिका निभाने के लिए तैयार हैं। निर्माताओं ने बुधवार को घोषणा की कि इस परियोजना का निर्देशन स्त्री 2 के निर्देशक अमर कौशिक करेंगे।

निर्माता दिनेश विजान की मैडॉक फिल्म्स की इस फिल्म में विक्की कौशल चिरंजीवी परशुराम की भूमिका में नज़र आएंगे, जो धर्म के शाश्वत योद्धा हैं। फिल्म की घोषणा के साथ, निर्माताओं ने इसकी रिलीज़ की तारीख़, यानी क्रिसमस 2026 का भी खुलासा किया। मैडॉक फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर कौशल के फ़र्स्ट-लुक पोस्टर के साथ इस परियोजना का अनावरण किया।

विक्की कौशल मैडॉक की आने वाली पीरियड मूवी छावा में भी मुख्य भूमिका में हैं। 6 दिसंबर को रिलीज़ होने वाली इस फिल्म में कौशल मराठा सम्राट छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका निभाते नज़र आएंगे। आगामी फिल्म में रश्मिका मंदाना और अक्षय खन्ना भी हैं, जिसका निर्देशन लक्ष्मण उटेकर ने किया है और इसका निर्माण विजान ने किया है।

विक्की को आखिरी बार धर्मा प्रोडक्शंस की फिल्म बैड न्यूज़ में देखा गया था, जिसमें एमी विर्क और त्रिप्ति डिमरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल रही और इसने 64.53 करोड़ रुपये कमाए। इंडिया टीवी के असीम शर्मा ने फिल्म की समीक्षा में इसे 5 में से 4 स्टार दिए और लिखा, बैड न्यूज़ में वह सब कुछ है जो आप एक कॉमेडी फिल्म में चाहते हैं। कहानी अच्छी है और इसमें विक्की, त्रिप्ति और एमी की जोड़ी का तड़का भी है। फिल्म देखने लायक है और आप इसे अपने परिवार या अपने साथी के साथ ज़रूर देख सकते हैं।

देव दीपावली पर्व पर वाराणसी के गंगा घाटों पर सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी

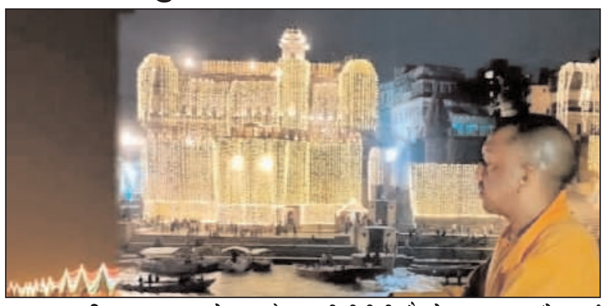

वाराणसी। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में देव दीपावली पर्व (15 नवंबर) पर गंगा घाटों के साथ उस ओर जाने वाले मार्गों पर भी सुरक्षा की अभेद्य किलेबंदी रहेगी। नमो घाट पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की खास मौजूदगी को देख वहां सुरक्षा के व्यापक प्रबंध किए गए हैं। नमोघाट के साथ ही अन्य घाटों पर सुरक्षा के लिए दूसरे जिलों से भी फोर्स आएगी। इसमें तीन कंपनी पीएसी, एक कंपनी पीएसी बाढ़ राहत दल के जवान भी हैं। वाराणसी जोन के डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार सभी घाटों पर जगह-जगह सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पर्व पर आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार असुविधा न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। हर एक घाट पर मचान बनाए जा रहे हैं जिस पर पुलिस बल तैनात रहेगा। एनडीआरफ, जल पुलिस, पीएससी फोर्स भी तैनात रहेगी। इसके अलावा ड्रोन से भी निगरानी की जाएगी। देव दीपावली पर गंगा घाटों से लगायत शहर क्षेत्र की सुरक्षा व्यवस्था का खाका पुलिस कमिश्नर के निर्देश पर तैयार कर लिया गया है। भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, निगरानी और सुरक्षा के खास प्रबंध किए गए हैं।

देश के 11,098 किमी. लंबे समुद्र तट की सुरक्षा परखने को सी विजिल अभ्यास 20-21 नवंबर को

नेतृत्व

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अधिकारी भी पहली बार भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली सीडीएसआरई टीमों का हिस्सा होंगे।

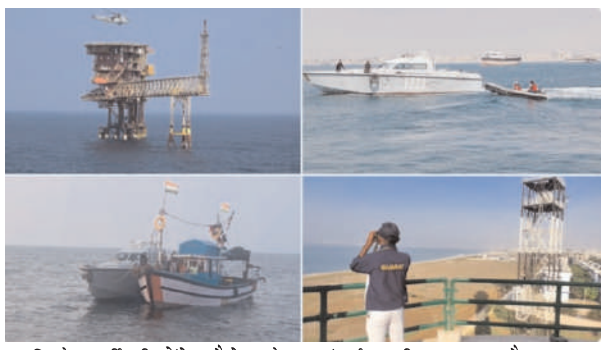

नई दिल्ली। देश के 11,098 किमी. लंबे समुद्र तट की सुरक्षा परखने के लिए भारतीय नौसेना 20 एवं 21 नवंबर को तटीय रक्षा अभ्यास सी विजिल करेगी। पश्चिमी नौसेना कमान के अधीन यह अभ्यास गुजरात, दमन एवं दीव, महाराष्ट्र, गोवा और कर्नाटक में एक साथ होगा। इसमें तटीय रक्षा और सुरक्षा से जुड़ी सभी केंद्रीय और राज्य एजेंसियां ??भाग लेंगी। साथ ही राज्य समुद्री पुलिस, तटरक्षक बल, सीमा शुल्क, मत्स्य पालन आदि के कर्मी भी होंगे। नौसेना के प्रवक्ता ने बताया कि 'पैन-इंडिया' तटीय रक्षा अभ्यास 'सी विजिल का चौथा संस्करण अभूतपूर्व पैमाने पर होगा, जिसमें 06 मंत्रालय और 21 संगठन/एजेंसियां ??शामिल होंगी। अभ्यास का तटीय रक्षा एवं सुरक्षा तत्परता मूल्यांकन चरण 24 अक्टूबर के अंत से सभी तटीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (लक्षद्वीप और अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह सहित) में संचालित किया जा रहा है, जिसमें संपूर्ण तटीय रक्षा और सुरक्षा बुनियादी ढांचे का गहन ऑडिट किया जा रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय के अधिकारी भी पहली बार भारतीय नौसेना के नेतृत्व वाली सीडीएसआरई टीमों का हिस्सा होंगे। साथ ही राज्य समुद्री पुलिस, तटरक्षक बल, सीमा शुल्क, मत्स्य पालन आदि के कर्मी भी होंगे। इस अभ्यास में तटीय संपत्तियों जैसे बंदरगाहों, तेल रिगों, सिंगल पॉइंट मूरिंग्स, केबल लैंडिंग पॉइंट्स और तटीय आबादी सहित महत्वपूर्ण तटीय बुनियादी ढांचे की सुरक्षा को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। इस वर्ष भारतीय सेना और वायु सेना की भागीदारी और बड़ी संख्या में जहाजों और विमानों की तैनाती ने अभ्यास की गति को बढ़ा दिया है। दरअसल, 26/11 मुंबई आतंकवादी हमलों के बाद तटीय रक्षा को मजबूत करने के लिए अपनाए गए उपायों को बढ़ाने के लिए 2018 में सी विजिल को डिजाइन किया गया था। पूरे 11,098 किलोमीटर लंबे समुद्र तट और 2.4 मिलियन वर्ग किलोमीटर के विशाल आर्थिक क्षेत्र को शामिल करते हुए यह व्यापक अभ्यास तटीय सुरक्षा बुनियादी ढांचे और मछली पकड़ने वाले समुदाय और तटीय आबादी सहित सभी समुद्री हितधारकों को एक साथ शामिल करेगा। इस अभ्यास का एक उद्देश्य तटीय समुदायों के बीच समुद्री सुरक्षा के बारे में जागरुकता बढ़ाना है। एनसीसी और भारत स्काउट्स और गाइड्स की भागीदारी से मछुआरा समुदायों और तटीय आबादी के उत्साह में वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि तटीय सुरक्षा अभ्यास अलग-अलग तटीय राज्यों और समुद्री सुरक्षा एजेंसियों के बीच नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं, लेकिन भारतीय नौसेना का अभ्यास सी विजिल राष्ट्रीय स्तर की पहल है, जिसमें भारत की समुद्री रक्षा और सुरक्षा क्षमताओं का समग्र मूल्यांकन किया जाता है।

इस अभ्यास से सभी समुद्री सुरक्षा एजेंसियों की वर्तमान तैयारियों का आकलन करने, उनकी ताकत और कमजोरियों की पहचान करने और देश के समग्र समुद्री रक्षा ढांचे को बढ़ाने का मौका मिलता है। सी विजिल भारत की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के लिए भारत की प्रतिबद्धता को मजबूत करने के रूप में कार्य करेगा।

कुलगाम के यारीपोरा में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू

कुलगाम। कुलगाम जिले के बाडीमार्ग यारीपोरा इलाके में बुधवार दोपहर आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई है। यह मुठभेड़ क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद चलाए गए तलाशी अभियान के दौरान शुरू हुई। जानकारी के अनुसार यारीपोरा इलाके में आतंकियों की मौजूदगी की विशेष सूचना मिलने के बाद सेना, पुलिस और अन्य सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया। इस दौरान क्षेत्र में छिपे आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलीबारी की, जिसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई। दोनों ओर से गोलीबारी फिलहाल जारी है और अभी तक किसी भी आतंकी के मारे या पकड़े जाने की कोई सूचना नहीं है। 2-3 आतंकवादियों के फंसे होने की संभावना है। भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान जवाबी कार्यवाही में जुटे हैं।

गैर-कश्मीरियों की हत्या मामले में एनआईए ने दो मंजिला आवासीय घर कुर्क किया

जम्मू। राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने इस वर्ष फरवरी में दो गैर स्थानीय लोगों की हत्या में कथित रूप से शामिल एक व्यक्ति की श्रीनगर के जाल्दागर क्षेत्र में संपत्ति कुर्क की। एनआईए की टीम ने एमआर गंज पुलिस के साथ मिलकर 10 मरला जमीन पर बने दो मंजिला आवासीय घर को कुर्क किया। यह घर आदिल मंजूर लंगू का है, जो फिलहाल हिरासत में है। एनआईए के मुताबिक आदिल पुलिस स्टेशन शहीदगंज में दर्ज एफआईआर (संख्या 08/2024) में आरोपित है। इस मामले को आगे की जांच के लिए एनआईए को सौंप दिया गया था। यह मामला 7 फरवरी, 2024 को शल्ला कदल, करफल्ली मोहल्ला, हब्बाकदल, श्रीनगर में दो गैर-स्थानीय लोगों की हत्या से संबंधित है।

वीके पॉल करेंगे 43वें आईआईटीएफ में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के मंडप का उद्घाटन

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य (स्वास्थ्य) डॉ. वी के पॉल गुरुवार को भारत मंडपम में आयोजित होने वाले 43वें भारत अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले (आईआईटीएफ) में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य मंडप का उद्घाटन करेंगे। इस वर्ष का मंडप एक स्वास्थ्य के विषय पर केंद्रित है - एक व्यापक दृष्टिकोण जो मानव, पशु, पौधे और पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य के अंतर्संबंध पर जोर देता है। यह जानकारी स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को दी। मंत्रालय ने बताया कि 39 जानकारीपूर्ण स्टालों के माध्यम से, मंडप स्वास्थ्य सेवा में मंत्रालय की प्रमुख उपलब्धियों को प्रस्तुत करेगा, जिसमें जीवन के हर चरण पर आधारित कार्यक्रमों और पहलों पर प्रकाश डाला जाएगा। इनमें यू-विन ऐप लॉन्च, जो गर्भवती महिलाओं और बच्चों के लिए मुफ्त टीकाकरण की सुविधा देता है, आयुष्मान भारत - प्रधान मंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) में अब अतिरिक्त 5 लाख रुपये का टॉप-अप कवर के साथ 70 साल से अधिक के वरिष्ठ नागरिक शामिल हैं। मंडप सभी के लिए सुलभ, गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के भारत के प्रयासों को चित्रित करेगा।

चुनाव आयोग ने ली गडकरी, अजित पवार, सीएम शिंदे और नाना पटोले के हेलीकॉप्टर की तलाशी

चेक

इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने बैग को चेक किए जाने का वीडियो जारी किया है।

मुंबई। चुनाव आयोग की टीम ने बुधवार को उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के बैग की तलाशी। बैग में चखली मिली, जिसे अजीत पवार ने चुनाव आयोग की टीम को खाने का ऑफर भी दिया। आज चुनाव आयोग की टीम ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर की भी जांच की है। इसके साथ ही उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने अपने बैग को चेक किए जाने का वीडियो जारी किया है। जानकारी के अनुसार सोमवार और मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के हेलीकॉप्टर की जांच चुनाव आयोग की टीम ने की थी। उस समय उद्धव ठाकरे ने कहा था कि चुनाव आयोग सिर्फ उनके ही हेलीकॉप्टर की जांच कर रहा है, जबकि सत्तापक्ष के लोगों के हेलीकॉप्टर की जांच नहीं की जा रही है। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग पर निष्पक्ष होकर सभी स्टार प्रचारकों के हेलीकॉप्टर की जांच करने की मांग की थी। इसके बाद राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी ने कहा था कि चुनाव आयोग निष्पक्ष होकर जांच कर रहा है। इसके बाद चुनाव आयोग की टीम ने सभी दलों के नेताओं के हेलीकॉप्टर की जांच शुरू कर दी है। चुनाव आयोग की टीम आज मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की जांच करने पहुंची तो सीएम शिंदे ने शिवसेना यूबीटी के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर तंज कसते हुए कहा कि चेक करो, हमारे हेलीकॉप्टर में दवा की किट नहीं मिलेगी। इसी तरह कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले के हेलीकॉप्टर में कोई सामान अथवा बैग नहीं था, इसलिए चुनाव आयोग की जांच टीम बैरंग लौट गई। अजीत पवार के हेलीकॉप्टर में चकली मिली, जिसे खाने का न्योता अजीत पवार ने जांच करने वालों को दिया।

दिल्ली एनसीआर में छाया प्रदूषण का धुंध, कुछ क्षेत्रों में एक्यूआई 400 के पार

नई दिल्ली। दिल्ली एनसीआर में बुधवार सुबह दिल्ली के आसमान में धुंध का पहरा देखने को मिला, वहीं वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक से भी ऊपर तक पहुंच गया। केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के मुताबिक बुधवार सुबह सबसे ज्यादा पॉल्यूशन शाहदरा और आया नगर में दर्ज किया गया, जहां वायु गुणवत्ता सूचकांक(एक्यूआई) 400 के पार दर्ज किया गया। प्रदूषण के घने कोहरे के चलते लोगों की सांसें फूलने लगी हैं। मौसम विभाग के मुताबिक? विजिबिलिटी भी बहुत कम है। सुबह 8 बजे कर्तव्य पथ से इंडिया गेट और राष्ट्रपति भवन दिखाई नहीं दे रहा था। मंगलवार को दिल्ली का औसम वायु गुणवत्ता सूचकांक मंगलवार को 334 दर्ज किया गया था। बुधवार सुबह 8 बजे आया नगर में एक्यूआई 423, शाहदरा के आसपास भी एक्यूआई 413, मुंडका में 374, पूसा में 397, नजफगढ़ में 362, आईसीआई एयरपोर्ट में 375,शादीपुर में 378, पंजाबी बाग में 388, आरकेपुरम में 367, दिल्ली विश्वविद्यालय में 398, श्री अरविंदो मार्ग में 365, मंदिर मार्ग में 365, सिरी फोर्ट में 368, लोधी रोड में 280, वजीरपुर में 385, रोहिणी में 380, अशोक विहार में 381, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 332, इंडिया गेट में 327, ग्वाल पहाड़ी में 269 दर्ज किया गया। शहर में वायु प्रदूषण का सबसे बड़ा कारण वाहनों से निकलने वाला धुंआ रहा। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 30 अक्टूबर से लगातार 'बहुत खराब श्रेणी में बना हुआ है। दिल्ली में 30 अक्टूबर को एक्यूआई 307 दर्ज किया गया था। उल्लेखनीय है कि शून्य से 50 की श्रेणी को 'अच्छा, 51-100 को 'संतोषजनक, 101-200 को 'मध्यम, 201-300 को 'खराब, 301-400 को 'बहुत खराब और 401-500 को 'गंभीर श्रेणी में माना जाता है। राजधानी में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने ग्रेडड रिस्पांस एक्शन प्लान के चरण एक और दो की पाबंदियां लगा रखी हैं।

श्रीलंका में संसदीय चुनाव की तैयारी पूरी, सुबह सात बजे से होगा मतदान

कोलंबो। श्रीलंका में संसदीय चुनाव-2024 की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसमें तरजीही मतों के जरिए 196 प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय सूची से 29 प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा, ताकि नई 10वीं संसद के लिए 225 प्रतिनिधियों का चयन किया जा सके। इस बार 17.1 मिलियन मतदाता 22 बहु-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में मताधिकार करने के पात्र हैं। नई संसद की पहली बैठक 21 नवंबर को आहूत की जा सकती है। राजधानी कोलंबो स्थित डीएस सेनानायके कॉलेज से आज मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा में मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। डेली न्यूज की खबर के अनुसार श्रीलंका के चुनाव आयोग ने परिणाम देखने के लिए सार्वजनिक स्क्रीनिंग के प्रदर्शन और भीड़ के जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयोग ने नागरिकों से चुनाव परिणाम घोषित होने की अवधि के दौरान घर पर रहने का आग्रह किया गया है। आयोग ने कहा है कि घरों के अंदर ही रिजल्ट देखें। आयोग के अध्यक्ष आरएमएएल रथनायके ने कहा कि चुनाव परिणामों की सार्वजनिक स्क्रीनिंग के दौरान होने वाले झगड़े और हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने प्रबंध किए हैं। लोगों को मतदान केंद्रों और मतगणना केंद्रों के पास रहने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक जिन्हें आधिकारिक मतदान कार्ड नहीं मिले हैं, वो अपने क्षेत्रों के डाकघरों से उन्हें प्राप्त कर लें। आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से भी मतदान कार्ड के प्रिंट लिए जा सकते हैं। मताधिकार के लिए कार्ड का होना अनिवार्य नहीं है और मतदाता 2024 के मतदान रजिस्टर में अपने विवरण को सत्यापित करने के लिए पहचान का वैध प्रमाण प्रस्तुत करके अपना वोट डाल सकते हैं।

नेपाल-भारत सीमा सुरक्षा बैठक 16-17 नवंबर को, शामिल होंगे एसएसबी के महानिदेशक

काठमांडू। नेपाल और भारत के सीमा सुरक्षा अधिकारियों की शीर्ष बैठक 16 और 17 नवंबर को नेपाल में होगी। इस बैठक में शामिल होने के लिए सीमा सुरक्षा बल (एसएसबी) के डायरेक्टर जनरल नेपाल आ रहे हैं। दोनों देशों के सीमा सुरक्षा बल के शीर्ष अधिकारियों के बीच हर वर्ष इस तरह की बैठक बारी-बारी से दिल्ली और काठमांडू में होती है। नेपाल के सशस्त्र प्रहरी बल के प्रमुख आईजीपी राजू अर्याल के निमंत्रण पर एसएसबी के डीजी अमृत मोहन प्रसाद 15 नवंबर से तीन दिन के लिए काठमांडू आने वाले हैं। आईजीपी अर्याल ने बताया कि दोनों देशों के बीच होने वाली वार्षिक सीमा सुरक्षा बैठक पिछले वर्ष नई दिल्ली में हुई थी, इसलिए इस बार बैठक का आयोजन काठमांडू में किया जा रहा है।

पाकिस्तान में 5.3 तीव्रता का भूकंप, पेशावर से इस्लामाबाद तक हिली धरती

घोषित

आयोग ने नागरिकों से चुनाव परिणाम घोषित होने की अवधि के दौरान घर पर रहने का आग्रह किया गया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कई शहरों में आज भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटकों से डरे लोग इमारतें खाली कर बाहर खुले में निकल गए। भूकंप के झटके पेशावर से लेकर राजधानी इस्लामाबाद में तक महसूस किए गए। हालांकि अभी तक कहीं से भी नुकसान की सूचना नहीं है। डॉन न्यूज के अनुसार, अफगानिस्तान के बदख्शां क्षेत्र में भूकंप के झटके के बाद आज खैबर पख्तूनख्वा और इस्लामाबाद के विभिन्न शहरों में झटके महसूस किए गए। संयुक्त राज्य भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, भूकंप की तीव्रता 5.1 थी, जबकि पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग (पीएमडी) ने रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.3 बताई है। यूएसजीएस ने कहा कि भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के इशकाशिम शहर से 37 किलोमीटर पश्चिम-दक्षिण पश्चिम में और 220.7 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप सुबह 10~13 बजे (पाकिस्तान समय) आया। यूएसजीएस और पीएमडी दोनों ने इसकी पुष्टि की। अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। भूकंप के झटके पेशावर और उसके आसपास के इलाकों के साथ इस्लामाबाद में भी महसूस किए गए। इसके बाद तमाम लोगों ने इमारतें खाली कर दीं। कोलंबो, 13 नवंबर (हि.स.)। श्रीलंका में संसदीय चुनाव-2024 की तैयारियां लगभग पूरी कर ली गई हैं। गुरुवार सुबह सात बजे से शाम चार बजे तक मतदान होगा। इसमें तरजीही मतों के जरिए 196 प्रतिनिधियों और राष्ट्रीय सूची से 29 प्रतिनिधियों का चुनाव किया जाएगा, ताकि नई 10वीं संसद के लिए 225 प्रतिनिधियों का चयन किया जा सके। इस बार 17.1 मिलियन मतदाता 22 बहु-सीट निर्वाचन क्षेत्रों में मताधिकार करने के पात्र हैं। नई संसद की पहली बैठक 21 नवंबर को आहूत की जा सकती है। राजधानी कोलंबो स्थित डीएस सेनानायके कॉलेज से आज मतपेटियों को कड़ी सुरक्षा में मतदान केंद्रों के लिए रवाना किया गया। डेली न्यूज की खबर के अनुसार श्रीलंका के चुनाव आयोग ने परिणाम देखने के लिए सार्वजनिक स्क्रीनिंग के प्रदर्शन और भीड़ के जमावड़े पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। आयोग ने नागरिकों से चुनाव परिणाम घोषित होने की अवधि के दौरान घर पर रहने का आग्रह किया गया है। आयोग ने कहा है कि घरों के अंदर ही रिजल्ट देखें। आयोग के अध्यक्ष आरएमएएल रथनायके ने कहा कि चुनाव परिणामों की सार्वजनिक स्क्रीनिंग के दौरान होने वाले झगड़े और हिंसा को रोकने के लिए पुलिस ने प्रबंध किए हैं। लोगों को मतदान केंद्रों और मतगणना केंद्रों के पास रहने की अनुमति नहीं होगी। उन्होंने कहा कि अभी तक जिन्हें आधिकारिक मतदान कार्ड नहीं मिले हैं, वो अपने क्षेत्रों के डाकघरों से उन्हें प्राप्त कर लें।

आयोग की आधिकारिक वेबसाइट से भी मतदान कार्ड के प्रिंट लिए जा सकते हैं। मताधिकार के लिए कार्ड का होना अनिवार्य नहीं है और मतदाता 2024 के मतदान रजिस्टर में अपने विवरण को सत्यापित करने के लिए पहचान का वैध प्रमाण प्रस्तुत करके अपना वोट डाल सकते हैं।

अमेरिका के नए रक्षा सचिव होंगे फॉक्स न्यूज के होस्ट पीट हेगसेथ, ट्रंप ने की घोषणा

कोशिश

पीट हेगसेथ ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ अपनी बातचीत में विदेश से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की कोशिश के ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को अपनाया।

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के अगले रक्षा सचिव फॉक्स न्यूज के मशहूर होस्ट पीट हेगसेथ होंगे। इराक और अफगानिस्तान युद्ध पर पीट हेगसेथ के विश्लेषण चर्चा में रहे हैं। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को उन्हें अपना अगला रक्षा सचिव चुना। पीट अमेरिका के सैन्य मुख्यालय पेंटागन और 1.3 मिलियन सैनिकों का नेतृत्व करेंगे।

द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर में कहा गया कि हेगसेथ की पसंद पारंपरिक रक्षा सचिव के मानदंडों से बाहर थी। वह ट्रंप के पहले कार्यकाल के दौरान उनके समर्पित समर्थक रहे हैं। पीट हेगसेथ ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ अपनी बातचीत में विदेश से अमेरिकी सैनिकों को वापस बुलाने की कोशिश के ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे को अपनाया। ट्रंप ने अगले रक्षा सचिव के रूप में हेगसेथ के नाम की घोषणा करते हुए उनके युद्ध अनुभव और अमेरिकी सेना के समर्थन की प्रशंसा की। ट्रंप ने कहा कि पीट सख्त, चतुर और अमेरिका फर्स्ट में सच्चा विश्वास रखने वाले व्यक्ति हैं। पीट के नेतृत्व में अमेरिकी सेना फिर से महान होगी। हेससेथ 2014 में फॉक्स न्यूज के नेटवर्क में शामिल हुए और वर्षों तक फॉक्स के नए साल के कवरेज के मेजबान रहे हैं। मिनेसोटा के मूल निवासी हेगसेथ प्रिंसटन विश्वविद्यालय से स्नातक हैं। रूढ़िवादी पत्रिका द प्रिंसटन टोरी के प्रकाशक रहे हैं। फॉक्स न्यूज के अनुसार, उन्होंने हार्वर्ड केनेडी स्कूल से सार्वजनिक नीति में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

हेगसेथ की जून में प्रकाशित पुस्तक द वॉर ऑन वॉरियर्स~ बिहाइंड द बिट्रेयल ऑफ द मेन हू कीप अस फ्री बेस्ट सेलर रही है। अपने बयान में ट्रंप ने इस पुस्तक की प्रशंसा की है।

इक्काडोर की जेल में हिंसा, 15 कैदियों की जान गई

क्विटो (इक्काडोर)। इक्काडोर के तटीय शहर गुआयाकिल के लिटोरल पेनिटेंटरी (जेल) में भड़की हिंसा में कम से कम 15 कैदी मारे गए और 14 घायल हो गए। यह जेल इक्काडोर की सबसे बड़ी और प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के टकराव के लिए कुख्यात है। इक्काडोर दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप के शीर्ष पर पश्चिमी कोने में स्थित है। सीएनएन ने राष्ट्रीय जेल एजेंसी एसएनएआई के हवाले से खबर में कहा कि तटीय शहर गुआयाकिल में लिटोरल पेनिटेंटरी के एक बैरक में मंगलवार तड़के हिंसा भड़क उठी। इस दौरान जमकर मारकाट हुई। अधिकारियों ने दोपहर को कहा कि जेल पर नियंत्रण हासिल करने में कामयाबी मिलने के बाद बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने कहा कि कम से कम नौ कैदियों के खिलाफ हत्या के आरोप में केस दायर किया जाएगा। इक्काडोर की जेल प्रणाली लंबे समय से देश में हिंसा का मुख्य केंद्र रही है। हाल के वर्षों में यहां आपराधिक संगठनों की लड़ाई में सैकड़ों लोग मारे गए हैं। पिछले साल लिटोरल पेनिटेंटरी में 30 से अधिक लोग मारे गए थे। उनमें से कुछ के तो सिर काट दिए गए थे। सितंबर 2021 में प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के बीच संघर्ष में 100 से अधिक लोग मारे गए थे। करीब दो महीने पहले जेल निदेशक मारिया डेनिएला इकाजा की एक सशस्त्र हमले में हत्या कर दी गई थी। जनवरी में कुख्यात गिरोह का सरगना जोस एडोल्फो फिटो मैकियास एक जेल से भाग गया था। इससे पूरे देश में हिंसा फैल गई।

नेपाली पीएम ओली के चीन भ्रमण से पहले विदेश मंत्री का बीजिंग जाना तय

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के चीन भ्रमण से पहले विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा बीजिंग जाएंगी। उनका यह दौरा प्रधानमंत्री ओली की यात्रा का एजेंडा तय करने के लिए होगा। प्रधानमंत्री ओली के 2 दिसंबर से चीन के चार दिनों के भ्रमण पर जाएंगे, जबकि विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा का 30 नवंबर को तीन दिनों की यात्रा पर चीन जाना तय हो गया है। नेपाल में चीन के राजदूत छन सोंग ने सोमवार को प्रधानमंत्री के चीन भ्रमण का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया, जिसके बाद विदेश मंत्री की बीजिंग यात्रा तय हुई है। विदेश सचिव सेवा लम्साल ने बताया कि चीन के विदेश मंत्री वांग यी के निमंत्रण पर डॉ. आरजू राणा बीजिंग जा रही हैं। लम्साल के मुताबिक 30 नवंबर को बीजिंग पहुंचने वाली विदेश मंत्री 2 दिसंबर से प्रधानमंत्री ओली के प्रतिनिधिमंडल में वहीं से शामिल हो जाएंगी। विदेश मंत्री डॉ. आरजू राणा अपने बीजिंग भ्रमण के दौरान चीन के विदेश मंत्री के अलावा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना के अन्य अधिकारियों से भी मुलाकात करेंगी। इनमें सीपीसी के विदेश विभाग प्रमुख और चीनी संसद के अंतराष्ट्रीय समिति के प्रमुख से मुलाकात प्रमुख है। इसके अलावा डॉ. राणा की मुलाकात चीन के एक्जिम बैंक के प्रमुख और चाइना एड के प्रमुख से भी होने की संभावना है। विदेश मंत्री का यह बीजिंग यात्रा नेपाल में बीआरआई परियोजना के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर की पूर्व तैयारी को लेकर भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। चीन की तरफ से नेपाल पर बीआरआई के कार्यान्वयन समझौते पर हस्ताक्षर के लिए लगातार दबाव बनाया जा रहा है। नेपाल ने अपनी तरफ से कुछ शर्तें रखी हैं। अगर चीन ऋण के रूप में नेपाल को आर्थिक अनुदान देता है तो ही बीआरआई को स्वीकार करने की बात नेपाल सरकार की तरफ से कही जा रही है। विदेश मंत्री के चीन भ्रमण का एक और प्रमुख एजेंडा पोखरा में चीन के एक्जिम बैंक के करीब 2600 करोड़ रुपये के ऋण को अनुदान में बदलने का भी है। नेपाल सरकार की तरफ से इसके लिए चीन से औपचारिक रूप से आग्रह भी किया गया है।

जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यति को दिलाया जाएः डीएम

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में विकास खंड बक्शा के ग्राम बक्शा में जन चौपाल का आयोजन हुआ। जिसमें उन्होंने ग्राम वासियों की समस्याओं को सुनकर उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। जन चौपाल में स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, पंचायत राज विभाग, खाद्य एवं रसद विभाग सहित विभिन्न विभागों के द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं के संबंध में जानकारी दी गयी। इस दौरान लोगों से आवेदन लेकर पात्र व्यक्तियों का पंजीकरण भी कराया गया। जिलाधिकारी ने ग्राम वासियों से संवाद कर उनकी समस्याओं को सुना तथा उनके निराकरण हेतु सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित ग्रामवासियों को आश्वस्त कराया कि सभी विभागीय अधिकारी गुणवत्ता और पारदर्शिता के साथ पात्रता के आधार पर लाभार्थियों का चयन करते हुए उन्हें योजनाओं का लाभ दिलायेंगे। उन्होंने कहा कि इस चौपाल का मुख्य उद्देश्य यह है कि चौपाल के माध्यम से अधिकारी उनके द्वार पर पहुंचकर उनकी समस्याओं का निराकरण करें और जितनी भी जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित है, उनका लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति को दिलाया जाए। उन्होंने बेसिक शिक्षा विभाग के बच्चों से संवाद किया और गणित के सवालों सहित अन्य विषयों का प्रश्न भी पूछा तथा उन्हें केला और बुके देकर प्रोत्साहित भी किया। उन्होने सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देश दिया कि चौपाल में जो भी जनता की समस्याएं/शिकायतें आयी है शिकायतों का तत्काल निराकरण कर दिया जाए। ऐसी शिकायतें जिनका मौके से निस्तारित कराना सम्भव नही है, उनकी निस्तारण की कार्यवाही आज से ही प्रारम्भ कर दी जाए। इस दौरान चौपाल में विभिन्न विभागों द्वारा लगायी गयी स्टॉलों का अवलोकन जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारियों द्वारा किया गया। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड वितरित किया और पौधरोपण भी किया। इस दौरान विभिन्न विभाग की योजनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के द्वारा शिल्पी मोदनवाल, पिंकी शर्मा और रवीना की गोद भराई और अभि, आर्या, रुद्र को अन्नप्राशन कराया गया। इसके पश्चात उन्होंने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें समयबद्धता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने और जनता के साथ उत्कृष्ट संवाद स्थापित करने के लिए कहा। उन्होंने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों के साथ ग्राम में बने ग्राम सचिवालय का अवलोकन किया और कहा कि प्रधानमंत्री की ग्राम सचिवालय की संकल्पना को साकार करने की दिशा में तथा एक ही छत के नीचे ग्रामवासियों की समस्याओं के निराकरण कराने के लिए जो भी सुविधाएं दी जा सकती है वे सभी यहॉ उपलब्ध है।

इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला विकास अधिकारी, डीसी मनरेगा सहित अन्य अधिकारीगण तथा ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव की जनसभा आज रुदापुर में

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की फूलपुर के रुदापुर में बृहस्पति वार को होने वाली जनसभा की सारी तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। उप चुनाव में उम्मीदवार हाजी मुजतबा सिद्दीकी के समर्थन में होने वाली जनसभा में भारी भीड़ जुटने की सम्भावना जताई जा रही है। सपा के मीडिया प्रभारी दान बहादुर मधुर के अनुसार जनसभा स्थल पर हेली पैड बनकर तैयार है जो मंच से थोड़ी ही दूर पर है। इसके साथ ही जर्मन हेंगर मंच 40*60 फिट का आठ फिट ऊँचा मंच बनाया गया है जिस पर से सपा प्रमुख अपना भाषण करेंगे। इसके बगल में एक छोटा मंच बनाया गया है जिस पर सांस्कृतिक दल के लोग रहेंगे। मंच के सामने कुर्सियां लगाई गई हैं। मंच के पीछे सेफ हॉउस बनाया गया है। भीड़ के नियंत्रण एवं सुरक्षा के लिये जिले के पुलिस कमिश्नर एवं वरिष्ठ प्रसाशनिक अधिकारियों से लिखित अनुरोध कर लिया गया है। अखिलेश यादव लखनऊ से प्राइवेट वायुयान द्वारा प्रयागराज एयर पोर्ट आएंगे जहाँ से हेलीकाप्टर द्वारा जनसभा स्थल रुदापुर में दोपहर 12:30बजे पहुंचेंगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर हुए विविध का आयोजन

पूर्वांचल विश्वविद्यालय

लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती

अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। कुलाधिपति एवं राज्यपाल उत्तर प्रदेश के निर्देश के क्रम में कुलपति महोदया प्रो. वंदना सिंह के संरक्षकत्व में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं सम्बद्ध महाविद्यालयों में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर आर्यभट्ट सभागार रज्जू भइया संस्थान बुधवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कुल पांच प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रथम प्रतियोगिता लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल एवं राष्ट्रीय एकता के विषय पर ÷सरदार वल्लभभाई पटेलः भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक÷ विषय पर द्वितीय प्रतियोगिता एक पात्रीय नाट्य, तृतीय प्रतियोगिता कविता लेखन विषयः राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित, चतुर्थ प्रतियोगिता निबंध लेखन विषयः÷राष्ट्रीय एकता के शिल्पकारः सरदार वल्लभभाई पटेल÷ एवं पंचम प्रतियोगिता देश भक्ति गीत (एकल) विषयः राष्ट्रीय एकता के शिल्पकार सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित का आयोजन किया गया। इन सभी प्रतियोगिताओं में जो भी प्रथम स्थान प्राप्त करेगा उन प्रतिभागियों को 28 नवम्बर 2024 महात्मा गाँधी काशी विद्यापीठ वाराणसी में द्वितीय चक्र की प्रतियोगिता छः विश्वविद्यालयों के बीच आयोजन किया जाएगा। निर्णायक मंडल के रूप में राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ राज बहादुर यादव, डॉ जाह्नवी श्रीवास्तव, डॉ सुजीत चौरसिया, डॉ अवधेश मौर्य एवं सल्तनत बहादुर महाविद्यालय बदलापुर के कार्यक्रम अधिकारी डॉ मुमताज अहमद अंसारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक सुमित सिंह ने किया।

अतिथियों का स्वागत नोडल अधिकारी डॉ शशिकांत यादव ने किया। इस अवसर पर प्रो. विक्रम देव शर्मा, रज्जू भइया संस्थान के निदेशक प्रो प्रमोद कुमार यादव, डॉ श्याम कन्हैया, डॉ नीरज अवस्थी, स्वयंसेवक आनंद सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

मांगी ना होना केवट आना कहई तुम्हार मरम मैं जाना

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। श्रृंगवेरपुर धाम में राष्ट्रीय रामायण मेला के आयोजन के तृतीय दिन सामाजिक एवं सांस्कृतिक उत्थान में रामायण की भूमिका विद्युत संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जहां पर विद्वानों के द्वारा श्री रामचरितमानस रामायण के द्वारा सामाजिक एवं संस्कृति का कैसे विकास होता है यह हम सब लोगों को रामायण से सीखना चाहिए। भगवान प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि हम सभी लोगों को रामायण से सीखने की जरूरत है कि किस प्रकार से भाई-भाई का संबंध माता-पिता का संबंध संबंधों के बीच किस प्रकार का होती है। महाराज जी ने बताया श्रृंगवेरपुर धाम में जब भगवान मर्यादा पुरुषोत्तम श्री रामचंद्र जी आए और रात्रि सहन करने के बाद जब सुबह गंगा पार करना था तो केवट को बार-बार बुलाने पर केवट नहीं आता। क्योंकि केवट पूर्व जन्म में कछुआ था और वह श्री हरि के चरणों को छूना चाहा लेकिन सर्प ने कछुए को मार दिया तो भगवान ने उसको आशीर्वाद दिया था जो जब मैं त्रेता में राम बनूगा तो तुम केवट बनोगे और तब तुम मेरे चरणों को छूना। वही पत्रकार संगोष्ठी का आयोजन किया गया और शाम को श्री राम काव्य उत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें बहुत दूर दराज से आए हुए सभी कवियों ने हिस्सा लेते हुए राम काव्य पाठ का हिस्सा लिया। इस बीच रामायण मेला के अध्यक्ष डॉ बालकृष्ण पांडे, रमापति त्रिपाठी, सुरेंद्र मिश्रा, भगवान प्रसाद उपाध्याय, प्रतिमा मिश्रा, संयुक्त मंत्री अमित द्विवेदी, राजमणि शास्त्री, प्रधानाचार्य कुणाल जी सच्चिदानंद, मिर्जापुर से डॉक्टर विनय श्रीवास्तव, पंडित नरोत्तम मिश्रा, मुनेश्वर मिश्रा, आशीष केसरवानी सागर त्रिपाठी आदि लोग मौजूद रहे।

प्रतियोगी छात्रों के आंदोलन में तीसरे दिन भी हंगामा

दिव्यांग भी लड़ रहे लड़ाई, हजारों छात्राएं भी मैदान में उतरी 11 छात्र लिए गए हिरासत में

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। यूपी लोक सेवा आयोग की दो बड़ी भर्ती परीक्षाओं के नियमों में किए गए बदलाव के विरोध में प्रतियोगी छात्रों ने अपने आंदोलन को बुधवार तीसरे दिन भी अनवरत जारी रखा। बड़ी संख्या में प्रतियोगी छात्र छात्राएं आयोग के गेट नंबर 2 के बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए लगातार ड्रम, थाली और पानी की खाली बोतलें पीटकर आयोग और यूपी सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर अपना विरोध जता रहे हैं।

प्रतियोगी छात्र छात्राओ के आंदोलन का बुधवार तीसरे दिन भी शांत नही हुआ।

प्रयागराज में लोक सेवा आयोग कार्यालय के सामने हजारों छात्रों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी है। प्रदर्शन के 48 घंटे हो चुके हैं। बुधवार को कोंचिग का पोस्टर फाड़ने के मामले में पुलिस ने 11 छात्रों को हिरासत में लिया। बाद में शांतिभंग की धारा में चालान कर दिया।

छात्राओं ने थाली बजाकर प्रदर्शन किया। छात्राओं ने कहा- राजतंत्र नहीं, लोकतंत्र है, तानाशाही नहीं चलेगी। पुलिस हमारे घर पहुंचकर दबाव बना रही है कि हम लोग प्रदर्शन से लौट जाएं, लेकिन हम हक मिलने तक नहीं हटेंगे।

अभ्यर्थियों ने मंगलवार रातभर कैंडल और मोबाइल टॉर्च जलाकर नारेबाजी की। आयोग के अध्यक्ष संजय श्रीनेत की शव यात्रा निकालने के बाद सांकेतिक क्रियाकर्म किया।

बीते दो दिनों से आंदोलन कर रहे छात्र-छात्राएं रात को खुले आसमान के नीचे आयोग दफ्तर के सामने सड़कों पर डटे हुए है। इस आंदोलन में दिव्यांग छात्र भी अपनी लड़ाई लड़ने के लिए बैशाखी का सहारा लेकर डटे हुए है। प्रतियोगी छात्र छात्राएं वन डे वन शिफ्ट में परीक्षा कराए जाने और नार्मलाइजेशन वापस लेने का नोटिस जारी होने तक आंदोलन खत्म करने को तैयार नहीं है।

वहीं प्रतियोगी छात्र छात्राओं के विरोध प्रदर्शन के चलते आयोग के दफ्तर के बाहर का पूरा इलाका छावनी में तब्दील किया गया है। पुलिस और पीएसी के साथ ही रैपिड एक्शन फोर्स की तैनाती की गई है। सड़कों पर छात्रों का कब्जा होने की वजह से प्रयागराज से लखनऊ जाने वाले रास्ते को बीच में करीब एक किलोमीटर तक बैरिकेड किया गया है।

होर्डिंग तोड़ने, पोस्टर फाड़ने के मामले में प्रयागराज पुलिस ने 11 छात्रों को हिरासत में लिया है। पुलिस का कहना है कि कोचिंग संस्थान की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज कर छात्रों से पूछताछ की जा रही है।

लोकसेवा आयोग के सामने जगह-जगह बैरिकेडिंग लोक सेवा आयोग के सामने फिर से छात्र-छात्राओं की भीड़ बढ़ने लगी है। पुलिस, पीएसी और आरएएफ के जवान आयोग के आसपास की सड़कों पर तैनात हैं। जगह-जगह बैरिकेडिंग लगाई गई है। वाहनों रोका जा रहा है। हालांकि, छात्रों को प्रदर्शन स्थल पर आने से नहीं रोका जा रहा है।

आयोग के सभी गेट बंद हैं। गेट के सामने ही छात्र-छात्राएं नारेबाजी कर रही हैं। डिवाइडर, फुटपाथ पर भी प्रदर्शनकारी मौजूद हैं। कुछ छात्र पानी की बातें, नाश्ते आदि का इंतजाम करने में जुटे हैं। कई छात्राएं पॉलीथिन में नमकीन, बिस्कुट लेकर साथियों के बीच बांट रही हैं।

संक्षिप्त समाचार

धान क्रय केंद्र का डीएम ने किया निरीक्षण

जौनपुर। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र के द्वारा बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सरकारी समिति चुरामनपुर में बने धान क्रय केंद्र का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि जनपद के 145 धान क्रय केंद्रों पर खरीद की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उन्होंने अपील किया कि किसान भाई अधिक से अधिक संख्या में पंजीकरण करा कर तहसील से सत्यापन के उपरांत धान सूखा कर शासन के द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य पर अपना धान क्रय केंद्र पर बेचे। उन्होंने खरीद से संबंधित सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसानों को क्रय केंद्र पर किसी तरह की असुविधा नहीं होनी चाहिए। किसानों का भुगतान 48 घंटे के अंदर कराया जाए। निरीक्षण के समय डिप्टी आरएमओ नृपंजय पाठक, एडीसीओ सदर और एडीओ सहित अन्य उपस्थित रहे।

51 हजार दीपों से जगमग होगा मां शीतला चौकियां धाम

जौनपुर। (चौकियां धाम) मां शीतला चौकियां धाम में 15 नवम्बर को भव्य देव दीपावली का आयोजन होगा। मां शीतला मातारानी का दरबार व पवित्र कुंड 51 हज़ार दीपों व झालरों से जगमग होगा। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे जिसकी रूप–रेखा तैयार कर ली गई है। बुधवार को झालर लाइट लगाने व स्टेज बनाने का कार्य होता रहा। तालाब की साफ सफाई भी करवाई गई है। मां श्री शीतला धाम कुण्ड कार्यसमिति के बैनर तले विगत वर्ष की तरह इस बार भी भव्य देव दीपावली का अयोजन किया गया है। 15 नवंबर को देव दीपावली के दिन गोरखपुर सांसद व भोजपुरी फिल्म अभिनेता रवि किशन का आगमन होगा। श्रीराम झांकी, शिव तांडव, कृष्ण राधा झांकी सहित तमाम संस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। नग रपालिका कर्मी तालब की सफ़ाई में जुटे हुये हैं तथा आस–पास रंगाई–पुताई भी करवायी जा रही है।

एसके साहू गर्ल्स क्लब को पूरे अंक

प्रयागराज। एसके साहू गर्ल्स क्लब ने कायस्थ पाठशाला क्लब को छह विकेट से हराकर शशि द्विवेदी अंडर-14 बालक एवं बालिका क्रिकेट लीग में पूरे अंक प्राप्त किये। केपी कॉलेज मैदान पर बुधवार को खेले गये मैच में कायस्थ पाठशाला क्लब ने 32.4 ओवर में 92 रन (प्रिंस यादव 21, सुरूचि यादव 3/12, आकांक्षा राय 3/26, शालिनी सिंह 2/08) बनाये। जवाब में एसके साहू क्लब ने 22.3 ओवर में 4 विकेट पर 93 रन (शालिनी सिंह 24, नमस्या सिंह 21, शिवानी मौर्य 19, आयुष 2/24) बना लिये। मैच में अजय कुमार व अरुण कुमार अंपायर एवं अंकित पांडेय स्कोरर रहे।

ब्राह्मण वोट को साधने के लिए पूर्व विधायक उदयभान करवरिया उतरे मैदान में

प्रयागराज। ब्राह्मण वोट को साधने के लिए पूर्व विधायक उदय भान करवरिया भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी दीपक पटेल के समर्थन में दुर्वासा मण्डल के ककरा, दुर्वासा, तिवारी पुर, छिवैया आदि जगहों पर जन सम्पर्क कर फूलपुर विधानसभा उपचुनाव में कमल खिलाने का अनुरोध किया। उक्त अवसर पर अश्विनी कुमार द्विवेदी, बृजेश त्रिपाठी, अमर नाथ तिवारी, कन्हैयालाल पाण्डेय, आत्मा धर द्विवेदी, गोपीनाथ स्वर्णकार, अतुल पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

रमेश खन्ना चुने गए अध्यक्ष और नरेश कुंद्रा महामंत्री

प्रयागराज। पुरुषार्थी विद्या मंदिर समिति (रजिस्टर्ड) का त्रिवार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। जिसमे सर्वसम्मति से रमेश खन्ना अध्यक्ष और नरेश कुंद्रा महामंत्री चुने गए। उपाध्यक्ष पद के लिए महेंद्र पाल अरोड़ा, सतीश अरोड़ा और सत्यम मोहन डांग, कोषाध्यक्ष अनिल मित्र, मंदिर मंत्री अनिल भगत तथा स्कूल प्रबंधक अरुण राजपूत चुने गये। इसी प्रकार बारात घर मंत्री के पद पर रोहित नागपाल, संयुक्त मंत्री हरीश अरोड़ा और सह मंत्री के पद पर राजेश छाबड़ा एवं विद्या पुरुषार्थी का चयन हुआ।

दुर्वासा धाम पर प्रयास ने लगवाया कपड़ा चेंजिंग रूम

आजमगढ़। कार्तिक पूर्णिमा के मेले को देखते हुए प्रयास सामाजिक संगठन द्वारा बुधवार को महर्षि दुर्वासा धाम संगम तट पर महिला कपड़ा चेंजिंग रूम स्थापित किया गया। संस्था द्वारा जिले में यह पांचवां बाक्स लगाया गया। इसमें मुख्य रूप से सहयोग की भूमिका में इंजीनियर अमित मदर एंड फादर टेंट हाउस लेदौरा बनरपुरा रहे। इस बावत् प्रयास अध्यक्ष रणजीत सिंह ने बताया कि दुर्वासा धाम पौराणिक स्थल है। जहां हमेशा आस्था की डुबकी लगायी जाती है इसके बावजूद घाट पर महिलाएं खुले में वस्त्र बदलना पड़ता था। इस अवसर पर सचिव इंजी सुनील यादव, दयाराम साधू, राममिलन यादव, राजेंद्र पांडेय, रमाकांत यादव, विजय यादव, अजय गिरी, अजय सिंह, लालधनी गुप्ता, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, विशाल चौबे,सोनू निषाद, दीपक, प्रमोद, गुड्डु, राजकुमार निषाद,आकाश निषाद, शुभम चौबे, बलवंत निषाद, सेराज के साथ प्रयास के तमाम केंद्रीय पदाधिकारी मौजूद रहे।

भारत के जवानों संग इजरायल, अमेरिका और फ्रांस के दिग्गज करेंगे गंगा आरती

महाकुंभ 2025 विशेष

भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का महाकुंभ में होगा अविस्मरणीय स्वागत

अवधनामा संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को महाकुंभ की नव्यता, दिव्यता और भव्यता का एहसास कराने की तैयारी में जुटी है। वहीं दुनिया के विशिष्ट लोग भी महाकुंभ में सम्मिलित होने और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात करने को लालायित हैं। महाकुंभ के दौरान पहली बार इजरायल, अमेरिका और फ्रांस समेत तमाम देशों के दिग्गज गंगा आरती में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। उनके साथ सेना के जवान भी शामिल होंगे।

देश के विशिष्ट संतों का होगा सम्मान हरिहर गंगा आरती समिति रामघाट प्रयागराज के अध्यक्ष सुरेश चन्द्रा ने बताया कि काशी के तर्ज पर प्रयागराज में वर्ष 1997 में गंगा आरती की शुरुआत की गई। जिसके बाद से लेकर आज तक यह क्रम अनवरत जारी है। इसी के तहत, महाकुंभ के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ ही देश के कोने-कोने से आ रहे विशिष्ट संतों का सम्मान करने की योजना बनाई गई है। भारत के सभी प्रमुख तीर्थ स्थलों के संतों का एक साथ महाकुंभ के महा आयोजन में शामिल होना अविस्मरणीय होगा। भारत के सबसे बड़े राज्य के मुखिया योगी आदित्यनाथ के प्रति विश्व के ताकतवर देशों के लोगों में क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि भारत के जवानों के साथ इजरायल, अमेरिका, फ्रांस, वियतनाम, इटली, कनाडा और म्यांमार के नामी लोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलने भारत आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि ये सभी विदेशी मेहमान यहां की प्रसिद्ध गंगा आरती में शामिल होंगे। उनके साथ भारतीय सेना के बड़े अधिकारी भी रहेंगे। ये सभी हरिहर गंगा आरती समिति के मेहमान होंगे।

युवक की हत्या

प्रयागराज। हंडिया कोतवाली अंतर्गत आने वाले लक्षागृह गांव में देर रात एक युवक की सिर पर वार कर निर्मम हत्या कर दी गई। बुधवार की सुबह परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो कोहराम मच गया। जिसके बाद मौके पर भारी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी अनुसार बादल वर्मा पुत्र बबलू वर्मा उम्र लगभग 18 वर्ष मंगलवार की रात अपने घर से खाना खाकर घर से कुछ दूरी पर रोड के किनारे अपने झोपड़ी में सोने के लिए गया था। बुधवार सुबह उसके परिवार का कोई सदस्य दुकान खोलने जब वहां गया तो झोपड़ी में उसे खून से लथपथ देख उसके होश उड़ गए और उसने इसकी सूचना तत्काल अन्य परिजनों को दी। जिसके बाद मौके पर परिजन भी पहुंच गए और रोने बिलखने लगे। परिजनों के रोने बिलखने की आवाज सुन मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजनान्तर्गत जनपद आजमगढ़ में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में अनुसूचित जाति, सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग के व्यक्तियों की पुत्रियों की शादी हेतु शासनध्निदेशालय द्वारा दिये गये निर्देश एवं जिलाधिकारी महोदय के क्रम में आज मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह का आयोजन विकास खण्ड परिसर जहानागंज परिसर, आजमगढ़ में विकास खण्ड पल्हनी-15, सठियावं-11, जहानागंज-05 अर्थात कुल-31 जोड़ो का सामूहिक विवाह हिन्दू रीति रिवाज से कराया गया। जिसमें मुख्य अतिथि यशवन्त सिंह पूर्व एम.एल.सी. भा.ज.पा., कृष्णपाल जिलाध्यक्ष भाजपा, अरविन्द जायसवाल पूर्व प्रत्याशी भा.ज.पा., रमेश कन्नौजिया ब्लाक प्रमुख, जहानागंज, हरिकृष्ण चौबे पूर्व ब्लाक प्रमुख जहानागंज, जग्गू तिवारी, मोती लाल, जिला समाज कल्याण अधिकारी, आजमगढ़, खण्ड विकास अधिकारी जहानागंज एवं कर्मचारीगण मौके पर उपस्थित रहे।

जिला जज को दी विदाई

अवधनामा संवाददाता

आजमगढ़। दीवानी न्यायालय अभिभाषक संघ के अधिवक्ताओं ने स्थानांतरित जिला जज संजीव शुक्ला को बुधवार को भावभीनी विदाई दी।इस अवसर पर अधिवक्ताओं ने जिला जज को अंग वस्त्रम तथा ब्लैक पॉटरी की गणेश प्रतिमा भेंट की। समारोह को संबोधित करते हुए जिला जज संजीव शुक्ला ने कहा कि जनपद के अधिवक्ताओं ने उन्हें बहुत कुछ सीखने को मिला। यहां के अधिवक्ता विधि व्यवसाय के प्रति समर्पित और निष्ठावान है। सभी वक्ताओ ने जिला जज की न्यायप्रियता तथा कर्तव्यनिष्ठा की प्रशंसा की। सभी अधिवक्ताओं ने कहा कि लगभग दो साल के कार्यकाल में जिला जज ने जनपद की न्यायिक व्यवस्था बेहतर तरीके से संचालित किया।विदाई समारोह को पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद सिंह,ओम प्रकाश मिश्र,दयाराम यादव, प्रभाकर सिंह पूर्व मंत्री अनिल कुमार सिंह,राजेश कुमार सिंह पाराशर ने संबोधित किया।इस अवसर पर अपर जिला जज कमला पति, जैनेन्द्र कुमार पाण्डेय,संतोष कुमार यादव, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट सत्यबीर सिंह तथा बहुत से अधिवक्ता उपस्थित रहे।समारोह की अध्यक्षता अशोक कुमार पांडेय ने संचालन संघ के मंत्री आनंद श्रीवास्तव ने किया। उधर दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ ने हॉल ऑफ जस्टिस में जिला जज के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया। कर्मचारी संघ के अध्यक्ष दुर्गेश श्रीवास्तव ने जिला जज को अंगवस्त्र तथा प्रतीक चिन्ह भेंट कर उन्हें सम्मानित किया।

भारत स्काउट गाइड का पांच दिवसीय तृतीय सोपान शिविर का शुभारंभ

प्रयागराज। जनपद के नगर क्षेत्र के कौड़िहार द्वितीय स्थित एम आर शेरवानी इन्टर कॉलेज सलाहपुर प्रयागराज में भारत स्काउट एंड गाइड उत्तर प्रदेश के निर्देशन में प्रथम सोपान, द्वितीय सोपान एवं तृतीय सोपान के पांच दिवसीय प्रशिक्षण का भव्य शुभारंभ हर्षोल्लास के साथ हुआ। जिसमें शेरवानी इंटर कॉलेज सलाहपुर एवं पब्लिक इंटर कॉलेज मनौरी के 50 से अधिक स्काउट सेक्सन की उपस्थिति रही।

शिविर पांच दिनों तक अनवरत जारी रहेगा। शिविर का उद्घाटन ध्वज शिष्टाचार सेरेमनी के माध्यम से किया गया। जिसमें शिविर को संचालित करने के लिए प्रशिक्षक राकेश कुमार यादव, गायत्री यादव, सीमा कुशवाहा एवं शेरवानी इंटर कॉलेज के स्काउट मास्टर इरशाद अहमद प्रशिक्षक उपस्थित रहे।

यूपी और बिहार की सोसायटी फर्म आमने-सामने

70 लाख 68 हजार रूपया को लेकर विवाद आरोप प्रत्यारोप

अवधनामा संवाददाता

मुबारकपुर,आजमगढ़। मुबारकपुर के अलीनगर निवासी मनोज विश्वकर्मा ने पुलिस अधीक्षक आजमगढ़ को प्रार्थना पत्र देकर बुनकर योजना का धन हड़प करने का आरोपी बनाया है। ज्ञात हो की मुबारकपुर के अलीनगर निवासी मनोज विश्वकर्मा ने पुलिस अधीक्षक को दिए गए प्रार्थना पत्र में कहा है कि बिहार की दो सूती हैण्डक्राफ्ट प्रोड्यूसर प्रा लि ने टेण्डर की स्वीकृति धनराशि का भुगतान खाते में 70लाख 68हजार रूपए विश्वकर्मा टिम्बर ट्रेडर्स मुबारकपुर को कर दिया था।। बाद में इस धन से हथकरघा का निर्माण कर उसकी आपूर्ति करना था।इस सम्बन्ध में हथकरघा कल पुर्जा मशीनरी का आपूर्ति करने के बजाय वह बिहार से से क्रय करने की बात कहकर थन वापस मांगा और क ई किस्तों में 29लाख लाख 40हजार रूपए उक्त बिहार की फर्म दो सूती हैण्डक्राफ्ट प्रोड्यूसर को वापस भी कर दिया। इसके बाद भी और जब 15लाख रूपए की मांग किया तो प्रार्थी मनोज कुमार विश्वकर्मा ने कहा कि वापसी धन का कार्यादेश व रसीद की मांग कर दी। जिससे उन्होंने देने से साफ मना कर दिया।।यही नहीं भद्दी गालियां देते हुए धमकी भी दी। इस प्रकार वह वापस किए गए धन से कोई भी मशीनरी खरीदारी न कर उल्टा दबंगई व गुण्डागर्दी के बल पर 29लाख 40हजार रूपए गटक गया है।वापस किया गया धन को प्रवीण चौहान ने अपने भाई पंकज चौहान व सहयोगी अमरदीप पाण्डेय को भेजा और मुबारकपुर मेरे पास आकर 16लाख रूपए लेकर गये इसके अलावा क ई किस्तों में भाई पंकज के खाते में ट्रांसफ्र कर कुल 29लाख 40हजार रूपए हथकरघा मशीनरी कल पुर्जे वहां बिहार से क्रय करने को वापस कर दिया। परन्तु क्रय करने के बजाय और 15लाख रूपए मांग किया तो प्रार्थी ने इन्कार कर दिया और कार्यादेश व रशीद उपलब्ध कराने को कहा तो फर्म संचालक प्रवीण चौहान ने कहा कि भुगतान किया गया सारा धन भाई पंकज चौहान को देदो वरना परिवार सहित तुम्हें खतम करवा दूंगा। उन्होंने यह भी अपने प्रार्थना पत्र में उल्लेख किया है कि बिहार की उक्त फर्म सीधे साधे लोगों को फंसाकर भारत सरकार के वस्त्र मन्त्रालय से भारी भरकम की धनराशि की स्वीकृति करा धन को हड़पने का गोरख धंधा करते हैं। इस प्रकरण की जांच कर कार्रवाई करने की पुलिस अधीक्षक से गुहार लगाई है।

इस वर्ल्ड डायबिटीज डे पर अपनी रोज़ाना की डाइट में बादाम को शामिल करें और ब्लड शुगर लेवल पर लगाम लगाएं

मुम्बई : हर साल 14 नवंबर को वर्ल्ड डायबिटीज डे मनाया जाता है। इस दिन दुनिया भर में डायबिटीज को लेकर जागरूकता बढ़ाई जाती है और इसकी अच?छे से देखभाल करने की आवश्यकता पर जोर दिया जाता है। भारत, जिसे ÷दुनिया की डायबिटीज कैपिटल÷ के रूप में जाना जाता है, एक बढ़ती चुनौती का सामना कर रहा है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि 101 मिलियन भारतीयों को डायबिटीज है, जबकि 136 मिलियन लोग प्री-डायबिटिक हैं। यह खासतौर से हमारे द्वारा खाए जाने वाले भोजन में बदलाव लाकर, डायबिटीज की असरदार प्रबंधन रणनीतियों को अपनाने के महत्व को उजागर करता है। डायबिटीज को काबू में रखने का एक तरीका यह भी है कि हमें बादाम जैसे पौष्टिक फूड को अपनी डाइट में शामिल करना चाहिए। बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जिनमें प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट्स और डाइटरी फाइबर शामिल हैं। ये पोषक तत्व ब्लड शुगर लेवल को बनाए रखने में मदद करते हैं। शोध[1] से पता चला है कि बादाम खाने से ब्लड शुगर लेवल को कंट्रोल करने में मदद मिलती है। खासकर टाइप 2 डायबिटीज के मरीजों के लिए यह बहुत फायदेमंद होता है। बादाम खाने से कार्बोहाइड्रेट युक्त खाद्य पदार्थों के खाने के बाद ब्लड शुगर लेवल तेजी से नहीं बढ़ता है। इसके अलावा, बादाम खाने से टाइप 2 डायबिटीज से पीडित लोगों के शरीर में सूजन कम करने में मदद मिलती है। फोर्टिस-सी-डॉक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर डायबिटीज, मेटाबोलिक डिजीजेस एंड एंडोक्राइनोलॉजी (नई दिल्ली) के प्रोफेसर एवं चेयरमैन डॉ अनुप मिश्रा के नेतृत्व में हाल में किए गए एक अध्ययन[2] में पाया गया कि प्रि डायबिटीज और ओवरवेट या मोटोपे से पीड़ित एशिया में रहने वाले भारतीयों में खाना खाने से पहले बादाम खाने से खून में शुगर लेवल को कंट्रोल करने में काफी मदद मिली। खास बात यह है कि शोध में शामिल लगभग एक चौथाई लोगों में सिर्फ 12 हफ्तों में ही प्री-डायबिटीज की समस्या दूर हो गई। एक अन्य भारतीय अध्ययन[3] में पाया गया कि बादाम खाने से खून में HbAvc लेवल को कम करने में मदद मिलती है। HbAvc एक टेस्ट है जो पिछले 2-3 महीनों में औसत ब्लड शुगर लेवल यानी ग्लूकोज को मापता है। सिर्फ 12 हफ्तों में ही मधुमेह के खतरे से जूझ रहे युवाओं में काफी सुधार देखा गया। अध्ययन के अनुसार, बादाम नाश्ते के तौर पर एक हेल्दी विकल्प हो सकते हैं, खासकर उन लोगों के लिए जिन्हें मधुमेह का खतरा है। नियमित रूप से बादाम खाने से युवावस्था में ही मधुमेह को रोका या उसमें विलंब किया जा सकता है। इसलिए बादाम एक शानदार विकल्प हैं और इन्हें अपनी रोजाना की डाइट में जरूर शामिल करना चाहिए ताकि ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करने में मदद मिल सके। पौष्टिक तत्वों से भरपूर ये नट्स वाकई बहुपयोगी हैं और इन्हें कई तरह से खाया जा सकता है। शीला कृष्णास्वामी, न्यूट्रीशन एवं वेलनेस कंसल्टेंट, ने कहा, भारत में डायबिटीज तेजी से बढ़ रहा है और निष्क्रिय जीवनशैली और खराब खान-पान की आदतें इसका प्रमुख कारण हैं। इसलिए, अपनी डाइट में प्रोटीन, अनसैचुरेटेड फैट और डाइटरी फाइबर से भरपूर प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी जाती है। बादाम हर किसी की रोजाना की डाइट में एक बेहतरीन संकलन हैं, क्योंकि इनमें कुछ ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो ब्लड शुगर के स्तर को प्रबंधित करने में मदद करते हैं। इनका ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी कम होता है, जिससे ब्लड शुगर के स्तर में तेजी से वृद्धि नहीं होती है। सबसे अच्छी बात यह है कि बादाम बेहद बहुपयोगी हैं और इन्हें दिन के किसी भी समय किसी भी तरीके से खाया जा सकता है, क्योंकि ये बहुत ज्यादा पौष्टिक होते हैं। रितिका समद्दार, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली में डायटेटिक्स की रीजनल हेड ने कहा, ÷डायबिटीज से पीड़ित लोगों के लिए, मैं प्रोटीन, फाइबर और जटिल कार्बोहाइड्रेट को प्राथमिकता देने के लिए उनकी डाइट में सुधार करने की सलाह देती हूं, लोगों को अपनी डाइट में रिफाइंड शुगर, अनहेल्दी फैट और अतिरिक्त कैलोरीज को कम से कम करना चाहिए।

एमेज़ॉन के ऑडिबल पर नया किड्स प्रोफ़ाइल ऑडियो स्टोरीटेलिंग द्वारा सीखने और कल्पनाशक्ति का विकास करेगा

नई दिल्ली। एमेज़ॉन कंपनी और प्रीमियम ऑडियो स्टोरीटेलिंग की अग्रणी निर्माता और प्रदाता, ऑडिबल ने किड्स प्रोफाइल लॉन्च किया है। यह फीचर इस बाल दिवस पर छोटे बच्चों में कहानियों की रुचि बढ़ाएगा। बच्चों के विकास में कहानियों की महत्वपूर्ण भूमिका को समझकर, यह फीचर उन्हें ज्यादा समय तक स्क्रीन पर रहने से बचाएगा, वहीं ऑडिबल की आकर्षक ऑडियो सामग्री उनमें रचनात्मकता और कल्पना का विकास करेगी। इस बाल दिवस पर ऑडिबल ऐप पर किड्स प्रोफाइल द्वारा अपने छोटे बच्चों में कहानियों की रुचि का विकास करें। उन्हें यहाँ अपने पसंदीदा किरदारों को सुनने और नई कहानियाँ खोजने का अवसर मिलेगा, जो उन्हें एक नई दुनिया का अनुभव प्रदान करेगा।बच्चों को स्क्रीन-फ्री 'एडुटेनमेंट' द्वारा सीख और प्रेरणा देने के लिए बनाया गया यह फीचर पैरेंट्स को ऐप में प्रोफ़ाइल बनाने और परिवार क्या सुने, यह चुनने में समर्थ बनाता है। इस ऐप में कुछ टैप की मदद से पैरेंट्स अपने बच्चों के लिए प्लेटाइम, कार राइड और बेडटाइम की दिनचर्या के अनुरूप वो क्या सुनें, यह चुन सकते हैं। बच्चे स्टार वार्स~ पडावंस प्राइड, डिज्नी फ्रोजन~ ओलाफ्स क्वेस्ट, डिज्नी पिक्सर कार्सः द लीजेंड ऑफ द क्रिस्टल हबकैप जैसे प्रीमियम टाइटल के साथ डिज़्नी की 60 ऑडियोबुक जैसे फाइंडिंग डोरी, मार्वल्स एवेंजर्स, मॉन्स्टर्स, इंक., मुलान और टॉय स्टोरी, हैरी पॉटर सीरीज़ और रस्किन बॉन्ड, सुधा मूर्ति, रोआल्ड डाहल आदि प्रिय लेखकों की ऑडियोबुक भी सुन सकते हैं।इस लॉन्च के बारे में इंडिया-ऑडिबल के कंट्री मैनेजर शैलेश सवलानी ने कहा, आज के डिजिटल युग में पैरेंट्स की एक बड़ी चिंता बच्चों में बढ़ती स्क्रीन की लत है। ऑडिबल किड्स प्रोफाइल पैरेंट्स को अपने बच्चों को ऐसी मज़ेदार गतिविधियों में शामिल करने का समाधान प्रदान कर रहा है, जो उन्हें सीखने और विकास करने में मदद करें।

ऑडियो स्टोरीटेलिंग की मदद से बच्चों में सुनने के कौशल, ध्यान केंद्रित करने और क्रिटिकल थिंकिंग की क्षमता का विकास होता है। इससे उनकी शब्दावली भी बढ़ती है, और भावनात्मक बुद्धिमत्ता एवं कम्युनिकेशन स्किल्स का विकास होता है। हमारा मानना ??है कि यह नया फीचर बच्चों में सकारात्मक परिवर्तन लाएगा और उनमें सुनने और सीखने की रुचि का विकास करेगा।

मणिपाल सिग्ना ने लॉन्च किया 'सर्व'

मुंबई। सबसे तेजी से बढ़ती स्टैंडअलोन स्वास्थ्य बीमा कंपनियों में से एक, मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस ने अपनी नई स्वास्थ्य बीमा पेशकश, 'मणिपाल सिग्ना सर्व' के लॉन्च की घोषणा की है। संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा समाधान प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया, 'सर्व' - जिसका अर्थ है सभी के लिए, व्यापक ग्राहक वर्गों के लिए किफायती और समावेशी स्वास्थ्य कवरेज प्रदान करता है, जिसमें भारत की लापता मध्यम आबादी पर विशेष ध्यान दिया जाता है।मणिपाल सिग्ना हेल्थ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री प्रसून सिकदर ने लॉन्च पर टिप्पणी करते हुए कहा, ÷मणिपाल सिग्ना में, हमारी प्रतिबद्धता सिर्फ़ स्वास्थ्य बीमा की पेशकश करने से कहीं आगे जाती है - यह ऐसे समाधानों को नया रूप देने के बारे में है जो स्वास्थ्य सेवा की पहुँच और सामर्थ्य में महत्वपूर्ण अंतर को पाटते हैं, खासकर भारत के लापता मध्यम वर्ग के लिए। मणिपाल सिग्ना सर्व के लॉन्च के साथ, हम एक संपूर्ण स्वास्थ्य बीमा समाधान पेश कर रहे हैं जो न केवल विविध ग्राहक खंडों को पूरा करता है, बल्कि भारत के लापता मध्यम वर्ग के सामने आने वाली सामर्थ्य और पहुँच की चुनौतियों का रणनीतिक रूप से समाधान करता है और साथ ही सरकार और नियामक के 2047 तक सभी के लिए बीमा के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाता है। सिकदर ने आगे कहा, मणिपाल सिग्ना सर्व ट्रिनिटी की प्रत्येक पेशकश को सही स्तर की कवरेज प्रदान करने और सभी के लिए आवश्यक शील्ड, अनंत शक्ति और त्वरित शांति प्रदान करने के लिए अनुरूप लाभों के साथ डिज़ाइन किया गया है। हमें विश्वास है कि मणिपाल सिग्ना सर्व जो 4 प्रमुख अंग रोगों के लिए असीमित कवर के साथ अनंत लाभ प्रदान करता है, गुल्लक एडवांटेज जो दावों के बावजूद 1000त्न बीमित राशि की गारंटी देता है और सारथी लाभ जो मधुमेह, मोटापा, अस्थमा, रक्तचाप और कोलेस्ट्रॉल जैसी पहले से मौजूद बीमारी के लिए 31वें दिन से कवर देता है, अन्य आकर्षक विशेषताओं के साथ, लोगों को उनकी विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं के लिए सही स्तर का कवरेज सुरक्षित करने में मदद करने में एक सार्थक अंतर लाएगा।

स्पेशलिटी फैशन ब्रांड ने लखनऊ में खोला अपना पहला रिटेल स्टोर

लखनऊ। प्लस साइज के कपड़े पहनने वाले लोगों के लिए विशेष फैशन ब्रांड बिग हैलो ने आज लखनऊ के फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में अपने पहले रिटेल एक्सपीरियंस स्टोर के उद्घाटन की घोषणा की है, जो शहर के प्लस साइज वाले पुरुषों और महिलाओं के लिए स्टाइलिश और उच्च गुणवत्ता वाले फैशन कपड़े और सहायक उपकरण पेश करेगा।लखनऊ में पहला स्टोर खुलने से ब्रांड का उत्तर भारत में विस्तार भी होगा। बिग हेलो के बैंगलोर, हैदराबाद, चेन्नई, विजयवाड़ा और गुंटूर में 20 रिटेल स्टोर हैं।एब्सोल्यूट ब्रांड्स की ब्रांड हेड , मोदिता त्रिपाठी कहती हैं , हम उत्तर भारत में अपने ब्रांड विस्तार के लिए लखनऊ को पहला शहर चुनकर उत्साहित हैं, और शहर के जीवंत और फैशन-सेव्वी कम्युनिटी को बिग हेलो के नवीन और समावेशी कपड़ों और सहायक उपकरणों के संग्रह का परिचय करा रहे हैं। श्री विष्णु प्रसाद एब्सोल्यूट ब्रांड्स एंड रिटेल के संस्थापक और सीईओ ने कहा , स्पेशलिटी फैशन ब्रांड का लक्ष्य एक समर्पित नेशनल रिटेल एक्सपेंशन स्ट्रेटेजी के तहत इस वित्तीय वर्ष में 50 नए स्टोर खोलना है। हम बिग हेलो को पूरे भारत में प्लस-साइज़ फैशन के लिए जाने-माने डेस्टिनेशन के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

डिज़्नी+ हॉटस्टार पर रिकॉर्ड-तोड़ डेडपूल एंड वूल्वरिन स्ट्रीम हो रही है - जानिए भुवन बाम को क्या इंतज़ार है

लखनऊ। भुवन बाम और मार्वल के फैन्स की खुशी बढ़ाने के लिए एक 'ताज़ा ख़बर' आई है कि इस स्टार ने डेडपूल एंड वूल्वरिन की ओटीटी रिलीज़ के लिए डिज़्नी+ हॉटस्टार के साथ गठबंधन किया है और यह इस प्लेटफ़ॉर्म पर स्ट्रीम हो रही है। अपने कॉमेडी चैनल 'बीबी की वाइन्स' के लिए मशहूर यह यूट्यूब हस्ती अपनी तीक्ष्ण बुद्धि और आकर्षण को दो अनोखे और मज़ेदार वीडियो में लेकर आई है, जो रयान रेनॉल्ड्स और ह्यूग जैकमैन अभिनीत इस मार्वल ब्लॉकबस्टर को 'देसी' ट्विस्ट के साथ पेश करते हैं।भुवन बाम और डिज़्नी+ हॉटस्टार का यह गठबंधन डेडपूल एंड वूल्वरिन की जबरदस्त उथल-पुथल को एक नए और मनोरंजक रूप में पेश करता है। इस वीडियो में, भुवन एक आकर्षक देसी-विदेशी किरदार में बदलकर डेडपूल एंड वूल्वरिन को देसी मसाला और विदेशी धमाका के बेहतरीन किलर कॉम्बो के रूप में पेश कर रहे हैं। वो फिल्म की जबरदस्त एनर्जी को समेटकर फैन्स को शानदार एक्शन और रोचक संवादों के साथ व्यंग का बेहतरीन अनुभव प्रदान कर रहे हैं। उनका यह अंदाज फैन्स को इस दिलचस्प मार्वल एडवेंचर का अनुभव लेने के लिए आमंत्रित कर रहा है।फिल्म के डेब्यू के बारे में भुवन बाम ने कहा, रयान रेनॉल्ड्स की तीक्ष्ण बुद्धि और सही टाइमिंग मुझे हमेशा से लुभाती रही हैं - उनकी पंचलाइन असाधारण होती हैं ! डेडपूल के रूप में वूल्वरिन की ऊर्जा के साथ वो ऐसा बेहतरीन कॉम्बो बना रहे हैं, जो शुरू से अंत तक आपकी दिलचस्पी बनकर रखेगा। शानदार एक्शन और जबरदस्त कॉमेडी के साथ असली भाईचारा और सुपरपॉवर्स को देखने में बहुत मजा आएगा। मेरे जैसे फैन इन बड़े नायकों को अपनी खुद की भाषा में देखना पसंद करते हैं, जिसमें बहुत मजा आता है। मैं बेसब्री से इंतजार कर रहा हूँ की यह देसी स्टाइल की ब्लॉकबस्टर फिल्म सभी लोग देखें, इसमें मसाले और धमाल का बेहतरीन मिश्रण है !

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय बेंगलूरु व भोपाल कैंपसों में पीजी और यूजी कोर्सेस के लिए आवेदन आमंत्रित किये

लखनऊ। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय अपने दो वर्ष के पोस्ट-ग्रैज्युएट प्रोग्राम्स के लिए आवेदन आमंत्रित कर रहा है। इन एमए प्रोग्राम्स में एमए एजुकेशन, एमए डेवलपमेंट, मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ एमपीएच, एमए अर्ली चाइल्डहुड केअर एवं एजुकेशन शामिल हैं। साथ ही चार वर्षों के बीए ऑनर्स और बीएससी ऑनर्सके लिए भी आवेदन आमंत्रित किये गये हैं। ये प्रोग्राम अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलूरु और भोपाल कैम्पस में चलाए जाएंगे। भोपाल कैंपस में स्नातकोत्तर 2 वर्ष एम.ए. - एजुकेशन, एम.पी.एच.- मास्टर ऑफ़ पब्लिक हेल्थ। स्नातक 4-वर्ष -अर्थशास्त्र,अंग्रेज़ी, इतिहास और समाज विज्ञान में बी.ए. ऑनर्स बायोलॉजी में बी.एस-सी. ऑनर्स। बेंगलूरु कैम्पस में स्नातकोत्तर 2 वर्ष एम.ए. - एजुकेशन, एम.ए. - अर्ली चाइल्डहुड केअर एण्ड एजुकेशन, एम.ए. - डेवलपमेंटस्टडीज़, एम.ए .- अर्थशास्त्र। स्नातक 4-वर्ष अर्थशास्त्र,अंग्रेज़ी, इतिहास, दर्शन, समाज विज्ञान, दर्शन-राजनीति व अर्थशास्त्र में बी.ए. ऑनर्स प्रोग्राम चलाए जाएंगे। विद्यार्थी हमारे विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। दिसंबर 2024 में होने वाली राष्ट्रीय स्तर की प्रवेश परीक्षा के माध्यम से जो विद्यार्थी प्रवेश पाना चाहते हैं, वे 14 नवंबर 2024 तक आवेदन करें। बायोलॉजी, रसायन विज्ञान, गणित, भौतिकी, मनोविज्ञान, इन्फोर्मेशन विज्ञान और पर्यावरण विज्ञान व सतत विकास में बी.एस-सी. ऑनर्स इन प्रोग्राम्स का लक्ष्य विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराते हुए उनमें विषय विशेषज्ञता व सामाजिक प्रतिबद्धता का निर्माण करना है। उन्हें सार्थक करिअर की तलाश के लिए प्रेरित करना और शिक्षा की राह पर आगे बढ़ाना इन कोर्सेस का उद्देश्य है।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में शिक्षा हासिल करने के कई समृद्ध और आकर्षक पहलू हैं- विषय कागहराई से ज्ञान- हमारे मुख्य कोर्सेस अकादमिक नींव को मज़बूत करते हैं, वहीं ऐच्छिक विषय विद्यार्थियों कोअपनी रुचि के क्षेत्र में आगे बढ़ने में मदद करते हैं। विद्यार्थियों को फ़ील्ड-प्रैक्टिस के ज़रिए जीवन के वास्तविक अनुभवों से गहराई से जोड़ा जाता है। उन्?हें इन्टनशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाते हैंऔर मेंटरिंग के साथ फ़ील्ड-वर्कप्रोजेक्ट भी करवाए जाते हैं। अकादमिक विकास, भाषाओं को सीखने, इन्टनशिप, व्यावसायिक विकास औरप्लेसमेंटआदि के लिए विद्यार्थियों कीज़रूरीमदद की जाती है। कैम्पस में आयोजित किये जाने वाले वर्कशॉप, सेमिनार, गेस्ट-लेक्चर जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के ज़रिए विद्यार्थियों को, तरह-तरह के अनुभवों व विचारों से परिचित करवाया जाता है। वित्तीय सहायता ~ विश्वविद्यालयविविधतापूर्ण और समावेशी विद्यार्थी समूह बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। ज़रूरतमंद विद्यार्थियोंको विश्वविद्यालय द्वारा ट्युशन-फ़ीस और छात्रावास खर्चों के लिए आंशिक और पूर्ण वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। करियर और प्लेसमेंट संबंधी मदद ~ विद्यार्थियों को करियर के बेहतरीन अवसर उपलब्ध करवाने के लिए विश्वविद्यालय में करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल है। यह सेल विद्यार्थियों को काम करने की बेहतर जगह खोजने में मदद करने वाले मंच के रूप में कार्य करने की कोशिश करता है। अज़ीम प्रेमजी फ़ाउण्डेशन ने बेंगलूरु और भोपाल में अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की स्थापना पूर्ण रूप से परोपकारी और लाभ निरपेक्ष संस्था के रूप में की है। विश्वविद्यालय, न्यायसंगत, समतापरक, मानवीय और टिकाऊ समाज की रचना के स्पष्ट सामाजिक उद्देश्य से काम कर रहा है। अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलूरु की स्थापना कर्नाटक सरकार के 'अज़ीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी एक्?ट 2010' के तहत की गई है। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल की स्थापना 'मध्य प्रदेश निजी विश्वविद्यालय स्थापना एवं संचालन द्वितीय संशोधन अधिनियम, 2022' के प्रावधानों के तहत की गई है।

कैट ने क्यूसी प्लेटफॉर्म पर जारी किया श्वेत पत्र, सरकार से कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। देश के खुदरा कारोबारियों को क्विक कॉमर्स प्लेटफार्म के बढ़ते व्यापार से उनका कारोबार छिनने का डर सता रहा है। व्यापारियों का कहना है कि ये प्लेटफार्म नियमों का उल्लंघन कर रहे हैं। इसलिए सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने बुधवार को नई दिल्ली में एक श्वेत पत्र जारी कर कहा कि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स भारत की खुदरा अर्थव्यवस्था की नींव को कमजोर कर रहे हैं। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने श्वेत पत्र जारी कर इन क्विक कॉमर्स (क्यूसी) प्लेटफॉर्म द्वारा एफडीआई फंड का दुरुपयोग कर आपूर्तिकर्ताओं पर नियंत्रण, इन्वेंटरी पर प्रभुत्व और अनुचित मूल्य निर्धारण करने के लिए के आरोप लगाएं हैं। उन्होंने कहा कि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म के नियम विरुद्ध कृत्यों से देश के करीब 3 करोड़ किराना स्टोर का बाजार में टिक पाना संभव नहीं है। ये प्लेटफॉर्म एफडीआई नीति और प्रतिस्पर्धा अधिनियम का उल्लंघन कर रहे हैं। इन प्लेटफॉर्म द्वारा किए जा रहे नियम विरुद्ध कार्य के कारण सरकार को इनके खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए। कैट के श्वेत पत्र में कहा गया है कि क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म को 54 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एफडीआई सहायता मिली है लेकिन इन प्लेटफॉर्म ने इस निवेश का उपयोग ना तो बुनियादी ढांचा निर्माण में किया और ना ही दीर्घकालिक परिसंपत्तियों में।

पीटर इंग्लैंड के 'द बॉलीवुड वेडिंग' कलेक्शन किया लॉन्च

आदित्य बिड़ला फैशन और रिटेल के प्रमुख मेंसवियर ब्रांड्स में से एक पीटर इंग्लैंड ने अपना बॉलीवुड-प्रेरित वेडिंग कलेक्शन का पेश किया है, जिसे फेमस इंडियन डायरेक्टर और बॉलीवुड आइकन करण जौहर ने लॉन्च किया। पारंपरिक और आधुनिक शैलियों का एक विविध मिश्रण प्रस्तुत करने वाला यह अनोखा कलेक्शन बॉलीवुड के ग्लैमर और आकर्षण को प्रतिबिंबित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है ताकि हर कोई स्टाइल में शादी का जश्न मना सके।पीटर इंग्लैंड के सीसीओ अनिल एस कुमार ने इस शानदार कलेक्शन के पीछे की सोच साझा करते हुए कहा, ÷पीटर इंग्लैंड का उद्देश्य दूल्हों और उनके दोस्तों को हर शादी में बॉलीवुड फिल्मों के नायकों की तरह केंद्र में लाना है। 'बॉलीवुड वेडिंग कलेक्शन' के साथ हमने इंटरनेशनल ट्रेंड्स, हाई क्वालिटी फैब्रिक्स, और बॉलीवुड के मैजिक का एक परफेक्ट बैलेंस बनाया है।÷इस कलेक्शन में रंगों का शानदार संयोजन है, जिसमें रॉयल ब्लू, मरून, और पन्ना हरे जैसे ज्वेल टोन शामिल हैं, साथ ही क्लासिक काले और बेज रंग भी हैं, जो हर स्वाद के लिए उपयुक्त हैं। इस कलेक्शन में दो-पीस सूट, एलिगेंट थ्री-पीस सूट, वेलवेट बॉम्बर जैकेट्स, क्लासिक बंदगला और आधुनिक एब्स्ट्रैक्ट शर्ट शामिल हैं, जिससे यह किसी भी फेस्टिव अवसर के लिए एकदम सही विकल्प बन जाता है !यह कलेक्शन 150 से अधिक स्टोर्स और वेबसाइट पर उपलब्ध है, जो देश भर के 25000 पिन कोड्स तक डिलीवरी प्रदान करता है।

गुजरात साइंस सिटी में सीसीएल-आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से पहेलियाँ और माइंड गेम्स का प्रदर्शन

लखनऊ। गुजरात सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन कार्यरत गुजरात साइंस सिटी छात्रों और जनता के बीच विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। जिसके लिए यहां अक्सर विज्ञान परक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं। सीसीएल-आईआईटी गांधीनगर के सहयोग से गुजरात साइंस सिटी में साइंस सफर-2024 पहल शुरू की गई है। जिसके अंतर्गत पझल्स और माइंड गेम्स का प्रदर्शन किया जा रहा है। गुजरात साइंस सिटी के साइंस डोम में पिछले कई दिनों से तरह-तरह की पझल्स और माइंड गेम्स का प्रदर्शन किया जा रहा है. बड़ी संख्या में आगंतुक और छात्र उत्साहपूर्वक माइंड गेम्स में भाग ले रहे हैं और पझल्स सुलझाने का प्रयास करते हैं। साथ ही प्रतिभागियों को कुछ प्रयोग दिखाकर विज्ञान के सिद्धांतों के बारे में भी जानकारी दी जाती है।

पारले एग्रो की ओर से पेश है स्मूथ लस्सी, जो भारत के लस्सी बाजार में एक नए युग की शुरुआत है

नई दिल्ली। पारले एग्रो, जिसे भारतीय बेवरेज़ मार्केट में इनोवेशन के लिए जाना जाता है, ने अपने बढ़ते हुए डेयरी पोर्टफोलियो में एक नया प्रोडक्ट स्मूथ लस्सी लॉन्च किया है, जो एक बार फिर भारतीय डेयरी कैटेगिरी को एक नया रूप देने के लिए तैयार है। इस रोमांचक लॉन्च का सपोर्ट एक बहुत बड़े मल्टी-चैनल कैंपेन द्वारा किया गया, जो लस्सी की कैटेगिरी में अब तक का सबसे बड़ा कैंपेन है, जिसमें ब्रांड एंबेसडर वरुण धवन भी शामिल हैं। स्मूथ लस्सी के साथ, पारले लस्सी को खुशी और सुख के नए स्तर पर ले जाता है। इसमें 50त्न दही है, जिससे यह बहुत गाढ़ी और मलाईदार बनती है, और यह एक स्वादिष्ट और संतोषजनक पीने का अनुभव देती है। स्मूथ लस्सी में क्लासिक लस्सी का स्वाद है, साथ ही एक हल्का गुलाब का स्वाद, जो इसे ताजा और आरामदायक बनाता है। यह आराम के समय के लिए एकदम सही ड्रिंक है - चाहे वह एक क्विक ब्रेकफास्ट हो, एक फैमिली गेदरिंग हो, मेहमानों को सर्व करना हो या बस ताजगी का अनुभव करना हो। स्मूथ लस्सी को जो और भी खास बनाता है

वो है इसकी पैकेजिंग। पारले एग्रो देश की एकमात्र ऐसी कंपनी है जो 180 मिलीलीटर के लिए 20 रुपये की कॉम्पिटेटिव कीमत पर कटिंग-एज एसेप्टिक पीईटी पैकेजिंग में लस्सी उपलब्ध कराती है। यह इनोवटिव पैकेजिंग पक्का करती है कि छह महीने की शेल्फ लाइफ के साथ लस्सी ट्रांस फैट और प्रिजर्वेटिव्स फ्री है, जो गुणवत्ता वाला ड्रिंक है। इसका वाइब्रेंट, ट्रेंडी डिजाइन आंखों को लुभाने वाला और मनमोहक है, जो इसे भीड़ भरे बाजार में भी अलग दिखाता है। इसके अतिरिक्त, इसका नया लुक और सुविधाजनक आकार इसे चलते-फिरते समय पीने के योग्य बनाता है। पारले एग्रो ने अपने 360 डिग्री कैंपेन की शुरुआत एक टीवी विज्ञापन के साथ की है जिसमें ब्रांड एंबेसडर वरुण धवन डबल रोल में हैं। धवन ने एक ऐसे ग्राहक की भूमिका निभाई, जो लस्सी का बेहतरीन अनुभव चाहता है और एक दुकानदार जो इसे उपलब्ध कराता है, जिससे स्मूथ लस्सी की बेहतरीन गुणवत्ता और लाजवाब स्वाद का पता चलता है। यह स्मूथ लस्सी के क्रीमी टेक्सचर, मज़ेदार स्वाद और ताजगी देने वाले गुणों पर जोर देता है। पारले एग्रो की ज्वाइंट मैनेजिंग डायरेक्टर नादिया चौहान ने स्मूथ लस्सी के लॉन्च पर बताया कि, ÷ लस्सी एक ऐसा बेवरेज है जो भारतीय संस्कृति का हिस्सा है और इसकी बाजार में अच्छी संभावनाएं हैं। स्मूथ लस्सी इस क्लासिक बेवरेज पर हमारी एक इनोवेटिव पहल है, जो एक प्रीमियम, मलाईदार और मजेदार प्रोडक्ट देता है जो परंपरा को आधुनिकता के साथ सहजता से जोड़ता है। हमने गुणवत्ता और स्वाद पर ध्यान केंद्रित करते हुए उपभोक्ताओं की अपेक्षाओं को पार करने के लिए स्मूथ लस्सी को सावधानीपूर्वक तैयार किया है। वरुण धवन के साथ हमारा कैंपेन उपभोक्ताओं के साथ तालमेल बिठाने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे भीड़ भरे लस्सी बाजार में स्मूथ लस्सी को एक बेहतरीन विकल्प के रूप में पेश किया जा सके।

अक्टूबर महीने में यात्री वाहनों की थोक बिक्री में मामूली वृद्धिः सियाम

नई दिल्ली। त्योहारी मांग की वजह से यात्री वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर में सालाना आधार पर मामूली बढ़त के साथ 3,93,238 इकाई रही है। अक्टूबर 2023 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री 3,89,714 इकाई रही थी। सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि अक्टूबर महीने में कुल दोपहिया वाहनों की बिक्री सालाना आधार पर 14 फीसदी बढ़कर 21,64,276 इकाई पर पहुंच गई जबकि अक्टूबर 2023 में ये 18,95,799 इकाई रही थी। स्कूटर की बिक्री अक्टूबर में 22 फीसदी की वृद्धि के साथ 7,21,200 इकाई रही है। इस दौरान मोटरसाइकिल की थोक बिक्री 11 फीसदी की बढ़त के साथ 13,90,696 इकाई हो गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 12,52,835 इकाई रही थी। हालांकि, पिछले महीने अक्टूबर में मोपेड की बिक्री घटकर 52,380 इकाई रह गई जबकि एक वर्ष पूर्व इसी माह में यह 53,162 इकाई रही थी। तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री अक्टूबर महीने में मामूली गिरावट के साथ 76,770 इकाई रह गई जबकि अक्टूबर 2023 में यह 77,344 इकाई थी।

उपाध्यक्ष उप्र राज्य महिला आयोग की अध्यक्षता में हुई जनसुनवाई

अवधनामा संवाददाता

- राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ने कल्याणकारी योजनाओं का किया मूल्यांकन
- महिलाओं को जागरूक होने का दिया संदेश

देवरिया। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष श्रीमती चारु चौधरी की अध्यक्षता में मिशन शक्ति 5.0 के अन्तर्गत महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं विषयक जागरुकता कार्यक्रम, समीक्षा बैठक तथा महिला जनसुनवाई कार्यक्रम वी.वी.आई.पी. गेस्ट हाउस निरीक्षण भवन के मीटिंग हाल, देवरिया में सम्पादित किया गया। जन सुनवाई में विभिन्न क्षेत्रों से आई पीड़ित महिलाओं ने अपनी समस्याओं को आयोग के समक्ष प्रस्तुत किया।

महिला जनसुनवाई के दौरान मा. उपाध्यक्ष के समक्ष कुल 25 प्रकरण प्रस्तुत हुये, जिसमें 20 प्रकरण घरेलू हिंसा, 03 प्रकरण मानसिक प्रताड़ना, 01 प्रकरण जमीनी विवाद तथा 01 प्रकरण चिकित्सा अनुदान का था। मा. उपाध्यक्ष द्वारा समस्त प्रकरणों को गम्भीरता पूर्वक समझते हुये प्रकरण के निस्तारण हेतु मुख्य चिकित्सा अधिकारी, महिला थानाध्यक्ष, क्षेत्राधिकारी नगर देवरिया को निर्देशित किया गया। उन्होंने समस्याओं को गंभीरता से सुना और सभी महिलाओं को त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि राज्य महिला आयोग महिलाओं की समस्याओं के समाधान के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है और उनकी सुरक्षा एवं सम्मान को प्राथमिकता दी जाती है। इस अवसर पर उपाध्यक्ष ने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक किया और उन्हें किसी भी प्रकार की हिंसा या अन्याय का सामना करने पर तुरंत राज्य महिला आयोग से संपर्क करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि आयोग का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग बनाना है, ताकि वे किसी भी स्थिति में न्याय से वंचित न हों। श्रीमती चौधरी ने यह भी कहा कि राज्य महिला आयोग महिलाओं के साथ खड़ा है और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए हर संभव कदम उठाएगा। संबंधित अधिकारियों को उन्होंने निर्देश दिए कि महिलाओं की समस्याओं का समाधान शीघ्रता से किया जाए और इसे लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। श्रीमती चारु चौधरी ने यह भी बताया कि महिला जन सुनवाई कार्यक्रम में सभी महिलाओं का विवरण और उनकी समस्याओं को दर्ज किया जाता है, और समाधान के बाद उनकी प्रतिक्रिया प्राप्त की जाती है। इससे यह सुनिश्चित होता है कि आयोग की कार्यवाही पारदर्शी और प्रभावी है। महिला जनसुनवाई के दौरान अपर उप जिलाधिकारी मंजूर अहमद, अनिल कुमार सोनकर जिला परिवीक्षा अधिकारी, क्षेत्राधिकारी नगर, प्रभारी जिला कार्यक्रम अधिकारी, जिला समाज कल्याण अधिकारी जैसवार लाल बहादुर, श्रम प्रवर्तन अधिकारी सुश्री शशि, वन स्टाप सेन्टर के प्रबंधक श्रीमती नीतू भारती तथा श्रीमती मीनू जायसवाल मनोवैज्ञानिक आदि मौजूद रहे। बैठक के दौरान मा. उपाध्यक्ष द्वारा समस्त विभागों के अधिकारियों से महिलाओं से सम्बन्धित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की गयी तथा अधिक से अधिक पात्र लाभार्थियों को योजना से लाभान्वित किये जाने हेतु निर्देशित किया गया। इसके पश्चात् मा. उपाध्यक्ष द्वारा आंगनबाड़ी केन्द्र बगहा मठिया, देवरिया का निरीक्षण किया गया तथा महिलाओं एवं बच्चों का गोदभराई एवं अन्नप्राशन भी किया गया। इसके पश्चात् मा. उपाध्यक्ष द्वारा वन स्टाप सेन्टर, देवरिया का निरीक्षण किया गया।

स्कोर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलटी

ऊंचाहार। जौनपुर से लखनऊ जा रही स्कोर्पियो अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, घटना में स्कोर्पियो सवार दो लोग घायल हो गये, जिन्हें इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। जौनपुर जिले के थाना खुटहर क्षेत्र के सम्मानपुर गाँव निवासी विनय कुमार मां शायर देवी 59 वर्ष, भतीजी सोनम 24 वर्ष तथा चालक के साथ बुधवार की सुबह स्कोर्पियो में बैठकर लखनऊ पीजीआई दवा कराने जा रहा था।तभी अरखा गाँव के पास लखनऊ प्रयागराज मार्ग पर अनियंत्रित होकर स्कोर्पियो सड़क पर पलट गई।घटना में शायर देवी व सोनम घायल हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया है। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल दो लोग सीएचसी आये थे, जिनका उपचार किया गया है।

कृषि और बागवानी में उत्कृष्ट योगदान के लिए राज्य मंत्री का संस्थाओं ने दिया सम्मान

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। अंतरराष्ट्रीय समिति और देश की शीर्ष संस्थाओं ने राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह को कृषि और बागवानी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें विशेष सम्मान दिया। प्राकृतिक खेती, उच्च गुणवत्ता के बीजों का प्रयोग उसी के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन का प्रयोग करते हुए कृषि के लिए बेहतरीन भविष्य में दिनेश प्रताप सिंह के द्वारा किए गए विशेष योगदान के लिए उन्हें सर्टिफिकेट से सम्मानित किया गया।

राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समिति और सीट्स संस्थानों का आभार जताया विशेष तौर पर उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी जी के नेतृत्व में देश-विदेश की जनता की सेवा के बदले मिले इस सम्मान को जनता जनार्दन के श्री चरणों में वह समर्पित कर रहे हैं। दिनेश प्रताप सिंह को अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं द्वारा मिले सम्मान पर भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी भाजपा नेता रविंद्र सिंह,उपाध्यक्ष देवेंद्र सिंह, जनमेजा सिंह, प्रधान संजय सिंह डलमऊ, राजकुमार सिंह प्रधान ने बधाई देते हुए प्रसन्नता व्यक्ति की। महाराष्ट्र की विधानसभा अंधेरी ईस्ट कार्यक्रम में भाजपा गठबंधन महायुती प्रत्याशी मूर जी पटेल के समर्थन मे व कलीना विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी व रिपब्लिकन पार्टी ऑफइंडिया के संयुक्त प्रत्याशी अमरजीत सिंह जी के समर्थन में जनता जनार्दन से विजय का आशीर्वाद मांगा।संपर्क अभियान के दौरान लोगों से मिल रहे अद्भुत स्नेह एवं समर्थन के लिए हृदय से आशीर्वाद मांगा।

आईआरएस छिड़काव का नेशनल टीम ने किया निरीक्षण

अवधनामा संवाददाता

- रामपुर कारखाना ब्लॉक के गुद्दीजोर गांव में पहुंची टीम

देवरिया। जिले के कालाजार प्रभावित गांवों में कालाजार उन्मूलन हेतु चलाए जा रहे आईआरएस (इंसाइड रेजिडेंशियल स्प्रे) छिड़काव कार्य का निरीक्षण करने के लिए डब्ल्यूएचओ के नेशनल प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. शाहवार काजनी और स्टेट प्रोग्राम ऑफिसर डॉ. तनुज शर्मा बुधवार को रामपुर कारखाना ब्लॉक के गुद्दीजोर गांव पहुंचे। इस दौरान उन्होंने आईआरएस छिड़काव दल के सदस्यों से जानकारी ली और छिड़काव कार्य की प्रगति का जायजा लिया। टीम ने पीएचसी पथरदेवा पहुंचकर पिछले पांच वर्षों में कालाजार उन्मूलन के प्रयासों से संबंधित अभिलेखों की जांच की और सीएमओ डॉ. राजेश झा से मुलाकात कर इस दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्राप्त की। नेशनल और स्टेट से आई टीम ने गुद्दीजोर गांव में आईआरएस छिड़काव कर रही टीम और ग्रामीणों से मुलाकात की। इस दौरान 2024 में कालाजार से प्रभावित मरीज देवांती देवी से भी मुलाकात कर उनका हाल जाना। टीम ने घर-घर जाकर ग्रामीणों को जागरूक किया और कहा कि आईआरएस छिड़काव कालाजार उन्मूलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, जिससे न केवल जिले में कालाजार का सफाया होगा, बल्कि सभी ग्रामीण स्वस्थ और सुरक्षित भी रहेंगे।

उन्होंने ग्रामीणों से अपील की कि वे छिड़काव को सफल बनाने में सहयोग करें और कालाजार वाहक मक्खी के संभावित प्रकोप वाले क्षेत्रों में छिड़काव कराएं। इसके बाद टीम पीएचसी पथरदेवा पहुंची, जहां उन्होंने कालाजार से संबंधित सभी अभिलेखों की समीक्षा की और एलटी ज्योति मल्ल से कालाजार जांच कीट की उपलब्धता तथा जांच की प्रक्रिया के बारे में जानकारी ली। अस्पताल परिसर में कालाजार बीमारी से संबंधित वाल पेंटिंग को भी देखा। टीम के सदस्य सीएमओ कार्यालय पहुंचे, जहां उन्होंने सीएमओ डॉ. राजेश झा से मुलाकात की और कालाजार उन्मूलन में हो रही गतिविधियों की जानकारी ली। इस दौरान टीम के साथ डीएमओ सीपी मिश्रा, डब्ल्यूएचओ के जोनल कोऑर्डिनेटर नित्यानंद ठाकुर, सहायक मलेरिया अधिकारी सुधाकर मणि, एमआई नवीन पांडेय, सीफार संस्था के प्रतिनिधि और बीएसडब्ल्यू के दिलीप और राकेश मौजूद रहे।

अनियंत्रित डम्फर ने सड़क पार कर रही महिला को रौंदा, दर्दनाक मौत

ऊंचाहार। अनियंत्रित डम्फर ने सड़क पार कर रही महिला को रौंद दिया, जिससे मौके पर ही महिला की दर्दनाक मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है, परिजनों ने बिना जानकारी दिये ही पुलिस पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने का आरोप लगाया है। वहीं इस घटना से ग्रामीणों में डम्फर चालक के प्रति आक्रोश व्याप्त है, पुलिस डम्फर की तलाश कर रही है। चड़रई गाँव निवासी रामबहादुर की पत्नी सुनीता 45 वर्ष बुधवार की भोर में देवोत्थान एकादशी त्योहार के दृष्टिगत सूप पीटते हुए घर के पास सड़क पार कर रही थी, उसी दौरान जमुनापुर चौराहे की ओर जा रहे डम्फर ने अनियंत्रित होकर महिला को रौंद दिया, जिससे मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई, सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। घटना की सूचना पर बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हो गये और डम्फर चालक के प्रति आक्रोश जाहिर किया। आरोप है कि पुलिस ने बिना परिजनों को सूचना दिये ही शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिससे पुलिस के प्रति भी परिजनों व ग्रामीणों में रोष है। चार महीने के भीतर बेकाबू डम्फर की टक्कर से तीन लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जबकि लगभग एक दर्जन लोग घायल हुए हैं।

67 टीबी रोगियों अफसरों ने लिया गोद न्यूट्रिशन युक्त पोषण पोटली किया वितरण

अवधनामा ब्यूरो

टीबी रोगियों को पोषण पोटली वितरण करते डीएम

- निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत पोषण पोटली प्रदान करते हुए न्यूट्रिशन से भरपूर सामग्रियां प्रदान की गई
- पोलियो की भांति टी.बी. को भी विस्तृत अभियान चलाकर प्रदेश सहित भारत को टी बी मुक्त बनाना है

कुशीनगर। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत तथा प्रधानमंत्री टी बी मुक्त भारत अभियान के तहत बुधवार को जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज, मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, अपर जिलाधिकारी वैभव मिश्रा, मुख्य चिकित्सा अधिकारी सुरेश पटारिया समेत अन्य जनपद स्तरीय अधिकारी गण, जनपद के सरकारी एवं निजी चिकित्सालयों के चिकित्सक गण आई.एम.ए. के प्रेसिडेंट एवं सेक्रेटरी तथा कोटेदार संवर्ग, प्रधान संघ के प्रतिनिधियों ने 67 टी.बी. रोगियों को कलेक्ट्रेट सभागार में न्यूट्रिशन युक्त पोषण पोटली वितरित कर उन्हें गोद लिया गया। उन्हें निक्षय मित्र योजना के अंतर्गत पोषण पोटली प्रदान करते हुए न्यूट्रिशन से भरपूर सामग्रियां प्रदान की गई। जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज द्वारा न्यूट्रिशन युक्त पोषण पोटली प्रदान करते हुए समस्त टी बी रोगियों के उज्जवल भविष्य की कामना भी किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए जिलाधिकारी ने कहा कि पोलियो की भांति टी.बी. को भी विस्तृत अभियान चलाकर प्रदेश सहित भारत को टी बी मुक्त बनाना है। यह तभी संभव होगा जब समाज के प्रत्येक वर्ग इस अभियान में जुड़कर अपना सहयोग प्रदान करेंगे। खासकर चिकित्सा संवर्ग, प्रधान संवर्ग, कोटेदार संवर्ग के साथ साथ अधिकारीगण भी इसमें बढ़ चढ़ कर अपनी भूमिका निभा सकते है। ग्राम प्रधान अपने क्षेत्र के व्यक्ति जिनमें टीबी के लक्षण दिखे उनकी जांच एवं उपचार अपने नजदीकी सरकारी अस्पतालों में कराते रहे और प्रयास करे कि आप का ग्राम पंचायत टीबी मुक्त रहे। चिकित्सक खासकर ओ.पी.डी. के समय रोगियों के इलाज के दौरान टी बी लक्षण वाले मरीजों का चिन्हांकन करें और आवश्यतानुसार दवाएं उपलब्ध कराए, उनका सहयोग करें। उन्होंने ने कहा कि एक समय था जब टीबी एक गंभीर बीमारी हुआ करती थी लेकिन आज इसका इलाज संभव है। सीएमओ डॉ सुरेश पटारिया ने कहा कि जनपद में चल रहे टीबी उन्मूलन कार्यक्रम में कार्यरत सभी कर्मियों का सहयोग सराहनीय है। हवा के माध्यम से भी इस रोग का प्रसार होता है इसलिए मास्क का प्रयोग अवश्य करें। हम सब को आपस में मिलकर भारत को टीबी मुक्त बनाना है, इसके लिए आप सभी से अपेक्षित सहयोग की आवश्यकता है।

बेरोकटोक सड़कों पर दौड़ रहे भारी ओवरलोड वाहन, एआरटीओ की तमाम कोशिश नाकाम

अवधनामा संवाददाता

- ओवरलोड भारी डंपर ट्रक से बर्बाद हो रही नवनिर्मित सड़के तो राहगीरों के लिए बना रहे हैं खतरा

रायबरेली। एआरटीओ के द्वारा की जा रही छोटे स्तर पर कार्यवाही ओवरलोड वाहनों के लिए नाकाम साबित हो रही है। दिखावे में तो स्कूली वाहन, लोडर की कार्यवाही करके एआरटीओ इतिश्री कर लेते हैं लेकिन भारी डंपर, ट्रक और प्राइवेट बसों पर कार्यवाही नहीं हो पा रही है ! हाल यह है कि वह बिना रोक - टोक के शहर के अंदर से गुजरते हैं भारी ओवरलोड वाहन जबकि सैकड़ो सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं। यही नहीं भारी और ओवर लोड वाहनों की एंट्री होती है।

सूत्र बताते हैं इसके पीछे एक बड़ा संगठित गिरोह काम करता है यह संगठित गिरोह क्षेत्र में ओवरलोड वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करता है और इसके बदले खुला- खेल फर्रुखाबादी भी खेला जाता है ! उत्तर प्रदेश के तेज तर्रार ईमानदार मुख्यमंत्री संकल्पित है कि उत्तर प्रदेश से भ्रष्टाचार खत्म हो व्यवस्था नियमानुसार चले लेकिन दूसरी ओर भारी ओवरलोड वाहनों को संचालित करने वाला संगठित गिरोह किरकिरी कराने में लगा हुआ है। जानकार तो यह भी बताते हैं की जिम्मेदार भी कुछ कर नहीं सकते क्योंकि यह गिरोह बेहद ताकतवर है और यह सुनिश्चित करता है कि जिले से भारी डंपर, ट्रक, प्राइवेट बस का मोमेंट जिले के चारों ओर कुशलता पूर्वक हो ! अब ऐसे में रायबरेली जिला प्रशासन एआरटीओ के लिए भारी ओवरलोड वाहन बड़ा चौलेंज बने हुए हैं इन पर रोक बेहद जरूरी है क्योंकि हाल में ही डलमऊ कटघर वाया दरीबा रायबरेली अरबो रुपए की सड़क का निर्माण हुआ है लेकिन उसमें पैच लगना शुरू हो गए हैं सड़क उखड़ने लगी है इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि किस तरह से वह लोड भारी ओवरलोड वाहन सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं और उसी के साथ राहगीरों के लिए भी बड़ा खतरा है।

गौमाता को संरक्षित और अन्नदाताओं के उत्पादन की रक्षा करनी है: मनोज पाण्डेय

रायबरेली अवधनामा संवाददाता। ऊंचाहार विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री मनोज कुमार पाण्डेय ने आज रसूलपुर धरावां के गौशाला लोकार्पण के अवसर पर आयोजित सभा को सम्बोधित करते हुये कहा कि जहां हम सबको का गौ माता की रक्षा करनी है वहीं अन्नदाताओं की फसल को भी बचाना है श्री पाण्डेय ने कहा कि उन्हें खुशी है कि जहां आज दीनशाह गौरा ब्लाक में रसूलपुर धरावां की बड़ी गौषाला का उद्घाटन करने का अवसर मिला वहीं जलालपुर धई व कल्यानपुर बेंती में नई गौषाला की आधारषिला रखकर कार्य को प्रारम्भ कराया है, श्री पाण्डेय ने कहा कि माह जनवरी तक विधान सभा में 11 गौशाला के सापेक्ष निर्माण कराये जाने का लक्ष्य है जिससे जहां गौ माता संरक्षित हो सके वहीं अन्नदाताओं की फसलों का हो रहा नुकसान भी बचाया जा सके, श्री पाण्डेय ने कहा कि किसानों के अधिकार और हक की लड़ाई लड़ना उनके जीवन की प्रथम प्राथमिकता है। कृषि मंत्री के रूप में प्रदेश भर के किसानों को कृषि यंत्रों को ऐतिहासिक संख्या में छूट के साथ प्रदान करके पूरे देश में रिकार्ड बनाने का सुअवसर प्राप्त हुआ था, इस अवसर पर प्रधान हरिशंकर लोधी, पूर्व प्रधान बच्छन, प्रधान पप्पू सिंह, प्रधान ऋषि गौड़ प्रधान संतोष मौर्या, प्रधान अमरेष सिंह प्रधान रज्जन त्रिवेदी प्रधान उदयभान गौतम प्रधान मुनेश्वर सिंह प्रधान दल बहादुर सिंह ब्लाक प्रभारी अशोक मिश्रा मण्डल अध्यक्ष अनुराग मिश्रा देवेश वर्मा, राजेश तिवारी, सज्जन दीक्षित राहुल द्विवेदी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्काउट और गाइड के प्रदेश स्तरीय तृतीय सोपान में सफल विद्यार्थी हुए सम्मानित

अवधनामा संवाददाता

रायबरेली। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला के विद्यार्थियों द्वारा स्काउट और गाइड के प्रदेश स्तरीय तृतीय सोपान में सफलता प्राप्त करने पर उन्हें सम्मानित किया गया।

प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने स्काउट के छात्र अभिमन्यु, शिखर, अर्चित, अनिकेत, अरनव, पियूष, आदर्श प्रताप, अमन, आदित्य, अर्श, सर्वज्ञ, स्नेहल, अंश, सय्यद मो. अब्बास, प्रशांत और गाइड की छात्रा खुशबू, महक, जान्हवी, वैश्नवी और अर्पिता को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। प्रशिक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि स्काउट और गाइड के छात्र - छात्राओं द्वारा प्रदेश स्तरीय तीन सोपानों में सफलता प्राप्त करने के उपरान्त वह राज्यपाल द्वारा दिए जाने वाले प्रमाणपत्र की परीक्षा हेतु योग्य हो जाते हैं। प्रदेश स्तरीय तृतीय सोपान पार कर चुके यह विद्यार्थी अब राज्यपाल स्तरीय प्रमाणपत्र की कतार में पहुँच गए हैं। यह प्रमाणपत्र इन विद्यार्थियों को समाज सेवा,देश सेवा और राष्ट्र सेवा के लिए प्रदान किया जाता है , ऐसे छात्र अपने कैरियर में भी इन प्रमाणपत्रों का उपयोग कर सकतें हैं एवं इनके लिए विशेष भर्तियां भी आयोजित की जाती हैं। इस अवसर पर विद्यालय के उप-प्रधानचार्य फैज़ान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शाहीन खान, शिवकरन पाल, पिंकी जायसवाल, विवेक सिंह, अजयराज सिंह, कामरान, पूजा सिंह गिरीश श्रीवास्तव सहित समस्त शिक्षक/शिक्षिकाएं, एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

पराली जलाई तो होगी कार्रवाई लगेगा जुर्माना: जिलाधिकारी

वाहन को हरी झंडी दिखाते डीएम

कुशीनगर अवधनामा ब्यूरो। जनपद में किसानों को पराली न जलाने के संबंध में जागरूक करने हेतु कृषि विभाग के प्रचार वाहनों को जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज द्वारा हरी झंडी दिखाकर कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना किया गया। इन प्रचार वाहनों द्वारा जनपद के सभी विकासखंडों का भ्रमण करते हुए किसानों के बीच पराली प्रबंधन के संबंध में जागरूकता फैलाने का कार्य किया जाएगा। उप कृषि निदेशक आशीष कुमार ने अवगत कराया की पराली जलने की घटना रोकने के लिए जिलाधिकारी महोदय के स्तर से तहसील एवं विकास खंड स्तरीय समितियां के गठन एवं पराली प्रबंधन के संबंध विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए गए हैं। पराली जलाने की घटनाओं की सूचना सेटेलाइट के माध्यम से अक्षांश व देशांतर सहित प्रतिदिन प्राप्त हो रही है जिसका सत्यापन लेखपाल एवं कृषि विभाग के कर्मचारियों द्वारा नियमित रूप से किया जा रहा है। पराली की घटना की पुष्टि होने पर किसानों को नोटिस देने एवं उन पर जुर्माना लगाने की कार्यवाही की जा रही है। पराली जलाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए केंद्र सरकार के द्वारा जुर्माने की राशि अब दोगुनी कर दी गई है।

जल जीवन मिशन योजना की डीएम ने की समीक्षा बैठक

अवधनामा ब्यूरो

- समय से पूर्व शेष कार्यों को पूर्ण करने का डीएम ने दिया निर्देश

कुशीनगर। कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

उक्त बैठक में अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) कुशीनगर द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत फेज-2 में कुल 124 नग ओवर हेड टैंक, 164757 नग हर घर नल जल कनेक्शन, 3061 किलोमीटर पाइप लाइन डिस्ट्रीब्यूशन, 249 अदद ग्रामीण पेयजल योजनाओं व फेज-3 में कुल 204 अदद ग्रामीण पेयजल योजनाओं स्वीकृत हैं। जिनमें क्रमशः 145 अदद व 70 अदद स्वच्छ पेयजल योजनाओं से जलापूर्ति की जा रही है। ट्यूबवेल का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण है, जलाशय क्रमशः 124 अदद 38 अदद कार्य पूर्ण है तथा शेष कार्य प्रगति पर है। उक्त के संबंध में जिलाधिकारी द्वारा समस्त कार्यों को निर्धारित मानक के अनुसार व तय समय सीमा के अंदर पूर्ण करने हेतु निर्देश दिए गए। आईएएस के तहत जागरूकता हेतु ग्राम पंचायतों में बैठकें आयोजित करे एवं ओवर हेड टैंक की उपयोगिता, पानी की गुणवत्ता, स्वच्छ पेय जल आपूर्ति की सुविधाओं के बारे में भी जन जागरूक करें। आयोजित बैठकों ग्राम के सभी वर्गों को आमंत्रित करें, बैठकों का डॉक्यूमेंटेशन अनिवार्य है, एवं फोटो, शॉर्ट फिल्म वीडियो भी सुरक्षित रखें। पानी की गुणवत्ता की जांच समय समय पर सैंपल के माध्यम से करें तथा रोड रेस्टोरेशन, रेट्रो फिटिंग, ओवरहेड टैंक निर्माण का यथाशीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण करें तथा अवशेष हर घर नल जल कनेक्शन से ज्यादा से ज्यादा घरों को स्थापित करें। जहां परियोजना पूर्ण है वहां स्वच्छ पेय जल आपूर्ति शीघ्र करें।

पुलिस मुठभेड़ में दो पशु तस्करो के पैर में लगी गोली

अवधनामा संवाददाता

तरयासुजान, कुशीनगर। तमकुहीराज पुलिस के चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस को एक संदिग्ध पिकप वाहन आते हुए दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रुकने का इशारा किया मगर उस वाहन पर सवार लोगो द्वारा अचानक फायरिंग किया जाने लगा। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक पशु तस्कर को पैर में गोली लग गई और दूसरा भागने के दौरान गिरफ्तार हो गया। पुलिस ने बरामदगी के आधार पर मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई करने में जुटी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार वुधवार को सुबह तमकुहीराज द्वारा लतवा चट्टी नहर के पास वाहनों की जांच पड़ताल किया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने अचानक एक पिकप वाहन को आते देखा तो उसे रुकने का इशारा किया, तभी उस वाहन पर सवार खुद को घिरता देख पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। जवाब में तमकुहीराज पुलिस टीम ने आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की. जिसमें एक व्यक्ति की पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया,वही उसका एक साथी दबोच लिए गया। पुलिस मुठभेड़ में घायल गौ तस्कर मुन्ना मिया पुत्र हामिद मिया निवासी मुफरी टोला थाना गोपालगंज जिला गोपालगंज बिहार राज्य जिसके पैर में गोली लगी है और वह घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया है। जिसके ऊपर प्रतिबंधित पशुओं की तस्करी का अभियोग पहले से विभिन्न थानों में दर्ज है, वही उसके एक साथी दबोचे गया है उनकी पहचान गुड्डू यादव पुत्र राजेंद्र यादव निवासी सेमरा हरदी माफी टोला थाना कुबेरस्थान जिला कुशीनगर के रूप में हुआ है। वही पुलिस ने इन सबके कब्जे से एक पिकप वाहन, छः राशि प्रतिबंधित गो वंश, दो तमंचा, छः जिंदा कारतूस और चार खोखा कारतूस के साथ सताइस सौ रुपए नकद भी बरामद किए है। हालांकि पुलिस ने घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराकर अपनी आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं बताया जा रहा है कि गिरफ्त में आया ये शातिर बदमाश एक चिन्हित गौ तस्कर है जिस पर कई मुकदमे गंभीर धाराओं में दर्ज हैं।

सेनानी भवन सभागार में नियमित पाक्षिक कवि गोष्ठी का आयोजन

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। जनपद में अवध वाटिका साहित्य मंच बहराइच के तत्वावधान में आयोजित नियमित पाक्षिक कवि गोष्ठी का आयोजन सेनानी भवन सभागार में किया गया जिसकी अध्यक्षता राम सागर राव पूर्व विधायक इकौना ने की, मुख्य अतिथि के रूप में मोहम्मद अतहरुद्दीन उर्फ़ मुन्ने भारती चीफ प्रोग्राम कोआर्डिनेटर एंडी टीवी की उपस्थिति में कार्यक्रम का संचालन तिलक राम अजनबी ने किया व स्वयं के द्वारा माँ वीणा पाणि की वंदना से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। तत्पश्चात नवोदित रचनाकार महीपचन्द् कन्नौजिया ने पढ़ा जीवन में कुछ करना है तो मन को मारे मत बैठो, आगे आगे बढ़ना है तो हिम्मत हारे मत बैठो। शाशवत सिंह पंवार ने पढ़ा मैंने दिन को दिन कहा और रात को रात ,इसीलिए सबसे सदा मेरी बिगड़ी बात। मो.नसीम बहराइची ने पढ़ा अगर टूटे किसी का दिल बचा पाऊं तो अच्छा हो,अगर आसां किसी का गम बना पाऊं तो अच्छा हो। शायर रईस सिद्दीकी ने पढ़ा वतन के वास्ते खाकर कसम यह कहता हूं, लहू का आखिरी कतरा बदन से निकलेगा। तिलक राम अजनबी ने पढ़ा अच्छी शुरूआत अब कौन करेगा, दिल से दिल की बात अब कौन करेगा।किशोरी लाल चौधरी ने पढ़ा सुन्दर फूलों से कलियों से सब करते हैं प्यार, नहीं मिला है मुझे किसी का अबतक मधुर दुलार। हास्य कवि पी.के.प्रचण्ड ने पढ़ा जिताये तो तुम्हीं हौ मुला अब जान न पय्हौ, मगरुवा मंत्री होइगा पहिचान न पय्हौ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित मोहम्मद अतहरुद्दीन उर्फ मुन्ने भारती को अवध वाटिका साहित्य मंच बहराइच के संरक्षक राम सागर राव व अध्यक्ष पी.के.प्रचण्ड के द्वारा अंगवस्त्र व प्रशस्तिपत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया इस अवसर पर रमेश चन्द्र मिश्र, संजय पासवान एडवोकेट, राहुल, शारिक शमीम व अन्य तमाम साहित्य प्रेमी बंधु उपस्थित रहे तथा कार्यक्रम का आनन्द प्राप्त किया।

इन्दिरा स्टेडियम में सम्पन्न हुई दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता

अवधनामा संवाददाता

बहराइच। खेल निदेशालय, के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय, इन्दिरा गांधी स्टेडियम बहराइच द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के जन्म शताब्दी वर्ष के शुभ अवसर पर दो दिवसीय जिला स्तरीय जूनियर वर्ग के बालकों की बॉक्सिंग व ताइक्काण्डो एवं बालक/ बालिकाओं की एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं का आयोजन 12 से 13 नवम्बर 2024 तक किया गया। दो दिवसीय प्रतियोगिता का शुभारम्भ मुख्य विकास अधिकारी मुकेश चन्द्र द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर पुष्प अर्पित किया गया तथा हरी झण्डी दिखाकर खेलों का शुभारम्भ किया गया। जबकि समापन समारोह के मुख्य अतिथि वरिष्ठ कोषाधिकारी नरोत्तम शरण द्वारा पंडित दीन दयाल उपाध्याय जी के चित्र पर माल्यार्पण किया तथा अपने सम्बोधन में प्रतिभाग करने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि खेल मानव शरीर के सम्पूर्ण विकास के अत्यन्त आवश्यक है।

कृषक अपनी भूमि का कराएं बैनामा: डीएम

अवधनामा संवाददाता

औद्योगिक गलियारे के बनने से मिलेगा बच्चों को रोजगार

फिरोजाबाद। जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता और मुख्य विकास अधिकारी शत्रोहन वैश्य की उपस्थिति में तहसील शिकोहाबाद के सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया, इसमें लेखपाल, पंचायत सचिव, कृषक भी शामिल हुए, इस बैठक का उद्देश्य था शिकोहाबाद और सिरसागंज में बन रहे औद्योगिक गलियारे के निर्माण में आ रही अड़चनों को दूर करना इस गलियारे के बनने से शिकोहाबाद तहसील का गांव नसीरपुर, सिरसागंज का गांव गौसपुर, सलेमपुर चक, अबाबकरपुर से इस गलियारे को गुजरना है, यू पी सीड़ा द्वारा इस गलियारे का निर्माण किया जा रहा है इस बैठक में जिलाधिकारी ने कृषकों को इस बात पर मोटिवेट किया कि वह अपनी भूमि को इस महत्वपूर्ण गलियारे के निर्माण हेतु प्रदान कर दें जिससे जिले में एक महत्वपूर्ण औद्योगिक इकाई का निर्माण हो सके जिलाधिकारी के समझाने पर कृषक अपनी भूमि का बैनामा करने को तैयार हो गए, जिलाधिकारी ने कहा कि इस गलियारे के बनने से आपके बच्चों को रोजगार प्राप्त होगा जमीन की कीमतें बढ़ेगी यहां पर आधारभूत संरचनाओं का तेजी से विकास होगा, साथ ही साथ जनपद में जो युवा रोजगार हेतु बाहर जिलों में पलायन कर जाते हैं उनका पलायन भी रुकेगा। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विशु राजा, उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद, परियोजना निदेशक सहित संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

अंधविश्वास के खिलाफ जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

अवधनामा संवाददाता

सुल्तानपुर। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित जिला विज्ञान क्लब सुल्तानपुर के तत्वाधान मे आज दिनांक 13 अक्टूबर 2024 को एस के प्रेसिडेंसी पब्लिक स्कूल, ओदरा, सुल्तानपुर मे आयोजित अंध विश्वास के विरुद्ध वैज्ञानिक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि के एन आई टी के मैकेनिकल इंजीनियर विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष हरिदर्शन राम, जिला विद्यालय निरीक्षक रवि शंकर तथा सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर यादव के सरस्वती प्रतिमा पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्ववलित करके किया। विद्यालय के प्रधानाचार्य शेष मणि मिश्र ने विभिन्न विद्यालयों से आये हुए बच्चों एवं अध्यापको एवं अतिथियों का स्वागत किया। जिला समन्वयक शैलेन्द्र चतुर्वेदी ने विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा जिले को आवंटित कार्यक्रमों के बारे मे विस्तार पूर्वक जानकारी दी। सह जिला विद्यालय निरीक्षक जटा शंकर यादव ने कहा कि जिला विज्ञान क्लब द्वारा आयोजित अंध विश्वास के विरुद्ध विज्ञान समाज के लिए मील का पत्थर साबित होगा। विज्ञान ही समाज मे फैले अंध विश्वास को प्रयोग के माध्यम से जागरूकता फैला कर समाप्त कर सकता है।

जिला स्तरीय प्रतियोगिता में सुदिति ग्लोबल के छात्रों ने लहराया परचम

टूंडला। जिला स्तरीय खेल प्रतियोगिता में सुदिती ग्लोबल अकादमी के बच्चों ने लहराया परचम। इस दौरान छात्र-छात्राओं ने विभिन्न खेलकूदों में प्रतिभाग करके प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर जिला अधिकारी रमेश रंजन द्वारा खेल प्रतियोगिता का शुभारंभ फिरोजाबाद के दाऊ दयाल स्टेडियम में किया गया। इसमें कक्षा आठवीं के छात्र अनुज ने एथलेटिक्स में प्रथम स्थान प्राप्त किया व कक्षा छठवीं के छात्र साहिल ने एथलेटिक्स मीटर में द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जिमनास्टिक में दिव्यांशु और माधव कक्षा तीसरी के छात्रों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया व पार्श्वी जैन कक्षा पांचवी की छात्रा ने तृतीय स्थान प्राप्त कर स्कूल व ज़िले को गौरवान्वित कराया। इस अवसर पर जिला के प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं को पदक एवं खेल किट प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के संस्थापक, प्राचार्य एवं गुरुजनों ने बच्चों को बधाई दी।

ध्रुव का मतलब है अटल, बेटियां होती हैं घर की लक्ष्मी

अवधनामा संवाददाता

धनपतगंज,सुल्तानपुर। बेटियां घर की लक्ष्मी होती है उन्हें भार नहीं मानना चाहिए।समाज में समर्पण का भाव सिर्फ बेटियों में ही मिलता है। उक्त बातें बड़नपुर ग्राम पंचायत के ग्राम पूरे पंडित आचार्य ब्लॉक धनपतगंज सुल्तानपुर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा में दूसरे दिवस पर पूज्य बाल व्यास मधुर जी महराज ने बताया। वृंदावन धाम से आए हुए बाल व्यास महराज ने कथा में आगे ध्रुव चरित्र के अंतर्गत बताया कि जीवन में कितना भी संघर्ष मिले पर अपने कर्तव्य पथ को छोड़ना नहीं चाहिए। अपने कर्तव्य के प्रति दृढ़ निश्चय रखना चाहिए और यही दृढ़ निश्चय ही मनुष्य को एक दिन सफलता अवश्य प्राप्त कराता है। उन्होंने आगे बताया कि अपने गुरु के प्रति हमेशा विश्वास रखना चाहिए। इस पृथ्वी पर विषम परिस्थितियों में भी कोई साथ दे न दे लेकिन एक गुरु अवश्य अपने शिष्य के प्रति अपने कर्तव्य को निभाते हैं। इसलिए गुरु के वचनों के प्रति तथा उनके आचरण के प्रति हमेशा विश्वास करना चाहिए। ध्रुव जी महाराज की कठोर तपस्या का ही फल है कि आज भी वह संसार में ध्रुव तारे के रूप में चमक रहे हैं। विवाह संयोग में भी ध्रुबावलोकन का नियम होता है। ध्रुव से तात्पर्य अटल से है। अगर ध्रुव जैसी ऊंचाई पर जाना है तो जीव को ध्रुव जैसी तपस्या भागवत निष्ठा और गुरु के प्रति विश्वास होना अति आवश्यक है।जीवन में वही मनुष्य सुखी है जो भगवत भजन में लीन है। मनुष्य को सबसे सौभाग्यशाली माना जाता है क्योंकि वह संसार में रहकर भागवत कथा के श्रवण का सुख प्राप्त करता है। कथा ज्ञान यज्ञ सप्ताह के दूसरे दिवस पर मुख्य यजमान पूर्व प्राचार्य पंडित जगदेव प्रसाद पाण्डेय, शास्त्री के पुत्र संतोष पाण्डेय पत्रकार ने कथा श्रवण में आए हुए समस्त श्रद्धालुओं को धन्यवाद दिया।इस अवसर पर पूर्व मंत्री जय नारायण तिवारी, मनोज मिश्र, कालिका तिवारी, सुधीर पांडेय, राजू तिवारी, श्री निवास शुक्ला, अयोध्या मिश्रा,साहेब बक्श सिंह, रामशंकर तिवारी, डॉक्टर अमन वर्मा, मोनू पांडेय, शिवानंद शुक्ला, चंद्र भूषण शुक्ला, रवि पांडेय,राम सुख तिवारी (पूर्व सूबेदार),अशोक पांडे, जुगेश्वर नाथ पांडेय, अंकित पांडेय सहित

क्षेत्र के मतदाता शत-प्रतिशत भागीदारी करें सुनिश्चित: जिला निर्वाचन अधिकारी

निर्भीक होकर अपने पसंदीदा उम्मीदवार के पक्ष में करें मतदान, मतदान केन्द्रों पर रहेंगे सुरक्षा के विशेष प्रबन्ध : अंजनी कुमार

अवधनामा संवाददाता

मैनपुरी। जिला निर्वाचन अधिकारी अंजनी कुमार सिंह ने पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार के साथ विधान सभा क्षेत्र करहल के प्राथमिक विद्यालय विधूना, नगला रामसिंह में स्थित बूथों के निरीक्षण के दौरान क्षेत्र के मतदाताओं का आव्हान करते हुये कहा कि आगामी 20 नवम्बर को उप निर्वाचन की मतदान प्रक्रिया में भागीदारी करें, निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें यदि किसी के द्वारा मतदाताओं को प्रभावित करने, मताधिकार का प्रयोग करने से वंचित करने, किसी व्यक्ति विशेष को मत देने का दबाव बनाने की कोशिश करने, धन का प्रलोभन देकर वोट डालने का प्रयास कराया जाये तो इसकी सूचना तत्काल दें, किसी भी मतदाता को बूथ पर किसी प्रकार की असुविधा नहीं होगी, प्रत्येक बूथ पर मूल-भूत सुविधाएं यथा पीने हेतु स्वच्छ पानी, शौचालय, रैम्प, प्रकाश व्यवस्था के बेहतर इंतजाम किए गये हैं, प्रत्येक बूथ पर शांति व्यवस्था, सुरक्षा के दृष्टिगत पर्याप्त मात्रा में फोर्स तैनात रहेगा।

श्री सिंह ने प्राथमिक विद्यालय नगला रामसिंह घिरोर में स्थापित मतदान केन्द्र पर उपलब्ध मूल-भूत सुविधाओं का स्थलीय निरीक्षण करते हुये पाया कि विद्यालय में 720 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, बूथ पर मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण माहौल में सम्पन्न कराने के लिए सभी व्यवस्थाएं की जा चुकी हैं। उन्होने निरीक्षण के दौरान विद्यालय में 46 पंजीकृत छात्रों के सापेक्ष 15 छात्र उपस्थित मिले, विद्यालय से शिक्षामित्र रेनू यादव अनुपस्थित मिलीं जबकि शिक्षामित्र राघवेन्द्र सिंह समय से पूर्व ही विद्यालय से जा चुके थे, जिस पर उन्होने अनुपस्थित शिक्षामित्र एवं समय से पूर्व विद्यालय से जाने वाले शिक्षामित्र के विरूद्ध कार्यवाही हेतु जिला बेसिक शिक्षाधिकारी को निर्देशित किया। निरीक्षण के दौरान कक्षा-1 में 08 के सापेक्ष 02, कक्षा-2 में 04 के सापेक्ष 01, कक्षा-3 में 09 के सापेक्ष 03, कक्षा-4 में 14 के सापेक्ष 04, कक्षा-5 में 11 के सापेक्ष 05 छात्र विद्यालय में उपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने प्राथमिक विद्यालय विधूना घिरोर के निरीक्षण के दौरान विद्यालय में पंजीकृत 29 छात्रों के सापेक्ष मात्र 13 छात्र उपस्थित मिले, जिन्हें शिक्षा प्रदान करने के लिए 01 हेडमास्टर, 02 सहायक अध्यापक, प्रधानाध्यापक तैनात है, निरीक्षण के दौरान कक्षा-1 में पंजीकृत 07 छात्रों के सापेक्ष 06, कक्षा-2 में पंजीकृत 03 छात्रों के सापेक्ष 02, कक्षा-3 में पंजीकृत 05 छात्रों के सापेक्ष 01 छात्र, कक्षा-4 में पंजीकृत 09 छात्रों के सापेक्ष 03, कक्षा-5 में पंजीकृत 06 छात्रों के सापेक्ष 02 छात्र उपस्थित पाये गये, विद्यालय में उपस्थित छात्रों में से सिर्फ जान्हवी ही गणित के सवाल हल कर सकी बाकी बच्चों का शैक्षिक स्तर संतोषजनक नहीं मिला, विद्यालय मे पंजीकृत छात्रों के सापेक्ष उपस्थिति भी ठीक नहीं थी, जिस पर उन्होने प्रधानाध्यापक को निर्देशित करते हुये कहा कि विद्यालय में शैक्षिक स्तर में सुधार लायें, छात्रों के संग शिक्षक मेहनत करें उन्हें बेहतर शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ संस्कारवान बनायें, लगातार अनुपस्थित रहने वाले छात्रों के अभिभावकों से संवाद कर बच्चों को प्रतिदिन विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित करें। निरीक्षण किए गए दोनों विद्यालयों में मीनू के सापेक्ष आज मध्यान्ह भोजन में छात्रों को तेहरी एवं दूध उपलब्ध कराया गया।

तालीमी इजलास में मौलाना अबुल कलाम आजाद समेत कई शिक्षाविदों के जीवन पर डाला गया प्रकाश

अवधनामा संवाददाता

वक्ताओं ने एएमयू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान को केंद्र सरकार से भारत रत्न दिये जाने की मांग

बहराइच। स्वतंत्रता आंदोलन के महान सपूत देश के प्रथम शिक्षा मंत्री, शिक्षाविद्ध व कुशल राजनीतिज्ञ मौलाना अबुल कलाम आजाद की 136 वीं जयंती तालीमी इजलास के रूप में सामाजिक संगठन नाजिरपुरा विकास मंच के संयोजक शादाब हुसैन द्वारा जमील फारुकी एडवोकेट की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. शकील किदवई प्रोफेसर के.जी. मेडिकल कॉलेज पूर्व अध्यक्ष ए. एम.यू. ओल्ड ब्वॉयज एसोसिएशन में नगर के मोहल्ला नाजिरपुरा स्थित छब्बन चौराहे पर कार्यकर्ताओं ने उनको याद कर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए मौलाना आजाद के व्यक्तित्व की चर्चा की।

इस अवसर पर वक्ताओं ने श्री मौलाना आजाद सहित संविधान निर्माता बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर, सर सैयद अहमद खान, डॉक्टर एपीजे अब्दुल कलाम, डॉक्टर राजेंद्र प्रसाद, मौलाना हसरत मोहानी, डॉक्टर अल्लामा इकबाल एवं जस्टिस बीबी फातिमा के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उन्होंने देश की शिक्षा प्रणाली को आधुनिक बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। इस अवसर पर एम यू के संस्थापक सर सैयद अहमद खान को भारत रत्न अवार्ड देने की केंद्र सरकार से मांग की गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि सै. मो. शोएब, मेजर डा. एस. पी. सिंह, अंतर्राष्ट्रीय शायर वासिफ फारुकी ने कहा कि मौलाना अबुल कलाम आजाद को स्वतंत्र भारत का पहला शिक्षा मंत्री बनाया गया। उन्होंने कहा की मौलाना आजाद ने शिक्षा क्षेत्र को मजबूत बनाने के लिए काफी संघर्ष किया। भारत रत्न मौलाना आजाद ने न केवल साक्षरता दर में सुधार किया, बल्कि उच्च शिक्षा के साथ-साथ माध्यमिक शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण पर भी जोर दिया। इससे पहले कार्यक्रम में आए मुख्य अतिथि, व सभी अतिथियों तथा अध्यक्षता कर रहे जमील अहमद फारूक एडवोकेट को शाल और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया।

इस अवसर पर उमामा खान, इफ्फत, हर्षित मिश्रा, समन फातिमा, शरियत फातिमा, अल जफीरा नूर एवं हुदा बानो ने देश के विभिन्न शिक्षाविदों पर प्रकाश डाला। जिन्हें मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।इसी क्रम में लगभग एक दर्जन समाजसेवियों एवं पत्रकारों तथा शायरों को भी प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इसके अलावा देश के महान शिक्षाविदों पर प्रकाश डालने वाले छात्र-छात्राओं का उत्साह वर्धन करते हुए उन्हें भी मोमेंटो प्रदान किया गया।

तालीमी इजलास के द्वितीय सत्र में जिले के मशहूर शायर मजहर सईद, तारिक बहराइची, मंजूर बहराइची, नाजिम बहराइची व अदील बहराइची ने अपने-अपने कलाम पेश किया जिसे लोगों ने खूब सराहा। इस कार्यक्रम का संचालन मशहूर शायर राशिद राही ने किया और अंत में कार्यक्रम की समापन की घोषणा संयोजक शादाब हुसैन ने किया। कार्यक्रम में शफीक बागबान, जमाल अजहर सिददीकी, वरिष्ठ पत्रकार डॉक्टर एम अतहर उद्दीन मुन्ने भारती, डा ए एम खान, अकरम एडवोकेट, नईम खान, अब्दुल अजीज सिददीकी, मो जाहिद मिर्जा शकील बाग प्रतिनिधि सभासद, मनशाद अहमद, नाजिम अली, इब्राहिम राशिद एडवोकेट अरशद सिद्दीकी शादाब आलम, छब्बनभाई, शहाब हुसैन आदिल खान, मोहम्मद राशिद अन्सारी एडवोकेट, मिर्जा शकील बेग, मोहम्मद जाहिद, मौलाना शाहिद नदवी, डॉ ए एम खान, डॉ अनस खान, रियाजुद्दीन खान, नासिर खान, साकिब जमील सिद्दीकी, मौलाना सूफियान अन्सारी, जावेद अली, डॉक्टर मो सलमान, जुनैद अहमद नूर व मुमताज अली आदि मौजूद थे।

राजनीति विज्ञान विभाग: ग्रुप डिस्कशन का हुआ आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सुलतानपुर। राणा प्रताप महाविद्यालय में राजनीति विज्ञान विभाग द्वारा भारत में मतदान को प्रभावित करने वाले कारक विषय पर ग्रुप डिस्कशन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभाग के अध्यक्ष डॉ अभय सिंह ने किया। विषय का प्रवर्तन करते हुए असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ मंजू ठाकुर ने कहा की वर्तमान समय में निर्वाचन के दौरान मतदाताओं की उदासीनता किसी भी लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है और युवा पीढ़ी का यह दायित्व है की वे न केवल स्वयं मतदान करें बल्कि अपने आसपास यथासंभव, लोगों को प्रोत्साहित करें कि वह संकीर्णता से ऊपर उठकर राष्ट्र के प्रति अपने दायित्व को समझते हुए निर्वाचन के समय अपने मत का प्रयोग करें और निश्चित रूप से मतदान केंद्र तक पहुंच मतदान करें। परिचर्चा में छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़कर पूर्ण उत्साह से प्रतिभाग किया।स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रा महक ने कहा की धर्म से प्रेरित होकर अधिकांश लोग अपने मत का प्रयोग करते हैं जो कि नहीं होना चाहिए वही अंकित ने कहा की जातिगत भावनाओं से प्रेरित होकर भी लोग मतदान करते हैं जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए खतरा है। अमन सिंह ने कहा की शिक्षित न होना भी बहुत बड़ा कारण है की जनता अपना मत प्रयोग करते समय सोच विचार नहीं करती केवल भावना से वशीभूत होकर अपने मत का प्रयोग करती है।

संक्षिप्त समाचार

19 क्वार्टर अवैध देशी शराब के एक पुलिस गिरफ्त में

फिरोजाबाद। थाना नारखी पुलिस टीम द्वारा एक अभियुक्त को 19 क्वार्टर अवैध देशी शराब के गिरफ्तार किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद फिरोजाबाद द्वारा अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक नगर के पर्यवेक्षण में तथा क्षेत्राधिकारी टूंडला के नेतृत्व में थाना नारखी पुलिस टीम द्वारा 01 अभियुक्त कृष्णगोपाल उर्फ बन्टू पुत्र बाँकेलाल को गाँव मिलक के पास बम्बे के किनारे पुल से 19 क्वार्टर अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना हाजा पर मु0अ0सं0 386/24 धारा 60 आबकारी अधिनियम पंजीकृत किया गया है। अभियोग पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह, उ0नि0 सन्दीप कुमार, है0का0 82 शेर सिंह, का0 591 राजकुमार थाना नारखी जनपद फिरोजाबाद सम्मिलित रहे।

धूमधाम से मनाया गया बाबा खाटू श्याम का जन्मोत्सव

शिकोहाबाद। श्री श्याम सखा परिवार समिति द्वारा श्री सर्वेश्वर नाथ मंदिर पर बड़ी धूमधाम से श्याम बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर कानपुर और रोहद धाम से आए कलाकारों ने अपने भजनों से समां बांध दिया। कार्यक्रम में भजन कलाकार दीवाना ऋषभ कानपुर से एवं अजय शर्मा रोहद धाम से पधारे। इन्होंने यहां पधार कर भजनों को सुनाया। खाटू श्याम के भजनों पर जनता देर रात तक झूमती रही। मधुर और सुरीली आवाज से भक्तों का मन जीत लिया। अध्यक्ष रवि बंसल,सचिव मनु अग्रवाल,कोषाध्यक्ष पुनीत बंसल,रजत तायल,चिराग बंसल,अंकित यदुवंशी,मनीष अग्रवाल, गौरांग अग्रवाल,रेशु,संदीप गुप्ता,पीयूष गुप्ता एवं काफी श्याम प्रेमियों ने कार्यक्रम में भजनों का आनंद लिया।

कैडिट्स को आग पर काबू पाने का बताया तरीका

शिकोहाबाद। जेएस विश्वविद्यालय में चल रही 5 यूपी एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल सज्जन सिंह के निर्देशन में एनसीसी के वार्षिक संयुक्त प्रशिक्षण शिविर में बुधवार को फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा एनसीसी कैडेटों को आपदा के समय जन धन हानि को करने करने और आग पर काबू पाये जाने के तरीके बताये। इस अवसर पर फायर ब्रिगेड से आए कर्मचारियों ने कैडिट्स को बताया कि किस प्रकार से आग से होने वाली जन हानि को कम किया जा सकता है। फायर ब्रिगेड की टीम द्वारा एनसीसी कैडेटों को आग के प्रकार और आग को किस प्रकार से बुझाया जाता है की डेमो करके जानकारी दी। इस के बाद 5 यूपी एनसीसी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल संज्जन सिंह द्वारा फायर ब्रिगेड टीम को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। साथ में कैंप एडूजेंट कप्तान राजेंद्र सिंह यादव, लेफ्टिनेंट मनोज कुमार, लेफ्टिनेंट शैलेंद्र सिंह, सेकंड ऑफिसर मुकेश कुमार, सूबेदार मेजर बलवान सिंह, सूबेदार सुशील कुमार चाहर, ट्रेनिंग जेसीओ सूबेदार जनक सिंह, बीएचएम अरुण कांत, हवलदार नरपत सिंह, हवलदार उधम सिंह तथा अन्य पीआई स्टाफ उपस्थित रहा।

कांग्रेसियों के प्रदर्शन के दौरान आपा खोए नगर कोतवाल

सुल्तानपुर। कांग्रेसियों के धरना प्रदर्शन से घबराये नगर कोतवाल नारद मुनि ने कैमरे के सामने खुद ही अपनी वर्दी फाड़ ली।कोतवाल साहब आपे से बाहर हो गए।कांग्रेसियों की नगर कोतवाल से तीखी नाक झोंक भी हुई,जिससे भयंकर जाम लग गया।अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने बताया कि शांति पूर्वक धरना प्रदर्शन कर रहे कांग्रेसियों को दबाव में लेने की नियत से नगर कोतवाल नारद मुनि सिंह ने अपने हाथों से ही अपनी वर्दी फाड़कर कांग्रेसियों पर आरोप लगा दिया।

उत्तर रेलवे

खुली निविदा सूचना (ई–निविदा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेलवे प्रबंधक (इंजीनियरिंग), उत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई निविदा प्रणाली द्वारा जिसकी अंतिम निविदा तिथि **04.12.2024** को **15:00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। इस निविदा के मैनुयल आफर स्वीकार नहीं किये जायेंगे यदि कोई मैनुवल आफर आता है तो उस पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदाकर्ता निविदा फार्म का मूल्य व धरोहर राशि का भुगतान केवल ireps पोर्टल पर उपलब्ध आनलाईन भुगतान प्रणाली में नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड इत्यादि किया जायेगा। डिमांड ड्राफ्ट, बैंकर चेक, डिपाजिट रसीद एफ डी आर द्वारा भुगतान स्वीकार नहीं किये जायेंगे।

1	निविदा सूचना संख्या	12602024 दिनांक 12.11.2024
2	निविदा संख्या	34-Sr-DEN-VI-LKO-2024-25
3	कार्य का नाम : संपूर्ण कुंभ मेला–2025 के लिए सहायक सुविधाओं के साथ पीआरजी, पीएफएम और पीवाईजीएस तथा अन्य निकटवर्ती स्टेशनों पर कर्मचारियों के आवास के लिए अस्थायी बुनियादी ढांचे का प्रावधान का कार्य।	
4	अनुमानित लागत	Rs. 2,75,84,298.52
5	धरोहर राशि	Rs. 2,87,900.00
6	कार्य की समापन अवधि	स्वीकृत पत्र जारी करने की तिथि से दो माह।
7	निविदा डालने का प्रारंभ	20.11.2024
8	निविदा बंद होने की तिथि एवं समय	04.12.2024, 15:00 बजे
9	वेबसाईट	www.ireps.gov.in

नोट :– 1. निविदा संबंधी अन्य विस्तृत विवरण उक्त वेबसाईट पर उपलब्ध है। 3511/2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी/हजरतगंज, मंडल रेल प्रबंधक, कार्यालय लखनऊ द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निम्नलिखित कार्यों के लिए मुहरबंद खुली ई–निविदा आमंत्रित की जाती है।

ई–निविदा सूचना सं०	टीआरडी–19–सीनि०डी०ई०ई०–लखनऊ–24		
कार्य का नाम	लखनऊ मण्डल (उत्तर रेलवे) के आरडीएसओ/ओईएम दिशानिर्देशों के अनुसार 08–व्हीलर और 04 व्हीलर टॉवर वैगनों के दो वर्षों के लिए रखरखाव का कार्य।		
अनुमानित लागत	₹5,48,64,458.55	बयाना राशि	₹4,24,300/-
कार्य पूर्ण करने की अवधि	24 माह		
निविदा फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय तथा खोलने की तिथि	दिनांक 06.12.2024 को 15:00 बजे तक तथा खुलने का समय उसी दिन 15:00 बजे के बाद।		
प्रस्ताव की वैधता	निविदा खुलने की तिथि से 60 दिन		
उत्तर रेलवे की वेबसाइट	अतिरिक्त सूचना उत्तर रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर चेक की जा सकती है।		
पात्रता मापदण्ड	निविदाकर्ता तब तक निविदा डालने योग्य नहीं है, जब तक कि वह निम्नलिखित पात्रता मापदंड पूरा नहीं करता: 1. निविदाकर्ता का न्यूनतम औसत वार्षिक संविदात्मक कारोबार वी/एन या 'वी' जो भी कम हो होना चाहिए, जहां वी = निविदा का विज्ञापित मूल्य करोड़ रुपये में एन = कार्य पूरा करने के लिए निर्धारित वर्षों की संख्या जिसके लिए बोलियां आमंत्रित की गई हैं। 2. निविदाकर्ता पिछले सात वित्तीय वर्ष (निविदा के आमंत्रित करने के एक महीने पहले के अन्तिम दिन तक); "कम से कम एक समान प्रत्येक तीन कार्य का 30 प्रतिशत न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो" **या** "कम से कम एक समान प्रत्येक दो कार्य का 40 प्रतिशत न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो **या** "कम से कम एक समान एक कार्य का 60 प्रतिशत न्यूनतम विज्ञापित राशि का कार्य किया हो"। **एक समान कार्य की परिभाषा होगी:** OEM and their authorised dealers. **OR** Manufacturer of Tower Wagons. **OR** Five years experience Repair/Overhauling of engines of same capacity and above.		

नोट: इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव नजरअंदाज/खारिज कर दिया जाएगा। पूर्ण विवरण वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है।

सं.: टीआरडी–19–सीनि०डी०ई०ई०–लखनऊ–24 दिनांक 11.11.2024

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 3516/2024

उच्च मुकाम हासिल करने के लिए विद्यार्थी 10 -12 घंटे मन लगाकर पढ़ें

- बच्चे मोबाइल की अनावश्यक लत से दूर रहकर पढ़ाई करें

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। उत्तर प्रदेश राज्य शिक्षा सेवा चयन आयोग की सदस्य सीमा शाक्य ने विद्यार्थियों के एक समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि जो बच्चे 10 से 12 घंटे मन लगाकर पढ़ेंगे तभी वह यूपीएससी, सीपीएमटी और आई आई टी जैसी परीक्षाओं में सफलता पा सकेंगे। सीमा शाक्य लाइनपार विजयनगर में शहर के सबसे पुराने नबाब कोचिंग सेंटर के वार्षिकोत्सव को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित कर रहीं थी। विशिष्ट अतिथि सदर विधायका सरिता भदौरिया ने कहा कि जनपद का यह सबसे पुराना कोचिंग सेंटर है यहां के बच्चों ने अच्छी तालीम हासिल करके अनेक उच्च पदों पर पहुंचकर जनपद का नाम रोशन किया है। उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि वह मोबाइल की अनावश्यक लत से बचकर अच्छी शिक्षा के साथ सभ्यता और संस्कार हासिल करने के लिए मन लगाकर पढ़ें ताकि वह पढ़ लिखकर उच्च पदों पर पहुंच सकें। चकरनगर के एसडीएम ब्रह्मानंद ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इस वार्षिकोत्सव को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चे कठिन परिश्रम करके यूपीएससी जैसी परीक्षा को पास करके देश सेवा के लिए आगे आएं। उन्होंने बताया कि हमने भी इटावा में ही शिक्षा हासिल की है और लगातार कठिन परिश्रम करके पीसीएस के इस मुकाम को हासिल किया है। पूर्व सांसद रघुराज सिंह शाक्य ने कहा कि जब कभी हमें दूसरे प्रांतों और दूसरे देशों में जाने का अवसर मिला तो वहां जब कुछ लोगों से मुलाकात हुई तो उन्हें बताया कि उन्होंने इटावा के नवाब कोचिंग सेंटर से शिक्षा हासिल की है यह जानकर खुशी होती है कि यहां से शिक्षा हासिल करके अनेक लोग ऊंचे पदों पर पहुंचे हैं। कोचिंग सेंटर संचालक नबाब सिंह कुशवाहा ने बताया कि इस वर्ष भी यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों का परीक्षा फल 100 फीसदी सफल रहा और इसी वर्ष इंटर की एक छात्रा ने आईआईटी परीक्षा पास की तथा तीन विद्यार्थी भारतीय वायुसेना और 10 विद्यार्थी बी सी नर्सिंग में सिलेक्ट हुए और कई विद्यार्थियों ने बीएससी की परीक्षा प्रथम डिवीजन में हासिल की है। इस मौके पर कोचिंग सेंटर के छात्र-छात्राओं ने कई सामाजिक, शैक्षिक और राष्ट्रभक्त से ओतप्रोत नाटकों का मंचन करके सभी को अपनी ओर आकर्षित किया। इस वर्ष प्रथम डिवीजन में सफलता पाने वाले विद्यार्थियों को मंच पर सम्मानित भी किया गया। समारोह में पुलिस अस्पताल के चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर आनंद कुशवाहा, पूर्व सपा प्रत्याशी सर्वेश शाक्य, समृद्धि हॉस्पिटल की संचालिका डॉक्टर सरिता कुशवाहा सहित सभासदगणों में जितेंद्र कुशवाहा, संजय कुशवाहा व कन्हैयालाल कुशवाहा के आलावा कछवाहा क्षत्रिय महासभा के जिला अध्यक्ष अजय सिंह कुशवाहा, किसान नेता श्याम सिंह कुशवाहा, सपा नेता नरेंद्र सिंह कुशवाहा भाजपा नेता पंकज कुशवाहा समाजसेवी रामकरण सांग जयराम कुशवाहा नेकराम सांग केपी साहब रामजीवन कुशवाहा विमल सिंह कुशवाहा कोचिंग सेंटर के डायरेक्टर राहुल कुशवाहा व अवधेश कुशवाहा सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी व महिलाएं भी मौजूद रहीं।

परमात्मा का नाम ही ब्रम्ह व चैतन्य है : शास्त्री

सुमेरपुर (हमीरपुर) पीडब्लूडी स्टोर के पास वार्ड 15 में डा महेश त्रिपाठी के यहां चल रही भागवत कथा के अन्तिम दिन भागवत के महत्तम एवं सुदामा चरित्र की लोगों में भक्ति का रस भर दिया। कथा व्यास राजनारायण शास्त्री ने कथा में बताया भागवत पुराण परमात्मा के प्रत्येक अवतार में कोई न कोई शिक्षा अवश्य मिलती है। परमात्मा का नाम ही ब्रम्ह व चैतन्य है। भागवत पुराण में परमात्मा की मर्यादा कायम रखी गयी है। परमात्मा तो केवल भाव के भूखे है वह धन बेकार है जिसमें ईश्वर का नाम याद न आये। कथा व्यास ने कहा गृहस्त आश्रमी को कर्मयोगी होना चाहिये। कर्म को डटकर करो अपने-अपने धर्म व कर्तव्य का पालन करो और जो मिल जाये उसमें सन्तोष करो। जीव का कर्म तो तभी तक होता है जब तक उसे स्वरूप का बोध नहीं होता जब वह स्वरूप को पहचान जाये तो फिर उसे कर्म की आवश्यकता ही नही रह जाती व्यास ने कहा कलियुग में परमात्मा का सच्चे मन से स्मरण करने से भवसागर पार हो जाता है। सुदामा चरित की कथा में बताया सुदामा कृष्ण के परम भक्त थे तन से गरीब थे लेकिन मन से नही माया के प्रति उनमें कोई लालच नहीं था इसलिय भक्ति करना है तो सुदामा जैसी निस्वार्थ भक्ति करो।

सौर्दय प्रसाधन में सदैव ब्रांडेड कम्पनियों के प्रोडक्ट ही इस्तेमाल करें: श्रद्धा पटेल

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। पंजाब नैशनल बैक किसान प्रशिक्षण केन्द्र सैफई पर निःशुल्क तीन दिवसीय सौन्दर्य प्रशाधन(व्यूटी पार्लर) प्रशिक्षण के अतिंम दिन में ट्रीटमेन्ट वेस फेसियल तथ मेकअप करने की थ्योरी एवं प्रेक्टिकलि तरीकों से सफल प्रशिक्षण प्रशिक्षित प्रशिक्षिका श्रीमती श्रद्धा पटेल(संचालिका व्यूटी मंत्रा मेकओवर पक्का तालाब)द्वारा दिया गया, मुख्य अतिथि के रूप उपस्थित पीएनबी के निदेशक विपिन यादव, विशिष्ट अतिथि डा0हरीशंकर पटेल एवं प्रशिक्षका श्रीमती श्रद्धा पटेल ने सयुक्त रूप से श्री तिरूपति बालाजी महाविद्यालय एवं ग्रामीण प्रशिक्षण प्राप्त बच्चों को दिये प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि ÷विपिन यादव÷निदेशक पीएनबी किसान प्रशिक्षण केन्द्र ने प्रशिक्षण केन्द्र मे होने वाले प्रशिक्षणों की जानकारी देते हुए बच्चो को मोटीवेट किया तथा श्रीमती श्रद्धा पटेल कॉस्मेटोलॉजी ट्रायलॉजी एवं इलैक्टोलॉजी(संचालिका व्यूटी मंत्रा मेकओवर पक्का तालाब इटावा)प्रशंसा करते हुए कहां सौदर्य प्रसाधन के प्रशिक्षण को पूरी तनमयता पूर्वक बच्चों को प्रशिक्षित किया बच्चे खुश दिखे तथा बच्चों का सौदर्य प्रसाधन की ओर मोह बढ़ा। डा0हरीशंकर पटेल विशिष्ट अतिथि ने पीएनबी किसान प्रशिक्षण केन्द्र तथा निदेशक विपिन यादव एवं उनके स्टाफ की तारीफ करते हुए कहां कि इस प्रशिक्षण केन्द्र से बच्चे फ्री प्रशिक्षण लेकर अपने पैरों में खड़े हो रहे है, यह जनपद इटावा के लिए गर्व की बात है।

सौंदर्य प्रसाधन (व्यूटी पॉलर्र) का प्रशिक्षण श्रद्धा पटेल (कॉस्मेटोलॉजी, ट्रायलॉजी एवं इलैक्टोलॉजी) संचालिका व्यूटी मंत्रा मेकओवर पक्का तालाब ने सौर्दय प्रसाधन में ट्रीटमेन्ट वेस फेसियल, मेकअप की प्रेक्टीकली एवं थ्योरी सहित जानकारी देते हुए बताया सौर्दय प्रसाधन में सदैव ब्रांडेड कम्पनियों के प्रोडक्ट ही इस्तेमाल करें साथ ही बच्चों से कहां कि कोई जरूरत या जानकारी चाहिए हो तो मुझसे फोन या मेरे पास आकर ले सकते है। सौन्दर्य प्रसाधन(व्यूटी पार्लर) का अतिम दिन कार्यक्रम का सफल संचालन संकाय सदस्य राजेश गुप्ता ने किया इस अवसर पर मलखान सिंह, देवराज वर्मा एवं उनकी टीम का सराहनीय योगदान रहा।

100 शैय्या युक्त स्वास्थ्य विंग चिकित्सालय का किया निरीक्षण

सोनभद्र। जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने आज पंचमुखी महादेव मंदिर के निकट निर्माणाधीन जिला सैनिक कल्याण भवन एवं पुनर्वास कार्यालय भवन एवं विश्राम गृह का औचक निरीक्षण किये, निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण कार्य हेतु प्रयोग की जाने वाली सरिया, सीमेंट, ईट आदि सामग्री की गुणवत्ता की जानकारी ली, इस दौरान जिलाधिकारी ने परियोजना प्रबन्धक यू0पी0 स्टेट कान्सट्रैक्शन डेवलपमेन्ट कारपोरेशन को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला सैनिक कल्याण भवन का निर्माण कार्य गुणवत्ता पूर्ण तरीके से सुनिश्चित किया जाये, निर्माण की गुणवत्ता में किसी प्रकार की लापरवाही व शिथिलता बरतने पर सम्बन्धित के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी, इस दौरान जिलाधिकारी ने प्रोजेक्ट मैनेजर से परियोजना की लागत हेतु स्वीकृत धनराशि व निर्माण कार्य पूर्ण किये जाने की तिथि के सम्बन्ध में जानकारी ली तो प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा बताया गया कि भवन निर्माण हेतु 4.8953 करोड़ रूपये स्वीकृत की गयी है।

अवैध और ओवरलोड परिवहन के मकडजाल को तोड़ पाने मे नाकाम परिवहन विभाग

अवधनामा संवाददाता

- परिवहन विभाग के अधिकारी सिर्फ औपचारिकतायें पूर्ण कर अपना दामन बचा रहै है
- खनिज विभाग द्वारा पकडी गाड़ियों का चालान कर खुद की पीठ थपथपा रहै है परिवहन विभाग के अधिकारी
- बाँदा के परिवहन विभाग मे जल्द हो सकती है कार्यवाही

बाँदा। आज भी ओवरलोड वाहनो से कराहती है बाँदा की सडके , ओवरलोड खनिज के परिवहन को तोड पाने मे बाँदा का परिवहन विभाग नाकाम साबित हो रहा है वहीं नवम्बर माह मे यातायात सडक सुरक्षा माह मनाने की औपचारिकतायें पूर्ण कर अपने आप को पाक साफ बताने वाले परिवहन अधिकारी खुद ही अपनी पीठ ठोंक कर एक दूसरे की वाहवाही मे लगे हैं वहीं दूसरी ओर खनिज विभाग पूरी मुस्तैदी से अवैध खनिज परिवहन करने वालो वाहनो पर लगातार कार्यवाही कर रहा है जिसके परिणाम स्वरूप परिवहन विभाग और सेलटैक्स को बैठे बैठे ही गाडियां चालान के लिये मिल रही हैं।

खनिज अधिकारी अर्जुन सिंह और खनिज निरीक्षक गौरव गुप्ता की लगातार छापामारी के परिणाम से ही गाडियां पकडी जाती है और इन्ही पकडी गयी गाडियों का चालान कर परिवहन विभाग खुद की पीठ थपथपा रहा है। वहीं दूसरी ओर यातायात सुरक्षा माह मे बडे बडे पंडाल लगाकर , भारी भरकम तामझाम दिखाने वाला परिवहन विभाग सरकारी वाहनो पर अपनी कृपा दृष्टी बनाये रखता है आज भी लगभग चालीस प्रतिशत सरकारी विभागो मे लगी गाडियों मे हाई सिक्योरिटी की नं. प्लेट नही लगी है परंतु मजाल है कि कभी चालान हो जाये, अघोषित टैक्सी स्टैंड पर परिवहन विभाग की नजरे नही पडती है, चाहे पूरे शहर मे जाम लग जाये लेकिन कभी अघोषित टैक्सी स्टैंड नही हटाया जा सकता है, महाराणा प्रताप चौक, कालू कुआं ओवरब्रिज्र , पूरे ओवरब्रिज मे , कचहरी चौहारा, क्योटरा मे पेट्रोल पम्प आदि अनेक स्थानों पर अघोषित टैक्सी और बस स्टैंड परिवहन विभाग के साथ मीठे रिश्ते बयां कर रहे है। वर्षो से जमे परिवहन अधिकारियों के मीठे रिश्ते और रिश्तेदारियां अब बाँदा पर भारी पड रही है ऐसे मे इन अधिकारियों का स्थानांतरण ही परिवहन विभाग के भ्रष्टाचार को तोड सकता है।

अडानी कौशल विकास केन्द्र के प्रशिक्षुओं को दिया गया प्रमाण पत्र

सोनभद्र/डाला। ए.सी.सी.सीमेंट वर्क्स सलाईबनवा के प्रोजेक्ट हेड नीरज त्रिपाठी जी के कुशल निर्देशन में अडानी फाउंडेशन द्वारा संचालित अडानी कौशल विकास केन्द्र के तहत प्रशिक्षुओं का निश्शुल्क सिलाई मशीन का प्रशिक्षण सम्पन्न होने पर एन.आर.एल.एम. के ब्लॉक मिशन मैनेजर नागेन्द्र कुमार, राजीव कुमार, समाजसेवी नंदलाल पांडेय और संकुल स्तरीय संघ की पदाधिकारी पूनम जी ने संयुक्त रूप से प्रमाण पत्र वितरण किया। इस अवसर पर अडानी फाउंडेशन के मनोज चौबे ने बताया कि कौशल विकास केन्द्र में दो - दो माह का प्रशिक्षण निरन्तर होता रहेगा इसी के तहत इस प्रशिक्षण मे कुल 30 प्रशिक्षुओं ने पूरे दो माहका प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस अवसर पर अडानी कौशल विकास केन्द्र की ओर से सौरभ रावत, प्रशिक्षिका नीलम और प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

तीसरी बार भाजपा की विजय पताका फहराकर इतिहास रचने का काम किया जाएगा: वीरेन्द्र

अवधनामा ब्यूरो

इटावा। इसी क्रम में पूर्व राज्यमंत्री, पूर्व प्रदेश मंत्री व जिला चुनाव अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने भाजपा कार्यालय पर प्रथम मण्डल व शक्ति धाम मैरिज होम में द्वितीय मण्डल की कार्यशाला में भाग लिया। इसी क्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत ने लखना मण्डल की कार्यशाला में रघुवीर वाटिका लखना में भाग लिया। मण्डल कार्यशाला को संबोधित करते हुए जिला चुनाव अधिकारी वीरेंद्र तिवारी ने कहा कि हम सभी पर मजबूत और सशक्त संगठन बनाने की जिम्मेदारी है ताकि आगामी 2027 के विधानसभा चुनाव में आप सभी के सहयोग से लगातार तीसरी बार भाजपा की विजय पताका फहराकर इतिहास रचने का काम किया जाएगा। बूथ अध्यक्ष व बूथ समिति भले ही सबसे निचली इकाई होती है लेकिन इन्ही देवतुल्य कार्यकर्ताओं के मेहनत, लगन व संघर्ष के दम पर सरकार बनती है। लखना मण्डल की कार्यशाला को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष संजीव राजपूत ने कहा कि 14 नवंबर तक सभी मंडलों की कार्यशाला सम्पन्न हो जाएंगी।

16 नवंबर से 18 नवम्बर के बीच जनपद के समस्त शक्ति केन्द्र स्तर पर कार्यशालाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें जाकर शक्ति केंद्र चुनाव अधिकारी बूथ अध्यक्षों व बूथ समितियों के गठन का कार्य सम्पन्न करेंगे। मण्डल कार्यशाला में प्रमुख रूप से पूर्व जिलाध्यक्ष रामकुमार चौधरी, वरिष्ठ भाजपा नेता रमेश राजपूत, अच्युत मिश्रा, अनिरुद्ध गुप्ता, बढ़पुरा ब्लॉक प्रमुख गणेश राजपूत, जिला सह-चुनाव अधिकारी हरनाथ कुशवाह, जिला मंत्री चक्रेश जैन, कोषाध्यक्ष संजीव भदौरिया, इटावा प्रथम मण्डल अध्यक्ष विवेक गुप्ता, इटावा द्वितीय मण्डल अध्यक्ष अनुग्रह सेंगर, लखना मण्डल अध्यक्ष विनय चौहान, गोविंद त्रिपाठी, महामंत्री प्रशांत दीक्षित, चंदन मिश्रा सहित मण्डल पदाधिकारी, मण्डल में निवास करने वाले प्रदेश, क्षेत्र, जिला व मोर्चाओ के पदाधिकारियों समेत वरिष्ठ भाजपा नेतागण व कार्यकर्ता बंधु उपस्थित रहे।

एनटीपीसी-विंध्याचल का 43वां स्थापना दिवस समारोह का किया गया आयोजन

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/विंध्यनगर। एनटीपीसी-विंध्याचल परियोजना मे दिनांक 12 नवंबर, 2024 को एनटीपीसी-विंध्याचल के 43वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशासनिक-भवन परिसर मे आयोजित इस कार्यक्रम में परियोजना प्रमुख(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार ने एनटीपीसी ध्वजारोहण किया और सभी ने एनटीपीसी गीत गाया। साथ ही मुख्य महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) समीर शर्मा एवं नामित परियोजना प्रमुख (सिमाद्री), मुख्य महाप्रबंधक(चिकित्सा) डॉ. बी सी चतुर्वेदी के साथ केक काटकर हवा मे रंग-बिरंगे गुब्बारों को उड़ाया गया, जिसने आसमान को जश्न में रंग दिया। इस शुभ अवसर पर महाप्रबंधक(आर एल आई) त्रिलोक सिंह, महाप्रबंधक(हरित रसायन) सुजय कर्माकर, महाप्रबंधक (मेंटीनेंस) ए जे राजकुमार, महाप्रबंधक(प्रचालन) राजशेखर पाला, महाप्रबंधक(संविदा एवं सामग्री) डी के अग्रवाल, महाप्रबंधक(परियोजना) अतिन कुंडु, मानव संसाधन प्रमुख(विंध्याचल) राकेश अरोड़ा, अन्य विभागाध्यक्ष/अनुभागाध्यक्ष, अध्यक्षा सुहासिनी संघ सरोजा फणि कुमार, उपाध्यक्षा (सुहासिनी संघ) नीता शर्मा व सारिका चतुर्वेदी एवं सुहासिनी संघ की अन्य पदाधिकारीगण, सीआईएसएफ उप कमांडेंट शिव कुमार एवं उनकी टीम, यूनियन/एसोसिएशन के पदाधिकारीगण, सभी स्कूलों के प्राचार्यगण,मीडिया प्रतिनिधिगण, सभी कर्मचारी एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहें।

अपने उद्बोधन में परियोजना प्रमुख(विंध्याचल) ई सत्य फणि कुमार ने कहा कि 12 नवंबर, 1982 को तत्कालीन प्रधानमंत्री स्वर्गीय श्रीमती इंदिरा गांधी के कर-कमलों से हमारी परियोजना की नींव रखी गई थी।

विंध्य मसाला यूनिट का किया गया शुभारंभ

अवधनामा संवाददाता

सोनभद्र/विंध्यनगर। एनटीपीसी विध्यांचल द्वारा अपनी नैगम सामाजिक दायित्व के तहत परियोजना के आसपास की ग्रामीण महिलाओ को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाता है। इसी कड़ी में दिनांक 13.11.2024 को अध्यक्षा,संयुक्ता महिला समिति किरण सिंह ने एनटीपीसी विंध्याचल नैगम सामाजिक दायित्व के अंतर्गत सुहासनी संघ के सौजन्य से स्वयं सहायता समूह द्वारा संचालित मसाला उत्पादन यूनिट का उदघाटन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना एवं स्व सहायता समूह का निर्माण कर मशाला उत्पाद सामग्री को मार्केट में बिक्री करने हेतु मशाला प्रोडक्शन यूनिट की स्थापना कर मार्केटिंग हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराना है। इससे पूर्व सूर्या भवन अतिथि गृह में अध्यक्षा,(सुहासिनी संघ) सरोजा फणि कुमार द्वारा अध्यक्षा(संयुक्ता महिला समिति) किरण सिंह, अध्यक्षा (उत्तरा महिला क्लब) विजया राव, अध्यक्षा (वर्तिका महिला मण्डल) अनीता मेदिरत्ता, अध्यक्षा (वनिता समाज) पीयूषा अकोटकर, वरिष्ठ सदस्या (संयुक्ता महिला समिति) सुनीता जयकुमार श्रीनिवासन, मीनाक्षी श्रीवास्तव, आभा जाडली, अनुपमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ सदस्या(उत्तरा महिला क्लब) संगीता सिन्हा रॉय और अन्य गणमान्य अतिथियों का स्वागत परियोजना के अतिथि गह सूर्या भवन मे पुष्पगुच्छ प्रदान कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अध्यक्षा(संयुक्ता महिला समिति) किरण सिंह, अध्यक्षा (उत्तरा महिला क्लब) विजया राव, अध्यक्षा (वर्तिका महिला मण्डल) अनीता मेदिरत्ता, अध्यक्षा (वनिता समाज) पीयूषा अकोटकर, अध्यक्षा, (सुहासिनी संघ) सरोजा फणि कुमार, वरिष्ठ सदस्या (संयुक्ता महिला समिति) सुनीता जयकुमार श्रीनिवासन, मीनाक्षी श्रीवास्तव, आभा जाडली, अनुपमा श्रीवास्तव, वरिष्ठ सदस्या(उत्तरा महिला क्लब) संगीता सिन्हा रॉय और उपाध्यक्षा (सुहासिनी संघ एनटीपीवी विंध्याचल) नीता शर्मा व सारिका चतुर्वेदी के साथ-साथ सुहासिनी संघ की अन्य पदाधिकारी एवं सदस्याओं के साथ-साथ कार्यपालक (सीएसआर) निखिल जायसवाल, मसाला उत्पादन यूनिट के लिए बनाए गए स्व-सहायता समूह के सदस्य के साथ-साथ सीएसआर टीम के अन्य सदस्यगण भी उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की दशम बैठक संपन्न

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। जिला सड़क सुरक्षा समिति की नवम बैठक कलेक्ट्रेट स्थित डॉ एपीजे अब्दुल कलाम सभागार में संपन्न हुई। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक डॉ नागेंद्र नाथ यादव ने कहा कि स्कूलों में बच्चों के लिए चलने वाले वाहनों/बसों आदि का फिटनेस परीक्षण कर लिया जाए ,स्कूलों में अनफिट वाहन किसी भी दशा में ना चले। कहा कि स्कूलों में छात्र छात्राओं को लाने - ले जाने वाले विद्यालय द्वारा अनुबंधित वाहन नियमानुसार पूर्णतया फिट होना चाहिए तथा उसमे सभी वैध प्रपत्र होने चाहिए। अनफिट/ गैर मानक वाले वाहन किसी भी दशा में सड़को पर नहीं चलने चाहिए।

सड़कों पर गोवंशों के बैठने से दुर्घटनाए होती है अतः पुलिस, राजस्व एवं पशुपालन विभाग की टीम द्वारा यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी दशा में कोई भी गोवंश सड़क पर नहीं बैठना चाहिए, इसकी नियमित रूप से मॉनिटरिंग की जाए। आने वाले ठंड के सीजन / कोहरे आदि के दृष्टिगत सड़क सुरक्षा उपायों एंटी स्मॉगर आदि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। राठ मोड़ कुछेछा एवं यमुना व बेतवा पुल पर प्रकाश की व्यवस्था की जाय।अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व विजय शंकर ने कहा कि जनपद में सेतुओं के पास प्रकाश की उचित व्यवस्था रखी जाए। आबादी क्षेत्र में ,तीव्र मोड़ो पर रिफ्लेक्टर एवं अन्य सुरक्षात्मक उपकरण लगाए जाए। कहा कि दुर्घटना बाहुल्य स्थलों / हॉट स्पॉट का चिन्हांकन कर वहां पर जरूरी यातायात संकेतक, साइन बोर्ड आदि लगवाए जाएं। ओवरलोड वाहनों तथा अनफिट वाहनों पर लगातार प्रवर्तनीय कार्रवाई की जाय। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु सभी विभागों द्वारा समेकित प्रयास किए जाएं ल। सड़क दुर्घटनाओं को रोकने हेतु हर संभव प्रयास किए जाएं। बैठक में एसडीएम व सीओ सदर, एआरटीओ प्रवर्तन व प्रशासन, सीओ ट्रैफिक ,राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के प्रतिनिधि तथा अन्य संबंधित मौजूद रहे।

78 लाख के लागत से 1200 मी नाली निर्माण कार्य शुरू

- सदर ब्लाक अंतर्गत बेठीगाव गांव में हुआ कार्य प्रारंभ
- कार्यदाई संस्था क्षेत्र पंचायत रावटसगंज द्वारा कराया जाएगा निर्माण कार्य

अवधनामा ब्यूरो

सोनभद्र। रावटसगंज क्षेत्र पंचायत क्षेत्र के ग्राम पंचायत बेठीगाव गांव में बुधवार को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी के नेतृत्व में 1200 मी खनिज निधि से नाली निर्माण कार्य का पूजन अर्चन कर शुभारंभ किया गया। प्रधान प्रतिनिधि अनूप तिवारी ने बताया कि 1200 मी खनिज निधी के द्वारा नाली निर्माण कार्य सिरपालपुर माइनर से अमृतसर तालाब बेठिगांव तक करवाई संस्था क्षेत्र पंचायत रावटसगंज द्वारा कराया जाएगा लगभग 78 लाख के लागत से यह नाली निर्माण कार्य पूर्ण होगा जिससे गांव में बरसात हुआ घरों के पानी का निकासी साथ ही माइनर का पानी का संरक्षण हो सकेगी। जिससे के वाटर लेवल भी बना रहेगा। वही श्री तिवारी ने बताया कि बेठीगाव गांव में नाली निकासी को लेकर पानी जमा कि काफी समस्या आ रही थी जिसको लेकर संबंधित अधिकारियों से मिलते हुए कार्य प्रारंभ कराया गया जिस पर ग्राम वासियों की मदद से विकास कार्य पुरा कराया जाएगा। इस मौके पर ओमप्रकाश मौर्या ललन कुशवाहा उपेंद्र कुशवाहा राम गति राजेश सुरजनाथ बहादुर विश्वकर्मा दसरथ सहित ग्रामीण मौजूद रहे।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के संबंध में बैठक संपन्न

- जिले के एक गांव को सोलर विलेज के रूप में किया जाएगा विकसित

अवधनामा संवाददाता

हमीरपुर। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना ÷पीएम सूर्य घर, मुफ्त बिजली योजना÷ के सम्बन्ध में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन जिलाधिकारी घनश्याम मीना की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुक्त बिजली योजना के अंतर्गत जनपद के एक गांव को सोलर विलेज के रूप में चयनित कर उसे विकसित किया जाना है । सोलर विलेज के रूप में चयनित होने वाले गांव को भारत सरकार द्वारा एक करोड रुपए की अतिरिक्त सहायता भी प्रदान की जाएगी। इस धनराशि से गांव में सौर ऊर्जा संयंत्र व अन्य गैर परंपरागत ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे। सोलर विलेज के रूप में चयनित होने वाले गांव की न्यूनतम आबादी 5000 होगी। ज्ञात हो कि जनपद में 5000 से अधिक की जनसंख्या वाले 21 गांव हैं । इन गांव में से जिन गांवों में फरवरी 2025 तक सर्वाधिक क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र/ गैर परंपरागत ऊर्जा संयंत्र स्थापित होंगे उसी ग्राम पंचायत का चयन किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा कि प्रधानों व सचिवों द्वारा सोलर विलेज के रूप में अपने गांव के चयन हेतु प्रभावी ढंग से प्रयास किया जाए तथा अधिक से अधिक सौर ऊर्जा व अन्य गैर परंपरागत ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने का कार्य किया जाए। अपने गांव को मॉडल सोलर विलेज के रूप में विकसित करने हेतु संबंधित प्रधान व सचिव द्वारा युद्ध स्तर पर कार्य किया जाए तथा लोगों को सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने हेतु जागरूक किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में जनपद को जो लक्ष्य दिया गया है उस लक्ष्य को अधिक से अधिक शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को जागरुक कर पूर्ण किया जाए। यह सरकार की बहुत ही महत्वाकांक्षी योजना है इस योजना के तहत बिजली बिल में अधिक से अधिक बचत हो सकेगी और लोगों को लाभ मिल सकेगा। यह योजना उपभोक्ताओं के हित के लिए लाभकारी सिद्ध होगी, इसके लाभ के बारे में लोगों जानकारी दी जाए।

कृषि मंत्री ने किया खाद विक्रय केंद्रों का निरीक्षण

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही द्वारा बुधवार को खाद के भंडारण की स्थिति तथा किसानों को की जा रही आपूर्ति की स्थिति देखने के लिए जनपद के विभिन्न स्थानों पर औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न खाद विक्रय केंद्रों पर आए हुए किसानों से बातचीत की तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने साधन सहकारी समिति मलौली गोसाईगंज लखनऊ तथा साधन सहकारी समिति शिवलर, गोसाईगंज में भंडारण की स्थिति तथा आपूर्ति की व्यवस्था को देखा। उन्होंने विभिन्न खाद विक्रय केंद्रों पर आए हुए किसानों से बातचीत की तथा उन्हें भरोसा दिलाया कि खाद की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है इसलिए उन्हें आवश्यकता से अधिक भंडारण की जरूरत नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे स्वयं निगरानी कर यह सुनिश्चित करें कि प्रत्येक किसान को आसानी से खाद मिल सके।

इस दौरान उनके साथ संयुक्त निदेशक अनिल पाठक तथा उपनिदेशक अनिल यादव उपस्थित रहे।

कृषि क्षेत्र के विकास के लिए 6.71 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति

लखनऊ। वित्तीय वर्ष 2024-25 में कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर हेतु प्राविधानित धनराशि रू0 780.00 लाख में से अवशेष धनराशि रू0 650.00 लाख के सापेक्ष द्वितीय किश्त रू0 216.66 लाख (रु0 दो करोड़ सोलह लाख छियासठ हजार) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, मोदीपुरम, मेरठ की स्थापना हेतु प्राविधानित धनराशि रु0 700.00 के सापेक्ष अवशेष धनराशि रु0 583.34 लाख में से द्वितीय किश्त के रूप में धनराशि रु0 194.44 लाख (रु0 एक करोड़ चौरान्नवे लाख चौवालिस हजार) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है। इसके साथ ही कृषि विश्वविद्यालय, कानपुर हेतु भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के सहयोग से संचालित योजना के मद में धनराशि रु0 700.00 के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में रु0 194.44 लाख (रु0 एक करोड़ चौरान्नवे लाख चौवालिस हजार) की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है।

यूपी में होगा कई प्रदेशों की जनजाति संस्कृतियों का संगम: असीम अरुण

- 15 से 20 नवंबर तक चलेगा अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव
- बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर होंगे विविध आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के समाज कल्याण, अनुसूचित जाति एवम जनजाति कल्याण विभाग, पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 15 से 20 नवंबर तक अंतरराष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव मनाया जाएगा। बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय गौरव दिवस) पर उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी में मेजबान राज्य समेत देश-विदेश की लोक संस्कृति उतरेगी। आयोजन का शुभारंभ माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी करेंगे। इसमें स्लोवाकिया व वियतनाम के लोक कलाकारों द्वारा भी कार्यक्रम प्रस्तुत होगा। ''अंतर्राष्ट्रीय जनजाति भागीदारी उत्सव'' से पूर्व लोक भवन स्थित मीडिया सेंटर में आयोजित कर्टेन रेजर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाज कल्याण मंत्री, अनुसूचित जाति-जनजाति कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने बताया कि उद्घाटन समारोह के उपरांत 11 बजे से सांस्कृतिक समागम शोभायात्रा भी निकलेगी, जिसमें मेजबान उत्तर प्रदेश समेत अनेक राज्यों के कलाकार शामिल होंगे। प्रतिदिन शाम पांच से सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे। इसमें सहरिया, बुक्सा आदि जनजाति के लोकनृत्य का भी अवलोकन किया जा सकेगा तो वहीं दूसरी तरफ जनजाति लोकवाद्यों को भी मंचीय प्रदर्शन होगा। पोथी घर में जनजाति साहित्य के पुस्तकों का भी अवलोकन कर सकेंगे।

71वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह-2024 आज से

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। 71वाँ अखिल भारतीय सहकारी सप्ताह-2024 के अवसर पर उत्तर प्रदेश कोआपरेटिव यूनियन लि0 एवं इण्डियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लि0 के संयुक्त तत्वावधान में ''सहकारिता मंत्रालय की नई पहलों के माध्यम से सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाना'' विषय पर कल दिनांक 14 नवम्बर, 2024 को पूर्वाह्न 10:30 बजे लखनऊ स्थित चौधरी चरण सिंह पी0सी0यू0 सभागार में विचार गोष्ठी का आयोजन किया जायेगा। गोष्ठी के मुख्य अतिथि सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जे0पी0एस0 राठौर होंगे तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता उ0प्र0 कोआपरेटिव यूनियन लि0 के अध्यक्ष सुरेश गंगवार द्वारा की जायेगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमुख सचिव सहकारिता एम0पी0 अग्रवाल तथा आयुक्त एवं निबंधक सहकारिता विभाग वी0एन0 सिंह होंगे।

पिपराघाट से शहीद पथ के बीच बंधा और 4 लेन सड़क निर्माण का रास्ता साफ

- बारिश के मौसम में सैन्य भूमि पर होने वाले जलभराव से स्थायी निजात मिलेगी

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ग्रीन कॉरीडोर परियोजना पार्ट-3 के तहत पिपराघाट से शहीद पथ के बीच बंधा और 4 लेन सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। सैन्य मंत्रालय ने छावनी क्षेत्र की 21.81 हेक्टेयर भूमि लविप्रा को देने के लिए अनुमति प्रदान कर दी है। यहां बंधे का निर्माण होने से बारिश के मौसम में सैन्य भूमि पर होने वाले जलभराव से स्थायी निजात मिलेगी। इसके अलावा छावनी में रहने वाले सेना के अधिकारियों व आम नागरिकों को एयरपोर्ट तक आने-जाने के लिए सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। लविप्रा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि ग्रीन कॉरीडोर परियोजना पार्ट-3 के तहत पिपराघाट से शहीद पथ के बीच गोमती नदी के किनारे दाहिने तट पर 5.8 किलोमीटर लम्बे फ्लड इम्बैकमेण्ट का निर्माण होना है। इसमें 2.8 किलोमीटर बंधे का हिस्सा छावनी क्षेत्र में आ रहा है, जिसके लिए लगभग 21.81 हेक्टेयर सैन्य भूमि प्राधिकरण को चाहिए थी। सैन्य मंत्रालय ने सेना की भूमि पर बंधा और 4 लेन सड़क निर्माण कराने के लिए लविप्रा को अनुमति प्रदान कर दी है। मंगलवार को सैन्य मंत्रालय की ओर से अनुमति पत्र प्राप्त हो गया, जिसमें सेना की तरफ से कुछ दिशा-निर्देश दिये गये हैं, जिसका पालन कराते हुए बंधे का निर्माण कराया जाएगा। लविप्रा उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि ग्रीन कॉरीडोर परियोजना पार्ट-3 के तहत पिपराघाट से शहीद पथ के बीच बंधे और 4 लेन सड़क निर्माण होने से शहर की बड़ी आबादी को सुगम आवागमन का बेहतर विकल्प मिलेगा। बंधा बनने से बारिश के मौसम में क्षेत्र में होने वाले जलभराव से स्थायी निजात मिलेगी और बाढ़ से प्रभावित होने वाली सैन्य भूमि की उपयोगिता भी बढ़ेगी। लोगों को एयरपोर्ट तक आने-जाने में सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। 3 अण्डरपास/रोटरी होगी विकसित लविप्रा के प्रोजेक्ट इम्पलीमेंटेशन यूनिट प्रभारी ए.के. सिंह सेंगर ने बताया कि बंधा बनने से सेना की भूमि 2 भागों में बंट जाएगी। सेना ने छावनी क्षेत्र में आंतरिक आवागमन के लिए बंधे में 3 अण्डरपास या रोटरी बनाने के निर्देश दिये हैं। साथ ही बंधा निर्माण के लिए मिट्टी खोदाई सेना की भूमि से न करने का निर्देश भी दिया गया है। घुसपैठ रोकने को समुचित उपाय सेना के बंधा व 4 लेन सड़क निर्माण में सुरक्षा के जरूरी उपाय भी शामिल करने के निर्देश दिये गये हैं। इसमें कहा गया है कि बंधा बनने और उस पर यातायात संचालित होने से कोई भी व्यक्ति/वाहन छावनी में अवैध रूप से प्रवेश न कर सके, इसके लिए संबंधित क्षेत्र में बैरीकेडिंग आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करानी होगी। लिंक होगा दिलकुशा सेना के निर्देश में छावनी क्षेत्र में रहने वाले सेना के अधिकारियों व जवानों के सुगम आवागमन के लिए ग्रीन कॉरीडोर से दिलकुशा तक एक लिंक प्रदान किया जाएगा।

प्रवासी मतदाता केवल भारतीय पासपोर्ट से पहचान सिद्ध कर सकेंगे

- आगामी उप-निर्वाचन में मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने हेतु भारत निर्वाचन आयोग ने दिये निर्देश

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग ने उत्तर प्रदेश के आगामी उप निर्वाचन में मतदाताओं की पहचान सुनिश्चित करने और निर्वाचन में प्रतिरूपण को रोकने के लिए निर्देश जारी किए हैं। 16-मीरापुर, 29-कुन्दरकी, 56-गाजियाबाद, 71-खैर (अ0जा0), 110-करहल, 213-सीसामऊ, 256-फूलपुर, 277-कटेहरी, और 397-मझवां विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 20 नवम्बर, 2024 को मतदान आयोजित किया जाएगा, जिसमें प्रत्येक मतदाता को अपनी पहचान सिद्ध करने के लिए मतदाता फोटो पहचान पत्र (एपिक) प्रस्तुत करना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी उत्तर प्रदेश नवदीप रिणवा ने यह भी बताया कि ऐसे मतदाता जो अपना मतदाता फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सकते, उन्हें अपनी पहचान साबित करने के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, बैंक या डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, श्रम मंत्रालय का स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) के अंतर्गत जारी स्मार्ट कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटोयुक्त पेंशन दस्तावेज, केंद्र या राज्य सरकार, लोक उपक्रम या पब्लिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा अपने कर्मचारियों को जारी फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, सांसदों/विधायकों /विधान परिषद सदस्यों को जारी सरकारी पहचान पत्र, या सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा जारी यूनिक डिसएबिलिटी आईडी (यूडीआईडी) कार्ड जैसे वैकल्पिक फोटो पहचान दस्तावेजों में से कोई एक प्रस्तुत करने की अनुमति होगी।

संक्षिप्त समाचार

आरडीएसओ में विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया

लखनऊ। आरडीएसओ अस्पताल मे विश्व मधुमेह दिवस मनाया गया। कार्यक्रम मेंडॉ. मेराज अहमद ने मधुमेह के प्रकार , उसके दुष्प्रभाव एवं उससे कैसे बचाव किया जाए इस बारे में विस्तृत जानकारी दी। सीनियर डीएमओ डॉ. अनुज कुमार सिंह ने मधुमेह होने पर उसे कैसे कंट्रोल किया जाए इसके बारे में अवगत कराया। इस कार्यक्रम में डॉ. मृदुल शुक्ला,डॉ. सुरजीत प्रताप सिंह एवं ए. के. सोनी, निदेशक/ भंडार भी मौजूद रहे।

उत्तर प्रदेश प्रगति के पथ पर निरंतर अग्रसर: केशव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य बुधवार जनपद कानपुर देहात के अखण्ड परमधाम नंदिनी गौशाला सेवा समिति, मुक्तानगर, मूसानगर कानपुर देहात में 32वें भक्ति योग वेदांत संत सम्मेलन श्रीमद्भागवत कथा और शतचंडी महायज्ञ एवं सामूहिक विवाह कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने अपने सम्बोधन में सरकार की उपलब्धियों व सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री, व मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व में देश एवं प्रदेश लगातार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। हमारी सरकार की योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच रही हैं व लोगों के जीवनस्तर में गुणात्मक सुधार हो रहा है। उप मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हमारी सरकार विकसित भारत के संकल्प को लेकर लगातार आगे बढ़ रही है। इस अवसर पर उन्होंने क्षेत्र की समस्याओं के समाधान व विकास के बारे में लोगों को आश्वस्त किया।

बादशाहनगर स्टेशन पर जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र परियोजना के तहत दरभंगा से वीडियो कान्फ्रेन्सिंग के जरिये बादशाहनगर स्टेशन पर बुधवार को जन औषधि केन्द्र का उद्घाटन किया। यहां खुले जन औषधि केन्द्र पर 50 से 60 फीसदी तक सस्ती दवाएं मिलेंगी। जिसमें कैंसर की 10 और हड्डी रोग से संबंधित दवाएं 11 रुपये में ही मिलेंगी। इन ब्रांडेड दवाओं की कीमत बाजार में 200 रुपये से ज्यादा है। उद्घाटन के दौरान मौजूद महापौर सुषमा खर्कवाल ने बताया कि जन औषधि केन्द्र से लोगों को काफी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि उनकी कोशिश है कि वह कोशिश करके लखनऊ के सभी 110 वॉर्डो में एक एक जन औषधि केन्द्र खोलेंगी। महापौर ने कहा कि रेलवे स्टेशनों के साथ ही बस अड्डों पर भी यह सुविधा होनी चाहिये। इस अवसर पर पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मंडल के डीआरएम आदित्य कुमार ने बताया कि जन औषधि केन्द्र से जेनरिक दवा को बढ़ावा मिलेगा। इससे आमजन को सस्ती दवाएं मिलेंगी। साथ ही में रोजगार भी मिलेगा। उन्होंने बताया कि लखनऊ जंक्शन, ऐशबाग और बादशाहनगर रेलवे स्टेशन पर औषधि केंद्र को मंजूरी मिली थी। यहां पर हृदय रोग, कैंसर, डायबिटीज, इंफेक्शन, एलर्जी और दर्द आदि बीमारियों की सस्ती दरों पर दवाएं मिलेंगी। बादशाहनगर में औषिध केन्द्र पर बाहर दो सौ रुपये की टोमेक्सीफेन कैंसर की दवा 10 रुपये, 55 वाली जीरोडॉल पी 11 रुपये 550 रुपये का च्यवनप्राश 226, माइग्रेन की लिवोपीन 68 रुपये और एसिडिटी के लिए पैन्टॉप 22 रुपये की मिलेगी।

पीएनबी ने इको-फ्रेंडली पलाश डेबिट कार्ड लॉन्च किया

लखनऊ। पंजाब नैशनल बैंक (पीएनबी), देश के अग्रणी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ने अपनी दीर्घकालिक पहल के अंतर्गत रिसाइकिल किए गए पीवीसी प्लास्टिक(आरपीवीसी) से बने डेबिट कार्ड का नया संस्करण ÷पीएनबी पलाश डेबिट कार्ड÷ लॉन्च किया। इस इको-फ्रेंडली कार्ड में ऐसी सामग्रियों का उपयोग हुआ है जो भूमि में अपघटित हो जाती हैं, जिससे पर्यावरण को होने वाला नुकसान कम होता है। पीएनबी पलाश डेबिट कार्ड मौजूदा रुपे प्लेटिनम डेबिट कार्ड वैरिएंट की सभी सुविधाएँ प्रदान करता है। एनपीसीआई द्वारा प्रदान की जाने वाली नियमित छूट या ऑफ़र समय-समय पर बदलते रहते हैं। पलाश डेबिट कार्ड वे सभी ग्राहक ले सकते हैं जो डेबिट कार्ड जारी करने के लिए पात्र हैं। प्राथमिक डेबिट कार्ड जारी करने का शुल्क 250 रुपये प्लस टैक्स है। कार्ड खोने, क्षतिग्रस्त होने या ब्लॉक होने के कारण नया कार्ड लेने की स्थिति में, प्रतिस्थापन शुल्क भी 250 रुपये प्लस टैक्स है। इसके अतिरिक्त, 250 रुपये प्लस टैक्स का वार्षिक शुल्क भी है। डेबिट कार्ड लेनदेन पर लागू सभी अन्य शुल्क भी इस कार्ड वैरिएंट पर लागू होंगे।

बीकेटी में 10 लाख की अवैध शराब बरामद

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। आबकारी टीम लखनऊ द्वारा आज बीकेटी के इंदौराबाग में भारी मात्रा में चंडीगढ से बिहार जा रही अवैध शराब पकड़ी गई है। ट्रक से लगभग 10 लाख रुपए कीमत की 913 लीटर अवैध शराब बरामद हुई और चालक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। यह जानकारी जिला आबकारी अधिकारी, लखनऊ राकेश कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि आबकारी टीम को सूचना मिली कि एक ट्रक जीरकपुर पंजाब से अवैध शराब लेकर लखनऊ के रास्ते पटना, बिहार जा रहा है। ट्रक को पकड़ने के लिए आबकारी निरीक्षकों की एक टीम गठित की गई। ट्रक सीतापुर के रास्ते होते हुए आज सुबह लगभग 5.15 बजे लखनऊ के इंदौराबाग चौराहे के पास पहुंचा। आबकारी टीम द्वारा वाहन को रोक कर चालक से पूछताछ की गई। चालक द्वारा ट्रक में दवाई तथा मुर्गी दाने की बोरियां बताई गई, किंतु ट्रक की सघनता से तलाशी ली गई तो मुर्गी दाने की बोरियां तथा दवाई के गत्तों के बीच छुपाकर अवैध मदिरा रखी पायी गई। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि ट्रक से चंडीगढ़ केंद्र शासित प्रदेश में बिक्री हेतु अनुमन्य रॉयल चौलेंज व्हिस्की के 344 बोतल (प्रत्येक 2 लीटर) तथा रॉयल बैरल सलेक्ट व्हिस्की के 300 बोतल (प्रत्येक 750 एमएल) सहित कुल 913 लीटर अवैध शराब बरामद हुई, जिसकी कीमत उत्तर प्रदेश में लगभग 10 लाख रुपए है।

भाषा वि.वि. में दीक्षोत्सव के तीसरे दिन एकल गायन एवं नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय में चल रहे दीक्षोत्सव 2024 का तीसरा दिन था जिसमें विद्यार्थियों ने लोक कलाओं में अपना कौशल प्रस्तुत किया। तीसरे दिन एकल गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें भजन और ग़ज़ल विधाओं में छात्र-छात्राओं ने अपनी गायन प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. ततहीर फातिमा और समन्वय डॉ. मजहर खालिक ने किया। प्रतियोगिता में ग़ज़ल और भजन के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी भावनाओं को संगीतमय तरीके से प्रस्तुत किया, जिससे दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। ग़ज़ल श्रेणी में खुश्बू तिवारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मोहम्मद मुजम्मिल को दूसरा स्थान और शाहीन खानम को तीसरा स्थान मिला। वहीं, भजन श्रेणी में प्रियांशु दीक्षित ने प्रथम स्थान प्राप्त किया और आकांक्षा सिंह चौहान ने दूसरा स्थान हासिल किया। डॉ. ताहिरा फातिमा ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता छात्रों के आत्मविश्वास और उनकी सांस्कृतिक प्रतिभा को निखारने का एक माध्यम है। डॉ. मजहर खालिक ने भी इस आयोजन की सराहना की और कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम छात्रों में सांस्कृतिक मूल्यों को प्रोत्साहित करते हैं।

शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रतियोगिता

दीक्षोत्सव की श्रृंखला में शास्त्रीय और लोक नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी नृत्य प्रतिभा का अद्भुत प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सैयद हैदर अली ने किया और समन्वयक के रूप में प्रो. एहतेशाम अहमद ने भूमिका निभाई। प्रतियोगिता में शास्त्रीय और लोक नृत्य थीम पर आधारित प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने भारतीय सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े विभिन्न लोक और शास्त्रीय नृत्य प्रस्तुत किए, जिनमें कथक, भरतनाट्यम, गरबा, भांगड़ा, और अन्य पारंपरिक नृत्यों की झलक दिखाई दी। इस अवसर पर बोलते हुए प्रो. सैयद हैदर अली ने कहा, इस प्रतियोगिता के माध्यम से छात्रों को भारतीय शास्त्रीय और लोक कलाओं के प्रति प्रेम और समझ विकसित करने का अवसर मिला।

बुलडोजर कार्रवाई के फैसले का कांग्रेस ने किया स्वागत

- योगी सरकार की असंवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कदम

अवधनामा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश की योगी सरकार के बुलडोजर नीति के तहत बिना किसी विधिक प्रक्रिया के किसी आरोपी के घर को तोडने् के उच्चतम न्यायालय के आदेश का कांग्रेस ने स्वागत किया है। पार्टी ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने सम्पत्तियों को ध्वस्त करने से पहले प्रशासन के पालन किये जाने वाले दिशा-निर्देश भी जारी किये हैं। प्रदेश उपाध्यक्ष व प्रभारी प्रशासन दिनेश सिंह ने कहा कि उच्चतम न्यायालय का यह निर्णय भले ही देर से आया लेकिन यह निर्णय प्रदेश में अब योगी सरकार की असंवैधानिक गतिविधियों पर रोक लगाने में महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। उच्चतम न्यायालय ने अपने आदेश में विस्तृत फैसला देते हुए यह भी आदेश दिया है कि योगी सरकार के पूर्व में किये गैर कानूनी ढंग से ध्वस्तीकरण का आदेश देने वाले प्रशासनिक अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए और पीड़ितों को पहुंचायी हानि की भरपाई के लिए उचित मुआवजा दिया जाए। श्री सिंह ने सरकार से उच्चतम न्यायालय के निर्देश पर विधि विरुद्ध बुलडोजर नीति से की गयी कार्रवाई के पीड़ित परिवारो को उनके नुकसान का मुआवजा देने और दोषी अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उच्चतम न्यायालय का निर्णय भाजपा के मुंह पर तमाचा- शाहनवाज आलम वहीं कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव व बिहार के सहप्रभारी शाहनवाज आलम ने उच्चतम न्यायालय के निर्णय को भारतीय जनता पार्टी के मुंह पर तमाचा बताया है। श्री आलम ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने आज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा शासित राज्यों में वोट न देने वाले तबकों के लोगों के घरों के ध्वस्तीकरण को अवैध साबित कर दिया। फैसले ने यह भी साफ किया है कि देश बहुसंख्यकवादी गुण्डागर्दी से नहीं बल्कि संविधान से चलेगा। इसलिए अगर भाजपा वास्तव में संविधान का सम्मान करती है तो योगी आदियत्नाथ को मुख्यमंत्री पद से हटा दे। श्री आलम ने अपने बयान में कहा कि उच्चतम न्यायालय को सुनिश्चित करना होगा कि उसकी जारी गाइडलाइन का राज्य सरकारें कड़ाई से पालन करें। ऐसा न होने पर न्यायपालिका के प्रति लोगों का भरोसा कम होगा, जैसा कि पूर्व मुख्य न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़ के कार्यकाल में हो गया था कि जब सरकार विरोधी फैसले आते तो आ जाते थे लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं होती थी।